



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

2 Ken  
10-1-85

सं० 380]  
No. 380]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 27, 1984/आश्विन 5, 1906  
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 27, 1984/ASVINA 5, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग,

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1984

अधिसूचना

सा० का० नि० 686 (अ) :—खादी और ग्रामोद्योग  
आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 61) की धारा  
27 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खादी और  
ग्रामोद्योग आयोग, भारत सरकार की पूर्व अनुमति से एतद्-  
द्वारा निम्न विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय-1

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ (1) इन विनियमों का नाम  
खादी और ग्रामोद्योग कर्मचारी (पेंशन) विनियम, 1984  
है।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से प्रवृत्त हो जाएंगे।

2. लागू होना :—इन विनियमों में जैसा अन्यथा उप-  
बंधित है उसके सिवाय, कथित उपयोग के अधीन पदों पर  
अधिष्ठायी रूप से नियुक्त खादी और ग्रामोद्योग के नियमित  
स्थापना में धारित आयोग के सभी कर्मचारियों पर लागू  
होंगे, लेकिन आयोग के ऐसे कर्मचारियों पर लागू नहीं होंगे  
जो व्यापारिक स्थापना में हैं।

परन्तु यह तब जबकि आयोग के किसी कर्मचारी के  
सेवा निवृत्त की आयु में पड़ने पर या कर्मचारी द्वारा कम से  
कम 20 वर्ष तक अस्थायी सेवा में रहने पर उसे किसी उप-  
युक्त चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा कथित आयोग के अन्तर्गत  
आगे सेवा करने के लिए पूर्ण अयोग्य ठहरा दिये जाने पर उसे  
इन विनियमों की परिधि में लाया जायेगा तथा किसी अधि-  
ष्ठायी हेतियत में पद धारित करने की शर्त को उसके मामले  
में छोड़ दिया जायेगा।

परन्तु यह और कि इन विनियमों में से कुछ भी आयोग  
के ऐसे कर्मचारी पर लागू नहीं होगा, जो इन विनियमों के  
प्रवृत्त होने के दिनांक को आयोग की सेवा में रहते हुए इन

विनियमों से नियंत्रित न होने के लिए लिखित रूप में इच्छा प्रकट करता ।

स्पष्टीकरण : (1) इन विनियम के उद्देश्य के लिए "नियमित स्थापना में धारित आयोग के कर्मचारी" से कथित आयोग के ऐसे सभी कर्मचारी अभिप्रेत है जो काल वेतन मान में हैं, लेकिन इसमें निम्नलिखित सम्मिलित नहीं होंगे:—

- (क) सरकारी कर्मचारी एवं अन्य कर्मचारी जो आयोग में प्रतिनियुक्ति पर सेवारत हैं।
- (ख) प्रशिक्षु एवं प्रशिक्षार्थी
- (ग) अवैतनिक कार्यकर्ता
- (घ) आकस्मिक एवं दैनिक मजदूरी पर नियुक्त व्यक्ति।
- (ङ) विशिष्ट योजनाओं के लिए विशिष्ट अवधि हेतु संविदा आधार पर नियुक्त व्यक्ति।
- (च) सेवा निवृत्त पुनर्नियुक्त कर्मचारी।

(2) "व्यापारिक स्थापना में आयोग के कर्मचारी" से आयोग के ऐसे कर्मचारी अभिप्रेत हैं, जिनका खर्च व्यापारिक गतिविधियों के उपाजनों से लिया जाता है, जिसके लिए राशि केन्द्रीय सरकार से प्राप्त ऋणों से प्रदान की जाती है।

3. परिभाषाएं : इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

- (1) "अधिनियम" से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम 1956 (1956 का 61) अभिप्रेत है।
- (2) "आर्बिटरी" से आयोग का ऐसा कर्मचारी अभिप्रेत है जिसे लायसेंस शुरू या अन्यथा के भुगतान पर आयोग का आवास आर्बिट किया गया है।
- (3) "औसत परिलब्धियाँ" से ऐसी औसत परिलब्धियाँ अभिप्रेत हैं जो विनियम 31 के अनुसार अवधारित की गई हों।
- (4) "नियुक्तकर्ता प्राधिकारी" से आयोग के अन्तर्गत ऐसा प्राधिकारी अभिप्रेत है जिसे आयोग अथवा मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा नियुक्ति करने के लिए समय-समय पर शक्तियाँ प्रत्यायोजित की जाती हों।
- (5) "मुख्य कार्यपालक अधिकारी" से आयोग द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग नियम, 1957 के नियम 8 के अधीन नियुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी अभिप्रेत है।
- (6) "मुख्य लेखाधिकारी" से आयोग का मुख्य लेखाधिकारी अभिप्रेत है तथा इसके अन्तर्गत आयोग

के अधीन कोई ऐसा प्राधिकारी भी सम्मिलित है जिसे मुख्य कार्यपालक अधिकारी या आयोग द्वारा इन विनियमों के अन्तर्गत मुख्य लेखाधिकारी को सौंपे गये कार्यों को निपटाने के उद्देश्य से शक्तियाँ प्रत्यायोजित की गयी हों।

- (7) "बालक" से आयोग के किसी कर्मचारी का बालक अभिप्रेत है जो, यदि पुत्र है तो इक्कीस वर्ष से कम आयु का हो और यदि पुत्री है तो अविवाहिता हो और चौबीस वर्ष से कम आयु की हो और "बालकों" पद का अर्थ तदनुसार किया जायेगा,
- (8) "आयोग की बकाया राशि" से विनियम 65 के उप-विनियम (3) में यथा परिभाषित बकाया राशि अभिप्रेत है।
- (9) "निदेशक (प्रशासन)" से आयोग द्वारा अपने प्रशासन निदेशालय के प्रमुख के रूप में नियुक्त निदेशक अभिप्रेत है तथा इसमें ऐसा कोई भी अधिकारी सम्मिलित होगा जिसे मुख्य कार्यपालक अधिकारी या आयोग द्वारा इन विनियमों के अन्तर्गत निदेशक (प्रशासन) को सौंपे गये कार्यों को करने के लिए शक्तियाँ प्रत्यायोजित की गयी हों।
- (10) "परिलब्धियाँ" से विनियम 30 में यथा परिभाषित परिलब्धियाँ अभिप्रेत हैं।
- (11) "कर्मचारी" से आयोग का कोई कर्मचारी अभिप्रेत है।
- (12) "कुटुम्ब पेंशन" से विनियम 49 के अधीन स्वीकार्य कुटुम्ब पेंशन अभिप्रेत है।
- (13) "अन्यत्र सेवा" से ऐसी सेवा अभिप्रेत है जिस आयोग का कोई कर्मचारी आयोग की स्वीकृति से अपना वेतन आयोग की निधि से भिन्न स्रोत से प्राप्त करता है।
- (14) "प्रारूप" से इन विनियमों के साथ संलग्न प्रारूप अभिप्रेत है।
- (15) "सरकार" से केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है।
- (16) "उपदान" में सम्मिलित है—
  - (1) विनियम 43 के उप-विनियम (1) के अधीन संदेय "सेवा" उपदान;
  - (2) विनियम 44 के उप-विनियम (1) या उपविनियम (3) के अधीन संदेय "मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान; और
  - (3) विनियम 44 के उप विनियम (2) के अन्तर्गत संदेय "अवशिष्ट उपदान"
- (17) "विभागाध्यक्ष" से आयोग द्वारा समय-समय पर इसके लिए विनिर्दिष्ट प्राधिकारी अभिप्रेत है।

(18) "कार्यलाध्यक्ष" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जो समय-समय पर इन विनियमों के उद्देश्य के लिए आयोग या मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा जारी आदेशों के अनुसार ऐसा बोधित किया जाये।

(19) "अवयस्क" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने 18 वर्ष की आयु पूरी न की हो।

(20) "चिकित्सा प्राधिकारी" से आयोग द्वारा नियुक्त चिकित्सा प्राधिकारी अभिप्रेत है। फिर भी, जहाँ पर आवेदक पेंशन के संराशीकरण के लिए—

(क) अशक्त पेंशन का संराशीकरण चाहता हो, अथवा

(ख) अशक्त पेंशन से भिन्न पेंशन का संराशीकरण चाहता हो लेकिन संराशीकरण के लिए उसका आवेदन उसकी सेवा निवृत्ति के एक वर्ष के भीतर कार्यालय अध्यक्ष द्वारा प्राप्त नहीं होता है और पूर्व में संराशीकृत राशि अथवा राशियों के साथ संराशीकरण कराई जानेवाली राशि एक सौ रुपये प्रतिमाह से अधिक हो; अथवा

(ग) चिकित्सा आधार पर संराशीकरण अस्वीकृत किया गया हो अथवा चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा संस्तुत उसकी वास्तविक आयु में वर्षों के परिवर्धन के आधार पर संराशीकरण को स्वीकार करने से एक बार उसने इन्कार कर दिया हो, विनियम 103 और विनियम 104 के उपबन्धों के अनुसार द्वितीय चिकित्सा परीक्षा के लिए आवेदन किया हो—

मेडिकल बोर्ड चिकित्सा प्राधिकारी होगा जिसे प्रत्येक मामले में आयोग द्वारा निर्धारित किया जा सकता है।

(21) "पेंशन" के अन्तर्गत तब के सिवाय उपदान आता है, जब "पेंशन" शब्द का प्रयोग उपदान से भिन्न प्रयोग किया जाये;

(22) "ग्रहक सेवा" से कर्मचारी द्वारा की गई कर्तव्य पर रहकर अथवा अन्यथा की गई ऐसी सेवा अभिप्रेत है जो इन विनियमों के अधीन स्वीकार्य पेंशन और उपदान के प्रयोजन के लिए माना जाएगा;

(23) "सेवानिवृत्ति सुविधाएं" के अन्तर्गत पेंशन या सेवा उपदान, और मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान सम्मिलित है, जहाँ स्वीकार्य है;

(24) "सेवा पुस्तिका" के अन्तर्गत सेवावृत्त यदि कोई हो;

(25) इन विनियमों, अधिनियम या अधिनियम की धारा 26 के अन्तर्गत जिन शब्दों या पदों का यहाँ प्रयोग किया गया है और जो यहाँ परिभाषित नहीं किए गए हैं किन्तु जो सरकार के मूल नियमों में परिभाषित हैं, उनके वही अर्थ होंगे जो उन नियमों में क्रमशः दिए गए हैं।

4. आयोग के ऐसे पदों से स्थानांतरित कर्मचारी जिन पर ये विनियम लागू नहीं होते: (1) आयोग का कोई ऐसा कर्मचारी जिसे किसी ऐसे पद से, जिसे ये विनियम लागू नहीं होते हैं किसी ऐसे पद को जिस पर ये विनियम लागू होते हैं, स्थायी रूप से स्थानांतरण किया जाता है इन विनियमों की परिधि में आ जायेगा। परन्तु वह अपने स्थायी स्थानांतरण के आदेश के जारी किए जाने की तारीख से 6 महीने के भीतर, अथवा यदि वह उस दिन छुट्टी पर है तो उसके छुट्टी से लौट आने के 6 महीने के भीतर इनमें जो भी पश्चात्तर्फी हो इस बात का निर्वाचन कर सकेगा कि उसे उन सेवानिवृत्ति सुविधाओं द्वारा प्रशंसित किया जाए जिनके अधीन वह अपने स्थानांतरण की तारीख से ठीक पहले था।

(2) उप-विनियम (1) के परन्तुक के अधीन विकल्प लिखित में किया जायेगा और इस प्रकार के स्थानांतरण आदेश जारी करने वाले प्राधिकारी को भेज दिया जायेगा।

(3) एक बार किया गया विकल्प अंतिम होगा।

## अध्याय-2

### सामान्य शर्तें

5. पेंशन या कुटुम्ब पेंशन के दावे: (1) आयोग के कर्मचारी के पेंशन या कुटुम्ब पेंशन संबंधी सभी दावे इन विनियमों के प्रावधानों द्वारा शासित होंगे।

(2) आयोग का कर्मचारी जिस दिन सेवा निवृत्ति होता है या सेवा निवृत्त कर दिया जाता है या उस सेवा से मुक्त कर दिया जाता है या उसे सेवा से पद त्याग करने की अनुमति दी जाती है यथा स्थिति, उसका अंतिम कार्यदिवस माना जायेगा। मृत्यु की तारीख भी कार्य दिवस मानी जायेगी। परन्तु यह कि ऐसे आयोग कर्मचारी के मामले में जो समय पूर्व ही सेवा निवृत्त कर दिया जाता है या जो खासी और ग्रामीणों विनियम, 1958, के उप-विनियम (3) या विनियम 5 के खंड (घ) के अधीन स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हो जाता है। उनके मामलों में सेवा निवृत्ति की तारीख काम का दिन नहीं मानी जाएगी।

6. पेंशनों की संख्या की परिसीमाएं: विनियम 17 में यथा उपबंधित के सिवाय आयोग का कोई भी कर्मचारी एक ही सेवा या पद में या एक ही समय में या एक ही लगातार सेवा करके दो पेंशन अर्जित नहीं कर सकेगा।

आयोग का ऐसा कर्मचारी जो अधिवाधिकी पेंशन या सेवा-निवृत्ति पेंशन के पश्चात् पुनः नियोजित किया जाता है, अपने पुनः नियोजन की अवधि के लिए अलग पेंशन या उपदान का हकदार नहीं होगा।

7. पेंशन, भविष्य में आचरण के अच्छे बने रहने के अधीन होगी : 1. (क) इन विनियमों के अधीन पेंशन की प्रत्येक स्वीकृति और उसे जारी रखने की एक विवक्षित बात यह होगी कि भविष्य में आचरण अच्छा बना रहे।

(ख) यदि पेंशन भोगी किसी गंभीर अपराध के लिए सिद्ध दोष ठहराया गया है या किसी गंभीर अवचार का दोषी पाया जाता है तो आयोग या ऐसा कोई प्राधिकारी जिसे आयोग इस संबंध में शक्तियाँ प्रत्यायोजित कर, लिखित आदेश द्वारा पेंशन या उसके किसी भाग को स्थायी रूप से अथवा विनिर्दिष्ट अवधि के लिए रोक सकेगा या प्रत्याहृत कर सकेगा।

परन्तु जहाँ कि पेंशन का कोई भाग रोक लिया जाता या प्रत्याहृत कर लिया जाता है, वहाँ ऐसी पेंशन की रकम 60 रु० प्रति मास की रकम से कम नहीं की जायेगी।

(2) जहाँ कि कोई पेंशन भोगी न्यायालय द्वारा किसी गंभीर अपराध के लिए सिद्ध दोष ठहराया गया हो वहाँ उपनियम (1) के अधीन कार्रवाई न्यायालय के ऐसी दोष सिद्ध से संबंधित निर्णय के प्रकाश में की जायेगी।

(3) यदि किसी ऐसे मामले में, जो उप विनियम (2) के अन्तर्गत न आता हो उप विनियम (1) में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह समझता है कि पेंशन भोगी प्रथम दृष्टि में गंभीर अवचार का दोषी है तो वह प्राधिकारी उपविनियम (1) के अधीन कोई आदेश पारित करने से पूर्व—

(क) कि पेंशन भोगी को उसके विरुद्ध की जाने वाली प्रस्तावित कार्रवाई को विनिर्दिष्ट करते हुए नोटिस तामील की जाए तथा उस में उस आधार का भी उल्लेख किया जाये जिस पर उनके विरुद्ध कार्रवाई, किया जाना प्रस्तावित है और जिसमें उससे यह अपेक्षा की जाएगी कि वह नोटिस प्राप्त करने के 15 दिन के भीतर अथवा 15 दिन से अधिक उतनी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जितनी उप विनियम 1 (ख) में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात की जाये, ऐसा अभ्यावेदन प्रस्तुत करें जो वह प्रस्ताव के विरुद्ध करना चाहे और—

(ख) बेतन भोगी द्वारा खंड (क) के अधीन प्रस्तुत अभ्यावेदन पर यदि कोई हो, विचार करेगा।

(4) जहाँ उप विनियम (1) के अधीन कोई आदेश पारित करने के लिए सभ्य प्राधिकारी आयोग से अन्यथा कोई है, तो आदेश पारित करने से पूर्व अध्यक्ष से परामर्श किया जायेगा।

(5) उप विनियम (1) के अधीन आयोग से भिन्न किसी प्राधिकारी द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध अपील आयोग को की जा सकेगी तथा आयोग अपील पर ऐसे आदेश पारित करेगा जैसा वह ठीक समझे।

8. पेंशन रोकने या प्रत्याहृत करने का आयोग का अधिकार—(1) आयोग किसी पेंशन या उसके भाग को स्थायी रूप से अथवा किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए रोकने अथवा प्रत्याहृत करने तथा आयोग को पहुंचाये गये किसी धन संबंधी हानि को पूर्णतः या अंशतः पेंशन में से वसूली का आदेश देने का अधिकार उस दशा में अपने पास आरक्षित रखता है जब किसी विभागीय या न्यायिक कार्यवाहियों में पेंशन भोगी के बारे में यह पाया जाए कि वह अपने सेवा काल में तथा सेवानिवृत्ति के पश्चात् पुनः नियोजन करने पर की गई सेवा भी है, की अवधि में गंभीर अवचार या अपेक्षा का दोषी रहा है।

परन्तु कोई भी अंतिम आदेश पारित करने से पूर्व आयोग के सेवा मंडल से परामर्श किया जायेगा।

परन्तु यह और कि जहाँ कि पेंशन का कोई भाग रोक लिया जाए। या प्रत्याहृत किया जाए ऐसी पेंशन की रकम साठ रुपए प्रति मास की रकम से नीचे कम नहीं की जायेगी।

(2) (क) यदि उप विनियम (1) में निर्दिष्ट विभागीय कार्यवाहियाँ उस समय जब वह सेवा में रहा हो, चाहे उसकी सेवा निवृत्ति से पूर्व या उसके पुनः नियोजन के दौरान संस्थित की गई हों तो उन कार्यवाहियों के बारे में आयोग के कर्मचारी की अंतिम रूप से सेवानिवृत्ति के पश्चात् यह समझा जाएगा कि वे इस विनियम के अधीन की कार्यवाहियाँ हैं और वे उस प्राधिकारी द्वारा जिसके द्वारा वे आरंभ की गई थीं उसी रीति से जारी रखी जायेंगी और उन्हें अंतिम रूप दिया जायेगा मानां कर्मचारी आयोग की सेवा में बना रहा हो :

परन्तु जहाँ कि विभागीय कार्यवाहियाँ आयोग के किसी अधीनस्थ प्राधिकारी द्वारा संस्थित की जाए वहाँ वह प्राधिकारी अपने निष्कर्षों को रिकार्ड कर रिपोर्ट आयोग को प्रस्तुत करेगा।

(ख) यदि आयोग के कर्मचारी के सेवा के दौरान चाहे उसकी सेवानिवृत्ति से पूर्व या उसके पुनः नियोजन के दौरान यदि विभागीय कार्यवाही संस्थित नहीं की गयी हों तो,

(1) आयोग की मंजूरी के बिना संस्थित नहीं की जायेगी,

(2) ऐसी किसी घटना के संबंध में नहीं होगी जो उक्त संस्थित से पूर्व 4 वर्ष से अधिक पहले घटी हो, और



(3) ऐसे प्राधिकारी द्वारा ऐसे स्थान पर की जायेगी जो आयोग निर्धारित करे तथा यह विभागीय कार्यवाही पर लागू ऐसी पद्धति के अनुसार होगी जिनमें उसकी सेवा के दौरान आयोग के कर्मचारी के संबंध में सेवा से पदच्युति का आदेश उसकी सेवा के दौरान दिया जा सकता है।

(3) यदि आयोग के कर्मचारी के सेवा में रहते हुए सेवानिवृत्ति पूर्व या उसके पुनः नियोजन के दौरान कोई न्यायिक कार्यवाही संस्थित नहीं की गयी है तो ऐसे वाद हेतुक के बावत या ऐसी किसी घटना के संबंध में जो संस्थित किये जाने से 4 वर्ष से अधिक पहले उद्भूत या घटित हुई हो, संस्थित नहीं की जायेगी।

(4) ऐसे कर्मचारी के मामले में जो अधिवापिकी की आयु प्राप्त करने पर या अन्यथा सेवा निवृत्त हुआ हो, तथा जिसके विरुद्ध कोई विभागीय या न्यायिक कार्यवाहियां संस्थित की गयी हों, या जहां विभागीय कार्यवाहियां उप-विनियम (2) के अधीन जारी रखी गई हों, ऐसी अनन्तिम पेंशन जैसा कि विनियम 63 में उपबंधित है, मंजूर की जाएगी।

(5) जहां आयोग पेंशन रोकने या प्रत्याहृत का निर्णय नहीं करता तथा पेंशन से धन संबंधी हानि की वसूली के लिए आदेश देता है, वहां वह वसूली सामान्यतया आयोग के कर्मचारी को सेवा-निवृत्ति की तारीख को अनुदेय पेंशन के एक तिहाई की अधिक की दर से सामान्यतया नहीं की जायेगी।

(6) इस विनियम के प्रयोजन के लिए—

(क) विभागीय कार्यवाहियां उस तारीख से, जिस तारीख को आरोप पत्र आयोग के कर्मचारी या पेंशन भोगी को जारी किया गया है, अथवा यदि आयोग का कर्मचारी पूर्व दिनांक से निलंबित कर दिया गया है तो ऐसी तारीख को, संस्थित हुई समझी जाएगी, और—

(ख) न्यायिक कार्यवाहियां—

(1) दण्डिक कार्यवाहियों की दशा में उस तारीख को संस्थित समझी जाएगी जिसको पुलिस अधिकारी की शिकायत या रिपोर्ट जिसका कि मजिस्ट्रेट संज्ञान करता है, की गई हों, और

(2) सिविल कार्यवाहियों की दशा में उस तारीख को संस्थित समझी जाएगी, जिसको कि वादपक्ष न्यायालय में पेश किया जाता है।

नोट: (1) विनियम 63 में यह प्रावधान है कि आयोग का ऐसा कोई कर्मचारी, जो सेवानिवृत्त हो गया है तथा जिसके विरुद्ध किसी प्रकार की विभागीय या न्यायिक कार्यवाही संस्थित की जाती है या जारी है, उसे अनन्तिम पेंशन का भुगतान विनियम 63 के अधीन आशापक है।

(2) उपयुक्त विनियम के अधीन आने वाले मामलों में, शत प्रतिशत पेंशन, जो अथवा आयोग के कर्मचारी को संदेय है, को सामान्य सेवानिवृत्ति मामलों की तरह अनन्तिम पेंशन प्राधिकृत किया जाना चाहिए। इस दशा में किसी भी उपदान का भुगतान नहीं किया जायेगा।

(3) ऐसे मामलों में जहां सक्षम प्राधिकारी विनियम 7, 8 एवं 38 के अधीन पेंशन में कमी के आदेश देता है, ऐसी कमी पूर्ण रुपये में ही की जाये जिससे कि अवशिष्ट पेंशन को कमी के बाद भी पूर्ण रुपये में दिया जा सके।

(4) विनियम 8 का उप-विनियम (1) आयोग को पेंशन या उसके किसी भाग को स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट अवधि तक रोकने या प्रत्याहृत करने तथा आयोग को पहुंचाये गये धन संबंधी हानि को पूर्णतया या आंशिक रूप से पेंशन से वसूली करने का आदेश देने का अधिकार प्रदान करता है यदि कोई पेंशन भोगी किसी विभागीय या न्यायिक कार्यवाही में अपनी सेवा अवधि या पुनः नियोजन के दौरान गंभीर अवचर या उपेक्षा का दोषी पाया जाता है। विनियम 8 के उप-विनियम (2) में यह भी प्रावधान है कि उप-विनियम (1) में संदर्भित विभागीय कार्यवाहियां यदि कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने से पूर्व या उसके पुनः नियोजन के दौरान संस्थित की जाती है, इन्हें अनन्तिम सेवानिवृत्ति के पश्चात इन विनियमों के अधीन कार्यवाही माना जायेगा। तथा ये जारी रहेगी तथा इन्हें पूरा किया जायेगा। तदनुसार छोटी शास्ति कार्यवाही और बड़ी शास्ति कार्यवाही जो आयोग के कर्मचारी के सेवा में रहते समय संस्थित की गयी थी, तथा सेवानिवृत्ति की तारीख तक जो पूर्ण न हो पायी हो, वे स्वतः ही विनियम 8 के अन्तर्गत कार्यवाही हो जायेंगी। फिर भी, चूंकि छोटी शास्ति कार्यवाहियों के परिणाम स्वरूप गंभीर अवचर या उपेक्षा का मामला न बन पाया हो, ऐसे किसी पेंशन भोगी के विरुद्ध विनियम 8 के अन्तर्गत पेंशन रोकने या प्रत्याहृत करने की कार्रवाई नहीं की जा सकती जिसके संबंध में छोटी शास्ति कार्यवाही संस्थित की गयी हों तथा सेवानिवृत्ति के पश्चात भी जारी रही हो। अतः सेवानिवृत्ति के पूर्व जारी इस प्रकार की छोटी शास्ति कार्यवाहियां उसकी पेंशन को रोकने, प्रत्याहृत करने या कम करने के मामले में पेंशन पर कोई अवरोध प्रभाव नहीं रखती।

9. सेवानिवृत्ति के पश्चात वाणिज्यिक नियोजन—यदि कोई पेंशन भोगी, जो सेवानिवृत्ति से ठीक पूर्व आयोग के अधीन समूह "क" (श्रेणी-I) के पद पर कार्यरत था, अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख से 2 वर्ष समाप्त होने के पूर्व कोई वाणिज्यिक नियोजन स्वीकार करना चाहता है तो ऐसी स्वीकृति के लिए उसे आयोग की पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होगी :

परन्तु आयोग का कोई कर्मचारी, जिसे आयोग द्वारा इस प्रकार का नियोजन स्वीकार करने की अनुमति सेवा

निवृत्ति पूर्व अवकाश के दौरान या अस्वीकृत छुट्टी के दौरान प्रदान कर दी गयी थी, को सेवानिवृत्ति के पश्चात इस प्रकार के नियोजन में बने रहने के लिए किसी प्रकार की अनुवर्ती अनुमति प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी।

(2) उप विनियम (3) के उपबंधों के अधीन रहते हुए आयोग किसी पंशन भागी के आवेदन पर लिखित आदेश द्वारा, ऐसी किसी शर्त के साथ, यदि कोई हो, जैसा कि वह आवश्यक समझे, आवेदन में विनिर्दिष्ट नियोजन ग्रहण करने के लिए अनुमति प्रदान कर सकता है या अनुमति देने से इंकार कर सकता है, जो आदेश में लेखबद्ध किए जाएंगे।

(3) उप-विनियम (2) के अधीन इस प्रकार का नियोजन ग्रहण करने के अधीन अनुमति देने या उससे इंकार करने में आयोग निम्न बातों को ध्यान में रखेगा अर्थात्:—

- (क) ग्रहण करने के लिए प्रस्तावित नियोजन की प्रकृति एवं नियोक्ता का पूर्ववृत्त;
- (ख) क्या प्रस्तावित नियोजन में जिसे वह ग्रहण करना चाहता है, ऐसे हो सकते हैं जिससे उसे आयोग के साथ विरोध करना पड़े;
- (ग) क्या पेंशन भोगी ने सेवा में रहते समय ऐसे नियोक्ता के साथ, जिसके अधीन वह नियोजन ग्रहण करना चाहता है, इस प्रकार का कोई व्यवहार या जिससे यह संदेह करने का युक्तियुक्त आधार हो कि इस प्रकार के पेंशन भोगी ने नियोक्ता के प्रति पक्षपात किया था।
- (घ) क्या प्रस्तावित वाणिज्यिक नियोजन के कर्तव्य ऐसे हैं जिनमें आयोग के साथ संपर्क रखना होगा;
- (ङ) क्या उसके वाणिज्यिक कर्तव्य इस प्रकार के होंगे कि जिससे आयोग के अधीन उसकी पूर्व प्रास्थिति अथवा ज्ञान का अनुभव का उपयोग प्रस्तावित नियोक्ता को कोई अवांछित लाभ पहुंचाने के लिये किया जा सकता है;
- (च) प्रस्तावित नियोक्ता द्वारा परिलब्धियों की पेशकश; और
- (छ) अन्य कोई सुसंगत तथ्य।

(4) जहां उप-विनियम (3) के अधीन किसी आवेदन को प्राप्त करने के 60 दिन के भीतर आयोग आवेदित अनुज्ञा प्रदान करने से इंकार नहीं करता या आवेदनकर्ता को इन्कार की सूचना नहीं भेजता, तो ऐसा मान लिया जायेगा कि आयोग ने अनुज्ञा प्रदान कर दिया है।

(5) यदि आयोग किन्हीं शर्तों के साथ किये गये आवेदन पर अनुमति दे देता है या ऐसी अनुमति देने से इंकार कर देता है, तो आवेदक आयोग का ऐसा आदेश प्राप्त होने के 30 दिन के भीतर ऐसी शर्तों या इन्कार के विरुद्ध अप्रत्यावेदन कर सकता है और आयोग उस पर ऐसे आदेश कर सकता है जैसा उचित समझे।

परन्तु इस विनियम के अधीन कोई आदेश सिवाय उस आदेश के जो ऐसी शर्त को रद्द करने के लिये किसी अनुज्ञा प्रदान करने के लिये किया गया हो तब तक नहीं किया जायेगा। जब तक कि अप्रत्यावेदन करने वाले पेंशन भोगी को प्रस्तावित आदेश के विरुद्ध हेतुक दशित करने का अवसर प्रदान नहीं कर दिया जाता।

(6) यदि कोई पेंशन भोगी अपनी सेवानिवृत्ति के दो वर्ष समाप्त होने से पूर्व किसी भी समय आयोग की पूर्व अनुज्ञा के बिना कोई वाणिज्यिक नियोजन ग्रहण करता है या ऐसी किसी शर्त को भंग करता है जिसके अधीन उसे इस विनियम के अन्तर्गत वाणिज्यिक नियोजन ग्रहण करने की मंजूरी प्रदान की गयी है, तो आयोग लिखित आदेश द्वारा उसमें दिये गये कारणों से यह घोषित कर सकता है कि विनिर्दिष्ट समय तक पेंशन का संपूर्ण या उसके किसी भाग को प्राप्त करने का हकदार नहीं है।

परन्तु ऐसे आदेश संबंधित पेंशन भोगी को ऐसी घोषणा के विरुद्ध हेतुक दशित करने का अवसर दिये बिना जारी नहीं किये जायेंगे:

परन्तु यह और कि इस उप विनियम के अन्तर्गत कोई आदेश जारी करते समय आयोग को निम्न बातों को ध्यान में रखना होगा, अर्थात्:—

- (1) संबंधित पेंशन भोगी की वित्तीय परिस्थितियां,
- (2) संबंधित पेंशन भोगी द्वारा ग्रहण किये जाने वाले वाणिज्यिक नियोजन की प्रकृति तथा उससे प्राप्त परिलब्धियां; और
- (3) अन्य कोई सुसंगत तथ्य

7. इस विनियम के अधीन आयोग द्वारा पारित प्रत्येक आदेश से संबंधित पेंशन भोगी को सूचित किया जाएगा।

8. इस विनियम में—(क) “वाणिज्यिक नियोजन” पद से अभिप्रेत है:—

- (1) कोई नियोजन किसी हैसियत में किसी कंपनी, सहकारी सोसायटी, कोई सोसायटी जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1960 के अंतर्गत पंजीकृत हो या किसी अन्य विधि के अंतर्गत जो उस समय किसी राज्य में लागू हो, फर्म या किसी व्यापार, वाणिज्य, औद्योगिक वित्तीय पेशेवर व्यापार या खादी और ग्रामीणोगी गतिविधियों में एजेंट या मानवेय के आधार पर नियुक्त हो तथा इसमें ऐसी कंपनी का निदेशक पद या ऐसी फर्म की भागीदारी भी सम्मिलित है, किन्तु ऐसे नियमित निकाय के अधीन, जिस पर केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार का पूर्णतः या सारतः स्वामित्व या नियंत्रण हो, नियोजन इसके अंतर्गत नहीं आता है।

स्वतंत्र रूप से या किसी फर्म के भागीदार के रूप में सहाकार या परामर्शदाता के रूप में प्रैक्टिस स्थापित करता अभिप्रेत है जिसकी बाबत पेंशन भोगी—

(क) के पास कोई भी व्यावसायिक अर्हताएं नहीं तथा वे मामले जिनके संबंध में प्रैक्टिस की स्थापना की जानी है या उसे संचालित करना है उसके कार्यालयीन ज्ञान या अनुभव से संबंधित हो, अथवा

(ख) उसके पास व्यावसायिक अर्हताएं हों, लेकिन वे मामले जिनके संबंध में ऐसी प्रैक्टिस की जानी है, ऐसे हैं जिनमें उसके ग्राहकों की उसके पूर्वकालीन हैसियत का गलत लाभ मिलने की संभावना है; अथवा

(ग) को ऐसा काम लेना पड़े जिसमें आयोग के कार्यालय या अधिकारियों के साथ संपर्क या संबंध स्थापित करना पड़ता हो।

स्पष्टीकरण : इस खंड के प्रयोजन के लिए सहकारी सोसायटी के अधीन नियोजन या सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1960 या उस समय राज्य में लागू किसी अन्य विधि के अधीन पंजीकृत किसी समिति में रोजगार में किसी पद का धारण करना, चाहे निर्वाचित द्वारा या अन्यथा, भले ही वह किसी भी नाम से जाना जाता हो, जैसे नैसिडेंट्री चैयरमैन, मैनेजर, सैक्रेटरी, ट्रेजरर आदि पुनः नियोजन पेंशन, भोगी कर्मचारियों के मामले में, इस विनियमन के प्रयोजन के लिए सेवा निवृत्ति की वह तारीख होगी जब ऐसा आयोग का कर्मचारी अन्तिम रूप से आयोग की सेवा में इस प्रकार पुनः नियोजन पर नहीं रहता :

नोट : समूह 'क' पद (यानी श्रेणी-1) के सेवा निवृत्त अधिकारियों को वाणिज्यिक नियोजन ग्रहण करने के बारे में अर्द्ध-वार्षिक घोषणा प्रस्तुत करना—समूह 'क' तथा (यानी श्रेणी-1) के सेवानिवृत्त अधिकारियों से वांछित है कि वे अपनी सेवा निवृत्ति के दो वर्ष के भीतर वाणिज्यिक नियोजन को ग्रहण करने/अस्वीकार करने के बारे में निर्धारित प्रपत्र में अर्द्ध वार्षिक घोषणा प्रस्तुत करना होगा तथा भारत के बाहर किसी सरकार के अधीन भी कोई रोजगार ग्रहण/अस्वीकार करने के बारे में भी ऐसी ही घोषणा प्रस्तुत करें।

ऐसे मामलों में जहां भारत के बाहर वाणिज्यिक नियोजन/नियोजन सेवा निवृत्ति की तारीख से दो वर्ष के भीतर बिना आयोग की अनुमति के स्वीकार किया गया है, वहां मुख्य लेखाधिकारी आगे पेंशन का भुगतान करने से पूर्व आयोग का आदेश प्राप्त करेगा।

नियोजन ग्रहण न करने की घोषणा : मैं घोषणा करता हूँ कि मैंने आयोग की मंजूरी प्राप्त करने के बाद/प्राप्त किए बिना वाणिज्यिक नियोजन ग्रहण किया है/नहीं किया है।

मैं घोषणा करता हूँ कि मैंने आयोग की मंजूरी प्राप्त करने के बाद/प्राप्त किए बिना भारत से बाहर किसी सरकार के अधीन कोई रोजगार नियोजन ग्रहण किया है/ नहीं किया है।

हस्ताक्षर.....

स्थान : पेंशन भोगी का नाम-----

दिनांक : पो.पी.ओ.सं. :-----

आयोग के समूह 'क' तथा (श्रेणी 1) के अधिकारियों द्वारा सेवा निवृत्ति की तारीख से पहले दो वर्षों के दौरान भरा जाए।

10. सेवा निवृत्ति के पश्चात भारत से बाहर किसी सरकार के अधीन नियोजन यदि कोई पेंशन भोगी, जो अपनी सेवा निवृत्ति से ठीक पूर्व आयोग में समूह 'क' (श्रेणी-1) के पद पर कार्यरत था, भारत से बाहर किसी सरकार के अधीन कोई नियोजन स्वीकार करने की इच्छा प्रकट करता है तो वह ऐसी स्वीकृति के लिए आयोग की पूर्व मंजूरी प्राप्त करेगा, तथा ऐसे पेंशन भोगी को कोई पेंशन संदेय नहीं होगी जो किसी अवधि के लिए या ऐसी अवधि के लिए जो आयोग विनिर्दिष्ट करे, बिना उचित मंजूरी के कोई नियोजन स्वीकार करता है।

परन्तु ऐसा कर्मचारी जिसे आयोग द्वारा सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी के दौरान भारत से बाहर अन्य सरकार के अधीन किसी विशिष्ट नियोजन का स्वीकार करने की अनुमति प्रदान की गयी हो उसे सेवा निवृत्ति के पश्चात ऐसे रोजगार में कार्यरत रहने के लिए, अनुवर्ती अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

स्पष्टीकरण : इस विनियमन के प्रयोजन के लिए भारत से बाहर अन्य सरकार के अधीन नियोजन में किसी स्थानीय प्राधिकरण या निगम या किसी अन्य संस्था या संगठन के अधीन नियोजन सम्मिलित है जो भारत से बाहर सरकार के नियंत्रण या पर्यवेक्षण में कार्यरत हो, या किसी ऐसे अन्तर्राष्ट्रीय संगठन में नियोजन भी जिसका भारत सरकार सदस्य न हो, कोई नियोजन आता है।

### अध्याय-3

अर्हक सेवा :

11. अर्हक सेवा का प्रारंभ इन विनियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए किसी कर्मचारी की अर्हक सेवा उस तारीख से प्रारंभ होगी जब से वह इस पद का कार्यभार संभालता है जिस पर वह अधिष्ठायी रूप से या स्थानापन्न या अस्थायी हैसियत में नियुक्त किया गया था;

परन्तु यह तब जब स्थानापन्न या अस्थायी सेवा के पश्चात् आयोग के अधीन अधिष्ठायी नियुक्ति व्यवधान रहित रूप में हुई हो ;

परन्तु यह और कि 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने से पहले की गयी सेवा की गणना इस विनियम के अधीन नहीं की जायेगी।

12. वे शर्तें जिनके अधीन सेवा अर्हक होती है :

(1) किसी कर्मचारी की सेवा तब तक अर्हक नहीं होगी जब तक उसके कर्तव्य एवं वेतन आयोग द्वारा अवधारित शर्तों के अधीन विनियमित नहीं कर दिए जाते।

2. उप विनियम (1) प्रयोजन के लिए, "सेवा" पद से आयोग के अधीन ऐसी सेवा अभिप्रेत है जिसके लिए अदायगी आयोग की निधि की जाती है। तथा इसमें आयोग के किसी कर्मचारी की अखिल भारतीय खादी और ग्रामोद्योग मंडल के अधीन पूर्ण लगातार सेवा भी सम्मिलित होगी तथा जहां पर कथित मंडल के अधीन सेवा आयोग के अधीन भी लगातार जारी रही हो लेकिन इसमें आयोग के अधीन गैर पेंशन स्थापन में की गई सेवा सम्मिलित नहीं है जब तक कि इस प्रकार की सेवा को आयोग द्वारा अर्हक सेवा न मान लिया जाए।

13. परवीक्षा पर की गई सेवा की गणना किसी पद पर परवीक्षा पर की गई सेवा को यदि उसी पद पर या अन्य पद पर स्थायी कर दिया जाता है तो उसे अर्हक माना जायेगा।

14. शिक्षु के रूप में की गयी सेवा की गणना : शिक्षु के रूप में की गयी सेवा अर्हक सेवा नहीं मानी जाएगी।

15. व्यापारिक स्थापना या संविदा पर की गयी सेवा की गणना (1) ऐसा कोई व्यक्ति, जिसे आयोग द्वारा मूलतः व्यापारिक स्थापना के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट अवधि के लिए काम पर लगाया गया है तथा जिसे बाद में आयोग के कार्य-हित में कार्य में व्यवधान आये बिना नियमित स्थापना के अन्तर्गत उसी पद पर या अन्य पद पर स्थानांतरित या नियुक्त कर दिया जाता है, या तो—

(क) अंशदायी भविष्य निधि में आयोग अंशदान और उस पर व्याज सहित जिसके अन्तर्गत उस सेवा के लिए कोई अन्य प्रतिकर या सेवानिवृत्ति लाभ लेते रहने का विकल्प कर सकता है; अथवा

(ख) खंड (क) में विनिर्दिष्ट आर्थिक लाभों को आयोग को लौटाने के लिए सहमत होना या उन्हें छोड़ देना यदि उसे उनका भुगतान नहीं किया गया है, तथा उसके बदले में उस सेवा की गणना करना जिसके लिए उपर्युक्त आर्थिक लाभ संदेय होते, गणना में लिए जाने का विकल्प कर सकता है।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन विकल्प को निदेशक, प्रशासन को सूचित करते हुए स्थायी स्थानान्तरण या नियमित

स्थापना में नियुक्ति के आदेश जारी होने के 3 महीने के भीतर कार्यालयध्यक्ष को प्रेषित किया जायेगा, या यदि कर्मचारी छुट्टी पर है तो उसके छुट्टी से वापस आने के 3 महीने के भीतर, जो भी बाद में हो, संसूचित कर दिया जाएगा।

(3) यदि उप विनियम (2) में निर्दिष्ट अवधि के भीतर कार्यालयध्यक्ष को कोई संसूचना प्राप्त नहीं होती तो यह समझा जाएगा कि आयोग के कर्मचारी ने उप-विनियम (1) के खण्ड (क) में निर्दिष्ट आर्थिक फायदों को छोड़ने या वापस करने का विकल्प दिया है और उसके बदले में उसे संदेह या संदेह आर्थिक फायदों के लिए सेवा की गणना कर सकता है।

16. आयोग के कर्मचारियों के पुनः नियोजित की दशा में आयोग के अधीन सेवा-निवृत्ति पूर्व सेवा की गणना :

1. आयोग का कर्मचारी जो प्रतिकर पेंशन या अशक्त पेंशन अथवा प्रतिकर उपदान या अशक्त उपदान, पर या सेवा निवृत्त होने के पश्चात् पुनः आयोग की सेवा में नियोजित किया जाता है और किसी ऐसे सेवा या पद में जिस में ये विनियम लागू होते हैं अधिष्ठायी रूप से नियुक्त किया जाता है, या तो;

(क) अपनी पूर्व की सेवा के लिए मंजूर किए गए पेंशन लेते रहने से या उपदान रखे रखने का विकल्प कर सकता है, किन्तु ऐसी दशा में उस के पहले की सेवा की गणना अर्हक सेवा के रूप में नहीं की जायेगी, अथवा

(ख) अपना पेंशन लेते रहने से विरमित रहने और

(1) पहले लिए गए पेंशन,

(2) पेंशन के भाग के संरक्षीकरण के लिए स्वीकार किए गए मूल्य और

(3) मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान की रकम जिसके अन्तर्गत सेवा निवृत्ति उपदान, यदि कोई हो, भी है, लौटा देने का और अपने पहले की सेवा की गणना अर्हक सेवा के रूप में किए जाने का विकल्प कर सकता है, परन्तु

(1) आयोग के अधीन पुनर्नियोजन की तारीख के पहले लिए गए पेंशन को लौटाना अपेक्षित नहीं होगा।

(2) पेंशन का वह अंश जिसे उसका वेतन नियुक्त करने में जोड़ दिया गया था जिसके अन्तर्गत पेंशन का वह अंश भी है जो वेतन नियत करने के लिए गणना में नहीं लिया गया था, उसके द्वारा लौटा दिया जायेगा।



- (3) उपदान के बराबर पेंशन का अंश जिसके अन्तर्गत पेंशन के संराशीकृत भाग का अंश, यदि कोई हो, भी है जो उसका वेतन नियत करने के लिए गणना में लिया गया था, मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान और पेंशन के संराशीकृत मूल्य में से मुजरा कर दिया जायेगा तथा अतिशेष यदि कोई हो तो उसे लौटा दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण: इस खण्ड में जो गणना में लिया गया था पद से पेंशन की वह रकम जिसके अन्तर्गत उपदान के बराबर पेंशन की रकम भी है, अभिप्रेत है जो आयोग के कर्मचारी के वेतन में से प्रारम्भ में पुनर्नियोजन के समय कम कर दी गयी थी तथा जो गणना में नहीं ली गयी थी पद का अर्थ तदनुसार लगाया जायेगा।

2. (क) किसी सेवा या पद पर अधिष्ठायी नियुक्ति के आदेश जारी करने वाले प्राधिकारी, जैसा कि उप विनियम (1) में निर्दिष्ट है, इस प्रकार के आदेश के साथ आयोग के कर्मचारी को उक्त उप-विनियम के अधीन एक लिखित विकल्प देने की अपेक्षा करेगा तथा खण्ड (ख) के उपबन्धों की ओर उसका ध्यान आकृष्ट करेगा, ऐसा विकल्प इस प्रकार के आदेश जारी किए जाने की तारीख से 3 मास के भीतर अथवा यदि उस दिन आयोग का कर्मचारी छुट्टी पर हो तो उसके छुट्टी से लौटने के 3 मास के भीतर इसमें से जो भी पश्चातवर्ती हो दिया जायेगा।

(ख) यदि खण्ड (क) में निर्दिष्ट अवधि के भीतर विकल्प का प्रयोग नहीं किया जाता है तो यह समझा जायेगा कि आयोग के कर्मचारी ने उप-विनियम (1) के खण्ड (क) के लिए विकल्प दिया है।

3. आयोग के ऐसे कर्मचारी की दशा में जो उप विनियम (1) के खण्ड (क) के लिए विकल्प देता है उसके पश्चातवर्ती सेवा के लिए अनुज्ञेय पेंशन या उपदान इस सीमा के अधीन हो कि सेवा उपदान अथवा पेंशन का पूँजी-मूल्य और मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान यदि कोई हो, पेंशन के मूल्य और मूल्य तथा सेवा निवृत्ति उपदान के, यदि कोई हो जो यदि सेवा की दोनों अवधियाँ मिला ली जायें तो, आयोग के कर्मचारी की अन्तिमरूप से सेवा-निवृत्ति होने के समय उसे अनुज्ञेय हो तथा पहले की सेवा के लिए उसे पहले ही स्वीकृत सेवा निवृत्ति सुविधाओं के मूल्य के अन्तर से अधिक नहीं होगा।

नोट : पेंशन का पूँजी मूल्य, दूसरी या अन्तिम सेवा निवृत्ति के समय लागू संराशीकृत मूल्य की तालिका के अनुसार और जैसा कि विनियम (86) में अवधारित है के अनुसार गणना की जायेगी।

4. (क) आयोग के ऐसे कर्मचारी से जो उप-नियम (1) के खण्ड (ख) के लिए विकल्प देता है, यह अपेक्षा की जाएगी कि वह अपने पहले की सेवा की बाबत प्राप्त उपदान 36 से अधिक मासिक किश्तों में, जिसमें से पहली किश्त उस मास के ठीक बाद से आरम्भ होगी जिसमें उसने विकल्प का प्रयोग किया था, लौटा देना।

(ख) पहले की सेवा के अर्हक सेवा के रूप में गणना कराने का अधिकार तब तक पुनः प्रवर्तित नहीं होगा जब तक कि पूरी रकम न लौटा दी गई हो।

5. आयोग के ऐसे कर्मचारी की दशा में जो उपदान को लौटा देने का निर्वाचन कर पूरी रकम लौटाने से पहले ही भर जायें तो उपदान की वह रकम जो वापस करने से रह गयी हो मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान में समायोजित कर दी जायेगी जो उसके कुटुंब को देय हो जाय।

17. आयोग के अधीन की सेवा से पूर्व की गई सैनिक युद्ध सेवा की गणना : 1. ऐसा कर्मचारी जिससे अधिवाषिता की आयु प्राप्त करने से पूर्व आयोग के अधीन किसी पद पर पुनः नियोजित किया जाता है और जिसने ऐसे पुनः नियोजन से पूर्व 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात सैनिक सेवा की थी, आयोग के अधीन किसी पद पर पुष्टि हो जाने पर, या तो:

(क) यह विकल्प कर सकेगा कि वह सैनिक पेंशन बराबर लेता रहे या सैनिक सेवा से मुक्त हो जाने पर प्राप्त उपदान अपने पास रखे, किन्तु उस दशा में उसकी पहले की सैनिक सेवा की गणना अर्हक सेवा के रूप में नहीं की जायेगी, अथवा,

(ख) अपना पेंशन लेते रहने से विरमित होने और

(1) पहले ली गयी पेंशन और,

(2) सैनिक पेंशन के भाग के संराशीकरण के लिए स्वीकार किए गए मूल्य और,

(3) मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान की रकम, जिसके अन्तर्गत सेवा निवृत्ति उपदान, यदि कोई हो, भी है, लौटा देने का और अपने पहले की सैनिक सेवा की गणना अर्हक सेवा के रूप में किए जाने का विकल्प कर सकता है। किन्तु ऐसी दशा में गणना किए जाने के लिए अनुज्ञात ऐसी सेवा भारत में या अन्यत्र कर्मचारी के यूनिट या विभाग के भीतर या बाहर की गई सेवा तक सीमित रहेगी जिसका भुगतान भारत की संचिता निधि से होता हो, जिसके लिए पेंशन का अंशदान सरकार द्वारा प्राप्त हो चुका हो, परन्तु :



- (1) पुनर्नियोजन की तारीख से पहले की गई पेंशन को लौटाना अपेक्षित नहीं होगा।
- (2) पेंशन का वह अंश जिसे उसका बेतन नियुक्त करने में छोड़ दिया गया था, जिसके अन्तर्गत पेंशन का वह अंश भी है जो बेतन नियुक्त करने के लिए गणना में नहीं लिया गया था उसके द्वारा लौटा दिया जायेगा।
- (3) उपदान के बराबर पेंशन का अंश, जिसके अन्तर्गत पेंशन के संराशीकृत भाग का अंश, यदि कोई हो, भी है, जो बेतन नियुक्त करने के लिए गणना में लिया गया था, मृत्यु तथा सेवा निवृत्त उपदान और पेंशन के संराशीकृत मूल्य से मुजरा किया जायेगा तथा अतिशे। यदि कोई हो, उसे लौटा दिया जाएगा।

नोट:— अधिष्ठायी रूप में नियुक्त किसी कर्मचारी द्वारा किसी पद पर की गई युद्ध सेवा निम्नलिखित शर्तों के अधीन सैनिक सेवा मानी जाएगी:—

- (क) ऐसी सेवा या पद की दशा में जिसकी बाबत भर्ती के लिए कोई न्यूनतम आयु नियम है उस से कम में की गई किसी भी युद्ध सेवा की गणना अर्हक सेवा के रूप में नहीं की जाएगी।
- (ख) किसी कामन वेल्थ देश के किसी बल में की गई युद्ध सेवा की गणना के परिणाम स्वरूप अर्जित पेंशन के लिए किसी अंशदान या अंश का दावा उस देश की सरकार से नहीं किया जायेगा।
- (ग) युद्ध की बाबत किसी बोनस या उपदान की वापसी की मांग सम्बद्ध कर्मचारी से नहीं की जाएगी।

स्पष्टीकरण:— इस खण्ड में “जो बेतन नियत करने के लिए गणना में लिया गया था” पद से पेंशन की, जिसके अन्तर्गत उपदान का पेंशन समतुल्य भी है, वह रकम अभिप्रेत है जिस तक प्रारम्भिक पुनर्नियोजन करते समय आयोग के कर्मचारी का बेतन कम कर दिया गया था और जो बेतन नियत करने के लिए पद का अर्थ भी तदनुसार लगाया जायेगा।

2. (क) आयोग के अधीन या पद पर अधिष्ठायी नियुक्ति के आदेश जारी करने वाला प्राधिकारी, जैसा कि उप विनियम (1) में निर्दिष्ट है, इस प्रकार के आदेश के साथ आयोग के कर्मचारी से उक्त उप विनियम के अधीन एक लिखित विकल्प देने की अपेक्षा करेगा। ऐसा विकल्प इस प्रकार के आदेश जारी किए जाने की तारीख से 3 मास के

भीतर अथवा यदि उस दिन वह छुट्टी पर हो तो उसके छुट्टी से लौटने के 3 मास के भीतर इनमें से जो भी पश्चातवर्ती हो दिया जायेगा तथा खण्ड

(ख) के उपबंधों की ओर उसका ध्यान आकृष्ट करेगा।

(ख) यदि खण्ड (क) में निर्दिष्ट अवधि के भीतर विकल्प का प्रयोग नहीं किया जाता है तो यह समझा जायेगा कि आयोग के कर्मचारी ने उप विनियम (1) के खण्ड (क) के लिए विकल्प दिया है।

3. (क) आयोग का ऐसा कर्मचारी, जो उप विनियम (1) के खण्ड (ख) के लिए विकल्प देता है, यह अपेक्षा की जायेगी कि वह अपने पहले की सैनिक सेवा की बाबत प्राप्त पेंशन या बोनस या उपदान 36 से अनधिक मासिक किस्तों में, जिनमें से पहली किस्त उस मास से ठीक बाद के मास से आरम्भ होगी, जिसमें उसने विकल्प दिया था, लौटा दें।

(ख) पहले की सेवा की अर्हक सेवा के रूप में गणना कराने का अधिकार तब तक पुनः प्रवर्तित नहीं होगा जब तक कि पूरी रकम लौटा न दी गयी हो।

4. आयोग के ऐसे कर्मचारी की दशा में, जो पेंशन या उपदान लौटा देने का निर्वाचन कर पूरी रकम लौटा देने से पहले ही मर जाय, पेंशन या उपदान की वह रकम जो नहीं लौटाई गई है, उस मृत्यु तथा सेवा-निवृत्त उपदान से समायोजित कर लिया जायेगा जो उसके कुटुम्ब को देय हो जाए।

5. जबकि इस विनियम के अधीन ऐसा कोई आदेश पारित किया गया हो जिसमें यह अनुज्ञा दी गयी हो कि पहले की सैनिक सेवा की गणना अर्हक सेवा के रूप में की जायगी तब उस आदेश के बारे में यह समझा जाएगा कि उसमें सैनिक सेवा के और सैनिक तथा आयोग के अधीन की सेवा के बीच व्यवधान यदि कोई हो, का माफ किया जाना सम्मिलित है।

18. छुट्टी पर व्यतीत की गई अवधियों की गणना सेवा के दौरान सभी छुट्टी जिसके लिए अवकाश बेतन संदेय है तथा चिकित्सा आधार पर मंजूर की गई सभी असाधारण छुट्टी अर्हक सेवा मानी जाएगी।

परन्तु चिकित्सा आधार पर मंजूर की गई असाधारण छुट्टी के सिवाय अन्य छुट्टी के मामले में नियोजन प्राधिकारी ऐसी छुट्टी मंजूर करते समय उस छुट्टी की अवधि को अर्हक सेवा मानने की अनुमति दे सकेगा यदि ऐसी छुट्टी आयोग के कर्मचारी को मंजूर की जाती है—

- (1) नागरिक संशोधन के कारण कार्यभार ग्रहण करने अथवा पुनर्ग्रहण करने में उसकी असमर्थता के कारण, या

(2) उच्च वैज्ञानिक और तकनीकी अध्ययन के लिए मंजूर की गई है।

19. प्रशिक्षण पर व्यतीत की गयी अवधि की गणना :—आयोग आदेश द्वारा यह विनिश्चित कर सकेगा कि उसके अधीन सेवा में नियुक्ति से ठीक पूर्व कर्मचारी द्वारा प्रशिक्षण में व्यतीत की गयी अवधि की गणना अर्हक सेवा के रूप में की जायेगी या नहीं।

20. विलम्बन की अवधि की गणना :—आयोग के निलंबित कर्मचारी ने जो अवधि आचरण की जाँच होने तक व्यतीत की है उसकी गणना, जहाँ कि ऐसी जाँच समाप्त हो जाने पर उसे पूरी तरह से विमुक्त कर दिया गया हो अथवा निलंबन को पूर्णतः अन्यायपूर्ण ठहराया गया हो वहाँ अर्हक सेवा के रूप में की जायेगी। अन्य मामलों में निलंबन की अवधि की गणना तब तक नहीं की जायेगी जब तक ऐसे मामलों में शासित पारित करने वाले नियमों के अधीन आदेश पारित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी उस समय स्पष्ट रूप से यह घोषणा न करें कि उसकी गणना केवल उसी सीमा तक की जायेगी जिसकी घोषणा सक्षम प्राधिकारी करें।

नोट:— सक्षम प्राधिकारी उचित समय पर यह घोषणा करेगा कि किस सीमा तक निलंबन की अवधि की गणना अर्हक सेवा के रूप में की जायेगी। अर्हक सेवा की गणना करते समय यह देखा जायेगा। कि सेवा-पुस्तिका में अभिलेख के रूप में विशिष्ट प्रविष्टियाँ इस सम्बन्ध में की गई हों ऐसी विशिष्ट प्रविष्टि के न होने पर निलंबन की अवधि को अर्हक सेवा के रूप में मान लिया जायेगा।

21. पदच्युति अथवा हटा दिए जाने पर सेवा का समपहरण आयोग के कर्मचारी को किसी सेवा या पद से पदच्युत या हटा दिए जाने से उसकी विगत सेवा समपहृत हो जायेगी।

22. बहाली पर विगत सेवा की गणना :—

(1) आयोग का कर्मचारी, जो सेवा से पदच्युत कर दिया गया हो अथवा हटा दिया गया हो या अनिवार्यरूप से सेवा निवृत्त कर दिया गया हो, किन्तु अपील पर अथवा पुनर्विलोकन पर बहाल कर दिया गया हो, अपनी विगत सेवा की गणना अर्हक सेवा के रूप में कराने का हकदार है।

(2) यथास्थिति, पदच्युत, हटाये जाने तथा अनिवार्य सेवानिवृत्ति की तारीख तथा बहाली की तारीख के बीच सेवा

में जितनी अवधि का व्यवधान हुआ हो, उस अवधि और निलंबन की, यदि कोई हो, अवधि की गणना तब तक अर्हक सेवा के रूप में नहीं की जायेगी जब तक उसे उस प्राधिकारी के, जिसने बहाली का आदेश पारित किया था घोषित निदिष्ट आदेश द्वारा कर्तव्य अथवा छुट्टी के रूप में विनियमित नहीं कर दिया जाता।

23. पदत्याग करने पर सेवा का समपहरण।

(1) किस पद से पदत्याग करने पर, तब तक के सिवाय विगत सेवा समपहृत हो जायेगी जब ऐसा पदत्याग नियुक्ति करने वाले प्राधिकारी द्वारा पदत्याग लोकहित में वापस लेने की अनुज्ञा दे दी जाती है।

(2) नियुक्ति करने वाला प्राधिकारी किसी व्यक्ति को उसका पदत्याग लोकहित में वापस लेने की अनुज्ञा निम्नलिखित शर्तों पर दे सकता है, अर्थात् :—

1. कि आयोग के कर्मचारी ने पदत्याग ऐसी विवशता के कारणों से दिया था जिनका सम्बन्ध उसकी ईमानदारी, दक्षता या आचरण की बाबत किसी लांछन से नहीं है और पदत्याग को वापस लेने की प्रार्थना उन परिस्थिति में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन आ जाने के कारण की गयी है जिन परिस्थितियों में कर्मचारी मूलतः पदत्याग करने के लिए विवश हुआ था ;
2. यह कि पदत्याग के प्रभावी होने की तारीख और पदत्याग वापस लेने की प्रार्थना की तारीख के बीच की अवधि में सम्बन्धित व्यक्ति का आचरण किसी भी प्रकार से अनुचित नहीं था।
3. यह कि पदत्याग प्रभावी होने की तारीख और उस तारीख के बीच जिसको सम्बन्धित व्यक्ति को पदत्याग वापस लेने की अनुज्ञा देने के परिणामस्वरूप कर्तव्य ग्रहण करने के बीच की अनुपस्थिति की अवधि 90 दिन से अधिक नहीं है ;
4. यह कि वह पद जो आयोग के कर्मचारी के पदत्याग स्वीकार करने पर रिक्त हुआ था अथवा उसके समतुल्य कोई पद उपलब्ध हो।

(3) पदत्याग को वापस लेने की प्रार्थना नियुक्ति करने वाले प्राधिकारी द्वारा उस दशा में स्वीकार नहीं की जायेगी जब आयोग के कर्मचारी ने सेवा या पदत्याग किसी प्राइवेट कम्पनी में या उसके अधीन अथवा सरकार के पूर्णतः या सारतः स्वामित्व व नियंत्रण के अधीन किसी निगम या कम्पनी में अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित या विस पोषित किसी निकाय में या उसके अधीन कोई नियुक्ति ग्रहण करने के उद्देश्य से की गयी थी ;

(4) जहाँ नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा किसी व्यक्ति को पदत्याग वापस लेने और कर्तव्यग्रहण करने का आदेश परित किया जाता है, वहाँ यह समझा जायेगा कि ऐसे आदेश में सेवा में किसी व्यवधान को माफ करने का आदेश भी है। लेकिन व्यवधान की अवधि को गणना अर्हक सेवा के रूप में नहीं की जायेगी।

#### 24. सेवा में व्यवधान का प्रभाव

(1) आयोग के कर्मचारी की सेवा में व्यवधान से, निम्नलिखित मामलों के सिवाय, उसकी विगत सेवा सम्पूत हो जायेगी :—

- (क) अनुपस्थिति की प्राधिकृत छुट्टी ;
- (ख) अनुपस्थिति की प्राधिकृत छुट्टी के क्रम में अप्राधिकृत अनुपस्थिति तक जब तक अनुपस्थित व्यक्ति का पद अधिष्ठायी रूप से भर न लिया जाय ;
- (ग) निलंबन, वहाँ जहाँ उसके ठीक पश्चात् उसी पद में या किसी भिन्न पद में बहाली की गयी हो अथवा वहाँ जहाँ आयोग का कर्मचारी मर जाता है या निलंबित रहते हुए उसे सेवा-निवृत्त होने दिया जाता है अथवा अनिवार्य सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर सेवा-निवृत्त कर दिया जाता है ;
- (घ) आयोग के नियंत्रणाधीन के किसी स्थापना में किसी अनर्हक सेवा में स्थानांतरण, आदि ऐसे स्थानांतरण का आदेश सक्षम प्राधिकारी ने आयोग के हित में दिया हो ;
- (ङ) कार्य-ग्रहण अवधि जब तक एक पद से दूसरे पद पर स्थानांतरण पर हो।

(2) उप-विनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी नियुक्ति करने वाला प्राधिकारी आदेश द्वारा, बिना छुट्टी की अनुपस्थित अवधियों को असाधारण छुट्टी के रूप में भूतकालिक प्रभाव से परिवर्तन कर सकेगा।

(विनियम 24)

#### 25. सेवा में व्यवधान का माफ किया जाना :—

- (क) सेवा-पुस्तिका में प्रतिकूल किसी विनिर्दिष्ट संकेत के न होने पर आयोग के किसी कर्मचारी द्वारा आयोग के अधीन की गयी सेवा के दो वर्षों के बीच का व्यवधान स्वतः ही माफ किया गया समझा जायेगा और व्यवधान पूर्व सेवा अर्हक सेवा समझी जायेगी।
- (ख) खण्ड “क” की कोई बात सेवा से त्यागपत्र, पदच्युत या हटाया जाना या किसी हड़ताल में भाग लेने के कारण हुए व्यवधान पर लागू नहीं होगा।
- (ग) खण्ड “ख” में निर्दिष्ट व्यवधान की अवधि की गणना अर्हक सेवा के रूप में नहीं की जायेगी।

26. जब आयोग के कर्मचारी को फालतू घोषित कर दिया गया हो, तब अर्हक सेवा में परिवर्धन

(1) समूह “घ” (श्रेणी-4) के आयोग के कर्मचारी से भिन्न किसी कर्मचारी को जिसे फालतू घोषित कर दिया गया हो ऐसी घोषणा के दो महीने के भीतर स्वेच्छया सेवा-निवृत्त हो जाने का विकल्प करता है और उसे सेवा-निवृत्त होने की अनुज्ञा दी जाती है, उसे यह हक होगा कि वह अपने द्वारा की गयी अर्हक सेवा में 5 वर्ष जोड़ ले।

परन्तु यह तब जबकि अर्हक सेवा 15 वर्ष से कम न हो और पूर्वोक्त परिवर्धन को लेख में लेने के पश्चात् निकलने वाली अर्हक सेवा उत्तरी सेवा से अधिक न हो जितनी सेवा की गणना आयोग का कर्मचारी तब करता जब वह अपनी अधिवाषिता की तारीख से सेवा-निवृत्त हो गया होता।

(2) समूह “घ” (श्रेणी-4) के आयोग के कर्मचारियों के संबंध में उप-विनियम 1 के उपबंध उस दशा में लागू होंगे जब कि आयोग द्वारा फालतू घोषित कर दिए जाने के पश्चात् दो मास की अवधि के भीतर स्वेच्छा से सेवा-निवृत्त हो जाने का विकल्प करें।

#### 27. विशेष परिस्थितियों में अर्हक सेवा में परिवर्धन:

(1) ऐसा कर्मचारी जो 35 वर्ष या उससे अधिक की आयु में नियुक्त किया जाता है और वह अपनी नियुक्ति की तारीख से तीन महीने के भीतर की अवधि में पेंशन के हक को छोड़ना चाहता हो, परन्तु वह खादी ग्रामोद्योग आयोग (अंशदायी भविष्य निधि) विनियम 1958 और खादी ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (उपदान) विनियम 1975 के अधीन फायदों को प्राप्त करने के विकल्प का हकदार होगा।

(2) उप-विनियम (1) में विनिर्दिष्ट विकल्प का एक बार प्रयोग कर लिए जाने पर वह अन्तिम होगा।

#### 28. संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठनों में प्रतिनियुक्ति की अवधि :—

संयुक्त राष्ट्र सचिवालय अथवा संयुक्त राष्ट्र के अन्य निकायों, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रानिधि, पुनर्निर्माण और विकास का अन्तर्राष्ट्रीय बैंक अथवा एशियाई विकास बैंक अथवा कामनवेल्थ सचिवालय, में 5 वर्ष या उससे अधिक के लिए अन्यत्र सेवा पर प्रतिनियुक्त आयोग का कर्मचारी अपने विकल्प पर :—

- (क) अपने अन्यत्र सेवा की वाबत पेंशन का अंशदान अदा कर सकेगा और ऐसी सेवा की गणना इन विनियमों के अधीन पेंशन के लिए अर्हक के रूप में कर सकेगा ; अथवा
- (ख) पूर्वोक्त संगठन के नियमों के अधीन अनुज्ञेय सेवा-निवृत्ति सुविधाओं का उपभोग कर सकेगा और

ऐसी सेवा की गणना इन विनियमों के अधीन पेंशन के लिए अर्हक रूप में नहीं कर सकेगा ;

परन्तु जहाँ कि कोई आयोग का कर्मचारी खण्ड "ब" के लिए विकल्प करता है वहाँ आयोग के कर्मचारी द्वारा दिए गए पेंशन उपदान यदि कोई हो, तो उसे लौटा दिया जाएगा।

29. 25 वर्ष की सेवा के पश्चात् अथवा सेवा-निवृत्ति के 5 वर्ष पूर्व अर्हक सेवा का सत्यापन।

(1) आयोग के किसी कर्मचारी द्वारा सेवा के 25 वर्ष पूरा करने पर अथवा उसकी सेवा-निवृत्ति की तारीख से पूर्व 5 वर्ष सेवा बाँकी रहने पर, इसमें से जो भी पहले हो, कार्यालय का अध्यक्ष उस समय लागू नियमों के अनुसार ऐसे कर्मचारी द्वारा की गयी सेवा का सत्यापन करेगा, अर्हक सेवा का अवधारण करेगा और इस प्रकार अवधारित सेवा की अवधि प्ररूप 18 में उसे सूचित करेगा।

(2) उप-विनियम (1) के किसी बात के होते हुए भी जब आयोग के कर्मचारी को किसी अन्य विभाग में स्थानान्तरित कर दिया जाता है अथवा जिस विभाग में वह पहले सेवा कर रहा था उसके बन्द हो जाने की दशा में, अथवा उस पद पर जिसे वह धारण करता था फालतू घोषित कर दिए जाने की दशा में, उसकी सेवा का सत्यापन तब किया जायगा जब ऐसी घटना घटती हो।

(3) उप-विनियम (1) और (2) के अधीन किया गया सत्यापन अन्तिम माना जायेगा और उस पर तब तक पुनर्विचार नहीं किया जायगा जब तक कि ऐसी शर्तों को जिनके अधीन सेवा पेंशन के लिए अर्हित होता है, शासित करने वाले किन्हीं विनियमों या आदेशों में तदन्तर किसी परिवर्तन के कारण ऐसा करना आवश्यक न हो।

#### अध्याय 4

##### परिलब्धियाँ और औसत परिलब्धियाँ

##### 30 परिलब्धियाँ:

(1) परिलब्धियाँ पद के मूल नियमों के नियम 9 (21) में परिभाषित ऐसे वेतन (सन्वत्समय पर जारी किए गए सरकार के आदेश द्वारा अवधारित महंगाई वेतन सहित) से अभिप्रेत है जो आयोग के कर्मचारी अपनी सेवा-निवृत्ति से ठीक पूर्व या मृत्यु की तारीख का से रहा था।

नोट: (1) यदि आयोग का कोई कर्मचारी अपनी सेवा-निवृत्ति से या सेवा में रहते हुए मृत्यु से ठीक पूर्व कर्तव्य से ऐसी छुट्टी पर अनुपस्थित था जिसके लिए छुट्टी वेतन देय है अथवा निर्लेखित किए जाने के पश्चात् सेवा का सत्यापन हुए बिना बहाल कर दिया गया था, तो वे परिलब्धियाँ जो उसे

तब मिलती जब वह कर्तव्य से अनुपस्थित न रहा होता या निर्लेखित न किया गया होता, इस विनियम के प्रयोजन के लिए परिलब्धियाँ होंगी,

परन्तु (निम्नलिखित नोट 4 में निर्दिष्ट वेतन वृद्धि से भिन्न) वेतन में कोई भी वृद्धि जो वस्तुतः ली जा रही हो उसकी परिलब्धियों का भाग नहीं होगी।

(2) जहाँ कि आयोग का कोई कर्मचारी अपनी सेवा-निवृत्ति से या सेवा में रहते हुए मृत्यु से ठीक पूर्व ऐसी छुट्टी पर, जिसके लिए छुट्टी वेतन देय है, कोई उच्चतर नियुक्ति किसी स्थानापन्न अथवा अस्थायी हैमियत में धारित करने के पश्चात् चला गया था व ऐसी उच्चतर नियुक्ति पर ली गयी परिलब्धि की मुविधा तभी दी जायेगी जब यह प्रमाणित कर दिया जाय कि यदि आयोग का कर्मचारी छुट्टी पर न गया होता तो वह उस उच्चतर नियुक्ति पर बना रहता।

(3) यदि आयोग का कोई कर्मचारी अपनी सेवा-निवृत्ति से या सेवा में रहते हुए मृत्यु से ठीक पूर्व कर्तव्य से असाधारण छुट्टी पर अनुपस्थित था अथवा ऐसा निर्लेखित रहा था कि उसकी अवधि की गणना सेवा के रूप में नहीं हो सकती तो वे परिलब्धियाँ जो उसे ऐसी छुट्टी पर जाने से अन्यथा निर्लेखित किये जाने से ठीक पूर्व मिल रही थी इस विनियम के प्रयोजनों के लिए परिलब्धियाँ होंगी।

(4) यदि आयोग का कोई कर्मचारी अपनी सेवा-निवृत्ति से या मृत्यु से ठीक पूर्व सेवा में रहते हुए अर्जित छुट्टी पर था और उसने ऐसी वेतन-वृद्धि अर्जित की थी जो रोक दी गयी थी तो ऐसी वेतन-वृद्धि उसकी परिलब्धियों की भाग होगी भले ही वह वस्तुतः न ली गयी हो।

परन्तु यह तब जब कि वेतन-वृद्धि 120 दिनों से अनधिक अर्जित छुट्टी के चालू रहने के दौरान, या जहाँ ऐसी छुट्टी 120 दिन से अधिक की है वहाँ ऐसी अर्जित छुट्टी के प्रथम 120 दिनों के दौरान अर्जित की गयी थी।

(5) भारत की सशस्त्र सेनाओं में प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए आयोग के कर्मचारी द्वारा लिया गया वेतन परिलब्धियाँ माना जायेगा।

(6) अन्यत्र सेवा पर रहते हुए आयोग के कर्मचारी द्वारा लिया गया वेतन परिलब्धि नहीं माना जायगा, किन्तु केवल वही वेतन जो उसने, यदि वह अन्यत्र सेवा में न गया होता तो आयोग के अधीन किया होता परिलब्धियाँ माना जायगा।

स्पष्टीकरण:—मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान के परिलब्धियों की गणना आयोग के कर्मचारी द्वारा सेवानिवृत्ति होने से पूर्व अन्तिम प्राप्त परिलब्धियों के आधार पर की जायेगी और न कि औसत परिलब्धि के आधार पर इस प्रकार जहाँ पर मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान की

गणना महंगाई भत्ते को मद्दे नजर रखकर की जाती है वहां महंगाई वेतन का पूरा लाभ मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान की गणना करने में दिया जायेगा :

### 31. औसत परिलब्धियां

औसत परिलब्धियां आयोग के कर्मचारी की सेवा के अन्तिम 10 मास के दौरान उसके द्वारा ली गयी परिलब्धियों के प्रतिनिर्देश में अवधारित की जायेगी।

नोट : (1) यदि आयोग का कर्मचारी अपनी सेवा के अन्तिम 10 मास के दौरान कर्तव्य से ऐसी छुट्टी पर अनुपस्थित था जिसके लिए छुट्टी वेतन देय है अथवा निलंबित किए जाने के पश्चात् सेवा का समपहरण हुए बिना बहाल कर दिया गया था तो वे परिलब्धियों जो उसे तब मिलती जब वह कर्तव्य से अनुपस्थित न रहा होता या निलंबित न किया गया होता, औसत परिलब्धियां अवधारित करने के लिए लेबे में ले लिया जायेगा।

परन्तु [निम्नलिखित नोट (3) में निर्दिष्ट वेतन-वृद्धि से भिन्न] वेतन में कोई भी वृद्धि जो वस्तुतः दी न गयी हो उसकी परिलब्धियों का भाग नहीं होगी।

(2) यदि आयोग का कोई कर्मचारी अपनी सेवा के अन्तिम 10 मास के दौरान कर्तव्य से अमाधारण छुट्टी पर अनुपस्थित था अथवा ऐसे निलंबित रहा था कि उसकी अवधि की गणना सेवा में नहीं हो सकती तो उस छुट्टी की या निलंबन की उपरांत अवधि की औसत परिलब्धियों की गणना करने में अवहेलना कर दी जायेगी और 10 मास से पहली की उतनी अवधि सम्मिलित कर ली जायेगी।

(3) आयोग के किसी ऐसे कर्मचारी की दशा में जो अपनी सेवा के अन्तिम 10 मास के दौरान अर्जित छुट्टी पर था और जिसने ऐसी वेतन-वृद्धि अर्जित की थी जो रांकी नहीं गयी थी तो ऐसी वेतन-वृद्धि औसत परिलब्धियों में सम्मिलित कर ली जायेगी भले ही वह वस्तुतः न ली गयी हो,

परन्तु यह तब जब कि वेतन वृद्धि 120 दिन से अधिक के अर्जित छुट्टी के चालू रहने के दौरान या जहां ऐसी छुट्टी 120 दिन से अधिक की है वहां ऐसी अर्जित छुट्टी के प्रथम 120 दिनों के दौरान अर्जित की गई थी।

### अध्याय 5

पेंशनों के वर्ग और उनके प्रदान की शासित करने वाली शर्तें

### 32. अधिवर्षिता पेंशन :

अधिवर्षिता पेंशन आयोग के ऐसे कर्मचारी को प्रदान की जायेगी जिसे अनिवार्य सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर सेवा निवृत्ति कर दिया जाता है।

नोट : खादी ग्रामोद्योग आयोग के विनियम 1958 के विनियम 5 के उप-विनियम (3) के खंड (क) के अनुसार तथा कथित विनियम के खंड (घ) पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना आयोग का प्रत्येक कर्मचारी उस मास की अन्तिम तारीख का आराहण से सेवा-निवृत्त होगा, जिस मास में उसकी सेवा-निवृत्ति की तारीख आती है।

### 33. सेवा निवृत्ति पेंशन :

(क) आयोग के ऐसे कर्मचारी को प्रदान की जाएगी जो इन विनियमों के विनियम 40 या 41 के अथवा खादी और ग्रामोद्योग आयोग विनियम 1958 के विनियम (5) के उप-विनियम (3) के खंड (घ) के उपबंधों के अनुसार अनिवार्य सेवा-निवृत्ति की आयु से पहले ही सेवा-निवृत्त होता है। अथवा सेवा-निवृत्ति दिया जाता है, और

(ख) आयोग के ऐसे कर्मचारी को प्रदान की जायेगी जो फालतू घोषित कर दिए जाने पर, इन विनियमों के विनियम 26 के उपबंधों के अनुसार स्वेच्छा से सेवा-निवृत्ति के लिए विकल्प देता हो।

नोट : समय पूर्व सेवा-निवृत्ति के मामले में मास की अन्तिम तारीख की सेवा-निवृत्ति के सम्बन्ध में यह आदेश नहीं लागू होगा।

### 34. किसी निगम, कम्पनी या निकाय में उसके अधीन आमे-लित कर लिए जाने पर पेंशन :

आयोग के ऐसे कर्मचारी के बारे में जिसे किसी ऐसे निगम या कम्पनी में या उसके अधीन जो पूर्णतः या पर्याप्त रूप से सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण में हो अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित या वित्तपोषित किसी निकाय में या उसके अधीन किसी सेवा या पद में आमेलित किए जाने को अनुज्ञा दे दी गयी हो। यदि ऐसा आमेलन आयोग द्वारा लोकहित में घोषित किया गया हो, तो यह समझा जायेगा कि वह ऐसे आमेलन की तारीख से सेवा-निवृत्त हुआ है और वह ऐसी सेवा-निवृत्ति की सुविधाएं ऐसी तारीख से जो उसी स्तर के सरकारी कर्मचारियों पर लागू सरकार के आदेश के अनुसार अवधारित की जाय प्राप्त करने का पाव होगा जिनके लिए उसने निर्वाचन किया है अथवा जिनके बारे में यह समझा गया हो कि उसने निर्वाचन किया है।

परन्तु आयोग के ऐसे कर्मचारी के बावत जिसे आयोग वैज्ञानिक कर्मचारी घोषित करे, ऐसे किसी निगम, कम्पनी या निकाय या उसके अधीन किसी सेवा या पद में लोकहित में उसके आमेलन किए जाने के सम्बन्ध में कोई भी घोषणा करना अपेक्षित नहीं होगा।



35. सरकार, निगम, कम्पनी या निकाय में उसके अधीन शामिल किए जाने पर व्यक्तियों को एकमुश्त रकम का भुगतान :

जहाँ विनियम (34) में निर्दिष्ट आयोग का कर्मचारी मृत्यु तथा सेवा-निवृत्त उपदान और पेंशन के बदले में एक-मुश्त रकम स्वीकार करने का विकल्प करता है (वहाँ उसे मृत्यु तथा सेवा-निवृत्त उपदान के अतिरिक्त) :—

(क) इस निमित्त आवेदन किए जाने पर इन विनियमों के अध्याय 11 में 13 के उपबंधों के अनुसार उसे पेंशन के एक-तिहाई के सरांशोक्त मूल्य से अधिक रकम एकमुश्त में तथा

(ख) उस तारीख से जिसमें सरांशोक्त मूल्य इस शर्त के अधित रहने हुए कि आयोग का कर्मचारी अपने पेंशन के बा-तिहाई भाग को लेने के अपने अधिकार को छोड़ देना है, देय हो जाती है, विश्राम सरांशोकरण, सारिणी के प्रतिनिर्देश से पेंशन के एक-तिहाई भाग सरांशोकरण का हिसाब लगाने के पश्चात् बचे पेंशन को अधिशेष राशि के सरांशोक्त मूल्य के बराबर सेवा के अन्त में मिलने वाली सुविधा प्रदान की जायेगी।

36. अशक्त पेंशन :

(1) आयोग का यदि कोई कर्मचारी किसी शारीरिक या मानसिक अशक्तता के कारण, जिसमें वह सेवा के लिए स्थायी रूप से असमर्थ हो जाय, सेवा-निवृत्त हो जाता हो तो उसे अशक्त पेंशन प्रदान की जा सकेगी।

(2) अशक्त पेंशन के लिए आवेदन करने वाला आयोग का कर्मचारी आयोग द्वारा नामित चिकित्सा प्राधिकारी से असमर्थता का प्रमाण-पत्र प्ररूप 17 में प्रस्तुत करेगा।

(3) जहाँ उप-विनियम 2 में निर्दिष्ट चिकित्सा प्राधिकारी किसी आयोग के कर्मचारी के बारे में यह घोषणा करता है कि वह जिस प्रकृति का कार्य करता रहा है उससे कम श्रमसाध्य प्रकृति की सेवा और आगे करने के योग्य है, वहाँ उसे यदि वह इस प्रकार नियोजित किए जाने का इच्छुक हो तो निम्नतर पद पर नियोजित किया जाना चाहिए और यदि निम्नतर पद पर नियोजित करने के भी कोई साधन न हो तो उसे अशक्त पेंशन की अनुज्ञा दी जा सकेगी।

(विनियम 37)

37. प्रतिकर पेंशन :

(1) यदि आयोग का कोई कर्मचारी अपने स्थायी पद से उन्मूलन के कारण उन्मोचित किए जाने के लिए चुना जाता है तो जब तक कि वह किसी अन्य ऐसे पद पर नियुक्त

नहीं कर दिया जाता जिसको शर्तें उसे उन्मोचित करने के लिए सश्रम प्राधिकारी द्वारा कम से कम आयोग के उस कर्मचारी के पद की शर्तों के समतुल्य समझी जाय, उसे:—

(क) ऐसी प्रतिकर पेंशन लेने का विकल्प प्राप्त होगा जिसके लिए वह अपने द्वारा की गयी सेवा के लिए हकदार हो, अथवा

(ख) ऐसे वेतन पर जिसे देने का प्रस्ताव किया जाय और कोई अन्य नियुक्ति स्वीकार करने और अपने पहले की सेवा की गणना पेंशन के लिए करते रहने का विकल्प होगा।

(2) (क) स्थायी नियोजन के आयोग के कर्मचारी को उसके स्थायी पद के उन्मूलन पर उसकी सेवाएं समाप्त करने से पूर्व कम से कम 3 मास की सूचना दी जायेगी।

(ख) जहाँ कि कम से कम 3 मास की सूचना नहीं दी जाती और आयोग के कर्मचारी को जिस तारीख से सेवाएं समाप्त की जाती हैं उस तारीख से उसके लिए किसी अन्य नियोजन की व्यवस्था नहीं की जाती वहाँ उसकी सेवाएं समाप्त करने के लिए सश्रम प्राधिकारी उसकी अवधि के लिए जितनी सूचना में वस्तुतः दी गयी अवधि तीन मास से कम हो, ऐसी रकम का जो वेतन और भत्तों से अधिक न हो दिया जाना मंजूर कर सकेगा।

(ग) उस अवधि के लिए जिसके सम्बन्ध में सूचना के बदले वेतन और भत्ते प्राप्त होते हैं, कोई भी प्रतिकर पेंशन देय नहीं होगी।

(3) ऐसी दशा में जिसमें आयोग के कर्मचारी को उतनी अवधि के लिए जितनी सूचना में दी गयी अवधि तीन मास से कम हो वेतन और भत्ते मंजूर किए जाते हैं और उसे उस अवधि के समाप्त होने से पूर्व जिसके लिए उसे वेतन और भत्ते मिल गये हैं, पुनः नियोजित कर लिया जाता है, वहाँ अपने पुनः नियोजन से बाद को अवधि के लिए इस प्रकार प्राप्त वेतन और भत्तों को लौटा देगा।

(4) यदि आयोग का कर्मचारी जो प्रतिकर पेंशन पाने का हकदार हो उसके बजाय आयोग के अधीन वह कोई अन्य नियुक्ति स्वीकार कर लेता है और तत्पश्चात् किसी वर्ग का पेंशन प्राप्त करने का हकदार हो जाता हो तो ऐसे पेंशन की रकम उस प्रतिकर पेंशन से कम नहीं होगी जिसका दावा वह उस दशा में कर सकता जब उसने उस नियुक्ति को स्वीकार नहीं किया होता।

(विनियम 38)

38. अविार्य सेवा-निवृत्ति पेंशन

(1) शास्ति के रूप में सेवा से अनिवार्य रूप से निवृत्त किये गए आयोग के कर्मचारी को ऐसी शास्ति अधिरोपित

करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा पेंशन या उपदान या दोनों ही, ऐसी दर पर जो प्रतिकर पेंशन या उपदान या दोनों ही की, जो उसकी अनिवार्य सेवा-निवृत्ति की तारीख से देय हो जो-दो-तिहाई से कम न हो किन्तु ऐसी पूरी प्रतिकर पेंशन या उपदान से या दोनों से अधिक न हो, मंजूर दी जा सकेगी

(2) जब कभी आयोग के किसी कर्मचारी को दशा में आयोग से भिन्न कोई प्राधिकारी आदेश पारित करता है (चाहे मूल आदेश हो चाहे अपीलीय आदेश हो अथवा पुनर्विलोकन शक्ति का प्रयोग करते हुए आदेश हो) जिसमें इन विनियमों के अधीन अनुज्ञेय पूरी प्रतिकर पेंशन से कम पेंशन दी जाती है, तब ऐसा आदेश पारित करने से पूर्व अध्यक्ष ने परामर्श किया जायेगा

स्पष्टीकरण : इस उप-विनियम में "पेंशन" शब्द के अन्तर्गत उपदान भी है

(3) यथा स्थिति, उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2) के अधीन प्रदत्त या दी गयी पेंशन 60 रुपये माह की रकम से कम नहीं होगी।

स्पष्टीकरण

इस प्रकार की शास्ति ऐसे मामलों में पुनः स्थापित की गई है, जिसमें आयोग के कर्मचारी सेवा में बने रहता अवांछनीय समझा जाता हो, लेकिन सेवा से पदच्युत या हटाये जाने जैसी कठोर शास्ति से पेंशन में हानि होती हो, उसे अधिक कठोर माना जायेगा :

ऐसे व्यक्ति पर जिस पर अनिवार्य सेवा निवृत्ति की शास्ति अधिरोपित की जाती हो, उसे सामान्यतया पूरी प्रति-कर पेंशन और मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान मंजूर किया जायगा जो अनिवार्य सेवा निवृत्ति की तारीख को देय होगा। फिर भी जहाँ किसी विशेष मामले में परिस्थितियाँ ऐसी लगती हों, उसमें सक्षम प्राधिकारी पेंशन लाभ में से अनिवार्य सेवा निवृत्ति की शास्ति अधिरोपित करते समय ऐसी कमी कर सकता है जो निर्धारित सीमा में होगी और जैसा कि वह उचित समझे

(विनियम 39)

39. अनुकंपा भत्ता

(1) आयोग का ऐसा कर्मचारी जिसे सेवा से पदच्युत किया गया हो, या हटा दिया गया हो, उसका पेंशन और उपदान सम्पन्न हो जायगा।

परन्तु उसे सेवा से पदच्युत करने या हटाने के लिए सक्षम प्राधिकारी, या जो मामला ऐसा हो कि उस पर विशेष विचार किया जा सकता हो तो ऐसी पेंशन या उपदान या दोनों की दो-तिहाई से अधिक न हो उतना अनुकंपा भत्ता मंजूर कर सकेगा जो उसे उस समय देय होता जब वह प्रतिकर पेंशन पर सेवा-निवृत्त हुआ होता।

2. उप-विनियम (1) परन्तुक के अधीन मंजूर किया गया अनुकंपा भत्ता 60 रुपये प्रति माह की रकम से कम नहीं होगा।

स्पष्टीकरण : (1) अनुकंपा भत्ता विभिन्न प्रकार की पेंशन में से एक है और इसे इन विनियमों के अध्याय 11 से 13 में निर्दिष्ट उपलब्ध के अनुसार संशोधित किया जा सकेगा।

(2) आयोग के सेवा-निवृत्त ऐसे कर्मचारी को पेंशन में राहत अनुज्ञेय होगी जिसे अनुकंपा भत्ता प्राप्त होता है।

(विनियम 40)

अध्याय 6

पेंशन की रकमों का विनियमन

40. 30 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर चुकने पर सेवा-निवृत्ति

(1) आयोग के कर्मचारी द्वारा 30 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर चुकने के बाद किसी भी समय—

(क) वह सेवा से निवृत्त हो सकेगा अथवा

(ख) आयोग उससे लोकहित में सेवा निवृत्ति होने की अपेक्षा कर सकेगा, और ऐसी सेवा-निवृत्ति की दशा में आयोग का कर्मचारी सेवा-निवृत्ति की पेंशन का हकदार होगा ; परन्तु —

(अ) आयोग का कर्मचारी नियुक्ति पत्रों वाले प्राधिकारी को उस तारीख से पूर्व जिस तारीख को वह सेवा निवृत्त होना चाहता है कम से कम तीन मास का लिखित नोटिस देगा, और

(ब) आयोग भी उस तारीख से पूर्व जिसकी कर्मचारी से लोकहित में सेवा-निवृत्ति होने की अपेक्षा की जाय कम से कम तीन मास का लिखित नोटिस अथवा ऐसी नोटिस के बदले तीन मास का वेतन और भत्ता दे सकेगा।

परन्तु यह और कि यदि पूर्ववर्ती परन्तुक के खंड (क) के अधीन सूचना देने वाला आयोग का कर्मचारी निरंतर के अधीन हो तो नियुक्ति करने वाले प्राधिकारी को यह छूट होगी कि वह आयोग के ऐसे कर्मचारी को इस विनियम के अधीन सेवा-निवृत्ति होने की अनुज्ञा को रोक ले।

(2) (क) उप-विनियम (1) के प्रथम परन्तुक के खंड (क) में निर्दिष्ट आयोग का कर्मचारी तीन मास से कम की सूचना स्वीकार करने के लिए, कारण बताते हुए नियुक्ति करने वाले प्राधिकारी को लिखित में प्रार्थना कर सकता है।

(ख) खंड (क) के अधीन की गयी प्रार्थना प्राप्त होने पर नियुक्ति करनेवाला प्राधिकारी सूचना देने की तीन मास की अवधि को कम करने की प्रार्थना पर गुणावगुण के आधार पर विचार कर सकता है और यदि वह संतुष्ट हो जाता है कि सूचना की अवधि को कम करने से कोई प्रशासनिक असुविधा नहीं होगी तो आयोग तीन मास की सूचना की अपेक्षा को इस शर्त पर शिथिल कर सकता है कि आयोग का कर्मचारी तीन मास की सूचना की अवधि की समाप्ति से पूर्व अपनी पेंशन के किसी भाग के संशोधन के लिए आवेदन नहीं करेगा।

(3) आयोग का ऐसा कर्मचारी जिसने इस विनियम के अधीन सेवा-निवृत्ति होने का निर्वाचन किया है और आयोग की उस आशय की आवश्यक सूचना दे दी है, आयोग के विशेष अनुमोदन के बिना अपने निर्वाचन को प्रत्याह्वयन करने से प्रवर्तित रहेगा।

परन्तु यह तब जब कि प्रत्याह्वयन सम्बन्धी प्रार्थना उसकी सेवा-निवृत्ति की तारीख से भोतर की जाय।

(विनियम 41)

41. 20 वर्ष अर्हक सेवा पूरी कर चुकने पर सेवा-निवृत्ति

(1) आयोग का कोई भी कर्मचारी 20 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर लेने के पश्चात् आयोग की कम से कम 3 मास की लिखित सूचना देकर सेवा-निवृत्ति हो सकता है।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन दी गयी स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति की सूचना आयोग द्वारा स्वीकार की जानी चाहिए।

परन्तु यदि आयोग उस सूचना विनिर्दिष्ट की अवधि की समाप्ति के पूर्व सेवा-निवृत्ति के लिए अनुज्ञा देने से इनकार नहीं करता है तो सेवा-निवृत्ति उस अवधि की समाप्ति की तारीख से प्रभावी हो जायेगी।

(3) (क) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट आयोग का कर्मचारी स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति की 3 मास से कम की सूचना स्वीकार करने के लिए कारण देने हुए आयोग को लिखित प्रार्थना कर सकता है।

(ख) खण्ड (क) के अधीन की गयी प्रार्थना प्राप्त होने पर आयोग उपविनियम (2) के उपबंधों के अधीन रहते हुए सूचना देने के 3 मास की अवधि को कम करने की प्रार्थना पर गुणावगुण के आधार पर विचार कर सकता है और यदि वह संतुष्ट हो जाता है कि सूचना की अवधि को कम करने से कोई प्रशासनिक असुविधा नहीं होगी तो आयोग तीन मास की सूचना की अपेक्षा को इस शर्त पर शिथिल कर सकता है कि आयोग का कर्मचारी 3 मास की सूचना की अवधि की समाप्ति से पूर्व अपने पेंशन के किसी भाग के संशोधन के लिए आवेदन नहीं करेगा।

883 GI/84—3

(4) आयोग का ऐसा कर्मचारी जिसने इस विनियम के अधीन सेवा निवृत्ति होने का निर्वाचन किया हो और आयोग की इसकी आवश्यक सूचना दे दी है, सूचना को वापस लेने की प्रवर्तित होगा किन्तु आयोग के विशिष्ट अनुमोदन से ऐसी सूचना वापस ली जा सकती है।

परन्तु उसे वापस लेने का अनुरोध सेवा निवृत्ति की तारीख से पूर्व किया जायेगा।

(5) इस विनियम के अधीन सेवा निवृत्त होने वाले आयोग के कर्मचारी को पेंशन और मरु तथा सेवा निवृत्ति उपदान उन परिस्थितियों पर आधारित होगा जो विनियम 30 और 31 के अधीन परिभाषित हैं और उसकी अर्हक सेवा में की गयी 5 वर्ष से अधिक की वृद्धि से वह पेंशन और उपदान की गणना के प्रयोजनों के लिए इस बात का हकदार नहीं होगा कि उसका नेतन अभिकल्पित रूप से नियत किया जाय।

(6) यह विनियम आयोग के किसी ऐसे कर्मचारी को लागू नहीं होगा जो विनियम 26 के अधीन सेवा निवृत्त होता है।

नोट :

(1) यदि कोई कर्मचारी इस विनियम के अधीन स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की योजना के अन्तर्गत सेवा निवृत्त होता है जब कि वह ऐसी छुट्टी पर है जो उसे देय नहीं है और वह इयूटी पर आये बिना सेवा निवृत्त होता है तो यह सेवा निवृत्ति उस तारीख से प्रभावी होगी जिस तारीख से वह छुट्टी पर गया है और ऐसी छुट्टी के लिए दिया गया नेतन खादी ग्रामोद्योग आयोग (छुट्टी) नियमावली 1977 के उपबंधों के अधीन वसूल किया जायेगा।

(2) इस विनियम के अधीन आयोग को कर्मचारी स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की सूचना देने के पूर्व उसे उचित प्रशासनिक प्राधिकारी से निर्देश प्राप्त करके संतुष्ट हो जाना चाहिए कि उसके पेंशन के लिए वास्तव में 20 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर ली हो।

(3) 20 साल की अर्हक सेवा पूरी करने के बाद स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की सूचना देने के बाद उस पर आयोग की स्वीकृति आवश्यक होगी, यदि सेवा निवृत्ति की तारीख सूचना की अवधि समाप्त होने से पूर्व की वह तारीख हो जिसको कर्मचारी इन विनियमों के विनियम 40 के अधीन अथवा खादी ग्रामोद्योग आयोग विनियम 1958 के विनियम 5 के उपविनियम 3 के खण्ड (ख) के अधीन सेवा निवृत्त होता है। ऐसी स्वीकृति

सामान्यतः सभी मामलों में दी जा सकती है  
सिवाय ऐसे मामले—

(विनियम 38)

(क) जिनमें अनुशासनिक कार्रवाईयाँ अनिर्णीत हैं, अथवा कर्मचारी पर वृहत् शक्ति अधिरोपित किया जाना हो और अनुशासनिक प्राधिकारी मामले की परिस्थिति के अनुसार इस बात का हो कि कर्मचारी पर इस मामले में पदच्युत या सेवा में हटाये जाने की शास्त्रि अधिरोपित किया जाये, अथवा

(ख) जिसमें अभियोजन पर विचार किया जाता हो अथवा आयोग के कर्मचारी के विरुद्ध न्यायालय में मामला दर्ज किया गया हो। इन मामलों में भी स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की सूचनाओं आयोग द्वारा स्वीकृत की जा सकती है यदि ऐसे मामले की परिस्थिति न्याय संगत हो। वहाँ जहाँ आयोग के कर्मचारी द्वारा दी गई स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति की सूचना पर आयोग की स्वीकृति आवश्यक है, आयोग का कर्मचारी सूचना देने समय यह मान लेगा कि उसकी स्वीकृति आयोग द्वारा दे दी गयी है और सूचना में विहित शर्तों के अनुसार सेवा निवृत्ति प्रभावी होगी जब तक कि सक्षम प्राधिकारी इस सूचना की अवधि समाप्त होने के पूर्व इसके विपरीत आदेश जारी न करे।

42. स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की अर्हक सेवा में परिवर्धन : (1) यदि आयोग के कर्मचारी को सेवा निवृत्ति होने के आशय की तारीख जो विनियम 40(1) (क) अथवा जो खादी और ग्रामोद्योग आयोग विनियम 1958 के विनियम 5 के उप विनियम 3 के खण्ड (घ) (3) विनियम 41 के अधीन अनुज्ञा से या बिना अनुज्ञा से सेवा निवृत्त होता है तो 5 वर्ष से अनधिक अर्हक सेवा की अवधि में वृद्धि की जायेगी बशर्ते कि आयोग के कर्मचारी द्वारा की गयी कुल अर्हक सेवा 33 वर्ष से अधिक न हो और यह अवधि-वर्धिता की तारीख से अधिक न हो।

(2) उप विनियम (1) के अधीन 5 वर्ष का लाभ आयोग के ऐसे कर्मचारियों को देय नहीं होगा जो आयोग द्वारा सेवा निवृत्ति की अवधि के पूर्व ही खादी और ग्रामोद्योग आयोग विनियम 1958 के विनियम 5 के उप विनियम 3 के खण्ड घ अथवा नियम 40 (1) ख के अधीन लोकहित में सेवा निवृत्त होता है।

(विनियम 43)

#### 43. पेंशन को रकम

10 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी करने से पूर्व इन विनियमों के उपबन्धों के अनुसार सेवा निवृत्त होने वाली आयोग के कर्मचारी की दशा में सेवा उपदान की रकम वह संपूर्ण रकम होगी जो नीचे दी गयी है, अर्थात् :—

अर्हक सेवा की संपूर्ण छमाही सेवा उपदान का माप अवधियाँ

- (4) पेंशन इन विनियमों के विनियम 7 और 8 के उपबन्धों के शर्तों के अधीन होगी।
- (5) इन विनियमों के अधीन स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की यह योजना ऐसे कर्मचारियों पर लागू नहीं होगी जो विनियम 26 के उपबन्धों के अधीन स्वैच्छिक से सेवा निवृत्त होता है।
- (6) आयोग का कोई भी कर्मचारी स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति की सूचना देने हुए सूचना की अवधि समाप्त होने के पूर्व उसके खाते में जमा छुट्टी के लिए आवेदन कर सकेगा जिसे उसकी स्वीकृति दी जा सकती है, और वह सूचना की अवधि के साथ साथ चलती रहेगी। ऐसी छुट्टी की अवधि यदि कोई हो जो सूचना अवधि समाप्त होने पर सेवा निवृत्ति की तारीख के पश्चात बढ़ाई जाती है जिसको आयोग का कर्मचारी अधिवासिता की आयु पर पहुँचने पर सेवा निवृत्त होता है उसे खादी ग्रामोद्योग आयोग (छुट्टी) नियमावली 1977 के अधीन उपबन्धों के अनुसार छुट्टी दी जा सकती है।

(1)	(2)
1	1/2 मासिक परिश्रमियाँ
2	1 " "
3	1-1/2 " "
4	2 " "
5	2-1/2 " "
6	3 " "
7	3-1/2 " "
8	4 " "
9	4-3/8 " "
10	4-3/4 " "
11	5-1/8 " "
12	5-1/2 " "
13	5-7/8 " "
14	6-1/4 " "
15	6-5/8 " "
16	7 " "
17	7-3/8 " "
18	7-3/4 " "
19	8-1/8 " "

(2) (क) 33 वर्ष तक की अर्हक सेवा पूरी कर चुकने के पश्चात् इन विनियमों के उपबंधों के अनुसार सेवा-निवृत्त होने वाले आयोग के कर्मचारी की दशा में पेंशन की रकम निम्नानुसार अवधारित की जायेगी अर्थात् :—

औसत परिलब्धियाँ	मासिक पेंशन की रकम
1. प्रथम 1 000 रु० तक	औसत परिलब्धियों का 50 प्रतिशत ।
2. अगले 500 रु० तक	औसत परिलब्धियों का 45 प्रतिशत
3. अधिशेष	औसत परिलब्धियों का 40 प्रतिशत किन्तु मासिक पेंशन 1 500 रु० प्रति मास की अधिकतम राशि तक होगी जिसमें इंडेक्स लेवल 328 तक देय पेंशन रिलीफ भी शामिल है ।

(ख) 33 वर्ष से कम किन्तु 10 वर्ष से अधिक अर्हक सेवा पूरी कर चुकने के पश्चात् इन विनियमों के उपबंधों के अनुसार सेवा-निवृत्त होने वाले आयोग के कर्मचारी की दशा में पेंशन की रकम खण्ड (क) के अधीन अनुज्ञेय पेंशन की रकम के अनुपात में होगी और पेंशन की रकम किसी भी दशा में 60 रुपये प्रति मास से कम नहीं होगी।

(ग) खण्ड (क) और खण्ड (ख) में किसी बात के होते हुए भी अशक्त पेंशन की रकम विनियम 49 के उप-विनियम (1) के अधीन अनुज्ञेय कुटुम्ब पेंशन की रकम से कम नहीं होगी ।

(3) अर्हक सेवा-काल की गणना करने में वर्ष का ऐसा भाग जो 3 मास के बराबर या उससे अधिक ही पूरी छमाही अवधि माना जायेगा और उसकी गणना अर्हक सेवा के रूप में की जायेगी ।

(4) उप-विनियम (2) के खण्ड (क) अथवा खण्ड (ख) के अधीन अन्तिम रूप से अवधारित पेंशन की रकम पूरे रुपये में अभिव्यक्त की जायेगी और जहाँ पेंशन में एक रुपये का कोई भाग हो वहाँ उसे पूरा करके अगले रुपये तक कर दिया जायेगा ।

स्पष्टीकरण : जहाँ पर अशक्त पेंशन की रकम की गणना के अर्हक सेवा के वर्षों के संदर्भ में की जाती है और औसत परिलब्धियाँ विनियम 49 के उप-विनियम (1) के अधीन अवधारित कुटुम्ब पेंशन से कम है वहाँ अशक्त पेंशन की राशि को जैसा कि निम्नानुसार बताया गया है कुटुम्ब पेंशन के बराबर तक बढ़ा दिया जायेगा :—

- (1) अशक्त पेंशन पर सेवा-निवृत्त 160 रु० प्रतिमाह कर्मचारी द्वारा ली गई परिलब्धियों के संदर्भ में विनियम 49 के उप-विनियम (1) के अधीन अवधारित कुटुम्ब पेंशन की राशि

(2) मूल अशक्त पेंशन की राशि अर्थात् 90 रु० प्रति माह अर्हक वर्षों की सेवा के संदर्भ में अवधारित और औसत परिलब्धियाँ

(3) अतिरिक्त पेंशन जिसे उपर्युक्त (2) के बराबर की रकम तक लाई गई अशक्त पेंशन की राशि जो कुटुम्ब पेंशन बराबर हो जिसे उपर्युक्त (1) में दर्शाया गया है (अर्थात् उपर्युक्त (1) की रकम को (2) में से घटाकर)

(4) उपर्युक्त 2 और 3 में दर्शाई गई 160 रु० प्रति माह कुल रकम जो अशक्त पेंशन पर सेवा-निवृत्त होने पर देय होगी

पेंशन के मराणाकरण के प्रयोजन के लिए मूल, अशक्त पेंशन जिसे उपर्युक्त 2 में दर्शाया गया है की रकम को ही लेखे लिया जायगा। फिर भी तदर्थ रिलीफ और पेंशन पर वर्गीकृत रिलीफ उपर्युक्त (4) में दर्शायी गयी रकम के आधार पर अवधारित की जायेगी।

(विनियम 44)

44. मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान : 1. (क) आयोग के ऐसे कर्मचारी की जिसने 5 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर ली हो और विनियम (43) के अधीन सेवा-उपदान अथवा पेंशन का पात्र हो गया हो, उसकी सेवा-निवृत्ति पर मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान मंजूर किया जायेगा जो अर्हक लेखा की प्रत्येक पूर्ण छमाही अवधि के लिए उसकी परिलब्धियों के एक चौथाई के बराबर होगा किन्तु यह उपदान उसकी परिलब्धियों का अधिक से अधिक 16 गुना होगा ।

(ख) यदि आयोग का कोई कर्मचारी 5 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर चुकने के पश्चात् सेवा में रहते हुए मर जाता है तो मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान की रकम उसकी परिलब्धियों के 12 गुने के, अथवा खण्ड (क) के अधीन अवधारित रकम के इनमें से जो भी अधिक हो के बराबर होगी और वह विनियम (45) के उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट रीति से उसके कुटुम्ब को दी जायेगी ।

परन्तु इस विनियम के अधीन देय मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान की रकम किसी भी दशा में 36,000 रुपये से अधिक नहीं होगी ।

(2) यदि आयोग का कोई कर्मचारी जो सेवा उपदान या पेंशन का पात्र हो चुका है, अपनी सेवा निवृत्ति को जिसके श्रान्तर्गत शास्ति स्वरूप में अनिवार्य सेवा निवृत्ति भी है, की तारीख से 5 वर्ष के भीतर मर जाता है और ऐसा उपदान या पेंशन जिसमें तदर्थ वृद्धि यदि कोई हो भी शामिल है तो उसकी मृत्यु के समय उसके द्वारा वस्तुतः



प्राप्त धनराशि और साथ ही उन विनियम (1) के अधीन अनुज्ञेय तथा सेवा निवृत्ति उपदान और उसके द्वारा संराशित पेंशन के किसी भी भाग का संराशित मूल्य उसकी परिलब्धियों के 12 गुना रकम से कम है तो जितनी रकम कम होगी उसके बराबर शेष उपदान विनियम (45) के उप विनियम (1) में निर्दिष्ट रीति से उसके कुटुम्ब को दी जा सकती है।

(3) (क) यदि आयोग का कोई कर्मचारी अर्हक सेवा के प्रथम वर्ष में ही मर जाता है तो उसकी मृत्यु के समय उसकी परिलब्धियों के दुगुने के बराबर मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान विनियम (45) के उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट रीति से उसके कुटुम्ब को दी जायेगी।

(ख) यदि आयोग का कोई कर्मचारी अर्हक सेवा का एक वर्ष पूरा कर चुकने के पश्चात् किन्तु अर्हक सेवा के 5 वर्ष पूरा करने के पूर्व मर जाता है तो मृत्यु तथा निवृत्ति उपदान की रकम उसकी परिलब्धियों के 6 गुने बराबर होगी।

(4) इस विनियम के अधीन अनुज्ञेय उपदान के प्रयोजन के लिए परिलब्धियाँ अधिक से अधिक 2500 रु० प्रति माह से अधिक नहीं होंगी और उनकी गणना विनियम (30) के अनुसार की जायेगी।

परन्तु यदि आयोग के किसी कर्मचारी की परिलब्धियाँ उसकी सेवा के अन्तिम 10 मास के दौरान प्राप्त स्वल्पा कम किये जाने से अन्वया कम कर दी गई हों तो विनियम (31) में यथा निर्दिष्ट औसत परिलब्धियाँ उनकी परिलब्धियों के रूप में मानी जायेगी।

(5) इस विनियम और विनियम 45, 47 और 48 के प्रयोजनों के लिए आयोग के कर्मचारी के संबंध में कुटुम्ब से निम्नलिखित अभिप्रेत है :

1. आयोग के पुरुष कर्मचारी की दशा में पत्नी या पत्नियाँ जिनमें न्यायिक रूप से पृथक पति या पत्नियाँ भी हैं;

2. आयोग के स्त्री कर्मचारी की दशा में पति जिसमें न्यायिक रूप से पृथक पति भी है;

3. पुत्र जिनके अन्तर्गत सौतेले पुत्र और दत्तक पुत्र भी हैं;

4. अविवाहित पुत्रियाँ जिनके अन्तर्गत सौतेली पुत्रियाँ और दत्तक पुत्रियाँ भी हैं;

5. विधवा पुत्रियाँ जिनके अन्तर्गत सौतेली पुत्रियाँ और दत्तक पुत्रियाँ हैं;

6. पिता जिनके अन्तर्गत ऐसे व्यक्तियों की दशा में

7. माता : जिनकी स्वयं की विधि, दत्तक ग्रहण की अनुज्ञा देता है, दत्तक पिता, माता भी है;

8. 18 वर्ष से कम आयु के भाई जिनके अन्तर्गत सौतेले भाई भी हैं;

9. अविवाहित बहनें अथवा विधवा बहनें जिनके अन्तर्गत सौतेली बहनें भी हैं;

10. विवाहित पुत्रियाँ, और

11. पूर्व मृत पुत्र के बालक

स्पष्टीकरण : (1) ये विनियम आयोग के ऐसे कर्मचारी के परिवार को कुटुम्ब पेंशन/मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान की स्वीकृति को निषिद्ध नहीं करता है, जो आत्महत्या करता है।

(2) मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान का अवधारण जहाँ पर सेवा अभिलेख अपूर्ण है :

(1) यदि मृत कर्मचारी ने मृत्यु के समय तक 5 साल की अर्हक सेवा पूरी कर ली है लेकिन अर्हक सेवा 24 वर्ष से कम है, और उसके अन्तिम 5 वर्ष की सेवा का सत्यापन तथा कार्यालय अध्यापक द्वारा उसे स्वीकार कर लिया गया है, मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान की रकम आयोग के कर्मचारी की परिलब्धियों की 12 गुना होगी। जहाँ कि इस विनियम के उपविनियम (1) के खण्ड "ख" में निर्दिष्ट है। जहाँ पर सत्यापित और स्वीकृत सेवा 5 वर्ष से कम अर्हक सेवा है वहाँ पर मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान की रकम उसकी परिलब्धियों के 2 गुना अथवा 6 गुना के बराबर होगी। जैसा कि इस विनियम के उप विनियम (3) के खण्ड "क" और "ख" में निर्दिष्ट है।

(2) यदि आयोग के मृत कर्मचारी ने 24 साल से अधिक सेवा की हो और उसने पूरा तन का सत्यापन और उसकी स्वीकृति नहीं हो सकती लेकिन उसकी सेवा के अन्तिम 5 वर्ष का सत्यापन और उसकी स्वीकृति खण्ड (1) के अधीन हो चुकी हो तो आयोग के मृत कर्मचारी के कुटुम्ब को मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान उसकी परिलब्धियों के बारह गुना के बराबर अन्तिम आधार पर अनुज्ञेय होगी। उपदान को अन्तिम रकम का अवधारण उसकी पूरी सेवा के आधार पर किया जायेगा जिसे कार्यालय अध्यापक द्वारा उस तारीख के छह माह की अवधि के अन्दर सत्यापित और स्वीकृत किया जाया जाय जिस प्राधिकारी ने अन्तिम उपदान की पुष्टानी के लिए आदेश जारी किया था। मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान की रकम के अन्तिम अवधारण के फलस्वरूप हितप्राही अथवा हितप्राहियों की शेष रकम यदि कोई हो, प्राधिकृत की जायेगी।

## (विनियम 45)

## 45. वे व्यक्ति जिन्हें उपदान देय है

(1) (क) विनियम (44) के अधीन देय उपदान ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों को दिया जायेगा जिन्हें उपदान प्राप्त करने का अधिकार विनियम (48) के अधीन नाम निर्देशन द्वारा प्रदत्त किया गया हो।

(ख) यदि ऐसा कोई नाम निर्देशन नहीं है या यदि नाम निर्देशन अस्तित्व में भी नहीं है तो उपदान नीचे निर्दिष्ट रीति से दिया जाएगा —

(1) यदि विनियम (44) के उा विनियम (5) के खण्ड (1) (2) (3) और (4) में यथा वर्णित कुटुंब के एक या अधिक सदस्य जीवित हैं तो सभी सदस्यों को बराबर-बराबर अंशों में

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड 1 में यथा वर्णित कुटुंब के ऐसा कोई भी जीवित नहीं है लेकिन विनियम (44) के उपविनियम (5) के खण्ड (5) (6) (7) (8) (9) (10) और (11) में दिए गए एक या अधिक सदस्य जीवित हैं तो ऐसे सदस्यों को बराबर बराबर अंशों में;

(2) यदि आयोग के कर्मचारी की मृत्यु विनियम (44) के उप-विनियम (1) के अधीन अनुज्ञेय उपदान प्राप्त किए बिना ही सेवा-निवृत्ति के पश्चात् हो जाती है तो उपदान उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट रीति से कुटुंब को दे दिया जाएगा।

(3) यदि आयोग का कर्मचारी जिसकी मृत्यु सेवा में रहते हुए या सेवा निवृत्ति के बाद हो जाती है कुटुंब के किसी स्त्री सदस्य अथवा आयोग के उस कर्मचारी के किसी भाई के उपदान के किसी अंश को पाने के अधिकार पर उस दशा में प्रभाव नहीं पड़ेगा जब आयोग के कर्मचारी की मृत्यु के पश्चात् और उपदान के अपने अंश को प्राप्त करने से पूर्व वह स्त्री सदस्य ने विवाह कर ली हो अथवा पुनर्विवाह कर ली हो अथवा भाई 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर लिया हो।

(4) जहां कि विनियम 44 के अधीन मृत आयोग के कर्मचारी के कुटुंब के किसी अवयव सदस्य को कोई उपदान मंजूर किया जाए वह उस अवयव की ओर से संरक्षक को देय होगा।

## (विनियम 46)

## 46. किसी व्यक्ति का उपदान प्राप्त करने से विवर्जन

(1) यदि कोई व्यक्ति जो सेवा-काल में आयोग के कर्मचारी की मृत्यु की दशा में विनियम (45) के अनुसार उपदान प्राप्त करने का पात्र हो, आयोग के कर्मचारी की हत्या के अपराध के लिए या किसी ऐसे अपराध को करने के दुष्प्रयास के लिए आरोपित किया गया हो तो उपदान में से अपना अंश प्राप्त करने का दावा उसके विरुद्ध दण्ड की कार्यवाही की समाप्ति तक निलंबित रहेगा।

(2) यदि उप-विनियम 1 में निर्दिष्ट दण्ड को कार्यवाही की तथ्य प्रति पर सम्बद्ध व्यक्ति —

(क) आयोग के कर्मचारी की हत्या के लिए या हत्या का दुष्प्रयास करने के लिए सिद्ध दोष ठहराया जाता है तो उपदान में से अपना अंश प्राप्त करने से वह विवर्जित कर दिया जायेगा। जो कुटुंब के अन्य पात्र सदस्यों को यदि कोई हो, देय होगा;

(ख) आयोग के कर्मचारी की हत्या करने या हत्या का दुष्प्रयास करने के आरोप से दोषमुक्त कर दिया जाता है तो उपदान का उक्त अंश उसे देय हो जायेगा।

(3) उप-विनियम (1) और उप-विनियम (2) के उपबंध विनियम (45) के उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट अंतर्बितरित उपदान को भी लागू होगा।

## 47. मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान का व्ययगत होना

जहां कि आयोग के किसी कर्मचारी की मृत्यु सेवा में रहते हुए या सेवा-निवृत्ति के पश्चात् उपदान की रकम प्राप्त किए बिना हो जाती है और वह अपने पीछे कोई कुटुंब नहीं छोड़ता है और—

(क) उसने कोई नाम-निर्देशन नहीं किया है, या

(ख) उसके द्वारा किया गया नाम-निर्देशन अस्तित्व में नहीं है वहां आयोग के ऐसे कर्मचारी के सम्बन्ध में विनियम (44) के अधीन देय मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान की रकम आयोग को व्ययगत हो जायेगी।

## (विनियम 48)

## 48. नामनिर्देशन

(1) आयोग का कर्मचारी किसी सेवा या पद पर परीक्षण/परवोक्षाकाल की अवधि को सन्तोषजनक रूप से पूरा करने पर प्रारूप 1 या प्रारूप 2 में जो भी मामल की परिस्थितियों में उपयुक्त हो, एक नाम निर्देशन करेगा जिसमें विनियम (44) के अधीन देय मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान प्राप्त करने का अधिकार एक या अधिक व्यक्तियों को दिया जायेगा।

परन्तु नाम निर्देशन करते समय—

(1) यदि आयोग के कर्मचारी का कोई कुटुंब हो तो नाम निर्देशन उसके कुटुंब के सदस्यों से सिवा किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पक्ष में नहीं होगा, या

(2) यदि आयोग के कर्मचारी का कोई कुटुंब नहीं है तो नाम निर्देशन किसी व्यक्ति या व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के निकाय चाहे वह नियमित हो या न हो, के पक्ष में किया जा सकता है।

(2) यदि कोई कर्मचारी उपविनियम (1) के अधीन एक से अधिक व्यक्तियों का नाम निर्देशन करता है तो वह नाम निर्देशन उस नाम निर्देशित व्यक्तियों में से प्रत्येक को देय अंश की रकम इस प्रकार विनिर्दिष्ट करेगा कि उसके अन्तर्गत उपदान की मारी रकम आ जाय।

## (3) कर्मचारी नाम निर्देशन में—

- यह उपबंध कर सकेगा कि ऐसे किसी विनिर्दिष्ट निर्देशितों के सम्बन्ध में जिसकी मृत्यु आयोग के कर्मचारी से पहले हो हो जाय अथवा आयोग के कर्मचारी की मृत्यु हो जाने के पश्चात् किन्तु उपदान को रकम प्राप्त किए बिना ही हो जाय तो उस नाम निर्देशितों से प्रदत्त अधिकार किसी ऐसे अन्य व्यक्ति को चला जायगा जिसे नाम निर्देशन में विनिर्दिष्ट किया जाय।

परन्तु यदि नाम निर्देशन करते समय कर्मचारी को कोई ऐसा कुटुंब हो जिसमें एक से अधिक सदस्य हों तो इस प्रकार विनिर्दिष्ट व्यक्ति उसके कुटुंब के सदस्य से भिन्न कोई व्यक्ति नहीं होगा;

परन्तु यह और कि जहां कर्मचारी के अपने कुटुंब में केवल एक ही व्यक्ति हो और नाम निर्देशन उसी के पक्ष में किया गया हो वहां कर्मचारी किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के निकाय के पक्ष में चाहे वह निर्गमित हो या न हो अन्य नाम निर्देशितों अथवा नाम निर्देशितियों का नाम निर्देशन करने के लिए स्वतंत्र होगा।

- यह उपबंध कर सकेगा कि उसमें दिए गए किसी आकस्मिकता के घटित होने पर वह नाम निर्देशन अवैध हो जायगा।

(4) ऐसे कर्मचारी द्वारा जिनका नाम निर्देशन करने समय कोई कुटुंब न हो, किया गया नाम निर्देशन अथवा उप-विनियम (3) के खण्ड (1) के द्वितीय परन्तुक के अधीन कर्मचारी द्वारा उस दशा में जब कि उसके कुटुंब में एक ही सदस्य हो किया गया नाम निर्देशन उस दशा में अवैध हो जायगा जब आयोग के उस कर्मचारी का यथास्थिति बाद में कोई कुटुंब हो जाय अथवा उसके कुटुंब में कोई और सदस्य आ जाय।

(5) कर्मचारी कार्यालय अध्यक्ष को लिखित सूचना भेजकर नाम निर्देशन किसी भी समय रद्द कर सकेगा;

परन्तु वह इस विनियम के अनुसार किया गया नया नाम निर्देशन ऐसी सूचना के साथ भेजेगा।

(6) ऐसे नाम निर्देशितों की जिसके सम्बन्ध में उप-विनियम (3) के खण्ड (1) के अधीन नाम निर्देशन में कोई विशेष उपबंध नहीं किया गया है, मृत्यु होते ही अथवा ऐसी कोई घटना घटित होने पर, जिसके कारण नाम निर्देशन उस उप-विनियम के खण्ड (2) के अनुसरण में अवैध हो जाय तो कर्मचारी कार्यालय अध्यक्ष को एक लिखित सूचना भेजेगा जिसमें वह नाम निर्देशन को रद्द कर देगा और साथ ही इस विनियम के अनुसार किया गया निर्देशन भेजेगा।

(7) (क) इस विनियम के अधीन कर्मचारी द्वारा प्रत्येक नाम निर्देशन (जिसके अन्तर्गत उसके रद्द करने, यदि कोई हो के लिए दी गयी प्रत्येक सूचना भी हो) कार्यालय अध्यक्ष को भेजा जायगा।

(ख) कार्यालय अध्यक्ष ऐसे नाम निर्देशन की प्राप्ति की तारीख दर्शाते हुए उस पर तुरन्त प्रतिहस्ताक्षर करेगा और उसे अपनी अभिरक्षा में रखेगा।

(ग) नाम निर्देशन की प्राप्ति के बारे में उक्त इंदराज सम्बद्ध कर्मचारी की सेवा-पुस्तिका में को जायेगी।

(8) कर्मचारी द्वारा किया गया प्रत्येक नाम निर्देशन और उसके रद्द करने के लिए दी गयी प्रत्येक सूचना उस सीमा तक जिस तक वह विधिमान्य हो, उस तारीख से प्रभावी होंगे जिसको वह कार्यालय अध्यक्ष को प्राप्त होती है।

(विनियम 49)

## 49. कुटुंब पेंशन

(1) जहाँ पर कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है—

(क) लगातार एक वर्ष की सेवा पूरी कर चुकने के बाद, परन्तु यह तब जब कि आयोग के सम्बद्ध मृतक कर्मचारी की सेवा या पद पर उसकी नियुक्ति के ठीक पूर्व समुचित चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा परीक्षा की गयी हो और उस प्राधिकारी द्वारा आयोग के अधीन सेवा के लिए उसे उक्त घोषित किया गया हो, अथवा

(ख) सेवा से निवृत्त होने के पश्चात् और वह मृत्यु की तारीख को विनियम 34 में निर्दिष्ट पेंशन से भिन्न अध्याय 5 में निर्दिष्ट पेंशन अथवा अनुकंपा भत्ता पा रहा हो तो मृतक का कुटुंब, कुटुंब पेंशन का हकदार होगा जिसकी रकम निम्नलिखित सारिणी के अनुसार अवधारित की जायेगी :—

कर्मचारी का वेतन	मासिक कुटुंब पेंशन की रकम
1	2
1. 400 रु० से कम	वेतन का 30 प्रतिशत, किन्तु कम से कम 60) रु० तथा अधिक से अधिक 100 रु०
2. 400 रु० तथा इससे अधिक किन्तु 1200 रु० से कम	वेतन का 15 प्रतिशत, किन्तु कम से कम 100 रु० अधिक से अधिक 160 रु०
3. 1200 रु० तथा इससे अधिक	वेतन का 12 प्रतिशत, किन्तु कम से कम 160 रु० तथा अधिक से अधिक 250 रु० तक।

स्पष्टीकरण: 'एक वर्ष की लगातार सेवा' पद का जहाँ कहीं भी वह इस विनियम में आता हो, अर्थ इस प्रकार किया जायगा कि उसके अन्तर्गत खण्ड (ख) में में यथा परिभाषित एक वर्ष से कम की लगातार सेवा भी है।



(2) कुटुम्ब पेंशन की रकम मासिक दरों पर और पूरे-पूरे रूपों में अभिव्यक्त की जायेगी और जहाँ कुटुम्ब पेंशन में एक रुपये का कोई भाग हो वहाँ उसे पूरा करके अगले रुपये तक कर दिया जायेगा।

परन्तु किसी भी दशा में इस विनियम के अधीन निर्धारित अधिकतम से अधिक कुटुम्ब पेंशन नहीं दी जायेगी।

(3) (क) (1) जहाँ ऐसे कर्मचारी की, जो 7 वर्ष से कम न हो, की लगातार सेवा कर चुकने के पश्चात्, सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाती है वह कुटुम्ब को देय कुटुम्ब पेंशन की दर अन्त में लिए गए घेतन के 50 प्रतिशत के बराबर, अथवा उपविनियम (1) के अधीन अनुज्ञेय कुटुम्ब पेंशन के दुगुने के बराबर, इनमें से जो भी कम हो, होगी तथा इस प्रकार अनुज्ञेय रकम कर्मचारी की मृत्यु की तारीख के ठीक बाद की तारीख से 7 वर्ष की अवधि के लिए अथवा उस तारीख तक की अवधि के लिए जिस तारीख तक मृत कर्मचारी 65 वर्ष की आयु का हो जाता, इनमें से जो भी अवधि कम हो, देय होगी।

(2) सेवा-निवृत्ति के पश्चात् कर्मचारी की मृत्यु होने की दशा में उपखण्ड (1) के अधीन यथा अवधारित कुटुम्ब पेंशन, 7 वर्ष की अवधि के लिए अथवा सेवा-निवृत्त आयोग का मृत कर्मचारी, यदि वह जीवित रहता तो जिस तारीख की 65 वर्ष की आयु का हो जाता उस तारीख तक की अवधि के लिए देय होगी, इनमें से जो भी अवधि कम हो।

परन्तु इस खण्ड के उपविनियम (2) के अधीन अवधारित कुटुम्ब पेंशन की रकम किसी भी दशा में आयोग के कर्मचारी को आयोग की सेवा से सेवा-निवृत्त होने पर मंजूर की जाने वाली पेंशन से अधिक नहीं होगी।

परन्तु यह और कि जहाँ सेवा-निवृत्त होने पर मंजूर की जानेवाली पेंशन की रकम उपविनियम (1) के अधीन अनुज्ञेय कुटुम्ब पेंशन की रकम से कम हो वहाँ इस खण्ड के अधीन अवधारित पेंशन की रकम उप-विनियम (1) के अधीन अनुज्ञेय पेंशन की रकम तक सीमित होगी।

स्पष्टीकरण: इस उपखण्ड के प्रयोजन के लिए, सेवा-निवृत्त होने पर मंजूर की जाने वाली पेंशन के अन्तर्गत पेंशन का वह भाग भी है जिसे सेवा-निवृत्त कर्मचारी मृत्यु से पहले संराशीकृत कर सकता है।

(ख) खण्ड (क) में निदिष्ट अवधि के अवसान के पश्चात् वह कुटुम्ब जो उस खण्ड के अधीन कुटुम्ब पेंशन पा रहा है उप-विनियम (1) के अधीन अनुज्ञेय दर पर कुटुम्ब पेंशन पाने का हकदार होगा।

(4) जिस अवधि के लिए कुटुम्ब पेंशन देय है वह निम्नानुसार होगी:—

1. विधवा अथवा विधुर की दशा में मृत्यु या पुनर्विवाह की तारीख तक इनमें से जो भी पहले हो।

2. पुत्र की दशा में जब तक वह 21 वर्ष की आयु प्राप्त न कर ले और

3. अविवाहित पुत्री की दशा में जब तक वह 24 वर्ष की आयु प्राप्त न कर ले या जब तक उसका विवाह न हो जाय इनमें से जो भी पहले हो।

परन्तु यदि आयोग के कर्मचारी का पुत्र या पुत्री किसी मानसिक विकास या अशक्तता से ग्रस्त हो अथवा शारीरिक रूप से अपंग या अशक्त हो जिससे कि वह पुत्र की दशा में 21 वर्ष और पुत्री की दशा में 24 वर्ष की आयु का हो जाने पर भी आजीविका उपार्जन करने में असमर्थ है तो ऐसे पुत्र या पुत्री को आजीवन कुटुम्ब पेंशन निम्नलिखित शर्तों के अधीन देय होगी अर्थात्:—

1. यदि ऐसा पुत्र या पुत्री कर्मचारी के दो या अधिक बालकों में से एक है तो कुटुम्ब पेंशन प्रारम्भ में इस विनियम के उप-विनियम (6) के खण्ड (3) में अंकित क्रम से अथवा बाज्रक की तब तक देय होगी जब तक अंतिम अवस्थित बालक 21 या 24 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेता और तदुपरांत कुटुम्ब पेंशन पुत्र या पुत्री के पक्ष में जो मानसिक विकास या अशक्तता से ग्रस्त हो अथवा शारीरिक रूप से अपंग या अशक्त हो पुनः आरम्भ कर दिया जायेगा और उसे आजीवन देय होगा।

2. यदि ऐसे एक या एक से अधिक पुत्र या पुत्री हों जो मानसिक विकास या अशक्तता से ग्रस्त हों अथवा शारीरिक रूप से अपंग या अशक्त हैं तो कुटुम्ब पेंशन निम्नानुसार दी जायेगी:—

(क) पहले तो पुत्र को और यदि एक से अधिक ऐसे पुत्र हैं तो उनमें से छोटा पुत्र बड़े के जीवन-काल के पश्चात् कुटुम्ब पेंशन प्राप्त करेगा।

(ख) दूसरे क्रम पर पुत्री को और यदि एक से अधिक पुत्रियाँ हैं तो उनमें से छोटी पुत्री बड़ी पुत्री के जीवन-काल के पश्चात् कुटुम्ब पेंशन प्राप्त करेगी।

3. ऐसे पुत्र या पुत्री की कुटुम्ब पेंशन संरक्षक के मार्फत दी जायेगी मानों वह पुत्र या पुत्री अल्पवय हो।

4. ऐसे पुत्र या पुत्री को आजीवन कुटुम्ब पेंशन अनुज्ञात करने से पूर्व आयोग यह समाधान कर लेगा कि असमर्थता ऐसी प्रकृति की है जिससे वह बालक अपनी आजीविका का पालन नहीं कर सकता है और इस बात के साथ-साथ स्वयं जहाँ तक सम्भव हो नामित चिकित्सा प्राधिकारी का प्रमाणपत्र लिया जायेगा जिसमें वातक के सही शारीरिक या मानसिक दशा का उल्लेख किया जायेगा।

5. ऐसे पुत्र या पुत्री के संरक्षक के रूप में कुटुम्ब पेंशन प्राप्त करने वाला व्यक्ति हर तीन वर्ष पर नामित चिकित्सा प्राधिकारी का इन आशय का एक प्रमाणपत्र पेश करेगा कि ऐसा पुत्र या पुत्री अभी भी मानसिक विकास या अशक्तता से ग्रस्त है अथवा शारीरिक रूप से अपंग या अशक्त है।

स्पष्टीकरण:— (क) इस उप-विनियम के अधीन कुटुम्ब पेंशन मंजूर करने के प्रयोजन के लिए केवल उस अशक्तता को विचार में लिया जायेगा जो कर्मचारी को सेवा-

निवृत्ति अवकाश पुरुष से पूर्व सेवा में रहते हुए प्रकट हो।

(ख) पुत्री इस उप-विनियम के अधीन कुटुंब पेंशन के लिए लिए उस तारीख से पात्र नहीं रहेगी जिस तारीख को उसका विवाह हो जाता हो।

(ग) ऐसे पुत्र या पुत्री को देय कुटुंब पेंशन बन्द कर दी जायेगी जो अपनी आजीविका का उपार्जन प्राप्त कर देता या कर देती है।

(घ) ऐसे मामलों में संरक्षक का यह कर्तव्य होगा कि वह मुख्य लेखाधिकारी को प्रति साह इस आशय का प्रमाण पत्र देगा (1) पुत्र अथवा पुत्री से अपनी आजीविका का उपार्जन नहीं किया है। (2) पुत्री की दशा में यह कि उसका अभी विवाह नहीं हुआ है।

(5) (क) (1) जहाँ कि कुटुंब पेंशन एक से अधिक विधवाओं को देय हो वहाँ कुटुंब पेंशन विधवाओं को बराबर अंशों में दी जाएगी।

(2) एक विधवा की मृत्यु हो जाने पर उसकी अंश उसके पात्र धाजक को देय हो जायेगा।

परन्तु यदि उस विधवा या कोई बालक जीवित नहीं रहता तो कुटुंब पेंशन का उसका अंश देय नहीं रह जायेगा।

(ख) जहाँ मृत कर्मचारी या पेंशनभोगी की जीवित कोई विधवा है किन्तु उसने किसी अन्य पत्नी से जो जीवित नहीं है पात्र बालक या बालकों को छोड़ा हो वहाँ वह या वे पात्र बालक कुटुंब पेंशन के उस अंश का हकदार होगा या होंगे जो माता की उस दशा में मिलता जब वह कर्मचारी या पेंशनभोगी की मृत्यु के समय जीवित होती।

(6) (1) उप-विनियम (5) में उपबंधित के सिवाय कुटुंब पेंशन एक ही समय से कुटुंब के एक से अधिक सदस्य को देय नहीं होगी।

(2) यदि कोई मृतक कर्मचारी या पेंशन भोगी किसी विधवा या विधुर को छोड़ जाता है या छोड़ जाती है तब कुटुंब पेंशन विधवा या विधुर और उसके न होने पर पात्र बालक को देय हो जायेगा।

(3) यदि पुत्र और अविवाहित पुत्रियाँ जीवित हैं तो अविवाहित पुत्रियाँ कुटुंब पेंशन के लिए तब तक पात्र नहीं होंगी जब तक पुत्र 21 वर्ष की आयु प्राप्त करके कुटुंब पेंशन प्राप्त करने के लिए अभाव न हो जाय।

(7) जहाँ कि कोई मृतक कर्मचारी या पेंशनभोगी एक बालक छोड़ जाता है वह ज्येष्ठ पात्र बालक उप-विनियम (4) के अध्यास्थिति खण्ड (2) या खण्ड (3) में वर्णित अवधि के लिए कुटुंब पेंशन पाने का हकदार होगा और उस अवधि के अवसान के पश्चात् अपना बालक कुटुंब पेंशन पाने का पात्र हो जायेगा।

(8) जहाँ कि इस विनियम के अधीन किसी अवसर को कोई कुटुंब पेंशन मंजूर की जाती हो वहाँ वह उस अवसर की ओर से संरक्षक को देय होगी।

(9) यदि पत्नी और पति दोनों ही आयोग के कर्मचारी हों और इस विनियम उपबन्धों में शासित होते हों और उनमें से एक की मृत्यु सेवा में रहते हुए या सेवा-निवृत्त के पश्चात् हो जाय तो मृतक के सम्बन्ध में कुटुंब पेंशन जीवित पति या पत्नी को देय हो जायेगी तथा उस पति या पत्नी की मृत्यु की दशा में मृतक माता-पिता को बाबत जीवित बालक या बालकों को दो कुटुंब पेंशन नीचे निर्दिष्ट परिसीमाओं के अधीन रहते हुए मंजूर की जायेगी अर्थात्—

(क) (1) यदि जीवित बालक उप-विनियम (3) में वर्णित दर से दोनों कुटुंब पेंशन पाने का पात्र हो— या पाने के पात्र हैं तो दोनों पेंशन की रकम 500 रु० प्रति माह तक सीमित रहेगी।

(2) यदि कुटुंब पेंशन में से एक उप-विनियम (3) में वर्णित दरों से देय नहीं रह जाती है और उसके बदले में उप-विनियम (1) में वर्णित दर से पेंशन देय हो जाती है तो दोनों पेंशनों की रकम भी 500 रु० प्रति माह तक सीमित रहेगी।

(ख) यदि दोनों ही कुटुंब पेंशन उप-विनियम (1) में वर्णित दरों से देय हैं तो दोनों पेंशन की रकम 250 रु० प्रति माह तक सीमित रहेगी।

10. जहाँ कोई स्त्री कर्मचारी या पुरुष कर्मचारी न्यायिक रूप से पृथक प्रति या विधवा पीछे छोड़कर मर जाती है या मर जाता है और कोई पालक नहीं छोड़ती या छोड़ता तो मृतक के बाबत कुटुंब पेंशन जीवित व्यक्ति को देय होगी।

परन्तु जहाँ न्यायिक पृथक्करण जार कर्म के आधार पर स्वीकार किया जाता है और कर्मचारी की मृत्यु ऐसे न्यायिक पृथक्करण की अवधि के दौरान हो जाती है वहाँ जीवित व्यक्ति को कुटुंब पेंशन देय नहीं होगी यदि ऐसा व्यक्ति जार कर्म का दोषी ठहराया गया हो।

11. (क) जहाँ कोई स्त्री कर्मचारी या आयोग का पुरुष कर्मचारी अपने पीछे कोई न्यायिक रूप से पृथक किया हुआ पति या विधवा और संतान छोड़कर मर जाता है वहाँ मृतक के बाबत देय कुटुंब पेंशन जीवित व्यक्ति को देय होगी, परन्तु यह तब जब कि वह ऐसे सन्तान का संरक्षक हो।

(ख) जहाँ जीवित व्यक्ति ऐसे सन्तान का संरक्षक नहीं रहता वहाँ ऐसी कुटुंब पेंशन उस व्यक्ति को देय होगी जो ऐसी सन्तान का वस्तुतः संरक्षक है।

12. (क) यदि कोई व्यक्ति, जो सेवा-काल में मर जाता है, इस विनियम के अधीन कुटुंब पेंशन प्राप्त करने के लिये पात्र है, आयोग के कर्मचारी की हत्या के अपराध या ऐसे किसी अपराध को करने के दुष्प्रयास के लिये आरोपित किया गया हो तो ऐसे किसी व्यक्ति का दावा, जिसके अन्तर्गत



कुटुंब पेंशन प्राप्त करने के लिये पात्र अन्य सदस्य या सदस्यों के दावे भी हैं उसके विरुद्ध की जा रही दण्ड की कार्यवाही की समाप्ति तक निलंबित रहेगी।

(ख) यदि खण्ड (क) में निर्दिष्ट दण्ड की कार्यवाही की समाप्ति पर सम्बन्धित व्यक्ति --

1. आयोग के कर्मचारी की हत्या के लिये अथवा हत्या करने के दुष्प्रयास के लिये सिद्धांध दहराया जाता है वहां ऐसा व्यक्ति कुटुम्ब पेंशन प्राप्त करने से वर्जित कर दिया जायेगा और कुटुम्ब पेंशन आयोग के कर्मचारी की मृत्यु की तारीख से कुटुम्ब के अन्य पात्र सदस्यों को देय होगी।

2. आयोग के कर्मचारी की हत्या करने अथवा हत्या करने के दुष्प्रयास के आरोप से दोष मुक्त कर दिया जाता है तो ऐसे व्यक्ति को कर्मचारी की मृत्यु की तारीख से कुटुम्ब पेंशन देय होगी।

(ग) खण्ड (क) और खण्ड (ख) के उपबन्धों में आयोग के कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति के पश्चात् उसकी मृत्यु हो जाने पर देय होने वाली कुटुम्ब पेंशन की भी लागू होंगे।

13. (क) (1) जैसे ही कर्मचारी आयोग की सेवा में प्रविष्ट होता है वह अपने कुटुम्ब का विवरण प्ररूप 3 में कार्यालय अध्यक्ष को देगा।

2. यदि कर्मचारी का कोई कुटुम्ब नहीं है तो जैसे ही उसका कोई कुटुम्ब हो जाये वैसे ही वह प्ररूप 3 में विवरण देगा।

(ख) कर्मचारी अपने कुटुम्ब को सदस्य संख्या में हुए किसी भी पश्चात्पुर्वी परिवर्तन की, उसके अन्तर्गत उसकी बालिका का विवाह सम्बन्धी तथा भी हो, को सूचना कार्यालय अध्यक्ष को देगा।

(ग) (1) कार्यालय अध्यक्ष उक्त प्ररूप 3 को प्राप्ति पर उसे सम्बद्ध कर्मचारी को सेवा-पुस्तिका में चिपकायेगा और उक्त प्रवृत्ति को तथा कर्मचारी से इस निमित्त प्राप्त और सभी सूचनाओं की प्राप्ति अभिस्वीकृत करेगा।

2. कार्यालय अध्यक्ष कुटुम्ब की सदस्य संख्या में किसी परिवर्तन के बारे में कर्मचारी से किसी सूचना की प्राप्ति पर उक्त परिवर्तन का प्ररूप 3 में समाविष्ट करवायेगा।

14. समय-समय पर मंजूर की गयी पेंशन, पेंशन में तदर्थ वृद्धि उस कुटुम्ब को देय नहीं होगी जिसे इस विनियम के अधीन कुटुम्ब पेंशन मिल रही है।

15. इस विनियम के प्रयोजन के लिये--

(क) "लगातार सेवा" से वह ऐसा अभिप्रेत है जो आयोग के नियमित स्थापन में अस्थायी अथवा स्थायी हैलियत में की गयी हो किन्तु इसके अन्तर्गत निम्नलिखित नहीं आते :--

(1) निलंबन की अवधि यदि कोई हो, और

(2) यदि 18 वर्ष की आयु प्राप्त होने से पहले कोई सेवा की गई हो तो उसकी अवधि।

(ख) आयोग के कर्मचारी के सम्बन्ध में "कुटुम्ब" से निम्नलिखित अभिप्रेत है :--

(1) आयोग के किसी पुरुष कर्मचारी की दशा में पत्नी अथवा आयोग के स्त्री कर्मचारी की दशा में पति परन्तु यह तब जब कि विवाह आयोग के कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति से पूर्व हुआ हो।

(2) न्यायिक रूप से पृथक हुए पत्नी और पति, वहां जहां ऐसा पृथक्करण जार कर्म के आधार पर स्वीकार नहीं किया गया हो। परन्तु यह तब जब जब कि विवाह कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति से पूर्व हुआ हो और जीवित व्यक्ति जार कर्म का दोषी नहीं पाया गया हो।

(3) वह पुत्र जिसने 21 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की हो और वह अविवाहित पुत्री जिसने 24 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की हो, जिसके अन्तर्गत सेवा-निवृत्ति से पूर्व वैध रूप से दत्त पुत्र और पुत्री भी हैं। परन्तु सेवा-निवृत्ति के पश्चात् जन्में पुत्र और पुत्री इसके अन्तर्गत नहीं हैं।

(ग) "वेतन" से निम्नलिखित अभिप्रेत है, अर्थात् :--

(1) विनियम (30) में विनिर्दिष्ट परिलब्धियां, अथवा

(2) यदि आयोग के मृत कर्मचारी की सेवा के अन्तिम 10 माह के दौरान उसकी परिलब्धियां शास्ति के रूप में न होकर अन्यथा कम की गयी हों तो विनियम (31) में यथा विनिर्दिष्ट औसत परिलब्धियां।

परन्तु महंगाई-भत्ते का वह अंश जो आयोग द्वारा महंगाई-वेतन माना गया हो इस विनियम के प्रयोजन के लिये वेतन नहीं माना जायेगा।

#### अध्याय--7

पेंशन और उपदान की रकम का अवधारण एवं प्राधिकृत किया जाना

50. सेवा-निवृत्त होने वाले कर्मचारियों की सूची की तैयारी :-

(1) प्रत्येक कार्यालयाध्यक्ष प्रति वर्ष प्रत्येक 6 माह में अर्थात् प्रति वर्ष 1 जनवरी एवं 1 जुलाई को उस तारीख से अगले 24 से 30 मास के भीतर सेवा-निवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों की एक सूची तैयार करवायेगा।

(2) उस वर्ष की ऐसी प्रत्येक सूची की एक प्रति यथा स्थिति 31 जनवरी या 31 जुलाई तक न कि, उसके पश्चात् निदेशक प्रशासन को भेजी जायेगी।

(3) ऐसे कर्मचारियों के मामले जो अधिवर्षिता से भिन्न कारणों से सेवा-निवृत्त हो रहे हों, कार्यालयाध्यक्ष ऐसे सेवा-निवृत्ति के तथ्यों की जानकारी होते ही निदेशक (प्रशासन) को अधिलम्ब सूचित करेगा।

(4) यदि आयोग का कर्मचारी आयोग के आवास-सुविधा का आबंटित है तो उप-विनियम (3) के अधीन कार्यालयाध्यक्ष द्वारा निदेशक (प्रशासन) को भेजी गई सूचना की एक प्रति संबंधित सम्पदा अधिकारी को भेजी जायेगी।

51. "बेबाकी प्रमाण पत्र" जारी करने के सम्बन्ध में सम्पदा अधिकारी को सूचना

(1) आयोग का ऐसा कर्मचारी जिसके कब्जे में आयोग का आवास है (जिसे इसमें इसके पश्चात् आबंटित कहा गया है), कार्यालयाध्यक्ष, आबंटित की पूर्वानुमानित सेवा-निवृत्ति के कम से कम 2 वर्ष पूर्व उसकी सेवा-निवृत्ति के 8 माह की पूर्ववर्ती अवधि के सम्बन्ध में "बेबाकी प्रमाण पत्र" जारी करने के लिये संबंधित सम्पदा अधिकारी को लिखेगा।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन सूचना प्राप्त हो जाने पर सम्पदा अधिकारी विनियम 66 में यथा उपबंधित प्रगती कार्रवाई करेगा।

(विनियम 52)

52. पेंशन पत्रों की तैयारी

प्रत्येक कार्यालयाध्यक्ष कर्मचारी के अधिवर्षिता पर सेवा-निवृत्त होने वाली तारीख से अथवा सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर चले जाने की तारीख से दो वर्ष पूर्व प्ररूप "5" में पेंशन कागजात की तैयारी का कार्य प्रारंभ करेगा।

(विनियम 53)

53. पेंशन पत्रों की तैयारी के प्रक्रम

(1) कार्यालयाध्यक्ष विनियम 52 में निर्दिष्ट दो वर्ष के प्रारंभिक कार्य की अवधि को निम्नलिखित तीन प्रक्रमों में विभाजित करेगा।

(3) पहला-प्रक्रम सेवा का सत्यापन

(1) कार्यालयाध्यक्ष, कर्मचारी की सेवा पुस्तिका की जांच करेगा एवं स्वयं समाधान करेगा कि सम्पूर्ण सेवा-काल के लिये सत्यापन प्रमाण उसमें अभिलिखित हैं या नहीं।

(2) सेवा के असत्यापित प्रभाग अथवा प्रभागों के सम्बन्ध में वह यथा स्थिति, वेतन बिलों निस्तारण-पत्रों अथवा अन्य सम्बद्ध अभिलेखों के प्रति निदेश सत्यापित करने की व्यवस्था करेगा और सेवा पुस्तिका में आवश्यक प्रमाण-पत्रों को अभिलिखित करेगा।

(3) कर्मचारी द्वारा अन्य कार्यालय अथवा विभाग में की गई किसी सेवा-अवधि के कारण यदि उपखण्ड (1) एवं

उपखण्ड (II) में निर्दिष्ट रीति से सत्यापन संभव नहीं है तो उस सेवा-अवधि के सत्यापन हेतु उस कार्यालयाध्यक्ष को जिस कार्यालय में कर्मचारी कार्यरत दर्शाया गया है, सत्यापन के लिये निर्दिष्ट किया जायेगा।

(4) यदि आयोग के कर्मचारी द्वारा की गई सेवा के किसी प्रभाग का सत्यापन उपखण्ड (1) अथवा उपखण्ड (II) अथवा उपखण्ड (III) में निर्दिष्ट रीति से नहीं किया जा सकता है तो कर्मचारी को सादे कागज पर यह उल्लेख करते हुए कि उसने वास्तव में उस अवधि में सेवा की थी, एक लिखित कथन प्रस्तुत करने के लिये कहा जायेगा और उस कथन की सच्चाई के लिये कथन के अंत में एक घोषणा पर हस्ताक्षर करेगा एवं ऐसी घोषणा के समर्थन में सभी दस्तावेज साक्ष्य एवं सभी सूचनाएँ पेश करेगा जिसे पेश करना या फाइल करना उसके सामर्थ्य में हो।

(5) कार्यालयाध्यक्ष आयोग के ऐसे कर्मचारी द्वारा लिखित कथन में दिए गए तथ्य उक्त सेवा-अवधि के समर्थन में कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं दी गई जानाकारी पर विचार करने के पश्चात् उस सेवा-अवधि के भाग को आयोग के उस कर्मचारी की पेंशन गणना के प्रयोजन से स्वीकार करेगा।

(ख) दूसरा प्रक्रम सेवा-पंजी में लोपों की पूर्ति :

(1) कार्यालयाध्यक्ष सेवा के सत्यापन के प्रमाण पत्रों की संवीक्षा करते समय यदि कोई अन्य लोप त्रुटियों अथवा कमियां हो जिनका परिलब्धियों के निर्धारण एवं पेंशन के लिए अर्हक सेवा से सीधा सम्बन्ध है, की भी जानकारी करेगा।

(2) खंड (क) के अनुसार सेवा के सत्यापन को पूरा करने के लिए एवं इस खंड के उप खंड (1) में निर्दिष्ट लोपों त्रुटियों अथवा कमियों के सुधार का हर प्रयास किया जाएगा। सेवा पंजी में दर्शाए गये असत्यापित सेवा के प्रभाग सहित कोई लोप, त्रुटियाँ अथवा कमियाँ जो खंड (क) में अधिकथित प्रक्रिया के अनुसार सत्यापन किया जाना संभव नहीं है, उसकी अपेक्षा की जाएगी एवं सेवा पुस्तिका में प्रविष्टियों के आधार पर पेंशन अर्हक सेवा का अवधारण किया जाएगा।

(3) औसत परिलब्धियों की गणना

औसत परिलब्धियों की गणना के प्रयोजन से कार्यालयाध्यक्ष सेवा के अंतिम 10 मास में निकाली गई अथवा निकाली जाने वाली परिलब्धियों की शुद्धता का सत्यापन सेवा पंजी से करेगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पिछले 10 माह की सेवा-अवधि के दौरान सेवा पुस्तिका में परिलब्धियाँ ठीक-ठीक दर्शाई गई हैं, कार्यालयाध्यक्ष आयोग के कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति की तारीख से 24 माह पूर्व की परिलब्धियों की शुद्धता का सत्यापन करेगा न कि उस तारीख से पूर्व की किसी अवधि के लिए।

(ग) तीसरा प्रक्रम कार्यालयाध्यक्ष द्वारा प्ररूप "4" अभि प्राप्त करना :—

कार्यालयाध्यक्ष आयोग के कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति की तारीख से 8 माह पूर्व आयोग के कर्मचारी से सम्यक रूप से पूर्ण किया गया प्ररूप "4" प्राप्त करेगा।

(2) आयोग के कर्मचारी के सेवा-निवृत्ति की तारीख से 8 माह पूर्व उप-विनियम (1) खंड (क) (ख) तथा (ग) के अधीन कार्यवाही पूरी की जाएगी।

(विनियम 54)

#### 54. पेंशन पत्रों का पूरा किया जाना

कार्यालयाध्यक्ष आयोग के कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति की तारीख से कम से कम छह मास पूर्व, प्ररूप 5 के भाग 1 को पूरा करेगा।

#### 55. निदेशक (प्रशासन) को पेंशन पत्र भेजा जाना

(1) विनियम 53 एवं 54 की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के पश्चात् कार्यालयाध्यक्ष आयोग के कर्मचारी की सेवा पुस्तिका और सेवावृत्त जो सम्यक रूप से पूर्ण, अद्यतन भरे हों, किन्हीं अन्य दस्तावेजों सहित जिन पर उस सेवा के सत्यापन लिए भरोसा किया गया है, प्ररूप 4 और 5 सम्यक रूप से पूरा कर, तथा प्ररूप 5 में एक पत्र के साथ निदेशक (प्रशासन) को अग्रेषित करेगा।

(2) कार्यालयाध्यक्ष उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट प्रत्येक प्ररूपों की एक प्रति अपने अभिलेख के लिए रख लेगा।

(3) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट पत्र उस तारीख से जिसकी आयोग का कर्मचारी सेवा निवृत्त होने वाला है कम से कम छह मास पूर्व निदेशक प्रशासन को भेजा जाएगा।

पेंशन को प्रभावित करने वाली किसी अन्य घटना के सम्बन्ध में निदेशक (प्रशासन) को सूचना

विनियम 55 के उप-विनियम (3) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर यदि पेंशन पत्र निदेशक (प्रशासन) को अग्रेषित किये जाने के पश्चात् कोई ऐसी घटना घटित होता है जिसका संबंध अनुज्ञेय पेंशन को रकम से है, तो कार्यालयाध्यक्ष निदेशक (प्रशासन) को तत्काल सूचित करेंगे।

(विनियम 57)

#### 57. आयोग के बकायों के विवरण की सूचना निदेशक प्रशासन को देना—

(1) आयोग के कर्मचारी को सेवा-निवृत्ति से कम से कम दो माह पूर्व कार्यालयाध्यक्ष विनियम 65 के अनुसार आयोग के बकायों का पता लगाकर एवं निर्धारण करके उसका ब्यौरा निदेशक (प्रशासन) को प्रस्तुत करेगा ताकि

आयोग के बकायों की वसूली उपदान से इसके भुगतान के प्राधिकृत करने से पूर्व की जा सके।

(2) यदि उप-विनियम (1) के अधीन आयोग के बकायों की सूचना निदेशक (प्रशासन) को सूचित करने के पश्चात् कार्यालयाध्यक्ष को अतिरिक्त बकाया को जानकारी मिलती है तो ऐसे बकायों को निदेशक (प्रशासन) को तत्काल सूचित करेगा।

(विनियम 58)

#### 58. अन्तिम पेंशन

(1) कार्यालयाध्यक्ष द्वारा विनियम 53 में अधिकथित विभिन्न अवस्थाओं की कार्यवाही का कड़ाई से पालन किया जायेगा। विनियम 53 में अधिकथित प्रक्रिया के अनुसरण के बावजूद कोई ऐसा एकल मामला हो सकता है जिसे कार्यालयाध्यक्ष द्वारा विनियम 55 में उल्लिखित पेंशन कागजात उस विनियम (3) में निर्धारित अवधि के भीतर निदेशक (प्रशासन) को अग्रेषित करना संभव न हो अथवा जहां पेंशन कागजात विहित अवधि के भीतर निदेशक (प्रशासन) को अग्रेषित किये जा चुके हैं किन्तु निदेशक (प्रशासन) ने पेंशन एवं ग्रेज्युइटी के लिए भुगतान-आदेश जारी करने से पूर्व अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए वापस कर दिया हो ऐसे मामले में यदि कार्यालयाध्यक्ष की राय है कि आयोग का कर्मचारी इन विनियमों के उपबन्धों के अनुसार उसके पेंशन एवं ग्रेज्युइटी अपवा दोनों के अंतिम रूप से निर्धारण एवं निपटान से पूर्व, सेवा-निवृत्त होने की संभावना है तो वह संक्षिप्त अन्वेषण के पश्चात् जो भी किया जाए सेवा के अर्हक वर्षों तथा पेंशन के लिए परिलब्धियों के निर्धारण हेतु अविलम्ब कार्यवाही करेगा। इस प्रयोजन के लिए वह—

(i) ऐसी सूचनाओं पर निर्भर करेगा जो शासकीय अभिलेखों में उपलब्ध हों; और

(ii) सेवा निवृत्त होने वाले कर्मचारी से सादे कागज पर एक लिखित कथन फाइल करने के लिए कहेंगा। जिसमें वह अर्हक सेवा की कुल अवधि बताएगा जिसके अन्तर्गत सेवा के अन्तिम दस मास में ली गई परिलब्धियों के ब्यौरे होंगे किन्तु व्यवधानों और सेवा को अन्य अनर्हक अवधियों को छोड़ दिया जाएगा।

(2) कर्मचारी उप-विनियम (1) के खण्ड (ii) के अनुसार कथन प्रस्तुत करते समय कथन के नीचे में कथन की सच्चाई के समर्थन स्वरूप एक घोषणा पर हस्ताक्षर करेगा।

(3) कार्यालयाध्यक्ष तत्पश्चात् शासकीय अभिलेखों में उपलब्ध सूचनाओं और उप-विनियम (1) के अधीन सेवा निवृत्त हो रहे कर्मचारी से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार अवधारण करेगा। तत्पश्चात् वह अन्तिम पेंशन की रकम और अन्तिम मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान की रकम का अवधारण करेगा।

(4) उप-विनियम (3) के अधीन पेंशन एवं उपादान की रकम के निर्धारण के पश्चात् :—

(क) कार्यालयाध्यक्ष, पेंशन एवं डी सी आर जी को । अनंतिम राशि की सूचना निदेशक (प्रशासन) को आयोग के कर्मचारी को मंजूरी पत्र करने के लिए देगा उसकी एक प्रतिलिपि मुख्य लेखाधिकारी को—

(1) उप-विनियम (3) के अधीन अनंतिम पेंशन स्वरूप अवधारित पेंशन का 100 प्रतिशत जो 6 माह से अधिक की नहीं होगी, कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति की तारीख से गणना की जाएगी, और

(2) उपदान का 100 प्रतिशत जैसाकि उप-विनियम (3) के अधीन अनंतिम उपदान स्वरूप अवधारित है, उपदान का 10 प्रतिशत अथवा 10,000/- रुपये उनमें से जो कम हो, रोक रखा जाए ।

(ख) निदेशक (प्रशासन) विनियम 57 के उप-विनियम (1) के अधीन, उपदान से वसूल की जा सकने वाली राशि कर्मचारी के मंजूरी पत्र में प्रदर्शित करेगा मंजूरी पत्र जारी करने के पश्चात् मुख्य लेखा अधिकारी—

(1) अनंतिम पेंशन की रकम ; और

(2) खण्ड (क) के उप खण्ड (2) में वर्णित तथा विनियम 65 में उल्लिखित बकाया, यदि कोई हो कि वसूली के पश्चात् अनंतिम उपदान की रकम निकालेगा ।

(5) उप-विनियम (4) के अधीन दी जाने वाली अंतिम पेंशन एवं उपदान की रकम की यदि आवश्यक हुआ तो अभिलेखों के विस्तृत जाँच-पड़ताल पूर्ण होने पर, पुनरीक्षण किया जाए ।

(6) (क) आयोग के कर्मचारी को सेवा-निवृत्ति के 6 माह के आगे अनंतिम पेंशन भुगतान जारी नहीं रहेगा । यदि निदेशक (प्रशासन) द्वारा अंतिम पेंशन राशि एवं उपदान का अवधारण उक्त 6 माह की अवधि के अवसाम से पूर्व कर दिया गया तो निदेशक (प्रशासन)....

(1) पेंशन-भुगतान का आदेश जारी करेगा,

(2) आयोग के ऐसे बकायों को जिनकी जानकारी अनंतिम उपदान के भुगतान के पश्चात मिली हो, यदि कोई हो उसके—समायोजन के पश्चात् उप-विनियम (4) के खण्ड (क) के उप खण्ड (2) अधीन भुगतान की गई अंतिम उपदान की रकम एवं अनंतिम उपदान की रकम के अन्तर को निकालने तथा संवितरित करने के लिए मुख्य लेखा अधिकारी को सलाह देगा ।

(ख) उप-विनियम (4) के अधीन के कर्मचारी को यदि अनंतिम पेंशन वितरित धनराशि इसके अंतिम निर्धारण पर यदि निदेशक (प्रशासन) द्वारा अवधारित पेंशन से अधिक

पायी गयी तो ऐसे पेंशन की अधिक रकम जो उप-विनियम (4) (क) के उपखण्ड (2) के अधीन रोक रखी गई उपदान से अथवा भविष्य में भुगतान होने वाले पेंशन को कम अदायगी करते हुए समायोजन करने का पूर्ण अधिकार निदेशक (प्रशासन) को होगा या अधिक रकम किस्तों में भविष्य में संदेय पेंशन का कम संदाय करके वसूल करे ।

(ग) (1) उप-विनियम (4) के अधीन संवितरित अनंतिम उपदान की रकम यदि अंतिम रूप से निर्धारित राशि को अपेक्षा अधिक है तो सेवा-निवृत्त कर्मचारी को उसे वास्तविक रूप से संवितरित अधिक धन राशि को वापस करना अपेक्षित न होगा ।

(2) कार्यालयाध्यक्ष यह सुनिश्चित करेगा कि अंतिम रूप से निर्धारित राशि से अधिक उपदान की रकम के भुगतान की संभावनाएं रूप हों एवं अधिक भुगतान हेतु जिम्मेदार-पदधारी अतिसंदाय के लिए वेतनदार होगा ।

(7) उप-विनियम (6) के खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट 6 माह की अवधि के भीतर पेंशन और उपदान की यदि अंतिम धनराशि निर्धारित नहीं की गई है तो अनंतिम पेंशन एवं उपदान को अंतिम माना जाएगा तथा 6 माह की अवधि की समाप्ति के पश्चात मुख्य कार्यपालक अधिकारी अनुमोदन से निदेशक (प्रशासन) पेंशन भुगतान का आदेश जारी करेगा ।

(8) ज्योंही, निदेशक (प्रशासन) द्वारा उप-विनियम (6) के खण्ड (क) अथवा उप-विनियम (7) के अधीन पेंशन-भुगतान का आदेश जारी कर दिया जाता है उप विनियम (4) के खण्ड (क) के उपखण्ड (2) के अधीन रोक रखी गई । उपदान की रकम बकायों की जिन को जानकारी उप-विनियम (4) के खण्ड (क) के उपखण्ड (2) के अधीन अनंतिम उपदान के भुगतान के पश्चात मिली हो, निदेशक (प्रशासन), आयोग के सेवा-निवृत्त कर्मचारी को वापस करने हेतु कदम उठायेगा । यदि कर्मचारी आयोग के आवास-सुविधा का आबंटित है, तो सम्बन्धित संपदा अधिकारी से "बेबाकी पत्र" प्राप्त होने पर रोक रखी गई धनराशि वापस की जानी चाहिए ।

नोट :—(1) अनंतिम पेंशन के भुगतान से पूर्व अंतिम वेतन पत्र जारी किये जाने पर आग्रह नहीं किया जाना चाहिए । सेवा-निवृत्ति के पश्चात उपर्युक्त विभिन्न प्रयोजनों के लिए दी गई 6 मास की अवधि के दौरान कार्यालयाध्यक्ष अथवा अन्य संबंधित कार्यालय के लिए कर्मचारी को "अंतिम वेतन पत्र" जारी करना संभव होगा । उन मामले में जिनमें औपचारिक पेंशन उपदान के भुगतान का आदेश प्राप्त होने के समय—

"अंतिम वेतन पत्र" जारी नहीं किया गया है (चाहे कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति से पूर्व अथवा उसकी सेवा-निवृत्ति एवं अनंतिम पेंशन की स्वीकृति के पश्चात यह घटित होती हो), अंतिम वेतन पत्र की प्रस्तुति के संबंधित रहते हुए उपदान



भुगतान आदेश में, उपदान का 10 प्रतिशत अथवा 1,000 रुपये से जो भी कम हो, रोक रखने का प्रावधान हर अवस्था में रहेगा।

नोट :—(2) आयोग के अन्य बकायों के संबंध में सेवा-निवृत्ति की तारीख से दो वर्ष पूर्व जब पेंशन-कागजात की तैयारी की प्रक्रिया प्रारंभ होता है सभी बकाया ऋणों के अभिनिश्चित अथवा निर्धारण करने हेतु कदम उठाए जाने चाहिए। पेंशन कागजात की वास्तविक तैयारी का अगला प्रक्रम 1 वर्ष 4 माह के पश्चात् प्रभाव में आता है, इस प्रकार आयोग के सभी प्रकार के ऋणों के अभिनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय रहता है। एक बार उस प्रक्रम पर पहुंच जाने पर कर्मचारों को सेवा-निवृत्ति से 8 माह पूर्व तब देय वसूलियों के लिए किन्हीं अतिरिक्त अभिलेखों की जाँच-पड़ताल हेतु सिर्फ सोमित कालावधि शेष रहेगी अर्थात् सेवा-निवृत्ति की तारीख से 2 वर्ष पूर्व से अधिक नहीं। इस प्रकार पेंशन/उपदान भुगतान-आदेश अथवा अन्तिम पेंशन/उपदान भुगतान-आदेश जारी किये जाने की तारीख से पूर्व कार्यालयध्यक्ष द्वारा सभी बकायों, विशेषकर दीर्घ अवधि से संबंधित अग्रिमों यथा ऐसे गृह निर्माण अथवा वाहन अग्रिमों, वेतन एवं भत्ते का अधिक भुगतान तथा ऐसे अन्य बकायों को अभिनिश्चित अथवा निर्धारित करना बिल्कुल संभव रहेगा। पेंशन कागजात में बकाया देयता की कुल रकम का स्पष्टतया निर्देश करना चाहिए जिसे उपदान (चाहे अंतिम अथवा अन्तिम) के भुगतान के लिए प्राधिकरण जारी करने से पूर्व मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान से वसूल की जानी चाहिए। और यदि निदेशक (प्रशासन) को पेंशन आदेश भुगतान जारी करने के पेंशन कागजात भेजने के पश्चात् उपदान से को जाने वाली अतिरिक्त वसूलियों की जानकारी मिलती हो तो इस तथ्य से निदेशक (प्रशासन) को तत्काल सूचित किया जायेगा। ऐसे मामले में जहाँ बड़ी वसूली अपेक्षित नहीं है किन्तु उपदान का 10 प्रतिशत अथवा 1000 रुपये इनमें से जो भी कम हो, को इस कारण कि संभवतः आयोग का कोई अनिवारित बकाया अथवा उपदान का अन्तिम भुगतान किये जाने के कारण अथवा अन्तिम वेतन पत्र प्राप्त न होने के कारण रोक रखा गया है। इस प्रकार की रोक रखी गई रकम सेवा-निवृत्ति के 6 माह के अवसान के पश्चात् देय हो जाएगी, जैसा कि उप-विनियम-7 में यथा उपबन्धित है।

निदेशक (प्रशासन) द्वारा पेंशन और उपदान का प्राधिकृत किया जाना

(1) विनियम 55 में उल्लिखित खत पेंशन पत्रों के प्राप्त हो जाने पर निदेशक (प्रशासन) अपेक्षित जाँच प्रारूप संख्या-5 के भाग-II में लेखा मूल्यांकन रिकार्ड तथा पेंशन उपदान धनराशि का निर्धारण करेगा एवं कर्मचारी सेवा-निवृत्ति के कम से कम माह पूर्व पेंशन भुगतान आदेश जारी करेगा।

(2) निदेशक (प्रशासन) द्वारा उप-विनियम (1) के अधीन निर्धारित उपदान की रकम की सूचना मुख्य लेखाधिकारी की इस टिप्पणी के साथ सूचित की जाएगी कि उपदान की रकम उनके द्वारा निकाली जा सकती है तथा उसे सेवा निवृत्त कर्मचारी को विनियम 65 के अधीन उल्लिखित आयोग का बकाया, यदि कोई हो, समायोजन के पश्चात् संवितरित की जा सकती है।

(3) विनियम 66 के उप-विनियम (5) के अधीन उपदान की रोक रखी गई रकम से संबंधित सम्पदा अधिकारी द्वारा संचित बकाया लाइसेंस फीस मुख्य लेखाधिकारी द्वारा समायोजित की जाएगी और शेष रकम यदि कुछ हो, आयोग के सेवा-निवृत्ति कर्मचारी को वापस की जाएगी।

60. अन्तिम पेंशन एवं ग्रेज्युटी का मनीआर्डर द्वारा भुगतान

यदि पेंशन-भोगी यह चाहे कि विनियम 58 के उप-विनियम (4) के अधीन स्वीकृत पेंशन अथवा उपदान अथवा दोनों का भुगतान मनीआर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से किया जाए तो उसके खर्चे पर मनीआर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट के द्वारा उसे भेज दिया जाएगा ;

परन्तु यह तब जब कि किसी पेंशन-भोगी को जिसे अन्तिम पेंशन के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया गया है जो रकम दो सौ पन्द्रह रुपये प्रतिमाह (पेंशन पर दो गरी सहायता की धनराशि के अतिरिक्त) से अधिक नहीं है, अथवा आयोग द्वारा तत्पश्चात् समय-समय पर जैसा कि विहित किया जाए, उस सीमा तक की रकम पेंशन-भोगी के अनुरोध पर आयोग के खर्च से मनी आर्डर द्वारा प्रेषित की जाएगी।

(विनियम 61)

61. प्रतिनियुक्त कर्मचारी : आयोग के ऐसे कर्मचारी की दशा में जो अन्यत्र सेवा में रहते हुए सेवा-निवृत्ति होगा है, इस अध्याय के उपबन्धों के अनुसार, निदेशक (प्रशासन) द्वारा पेंशन और उपदान को प्राधिकृत करने की कार्यवाही की जाएगी।

नोट : पेंशन अंशदान के भुगतान के सम्बन्ध में साक्ष्य की स्वीकृति—

(क) कुछ ऐसे मामले हैं जिनमें प्रतिनियुक्ति/अन्य सेवा की सेवा-शर्तों के अनुसार पेंशन अंशदान का भुगतान करते हुए पेंशनो सेवा बनाए रखने को कर्मचारी को स्वयं की देयता एवं उत्तरदायित्व है ऐसे मामलों में, अन्यत्र सेवा के रूप में गणना किये जाने से पूर्व यह अभिनिश्चित करना आवश्यक होगा कि वसूलियों की गई हैं अथवा नहीं फिर भी प्रशासनिक कार्यालयों द्वारा वृत्तिपूर्ण अथवा अपूर्ण अभिलेख के रख-रखाव के कारण आयोग के कर्मचारों को कभी-कभी बड़ी कठिनाई उठानी



पड़ती है ऐसे मामलों में जबकि उसे यथोचित प्रमाणित करने के लिए कहा जाए कि वास्तव में उसने अंशदान किये है, इससे संबंधित साक्ष्यों को, जैसाकि वह प्रस्तुत करने में असमर्थ है, उसके मूल्यांकन एवं स्वीकार करने में प्रशासनिक प्राधिकारी को औचित्य एवं समायोजन का रख अपनाना चाहिए सेवा अथवा लेखा अभिलेखों के प्रतिनिर्देश में, जिसके रख-रखाव के लिए आयोग का कर्मचारी उत्तरदायी नहीं है, औपचारिक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के लिए सक्षमों से आग्रह का रख नहीं अपनाया जाना चाहिए।

- (ख) तथापि, जहाँ पेंशन-अंशदान का उत्तरदायित्व सेवाएं उधार लेने वाले संगठन की है और जहाँ या तो कुछ अंशदानों की वसूलियाँ नहीं की गई है अथवा ऐसे अंशदानों की वसूलियों के संबंध में अभिलेख अपूर्ण है, संबंधित प्राधिकारी को सेवाएं उधार लेने वाले संगठन के साथ अलग से उपयुक्त कार्रवाई करनी चाहिए इससे पेंशन-पत्रों की तैयारी तथा इसके अंतिम स्वरूप देने से कोई सम्बन्ध नहीं होना चाहिए।

(विनियम 62)

62. उपदान के विलंबित संदाय पर ब्याज— 1. यदि उपदान का भुगतान उस तारीख से, जब भुगतान देय हुआ, 3 मास के पश्चात् प्राधिकृत किया जाता है और यह स्पष्ट रूप से सिद्ध हो जाता है कि भुगतान में विलंब प्रशासनिक चूक के कारण माना जा सकता है तो उपदान की रकम पर 3 मास से आगे की अवधि के लिए 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष (अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए समय समय पर निर्धारित ब्याज की दर) के हिसाब से ब्याज दिया जाएगा।

परन्तु यह तब जब कि भुगतान में विलंब आयोग के कर्मचारी द्वारा इस अध्याय में अधिकृत प्रक्रिया के अनुपालन में असफलता के कारण नहीं हुआ है।

2. उपदान की विलंबित भुगतान के प्रत्येक मामले पर यथास्थिति, मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा विचार किया जाएगा और जहाँ पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि उपदान के भुगतान में विलंब प्रशासनिक चूका के कारण हुआ या तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी ब्याज के भुगतान के लिए आदेश पारित करेगा।

3. उन सभी मामलों में जहाँ ब्याज का भुगतान प्राधिकृत किया गया है, मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिम्मेदारी निश्चित करेगा और उस कर्मचारी या कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई करेगा जो उपदान के भुगतान में विलम्ब के लिए जिम्मेदार पाये जाते हैं।

4. यदि कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति के पश्चात् आयोग के निर्णय के परिणाम स्वरूप उसकी सेवा-निवृत्ति पर पहले प्रदत्त उपदान की रकम में निम्नलिखित कारणों से वृद्धि हो जाती है अर्थात् :—

- (क) उन परिलब्धियों से उत्पन्न परिलब्धियों का दिया जाना जिन पर पहले दिया गया उपदान अवधारित किया गया था

अथवा

- (ख) सम्बद्ध कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति की तारीख से पूर्व किसी तारीख से उन विनियमों के सम्बन्ध का उदारीकरण;

तो उपदान को बकाया पर कोई ब्याज का भुगतान नहीं किया जाएगा।

स्पष्टीकरण :—जिन मामलों में किसी कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनिक अथवा न्यायिक कार्यवाहियाँ उसकी सेवा-निवृत्ति की तारीख को लंबित हैं वहाँ जब तक ऐसी कार्यवाहियाँ का निष्कर्ष नहीं आ जाता और उस संबंध में अंतिम आदेश नहीं जारी कर दिए जाते तब तक उपदान संदेय नहीं होगा।

न्यायिक कार्यवाही के निष्कर्ष के आधार पर यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा उपदान आहरण किये जाने के लिए अनुज्ञा दी जाती है तो प्राधिकारी द्वारा आदेश जारी किये जाने की तारीख से देय समझा जाएगा।

फिर भी ऐसे कर्मचारियों के मामलों में जिन्हें कार्यवाही के निष्कर्ष के आधार पर पूर्णतया माफ कर दिया जाता है, मृत्यु तथा निवृत्ति उपदान के विलंबित भुगतान का ब्याज इन अनुदेशों के अनुरूप किया जाएगा। ऐसे मामलों में, विलंबित उपदान के भुगतान पर ब्याज की अदायगी के प्रयोजन हेतु उपदान उस तारीख को देय समझा जाएगा जो तारीख सेवानिवृत्ति की तारीख से बाद में पड़ती है। फिर भी इस स्पष्टीकरण का लान ऐसे कर्मचारियों को नहीं मिलेगा जिनके विरुद्ध न्यायिक अनुशासनिक कार्यवाहियाँ के लंबित रहने के दौरान उनकी मृत्यु हो जाती है और जिनके विरुद्ध तत्पश्चात् कार्यवाहियाँ समाप्त कर दी जाती हैं।

(विनियम 63)

63. जहाँ विभागीय/न्यायिक कार्यवाहियाँ लंबित हों, वहाँ अंतिम पेंशन

(1) (क) विनियम 8 के उपविनियम (4) में निर्दिष्ट कर्मचारी के सम्बन्ध में, निदेशक प्रशासन उस अधिकतम पेंशन के बराबर अंतिम पेंशन प्राधिकृत करेगा जो आयोग के कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति की तारीख तक अथवा निवृत्ति की तारीख को निलंबित रहा था, तो उसके निलंबित किये जाने की तारीख से ठीक पूर्व की तारीख तक उसकी अर्हक सेवा के आधार पर उसे अनुज्ञेय होती।

(ख) निदेशक (प्रशासन) उस अवधि के लिए जो सेवा-निवृत्ति से प्रारंभ होकर और उस तारीख तक, वह तारीख भी सम्मिलित है जिसको विभागीय या न्यायिक कार्यवाहियों की समाप्ति के पश्चात् सक्षम प्राधिकारी द्वारा अंतिम आदेश पारित किये जाते हैं, अंतिम पेंशन प्राधिकृत करेगा।

(ग) कर्मचारी को तब तक कोई भी उपदान नहीं दिया जाएगा जब तक कि विभागीय या न्यायिक कार्यवाहियाँ समाप्त नहीं हो जाती और उन पर अंतिम आदेश नहीं दे दिया जाता।

परन्तु जहाँ खादी और ग्रामीणों आयोग कर्मचारी (आवरण अनुशासन अपील विनियम 1961) के विनियम 27 के अधीन कथित विनियम के विनियम 21 के खण्ड (क) और (ख) में विनिर्दिष्ट शास्तियों में से कोई शास्ति अधिरोपित करने के लिए विभागीय कार्यवाहियाँ संस्थित की गई हैं, तो कर्मचारी को उपदान की अदायगी के लिए प्राधिकृत किया जाएगा।

(2) उपविनियम (1) के अधीन अंतिम पेंशन की अदायगी ऐसे कार्यवाहियों के समाप्ति पर आयोग के कर्मचारी को मंजूर किये गए सेवा-निवृत्ति फायदों से समायोजित किया जाएगा। किन्तु, जहाँ अंतिम रूप से मंजूर की गई पेंशन अंतिम पेंशन से कम है या जहाँ पेंशन कम कर दी जाती है या स्थायी रूप से या किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए रोक दी जाती है वहाँ कोई वसूली नहीं की जाएगी।

#### (विनियम 64)

64. प्राधिकृत किए जाने के पश्चात् पेंशन का पुनरीक्षण :

(1) विनियम 7 और 8 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए अंतिम निर्धारण के पश्चात् प्राधिकृत की गई पेंशन आयोग के कर्मचारी के अहितकर रूप में पुनरीक्षित नहीं की जाएगी, किन्तु ऐसा पुनरीक्षण बाद में पता चलने वाली किसी लिपिकीय भूल के कारण आवश्यक होने पर किया जा सकता है;

परन्तु निदेशक (प्रशासन) द्वारा पेंशन भोगी के अहितकर रूप में, अध्यक्ष की सहमति के बिना नहीं किया जाएगा यदि लिपिकीय भूल का पता पेंशन प्राधिकृत किये जाने की तारीख से 2 वर्ष की अवधि के बाद चलता है।

(2) उप विनियम (1) के प्रयोजन के लिए सम्बद्ध कर्मचारी पर निदेशक, प्रशासन द्वारा एक सूचना तामील की जाएगी जिसमें उससे यह अपेक्षा की जाएगी कि वह पेंशन की अधिक अदायगी का, उसके द्वारा सूचना की प्राप्ति की तारीख से 2 माह के भीतर लौटा दे।

(3) यदि कर्मचारी सूचना का अनुपालन करने में असफल रहता है तो निदेशक, प्रशासन लिखित आदेश द्वारा यह निदेश दे सकेगा कि ऐसी अधिक अदायगी का भविष्य में कम अदायगी करके एक या अधिक किस्तों में जो निदेशक, प्रशासन, निर्दिष्ट करे समायोजन किया जायेगा।

#### (विनियम 65)

65. आयोग के देयों की वसूली और समायोजन :

(1) कार्यालय अध्यक्ष का यह कर्तव्य होगा कि वह सेवा निवृत्त होने वाले आयोग के कर्मचारी द्वारा देय आयोग के बकायों का निर्धारण करें।

(2) आयोग का बकाया, जो कार्यालय अध्यक्ष द्वारा निश्चित एवं निर्धारित किये जाते हैं और जो आयोग के कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति की तारीख तक बकाया है, मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान की रकम से जब वह देय हो जाए, समायोजित किया जाएगा।

(3) "आयोग का देय" पद के अंतर्गत निम्नलिखित है:—

(क) आयोग के आवास से संबंधित बकाया जिसके अंतर्गत लाइसेंस फीस का बकाया यदि कोई हो, भी है।

(ख) आयोग के आवास से संबंधित बकाया से भिन्न देय अर्थात् गृह निर्माण तथा सवारी अग्रिम या किसी अन्य अग्रिम का अतिशेष, वेतन व भत्तों का या छुट्टी-वेतन का अति भुगतान और आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 के अधीन स्रोत पर काटी जाने वाली आय कर का बकाया)।

#### (विनियम 66)

66. आयोग के आवास से संबंधित बकायों का समायोजन एवं वसूली :

(1) विनियम 51 के उपविनियम (1) के अधीन 'बेबाको प्रमाण' पत्र जारी करने के सम्बन्ध में कार्यालय अध्यक्ष से सूचना की प्राप्ति पर सम्पदा अधिकारी अपने अभिलेखों को संवीक्षा करेगा और आबंटिती की सेवा-निवृत्ति की तारीख से 8 मास से पूर्व कार्यालय अध्यक्ष को यह सूचना देगा कि आबंटिती से उसकी सेवा-निवृत्ति से 8 मास पूर्व की अवधि के सम्बन्ध में कोई लाइसेंस फीस वसूली योग्य है या नहीं। यदि नियत तारीख तक कार्यालय अध्यक्ष को बकाया लाइसेंस फीस की वसूली के सम्बन्ध में कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है तो यह मान लिया जाएगा कि आबंटिती से उसकी सेवा-निवृत्ति से 8 मास पूर्व की अवधि के सम्बन्ध में कोई लाइसेंस फीस वसूली योग्य नहीं है।

(2) कार्यालय अध्यक्ष यह सुनिश्चित करेगा कि अगले 8 मास के लिए लाइसेंस फीस अर्थात् आबंटिती की सेवा निवृत्ति की तारीख तक लाइसेंस फीस आबंटिती के वेतन एवं भत्तों में से प्रति माह वसूल की जाती है।

(3) जहाँ उपविनियम (1) में वर्णित अवधि के सम्बन्ध में वसूली योग्य लाइसेंस फीस की रकम संबंधित सम्पदा अधिकारी द्वारा सूचित की जाती है वहाँ कार्यालय अध्यक्ष यह सुनिश्चित करेगा कि बकाया लाइसेंस फीस आबंटिती के चालू वेतन एवं भत्तों में से किस्तों में वसूल की जाती

है और जहाँ रकम बेतन और भत्तों से वसूली नहीं की जाती है वहाँ अतिशेष को उपदान में से उसकी अदायगी प्राधिकृत करने से पूर्व वसूल किया जाएगा।

(4) सम्पदा अधिकारी आबंटिनी की सेवा-निवृत्ति की तारीख के पश्चात् दो मास की अनुज्ञेय अवधि के लिए अथवा आयोग द्वारा निर्धारित अनुज्ञेय अवधि के लिए आयोग के आवास के रखने के लिए लाइसेंस फीस की रकम कार्यालय अध्यक्ष का सूचित करेगा। कार्यालय अध्यक्ष उस लाइसेंस फीस के साथ वसूल न की गई ऐसी लाइसेंस फीस का यदि कोई हो, जो उप-विनियम 3 में वर्णित है, समायोजन उपदान की रकम में से करेगा।

(5) यदि किसी विशेष मामले में सम्पदा अधिकारी के लिए बकाया लाइसेंस फीस का निर्धारण करना संभव नहीं है तो सम्पदा अधिकारी कार्यालय अध्यक्ष को सूचना देगा कि उपदान का 10 प्रतिशत या एक हजार रुपये इनमें से जो भी कम हो, सूचित दिये जाने तक राक रखा जाएगा।

(6) आबंटिनी की सेवा-निवृत्ति की तारीख के पश्चात् दो मास से अधिक की अनुज्ञेय अवधि अथवा सनप-समय पर आयोग द्वारा निर्धारित अवधि के लिए आयोग के आवास के रखने के लिए लाइसेंस फीस की वसूली की जिम्मेदारी कार्यालय अध्यक्ष की होगी।

नोट : इस विनियम के प्रयोजन के लिए लाइसेंस फीस के अन्तर्गत आवास या उसकी फिटिंग का हुए नुकसान के लिए आबंटिनी द्वारा देय अन्य प्रभार भी है।

#### (विनियम-67)

67. आयोग के आवास में संबंधित बकायों से भिन्न देशों का समायोजन और वसूली।

(1) आयोग के आवास के कब्जे से संबंधित बकायों से भिन्न देशों के लिए जो विनियम 65 के उप विनियम (3) के खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट है, कार्यालय अध्यक्ष आयोग के कर्मचारी की अधिवृत्ति पर सेवा-निवृत्ति होने की तारीख से या जब वह सेवा निवृत्त से पूर्व छुट्टी पर चला जाता तो उस तारीख से इन दोनों में से जो भी पहले हो, दो वर्ष पूर्व, देय निर्धारित करने के लिए कार्यवाही करेगा।

(2) उप विनियम (1) में निर्दिष्ट आयोग के बकायों का निर्धारण कर्मचारी की सेवा निवृत्ति की तारीख से 8 मास कार्यालय अध्यक्ष द्वारा पूरा किया जाएगा।

(3) उप विनियम 2 के अधीन यथा निर्धारित बकायों का जिसके अंतर्गत वे बकाये भी हैं जो तदनंतर जानकारी में आते हैं और कर्मचारी की सेवा निवृत्ति की तारीख तक बकाया रहते हैं, समायोजन आयोग के कर्मचारी को उसकी सेवा-निवृत्ति पर देय मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान में से किया जाएगा।

स्पष्टीकरण : (1) पानी और विजली के बकाये म्युनिसिपल कमेटों आदि के बकाये हैं, जो स्थानीय हैं। अतः वे आयोग के बकाये नहीं हैं। इसी प्रकार सहकारी समितियों

के बकाये भी आयोग के बकाये नहीं माने जा सकते। ऐसे बकायों की वसूली मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान से नहीं की जा सकती।

(2) कुटुम्ब पेंशन अन्य पेंशन की ही तरह है, और बकायों की वसूली चाहे वे आयोग के हों अथवा अन्य के, पेंशनभोगी की सहमति प्राप्त किए बिना इसमें से वसूली अनुज्ञेय नहीं है।

(3) इन विनियमों के अधीन, यदि समय से पूर्व सेवा-निवृत्ति कर्मचारी अपने सवितरण अधिकारी को सहकारी समितियों को बकाया वसूली के लिए मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान में से वसूली की घोषणा देता है, तो उसे कर्मचारी की मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान में से नकद रूप में काटकर समिति को भेजा जाएगा।

(4) पेंशनभोगी को रहित पेंशन अधिनियम के अन्तर्गत नहीं आती है, अतः पेंशनभोगी की सहमति के बिना पेंशनभोगी को रहित से आयोग के बकायों की वसूली में कोई आपत्ति नहीं होगी।

(विनियम-68)

68. सेवा-निवृत्ति की तारीख का अधिसूचित किया जाना :

जब आयोग का कोई कर्मचारी सेवा से निवृत्त हो तो कार्यालय अध्यक्ष सेवा-निवृत्ति की तारीख से भीतर ऐसी तारीख विनिर्दिष्ट करते हुए एक प्रति आदेश जारी करेगा और प्रत्येक ऐसे आदेश को एक प्रति निदेशक (प्रशासन) और मुख्य लेखाधिकारी को तुरन्त भेजेगा।

परन्तु जहाँ कर्मचारी की सेवा-निवृत्ति से पूर्व छुट्टी की मंजूरी का आदेश जारी किया जाता है वहाँ इस आशय के अतिरिक्त आदेश का आयोग का कर्मचारी ऐसी छुट्टी की समाप्ति पर वास्तव में सेवा-निवृत्ति हो गया है और जब तक आवश्यक नहीं होगा जब तक की छुट्टी कम नहीं की जाय और सेवा-निवृत्ति किसी कारण से पूर्व दिनांक अथवा मुत्तखी न कर दी जाय।

(विनियम-69)

#### अध्याय-8

आयोग की सेवा में रहते हुए आयोग के मरने वाले कर्मचारियों की बाबत कुटुम्ब पेंशन और मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान का अवधारण और प्राधिकृत किया जाना।

6.9 कुटुम्ब पेंशन और मृत तथा सेवा-निवृत्ति उपदान के दावे प्राप्त करना।

(1) जहाँ कार्यालय अध्यक्ष का कोई सूचना मिलती है कि आयोग के किसी कर्मचारी की मृत्यु सेवा में रहते हुए हो गया है, वहाँ वह यह निश्चित करेगा कि मृत कर्मचारी के बाबत कोई मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान या कुटुम्ब पेंशन या दोनों देय हैं या नहीं।

(2) (क) जहाँ आयोग किसी मृत कर्मचारी का कुटुम्ब विनियम 44 के अधीन मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उप-

दान का पात्र हो, वहां कार्यालय अध्यक्ष यह निश्चित करेगा कि—

(1) मृत कर्मचारी ने किसी व्यक्ति या किन्हीं व्यक्तियों को उपदान प्राप्त करने के लिए नाम निर्देशित किया था या नहीं ; और

(2) यदि मृत कर्मचारी ने कोई नाम निर्देशन नहीं किया था या जो नाम निर्देशन किया था वह अस्तित्व में नहीं है, तो उपदान किस व्यक्ति या कितने व्यक्तियों को देय हो सकता है।

(ख) कार्यालय अध्यक्ष तब प्ररूप (9) में दावा करने के लिए संबद्ध व्यक्ति को, प्ररूप (7) या प्ररूप (8) में जैसा भी उचित हो, लिखेगा।

(3) जहां मृत कर्मचारी का कुटुंब विनियम 49 के अधीन कुटुंब पेंशन का पात्र हो वहां—

(क) कार्यालय अध्यक्ष प्ररूप (11) में दावा करने के लिए विधवा या विधुर को प्ररूप (10) में लिखेगा; और

(ख) जहां मृत कर्मचारी के केवल एक या अधिक बालक जीवित हैं वहां ऐसे बालक या बालकों का संरक्षक कार्यालय अध्यक्ष को प्ररूप (1) में दावा प्रस्तुत कर सकेगा।

परन्तु संरक्षक से यह अपेक्षा नहीं की जायेगी कि वह ऐसे बालक की ओर से यदि उसने 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो तो उक्त प्ररूप में कोई दावा प्रस्तुत करे और ऐसा बालक स्वयं उक्त प्ररूप में दावा कर सकता है।

(4) यदि मृत्यु की तारीख को कर्मचारी आयोग के आवास का आबंटिती था तो कार्यालय अध्यक्ष विनियम (75) के उप-विनियम (1) के उपबंधों के अनुसार वेवाकी प्रमाणपत्र जारी किए जाने के लिए सम्बन्धित संपदा अधिकारी को लिखेगा।

70. प्रारूप 12 का पूरा किया जाना।

(1) (क) विनियम (69) के उपबंधों के अनुसार कुटुंब से दावा या दावे प्राप्त करते समय कार्यालय अध्यक्ष साथ ही साथ प्ररूप 12 को पूरा करने की कार्यवाही करेगा। यह कार्य उस तारीख से एक माह के भीतर पूरा कर लिया जायेगा जिसको सरकारी सेवक की मृत्यु के बारे में सूचना प्राप्त हुई हो।

(ख) कार्यालय अध्यक्ष मृत कर्मचारी की सेवा-पुस्तिका को देखेगा और अपना यह समाधान करेगा कि सम्पूर्ण सेवा के सत्यापन के प्रमाणपत्र उसमें अभिलिखित हैं या नहीं।

(ग) यदि असत्यापित सेवा की कोई अवधियां हैं, तो कार्यालय अध्यक्ष सेवा पुस्तिका में प्रविष्टियों के आधार पर असत्यापित सेवा के भाग को सत्यापित रूप में स्वीकार करेगा। इस प्रयोजन के लिए कार्यालय अध्यक्ष किसी अन्य ऐसी सुसंगत सामग्री पर भरोसा कर सकता है जिस तक उसकी आसानी से पहुंच हो। सेवा के असत्यापित भाग की स्वीकार करते समय कार्यालय अध्यक्ष यह सुनिश्चित करेगा कि सेवा

लगातार थी और पदव्युत्ति, हटाये जाने या सेवा से त्यागपत्र देने या हड़ताल में भाग लेने के कारण समपन्न नहीं की गयी थी।

(2) (क) कुटुंब पेंशन और मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान के लिए परिलब्धियों के अवधारण के प्रयोजन के लिए कार्यालय अध्यक्ष कर्मचारी की मृत्यु की तारीख से एक वर्ष पूर्व की अधिकतम अवधि की परिलब्धियों की शुद्धता के सत्यापन के बारे में सीमित रहेगा।

(ख) मृत्यु की तारीख से असाधारण छुट्टी पर होने वाले कर्मचारी की दशा में अधिक से अधिक एक वर्ष की परिलब्धियों की, जो उसने असाधारण छुट्टी के प्रारम्भ होने की तारीख से पूर्व ली थी, शुद्धता सत्यापित की जायेगी।

(3) अर्हक सेवा और अर्हक उपलब्धि के अवधारण की प्रक्रिया आयोग के कर्मचारी की मृत्यु की तारीख के बारे में सूचना की प्राप्ति से एक माह के भीतर पूरी की जायेगी और कुटुंब पेंशन तथा मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान की रकम की भी तदनुसार गणना की जायेगी।

(विनियम-71)

71. अपूर्ण सेवा अभिलेख की दशा में कुटुंब पेंशन और उपदान की रकम का अवधारण।

यदि किसी विशेष मामले में इस विषय पर आदेशों के होते हुए भी सेवा-पुस्तिका ठीक प्रकार से नहीं रखी गयी हो और कार्यालय अध्यक्ष के लिए यह सम्भव नहीं है कि सेवा-पुस्तिका में प्रविष्टियों के आधार पर किसी सेवा के असत्यापित भाग को सत्यापित सेवा के रूप को स्वीकार करे तो कार्यालय अध्यक्ष पूरी सेवा के सत्यापन के बारे में कार्यवाही नहीं करेगा ऐसी दशा में सेवा का सत्यापन निम्नलिखित अवधियों तक सीमित रहेगा:

(क) कुटुंब पेंशन के प्रयोजन के लिए:—

(1) यदि मृत्यु की तारीख तक आयोग के मृत कर्मचारी ने एक वर्ष से अधिक किन्तु 7 वर्ष से कम सेवा की थी तो सेवा के अन्तिम वर्ष की सेवा और परिलब्धियां कार्यालय अध्यक्ष द्वारा सत्यापित और स्वीकार की जायेगी और कुटुंब पेंशन की जायेगी और कुटुंब पेंशन की रकम विनियम (49) के उप-विनियम (1) और उप-विनियम (2) के अधीन अवधारित की जायेगी।

(2) यदि कर्मचारी ने अपनी मृत्यु की तारीख से 7 वर्ष से अधिक सेवा की थी तो अन्तिम 7 वर्ष की सेवा और अन्तिम वर्ष में की गई सेवा के दौरान ली गई परिलब्धियां कार्यालय अध्यक्ष द्वारा सत्यापित की जायेगी और स्वीकार की जायेगी, और कुटुंब पेंशन की रकम और वह अवधि जिसके लिए वह देय हैं, विनियम (49) के उप-विनियम (3) के उपबंधों के अनुसार अवधारित की जायेगी।

(3) यदि कर्मचारी ने मृत्यु के समय तक 7 वर्ष से अधिक की सेवा की थी और कार्यालय अध्यक्ष



अन्तिम 7 वर्ष की सेवा की सत्यापित और स्वीकार करने में समर्थ नहीं है किन्तु अन्तिम वर्ष के दौरान की गयी सेवा सत्यापित और स्वीकार की जा सकती है तो कार्यालय अध्यक्ष 7 वर्ष की सेवा का सत्यापन होने तक कुटुम्ब पेंशन की रकम विनियम (49) के उपविनियम (1) और उप-विनियम (3) के उपबंधों के अनुसार अवधारित करेगा।

- (4) अन्तिम 7 वर्ष की सेवा आगामी दो माह के भीतर सत्यापित और स्वीकार की जायेगी और कुटुम्ब पेंशन की रकम बढ़ी हुई दर से, और वह अवधि जिसके लिए वह देय है, विनियम (49) के उप-विनियम (3) के अनुसार अवधारित की जायेगी।
- (5) उपखंड (1), उपखंड (2) और उपखंड (3) के उपबंधों के अनुसार कुटुम्ब पेंशन का अवधारण आयोग के कर्मचारी की मृत्यु की तारीख के बारे में सूचना की प्राप्ति के एक माह के भीतर किया जायेगा।

(ख) मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उत्पदान के प्रयोजन के लिए:—

- (1) यदि मृत कर्मचारी ने अपनी मृत्यु के समय तक 5 वर्ष से अधिक किन्तु 24 वर्ष से कम अवधि की सेवा की थी और अन्तिम 5 वर्ष की अवधि की सेवा कार्यालय अध्यक्ष द्वारा खण्ड (क) के अधीन सत्यापित और स्वीकार कर लिया गया हो तो मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उत्पदान की रकम विनियम (44) के उप विनियम (1) के खण्ड (ख) में यथा निर्दिष्ट परिलब्धियों के 12 गुने के बराबर होगा। जहां सत्यापित और स्वीकार की गयी सेवा 6 वर्ष की अवधि से कम हो वहां मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उत्पदान वह रकम होगी जो विनियम (44) के उप विनियम (3) में निर्दिष्ट हो।
- (2) यदि मृत कर्मचारी ने 24 वर्ष से अधिक की सेवा की थी और सम्पूर्ण सेवा को सत्यापित और स्वीकार करना सम्भव नहीं हो किन्तु अन्तिम 5 वर्ष की सेवा उप खण्ड (i) के अधीन सत्यापित और स्वीकार हो गयी हो तो मृतक कर्मचारी के कुटुम्ब को परिलब्धियों के 12 गुने के बराबर मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उत्पदान अन्तिम आधार पर अनुशात किया जायेगा। उत्पदान की अन्तिम रकम निदेशक (प्रशासन) द्वारा सम्पूर्ण सेवा के स्वीकार किए जाने और सत्यापन पर अवधारित की जायेगी जो कार्यालय अध्यक्ष द्वारा उस तारीख से जिसको अन्तिम उत्पदान के देने के लिए प्राधिकारी पत्र जारी

किया गया था 6 माह की अवधि के भीतर अवधारित की जायेगी, और कोई अतिशेष यदि हो तो मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उत्पदान की रकम के अन्तिम अवधारण के परिणामस्वरूप देय हो जाती है तो हितग्राहियों को प्राधिकृत किया जायेगा।

(विनियम-72)

72. कागजातों का निदेशक (प्रशासन) को भेजा जाना।

दावा या दावों के प्राप्त होने पर कार्यालय अध्यक्ष प्ररूप 12 की मद संख्या 2 से 23 तक भरेगा और उक्त प्ररूप को मूलरूप में ही प्ररूप (13) के पत्र तथा कर्मचारी की सेवा रुस्तिका के साथ, जा अद्यतन पूरी की गयी, हो ऐसे अन्य दस्तावेज जिनपर दावा, की गयी सेवा के सत्यापन के लिए विश्वास किया गया हो, निदेशक (प्रशासन) को भेजेगा। यह कार्य कार्यालय अध्यक्ष द्वारा दावे की प्राप्ति के अधिक से अधिक एक माह के भीतर किया जायेगा।

(2) कार्यालय अध्यक्ष उपरोक्त प्ररूप (12) की एक प्रति अपने कार्यालय अभिलेख के लिए रखेगा।

(3) कार्यालय अध्यक्ष, निदेशक (प्रशासन) का ध्यान मृत कर्मचारी पर बकाया आयोग के व्यौरो की और दिलायगा, अर्थात्:—

(क) विनियम (75) की शर्तों के अनुसार निश्चित और निर्धारित आयोग के बकाया जो भुगतान आदेश किए जाने के पूर्व उत्पदान से वसूली योग्य हों।

(ख) उत्पदान की वह रकम जिसका कुछ अंश बकायों के समायोजन के लिए हो जो अभी तक निर्धारित नहीं किया हो और उसका कुछ अंश उत्पदान को अन्तिम अवधारण के कारण समायोजन के लिए रोक लिया गया हो।

(ग) खण्ड (ख) के प्रयोजन के लिए रोक ली गयी उत्पदान की अधिकतम रकम उत्पदान की रकम के 10 प्रतिशत तक या एक हजार रुपये तक इनमें से जो भी कम हो, सीमित होगी।

(4) (क) यदि प्ररूप (12) भर लिया गया हो और हितधिकारी या हतारिकारियों से दावा या दावे सम्बन्धित प्ररूपों में प्राप्त नहीं हुए हो तो कार्यालय अध्यक्ष प्ररूप (12) और उपविनियम (1) में निर्दिष्ट दस्तावेज निदेशक (प्रशासन) को उक्त प्ररूप के भाग (1) की मद संख्या 20, 21, 22 और 23 की बिना भरे भेज देगा।

(ख) कार्यालय अध्यक्ष जैसे ही दावा या दावों प्राप्त करे, वह तुरन्त निदेशक (प्रशासन) को इस अनुरोध के साथ भेज दिया जायेगा कि प्ररूप (12) भाग (1) की मद संख्या 20, 21, 22 और 23 निदेशक (प्रशासन) द्वारा भर लिया जाये।



73. अनंतिम कुटुंब पेंशन और उपदान की मंजूरी, निकाला जाना और संवितरण । (1) निदेशक (प्रशासन) द्वारा विनियम (72) में निर्दिष्ट कागजात प्राप्त होने के पश्चात् यह इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार अवधारित अनंतिम कुटुंब पेंशन जो अधिकतम कुटुंब पेंशन से अधिक नहीं तथा शत-प्रतिशत उपदान निकालने के लिए आवश्यक कार्यवाई करेगा। इस प्रयोजन के लिए निदेशक (प्रशासन) और मुख्य लेखाधिकारी निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाएंगे, अर्थात्:—

(क) निदेशक प्रशासन दावेदार या दावेदारों के पक्ष में एक मंजूरी पत्र जारी करेगा जिसकी एक प्रति मुख्य लेखाधिकारी को भेजा जायेगा, जिसमें अनंतिम कुटुंब पेंशन और यथा अवधारित शत-प्रतिशत उपदान दर्शाया जाएगा।

(ख) वह विनियम (72) के उपविनियम (3) के अधीन उपदान में वसूली योग्य रकम मंजूरी पत्र में दर्शायेगा।

(ग) मंजूरी पत्र जारी करने के पश्चात् मुख्य लेखाधिकारी:—

1. अनंतिम कुटुंब पेंशन की रकम, और
2. उपदान की शत-प्रतिशत रकम, उसमें से खण्ड (ख) में वर्णित बकायों की कटौती करके निकालेगा।

(2) मुख्य लेखाधिकारी उप-विनियम (1) के अधीन निकाली गयी अनंतिम कुटुंब पेंशन (जिसके अन्तर्गत उसकी बकाया यदि कोई हो, भी है) और उपदान तुरन्त वितरित करेगा।

(3) अनंतिम कुटुंब पेंशन का भुगतान कमचारी को मृत्यु की तारीख के अगली तारीख से 6 माह तक जारी रहेगा जब तक कि वह अवधि निदेशक (प्रशासन) द्वारा विनियम (74) के उप-विनियम (1) के परंतुक के अधीन बढ़ा नहीं दी जाती।

(4) मुख्य लेखाधिकारी निदेशक (प्रशासन) को सूचित करेगा:—

(क) जैसे ही उपदान दावेदार या दावेदारों को दे दिया जाता है, और

(ख) अनंतिम कुटुंब पेंशन 6 माह के लिए अथवा विनियम (74) के उपविनियम (1) के परंतुक के अधीन बढ़ाई गयी अवधि के लिए दी जाती है।

(5) यदि दावेदार या दावेदारों में से कोई अनंतिम कुटुंब पेंशन उपदान या दोनों का भुगतान मनीआडर या बैंक ड्राफ्ट द्वारा चाहता है तो वह उसको उसके खर्च पर तदनुसार भेजा जायेगा :

परन्तु किसी ऐसे दावेदार के मामले में जिसको 215६० अनाधिक (जिसके अन्तर्गत कुटुंब पेंशन राहत शामिल नहीं है) प्रति माह अनंतिम कुटुंब पेंशन मंजूर की गयी हो, दावेदार के अनुरोध पर पेंशन की रकम उसे मनीआडर द्वारा आयोग के खर्च पर भेजी जायेगी।

74. अंतिम पेंशन और उपदान के अतिशेष का निदेशक (प्रशासन) द्वारा प्राधिकृत किया जाना।—(1) विनियम (72) के उप-विनियम (1) निर्दिष्ट दस्तावेजों की प्राप्ति पर, निदेशक (प्रशासन) दस्तावेजों की प्राप्ति की तारीख से ठीक माह की अवधि के भीतर अपेक्षित जांच पड़ताल करेगा और प्ररूप (12) के भाग (2) के अनुभाग (1) को भरेगा और कुटुंब पेंशन तथा उपदान की रकम निर्धारित करेगा :

परन्तु यदि किसी कारणवश निदेशक (प्रशासन) पूर्वोक्त अवधि भीतर रकम निर्धारित करने में असमर्थ रहता है तो वह उस तथ्य की सूचना मुख्य लेखाधिकारी को इस बात के लिए प्राधिकृत करते हुए देगा कि दावेदार को ऐसी अवधि के लिए जो निदेशक (प्रशासन) द्वारा निर्निर्दिष्ट की जाए अनंतिम कुटुंब पेंशन देना जारी रखे।

(2) (क) कुटुंब पेंशन का भुगतान उस तारीख से जिसको अनंतिम पेंशन का भुगतान बन्द किया गया था, ठीक अगली तारीख से प्रभावी होगा।

(ख) जिस अवधि के लिए मुख्य लेखाधिकारी द्वारा अनंतिम कुटुंब पेंशन निकाली गयी थी और वितरित की गयी थी उसकी बाबत कुटुंब पेंशन बकाया भी, यदि कोई हो, निदेशक (प्रशासन) द्वारा प्राधिकृत की जाएगी।

(3) (क) निदेशक (प्रशासन) आयोग के मृत कर्मचारी पर बकाया रकम, यदि कोई हो, समायोजन करने के पश्चात् उपदान के अतिशेष की रकम अवधारित करेगा।

(ख) निदेशक (प्रशासन) मुख्य लेखाधिकारी को खण्ड (क) के अधीन अवधारित उपदान की बकाया रकम इस टिप्पणी के साथ सूचित करेगा कि उपदान के अधिशेष की रकम निकाली जाए और उस व्यक्ति या व्यक्तियों को लेखाधिकारी द्वारा वितरित की जाय जिन्हें अनंतिम उपदान की अदायगी की गयी है।

(ग) विनियम (75) के उप-विनियम (1) के खण्ड (5) के अधीन रोकी गयी उपदान की रकम मुख्य लेखाधिकारी द्वारा विनियम (75) के विनियम (1) के खण्ड (8) में वर्णित लाईसेन्स फीस की बकाया समायोजित की जायेगी और अतिशेष का भुगतान, यदि कोई हो, उस व्यक्ति या उन व्यक्तियों को किया जायेगा जिन्हें उपदान का भुगतान किया गया हो।

(4) पेंशन भुगतान आदेश के जारी किए जाने का तथ्य निदेशक (प्रशासन) द्वारा कार्यालय अध्यक्ष और मुख्य लेखाधिकारी को तुरन्त रिपोर्ट किया जायेगा वे दस्तावेज जिनकी और आगे आवश्यकता नहीं है, उसको वापस कर दिया जायेगा।

(5) यदि अन्तिम कुटुंब पेंशन की रकम जो कार्यालय अध्यक्ष द्वारा अवधारित की गयी हो, निदेशक (प्रशासन) द्वारा यह पाया जाता है कि अन्तिम रूप से निर्धारित कुटुंब पेंशन की रकम से अधिक है तो निदेशक प्रशासन इस बात के लिए स्वतंत्र होगा कि वह अधिक रकम को भविष्य में कुटुंब पेंशन का कम भुगतान करके किशतों में समायोजित कर ले।

(6) (क) यदि यह पाया जाता है कि कार्यालय अध्यक्ष द्वारा वितरित उपदान की रकम निदेशक (प्रशासन) द्वारा अन्तिम रूप से निर्धारित करम से अधिक है तो हितधिकारी से इस अधिक रकम की वापसी की अपेक्षा नहीं की जायेगी।

(ख) निदेशक (प्रशासन) यह सुनिश्चित करेगा कि वास्तव में अनुज्ञेय रकम से अधिक उपदान की रकम के विवरण के अनुसार कम से कम है। और वह पदाधिकारी या वे पदाधिकारी जो अधिक भुगतान के लिए जिम्मेदार है या हैं, अधिक भुगतान के लिए देनदार होगा या होंगे।

(विनियम 68)

#### 75. आयोग के बकायों का समायोजन।

(1) आयोग के आवास से सम्बन्धित बकाया (1) यदि मृत्यु की तारीख को कर्मचारी आयोग के आवास का आबंटिती था, तो कार्यालय अध्यक्ष आयोग के कर्मचारी की मृत्यु की बाबत सूचना की प्राप्ति पर ऐसी सूचना की प्राप्ति के 7 दिन भीतर सम्बन्धित संपदा-अधिकारी को "बेबाको प्रमाण पत्र" जारी करने के लिए लिखेगा, ताकि कुटुंब पेंशन और मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान प्रचिष्ट करने में विलम्ब न हो बेकाकी प्रमाण पत्र जारी करने के लिए संपदा अधिकारी को लिखते समय कार्यालय अध्यक्ष दो प्रतियों में निम्नलिखित जानकारी भी देगा एक प्रति निदेशक (प्रशासन) को भेजी जायेगी।

- (क) मृत कर्मचारी का नाम और पदनाम।
- (ख) आवास का विवरण (क्वार्टर नंबर और स्थान)।
- (ग) कर्मचारी की मृत्यु की तारीख।
- (घ) क्या कर्मचारी अपनी मृत्यु के समय छुट्टी पर था और यदि था, तो छुट्टी की अवधि और प्रकृति।
- (ङ) क्या कर्मचारी निःशुल्क आवास सुविधा का उपभोग कर रहा था?
- (च) वह अवधि जिस तक मृत कर्मचारी के वेतन और भत्तों से लाइसेंस फीस वसूल की गयी और वसूली की मासिक दर तथा वेतन बिल के विवरण जिसके अधीन वह अन्तिम बार वसूल की गयी थी।
- (छ) यदि मृत्यु की तारीख तक लाइसेंस फीस वसूल नहीं की गयी थी, और कर्मचारी का कुटुंब उसकी

मृत्यु की तारीख से 4 माह को अनुज्ञेय अवधि के लिए अथवा जैसा भी आयोग निश्चित करे, आयोग के आवास को रखने का इच्छुक हो तो निम्नलिखित ब्यौरे दिए जायेंगे :—

- (क) वह अवधि जिसके लिए लाइसेंस फीस अभी भी वसूल की जानी है।
- (ख) (क) में दर्शायी गयी अवधि के सम्बन्ध में लाइसेंस फीस की रकम।
- (ग) के कर्मचारी के कुटुंब द्वारा आयोग के कर्मचारी की मृत्यु की तारीख से आगे 4 माह की रियायती अवधि के लिए अथवा जैसा भी आयोग निश्चित करे, आयोग के आवास को रखने के लिए लाइसेंस फीस की रकम मानक भाड़ा बिल के आधार पर अवधारित की जायेगी।
- (घ) मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान में से वसूल करने के लिए (ख) और (ग) में वर्णित प्रस्तावित लाइसेंस फीस की रकम।
- (ङ) आबंटिती के विरुद्ध बकाया लाइसेंस फीस की वसूली से सम्बन्ध रखने वाले संपदा अधिकारी के किसी पूर्व निर्देश के ब्यौरे और उनपर की गयी कार्रवाई।

(2) निदेशक (प्रशासन) मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान में से संपदा अधिकारी द्वारा खण्ड (1) के अधीन सूचित लाइसेंस फीस की रकम की वसूली का आदेश देगा।

(3) 4 माह की अनुज्ञेय अवधि के आगे अथवा जैसा आयोग निश्चित करे, आयोग के आवास के उपभोग के लिए लाइसेंस फीस की वसूली की जिम्मेदारी कार्यालय अध्यक्ष की होगी।

(4) सम्बद्ध संपदा अधिकारी यह अवधारित करने की दृष्टि से कि क्या खण्ड (1) में निर्दिष्ट लाइसेंस फीस से भिन्न कोई लाइसेंस फीस मृत कर्मचारी पर बकाया थी, अपने अभिलेखों की जांच पड़ताल करेगा। यदि कोई वसूली बकाया पायी जाती है, तो वह रकम और वह अवधि या वे अवधियाँ, जिनसे ऐसी वसूली या वसूलियाँ सम्बन्धित हैं, कर्मचारी की मृत्यु के बाबत खण्ड (1) के अधीन सूचना की प्राप्ति से 3 माह की अवधि के भीतर कार्यालय अध्यक्ष और निदेशक (प्रशासन) को सूचित की जाएगी।

(5) खण्ड (4) के अधीन जानकारी प्राप्त होने तक निदेशक (प्रशासन) मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान का 10 प्रतिशत या 1000/- रु. इनमें से जो भी कम हो रोक रखेगा।

(6) लाइसेंस फीस की वसूली के बारे में खण्ड (4) के अधीन निहित अवधि के भीतर निदेशक (प्रशासन) को कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है तो यह मान लिया जाएगा

कि मृत कर्मचारी के बाबत कुछ भी वसूली योग्य नहीं था और उपदान की रोक लगी रकम उस व्यक्ति या उन व्यक्तियों, को जिन्हें मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान की रकम का भुगतान किया गया था, दे दी जाएगी।

(7) यदि कार्यालय अध्यक्ष ने संपदा अधिकारी से मृत कर्मचारी पर बकाया लाइसेंस फीस बाबत खण्ड (4) के अधीन सूचना प्राप्त की है तो कार्यालय अध्यक्ष निस्तारण पंजी से यह स्थापन करेगा कि लाइसेंस फीस की बकाया रकम मृत कर्मचारी के वेतन और भत्तों में वसूल की गयी थी या नहीं। यदि स्थापन के परिणामस्वरूप यह पाया जाए कि संपदा अधिकारी द्वारा बकाया दिखायी गयी लाइसेंस फीस की रकम पहले ही वसूल की जा चुकी है, तो कार्यालय अध्यक्ष संपदा अधिकारी का ध्यान वेतन-बिल की ओर दिखाना जिनके अधीन लाइसेंस फीस की अपेक्षित वसूली की गयी थी और इसकी एक प्रति निदेशक (प्रशासन) को भी देगा तथा उप-विनियम (2) के उपबंधों के अधीन रहते हुए खण्ड (5) के अधीन रोक ली गई उपदान की रकम उस व्यक्ति या उन व्यक्तियों को जिन्हें मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान का भुगतान किया गया था, प्रदान करने की कार्यवाही करेगा।

(8) यदि लाइसेंस फीस की बकाया रकम मृत कर्मचारी के वेतन और भत्तों से वसूल नहीं की गयी थी तो कार्यालय अध्यक्ष बकाया रकम खण्ड (5) के अधीन रोक ली गई उपदान की रकम से समायोजित करने के लिए निदेशक, प्रशासन को सूचित करेगा और अतिशेष, यदि कोई हो तो उस व्यक्ति या उन व्यक्तियों को जिन्हें मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान का भुगतान किया गया था, प्रदान किया जाएगा।

(2) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट बकाया से भिन्न बकाया:— कार्यालय अध्यक्ष कर्मचारी की मृत्यु की बाबत सूचना की प्राप्ति से एक माह के भीतर यह सुनिश्चित करने की कार्यवाही करेगा कि क्या विनियम (65) में निर्दिष्ट कोई बकाया, आयोग के आवास के आबंटन से सम्बन्धित बकाया को छोड़कर, मृत कर्मचारी से वसूली योग्य थे? इस प्रकार सुनिश्चित बकाया की सूचना कार्यालय अध्यक्ष निदेशक, प्रशासन को देगा, जो मृत कर्मचारी के कुटुंब को देय मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान की रकम में से वसूल करने का निर्देश देगा।

76. प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए आयोग के कर्मचारी की मृत्यु की दशा में कुटुंब पेंशन और मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान का भुगतान:— उस कर्मचारी की दशा में जिसकी उस समय मृत्यु होती है जब वह अन्यत्र सेवा में प्रतिनियुक्त हो तो पेंशन और मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान प्राधिकृत करने के लिए कार्यवाही इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार कार्यालय अध्यक्ष द्वारा की जाएगी।

## अध्याय 9

मृत पेंशनभोगियों की बाबत कुटुंब पेंशन और अवशिष्टीय उपदान की मंजूरी

77. पेंशनभोगी की मृत्यु पर कुटुंब पेंशन और अवशिष्टीय उपदान की मंजूरी:— (1) जहां कि कार्यालय अध्यक्ष को आयोग के किसी ऐसे सेवा-निवृत्त कर्मचारी की मृत्यु की सूचना मिलती है जिसे पेंशन मिल रही थी, वहां वह यह निश्चित करेगा कि मृत पेंशनभोगी की बाबत कोई कुटुंब पेंशन या अवशिष्टीय उपदान या दोनों ही देय हैं अथवा नहीं:

परन्तु जब कार्यालय अध्यक्ष यह समझे कि वैसे करना आवश्यक है तब वह निदेशक (प्रशासन) से परामर्श कर सकता है।

(2) (क) (1) यदि मृत पेंशनभोगी को कोई ऐसी विधवा या विधुर या विनियम (49) के अधीन कुटुंब पेंशन पाने का पात्र है, जीवित रहता है तो उसे कुटुंब पेंशन की रकम, जो पेंशन भुगतान आदेश में निर्दिष्ट है, पेंशनभोगी की मृत्यु की तारीख से ठीक अगले दिन से यथास्थिति विधवा या विधुर को देय हो जाएगी।

(2) विधवा या विधुर के आवेदन प्राप्त होने पर मुख्य लेखाधिकारी विधवा या विधुर को, यथास्थिति कुटुंब पेंशन के भुगतान को प्राधिकृत करेगा।

(ख) (1) जहां कि मृत पेंशनभोगी का कोई बालक जीवित रहता है या रहते है, वहां ऐसा बालक या बालकों का संरक्षक कुटुंब पेंशन के भुगतान के लिए कार्यालय अध्यक्ष को प्ररूप (11) में एक दावा प्रस्तुत कर सकता है:

परन्तु संरक्षक से यह अपेक्षा नहीं की जाएगी कि वह पुत्र या अविवाहित पुत्री की ओर से, यदि उसने 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली हो, तो उक्त प्ररूप में कोई दावा प्रस्तुत करे और ऐसा व्यक्ति उक्त प्ररूप में स्वयं दावा प्रस्तुत कर सकता है।

(2) संरक्षक से दावा प्राप्त होने पर कार्यालय अध्यक्ष ऐसे दावे का निदेशक (प्रशासन) के पास भेजेगा, जो प्ररूप (14) में कुटुंब पेंशन मंजूर करेगा।

(ग) (1) जहां कि कोई विधवा या विधुर जिसे कुटुंब पेंशन मिल रहा है, पुनर्विवाह कर लेती है या कर लेता है और पुनर्विवाह के समय उसके पूर्व पति या पत्नी से कोई ऐसा बालक है या ऐसे बालक हों, जो कुटुंब पेंशन का पात्र है या पात्र हैं, वह ऐसे पुनर्विवाहित व्यक्ति ऐसे बालक या बालकों की ओर से कुटुंब पेंशन लेने का पात्र होगा, यदि वह व्यक्ति ऐसे बालक या बालकों का संरक्षक बना रहे।

(2) उपखण्ड (1) के प्रयोजन के लिए, पुनर्विवाहित व्यक्ति सादे कामज पर कार्यालय अध्यक्ष को आवेदन करेगा, जिसमें वह निम्नलिखित विवरण प्रस्तुत करेगा, अर्थात् :—

(क) यह घोषणा कि आवेदक ऐसे बालक या बालकों का संरक्षक बना रहा है।

(ख) पुनर्विवाह की तारीख।

(ग) पहले पति या पत्नी से हुए बालक या बालकों के नाम और जन्म की तारीख।

(घ) आवेदक का पूरा डाक पता।

(3) यदि किसी कारणवश पुनर्विवाहित व्यक्ति ऐसे बालक या बालकों का संरक्षक नहीं रह जाता है, तो कुटुंब पेंशन उस व्यक्ति को देय हो जाएगी जो उस समय लागू विधि के अधीन ऐसे बालक या बालकों के संरक्षक के रूप में कार्य करने का अधिकारी हो और ऐसा व्यक्ति कुटुंब पेंशन के भुगतान के लिए कार्यालय अध्यक्ष को प्रारूप (11) में एक दावा प्रस्तुत कर सकता है :

परन्तु यह कि संरक्षक से पुत्र या अविवाहित पुत्री की ओर से उक्त प्रारूप में दावा करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी यदि पुत्र या पुत्री ने 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है और ऐसा व्यक्ति उक्त प्रारूप में स्वयं दावा प्रस्तुत कर सकता है।

(4) उपखण्ड (3) में निविष्ट दावों की प्राप्ति पर कार्यालय अध्यक्ष उसे निदेशक (प्रशासन) के पास भेजेगा, जो प्रारूप (15) में कुटुंब पेंशन मंजूर करेगा।

(घ) (1) जहां कि ऐसे किसी विधवा या विधुर की, जिसे कुटुंब पेंशन मिल रही हो, मृत्यु हो जाती है और वह अपने पीछे कोई बालक छोड़ जाती है या छोड़ जाता है जो कुटुंब पेंशन का पात्र है या पात्र है, वहाँ संरक्षक कुटुंब पेंशन के भुगतान के लिए कार्यालय अध्यक्ष को प्रारूप (11) में एक दावा प्रस्तुत कर सकता है :

परन्तु संरक्षक से यह अपेक्षा नहीं की जाएगी कि वह पुत्र या अविवाहित पुत्री की ओर से यदि उसने 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो, तो उक्त प्रारूप में कोई दावा प्रस्तुत करे और ऐसा व्यक्ति उक्त प्रारूप में स्वयं दावा प्रस्तुत कर सकता है।

(2) उपखण्ड (1) के अधीन दावा प्राप्त होने पर कार्यालय अध्यक्ष उसे निदेशक (प्रशासन) के पास भेजेगा, जो प्रारूप (15) में कुटुंब पेंशन मंजूर करेगा।

(3) जहाँ सेवा-निवृत्त कर्मचारी की मृत्यु पर कोई अवशिष्टीय उपदान विनियम (44) के अविनियम (2) के अधीन मृतक के कुटुंब को देय हो जाए वहाँ निदेशक (प्रशासन) अवशिष्टीय उपदान प्राप्त करने के लिए पात्र व्यक्ति या व्यक्तियों से प्रारूप (16) में कोई दावा या दावे प्राप्त करने पर उसके भुगतान की मंजूरी देगा।

78. निदेशक (प्रशासन) द्वारा भुगतान का प्राधिकरण:— कुटुंब पेंशन या अवशिष्टीय उत्पादन या दोनों के ही भुगतान के बारे में विनियम (77) के अधीन मंजूरी पत्र प्राप्त हो जाने पर मुख्य लेखाधिकारी उसका भुगतान करेगा।

#### अध्याय . 10

##### पेंशन का भुगतान

79. पेंशन किस तारीख से देय होती है:—(1) विनियम (8) और 63 के उपबंधों के अधीन रहते हुए कुटुंब पेंशन से भिन्न पेंशन उस तारीख को, जिसकी आयोग का कर्मचारी स्थापना में नहीं रह जाता।

(2) पेंशन जिसके अन्तर्गत कुटुंब पेंशन भी है उस दिन के लिए देय होगी जिस दिन उसके प्राप्तकर्ता की मृत्यु हो जाती है।

80. करेंसी, जिसमें पेंशन देय है:—इन विनियमों के अधीन, सभी प्रकार की पेंशन जिसमें उपदान भी शामिल है, भारत में रुपए में भुगतान किया जाएगा।

81. उपदान और पेंशन भुगतान की रीति:—(1) इन विनियमों में उपबंधित के सिवाय, उपदान का भुगतान एक-मुश्त किया जाएगा।

(2) मासिक दरों पर निश्चित की गयी पेंशन ठीक अगले मास के पहले दिन या उसके पश्चात् मासिक रूप में देय होगी।

#### अध्याय : 11

##### पेंशन का संराशीकरण, सामान्य शर्तें

82. पेंशन के संराशीकरण पर प्रतिबन्ध:—कोई भी कर्मचारी जिसके विरुद्ध विभागीय अथवा न्यायिक कार्यवाहीयों उनके सेवा-निवृत्त होने की तारीख से पूर्व संस्थित की गयी हों जैसा कि विनियम 8 में निविष्ट है, अथवा कोई पेंशनभोगी जिसके विरुद्ध ऐसी कार्यवाहीयों उसके सेवा-निवृत्त होने के बाद संस्थित की जाती है, विनियम (63) के अधीन प्राधिकृत अन्तिम पेंशन अथवा पेंशन, यथास्थित, के किसी अंश का संराशीकरण कराने का पात्र नहीं होगा, जबकि ऐसी कार्यवाहीयों लंबित हों।

83. पेंशन के संराशीकरण की सीमा:—(1) कर्मचारी अपने पेंशन के एक-तिहाई भाग से अधिक एक अंश के एक-मुश्त भुगतान के लिए संराशीकरण का पात्र होगा।



स्पष्टीकरण :— (1) इस अध्याय और इसके बाद अध्याय 12 और 13 में निर्दिष्ट "पेंशन" पद का अर्थ जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, पेंशन का कोई भी वर्ग जिसमें इन विनियमों के अध्याय 5 में निर्दिष्ट प्रतिकर भुत्ता शामिल है, लेकिन जिसमें असाधारण पेंशन शामिल नहीं है, और वह धनराशि जिसे आयोग ने पेंशनभोगी की क्षतिपूर्ति के रूप में निर्वाह-खर्च के लिए मंजूर की है।

(2) प्ररूप 19 अथवा 20 में आवेदक (संराशीकरण के लिए) अपने आवेदनपत्र में पेंशन के उस अंश की दर्शाएगा जिसे वह संराशीकृत कराना चाहता है और या तो पेंशन के एक-तिहाई की अधिकतम सीमा अथवा ऐसी न्यूनतम सीमा की दर्शाएगा जैसा कि वह संराशीकृत कराने की इच्छा रखता हो।

(3) यदि संराशीकृत की जाने वाली पेंशन का भाग रुपए के किसी अंश में आता हो तो एक रुपए का ऐसा अंश या ऐसा भाग संराशीकरण के प्रयोजन के लिए छोड़ दिया जाएगा।

नोट :— विनियम (7) के अधीन जब पेंशन का कोई अंश रोक लिया जाता है अथवा निकाल लिया जाता है, अवशिष्ट रकम जिसे पेंशन के किसी भाग को रोकने अथवा निकालने की तारीख से मंजूर किया गया हो, रकम होगी। इस प्रकार यदि इस तारीख के बाद संराशीकरण के लिए आवेदन किया जाता है, तो देय रकम जिसे संराशीकृत किया जा सकता है, की गणना उस तारीख के बाद उस व्यक्ति को देय पेंशन के संदर्भ में की जाएगी।

84. पेंशन का संराशीकरण पूर्ण रूप से होना :— (1) संराशीकरण के लिए निम्न में निर्दिष्ट पेंशन का संराशीकरण ऐसे आवेदक के मामले में पूर्णरूप से होगा :—

- (1) विनियम (91) के उपविनियम (1) में जिस तारीख से आवेदक से प्ररूप (19) में आवेदन निदेशक (प्रशासन) प्राप्त करता है।
- (2) अध्याय 13 में प्ररूप 22 के भाग 3 में चिकित्सा-रिपोर्ट में चिकित्सा प्राधिकारी जिस तारीख से हस्ताक्षर करता है :

परन्तु संराशीकरण के कारण पेंशन की राशि में कटौती उस तारीख से लागू होगी जिस तारीख से पेंशन का संराशीकृत मूल्य प्राप्त हुआ अथवा पेंशन के संराशीकृत मूल्य के भुगतान के लिए निदेशक (प्रशासन) द्वारा जारी प्राधिकार के 3 माह के बाद, इनमें से जो भी पहले हो।

स्पष्टीकरण :— "आवेदक" पद जिसे इन अध्याय और इसके बाद अध्याय 12 और 13 में निर्दिष्ट है, का तात्पर्य आयोग का कर्मचारी जिसमें आयोग का सेवा-निवृत्त कर्मचारी भी शामिल है जो निर्धारित प्रारूप में पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण कराने के लिए आवेदन करता है।

(2) विनियम (87) और विनियम (88) में निर्दिष्ट आवेदक के मामले में संराशीकृत मूल्य का भुगतान दो प्रक्रमों में किया जाता है। पेंशन की रकम में से कटौती भुगतान की तारीख से की जाएगी जैसा कि उपविनियम (1) के परन्तुक में व्यवस्था है।

(3) पेंशन के संराशीकृत मूल्य का भुगतान आवेदक को जिस तारीख से किया जाता है मुख्य लेखाधिकारी द्वारा पेंशन भुगतान आदेश में उसकी प्रविष्टि की जाएगी जिसकी सूचना निदेशक (प्रशासन) को भी दी जाएगी जो पेंशन के संराशीकृत मूल्य के भुगतान को प्राधिकृत करेगा।

85. संराशीकृत मूल्य को प्राप्त करने के पूर्व आवेदक की मृत्यु यदि आवेदक संराशीकृत मूल्य को प्राप्त किए बिना उस तारीख को जिसको संराशीकरण देय होता है अथवा उसके बाद मर जाता है तो संराशीकृत मूल्य का भुगतान उसके उत्तराधिकारी को किया जाएगा।

86. पेंशन के संराशीकृत मूल्य की गणना :— समय-समय पर निर्धारित मूल्य की तालिका के अनुसार आवेदक को एक-मुश्त देय रकम की गणना की जाएगी और उस तारीख से आवेदक को देय होगी जिस तारीख को संराशीकरण स्पष्ट रूप से होता है।

स्पष्टीकरण :— इस विनियम में तथा इसके बाद निर्दिष्ट तालिका का तात्पर्य पेंशन के लिए संराशीकरण मूल्य की तालिका इस विनियम के परिशिष्ट में दिया गया है।

87. अनंतिम पेंशन का संराशीकरण :— (1) आयोग का कोई कर्मचारी जिसे पेंशन के अन्तिम निष्करण के संबंधित रहते हुए विनियम (58) के अधीन अनंतिम पेंशन मंजूर की गयी हो ऐसे अनंतिम पेंशन के किसी अंश को संराशीकृत कराने का पात्र होगा जो विनियम (83) में निर्दिष्ट सीमा के अधीन होगा।

(2) अनंतिम पेंशन के संराशीकरण के प्रयोजन के लिए अध्याय 12 अथवा अध्याय 13 मामले के अनुसार के उपबंध लागू होंगे।

(3) इस उपविनियम के उपबंध ऐसे आवेदक पर लागू होगा जिस पर इन विनियमों में अध्याय 13 अनंतिम पेंशन के संराशीकरण के प्रयोजन के लिए लागू होते हैं :—

- (1) जब कोई आवेदक अपना अनंतिम पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण करना चाहता है जो एक सौ रुपए प्रतिमाह से अधिक नहीं होती हो तथा उसके मामले में यह अपेक्षा की जाती है कि वह राशि जिसका वह संराशीकरण कराने का पात्र होगा जब पेंशन की प्राधिकृत अंतिम राशि एक

सी रूप प्रति माह से अधिक हो जाती है उसका आवेदन, एक सी रूप प्रतिमाह से अधिक की राशि में संराशीकरण के लिए चिकित्सा प्राधिकारी की व्याख्या के प्रयोजन हेतु माना जाएगा।

(2)(क) जहां पर आवेदक अन्तिम पेंशन के अवधारण पर जो उमे देव हो तथा 100/- रु. प्रति माह से अधिक हो पेंशन के संराशीकरण की अपनी पात्रता की सम्भावना को निर्विष्ट नहीं करता है तो यह माना जाएगा कि पेंशन संराशीकरण के लिए 100/- रु. से अनधिक प्रति माह के लिए उसने आवेदन किया है।

(ख) अन्तिम पेंशन के अवधारण पर आवेदक 100/-रु० प्रति माह तक पेंशन के संराशीकरण का पात्र हो जाता है तो मूलरूप से संराशीकृत पेंशन और बाद में संराशीकृत पेंशन के अन्तर के भुगतान के लिए उमे चिकित्सा की परीक्षा के लिए नहीं जाना होगा।

(ग) यदि अन्तिम पेंशन के अवधारण पर आवेदक 100/- रु० से अधिक के संराशीकरण का पात्र हो जाता है तो उसे 100/- रु० से अधिक पेंशन के संराशीकरण के लिए अलग से प्ररूप (20) में आवेदन करना होगा।

88 अन्तिम पेंशन का भूतलक्षी पुनरीक्षण:—कोई आवेदक जो अपने अन्तिम पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण करा चुका है और संराशीकरण के उसके पेंशन का पुनरीक्षण किया गया और आयोग के निर्णय के फलस्वरूप पिछले समय से बढ़ाया गया हो तो आवेदक को पेंशन में की गयी वृद्धि और प्राधिकृत संराशीकृत मूल्य के अन्तर के मन्दर्भ में अवधारित संराशीकृत मूल्य के बीच के अंतर का भुगतान किया जाएगा। इस अंतर के भुगतान के लिए आवेदक को फिर से आवेदन नहीं करना होगा।

परन्तु ऐसे आवेदक के मामले में जिस अनयुक्त चिकित्सा प्राधिकारी के स्वस्थ घोषित करने के बाद 100/- रु० से अनधिक मूल पेंशन के किसी भाग का संराशीकरण करा लिया हो और पिछले समय से पेंशन में वृद्धि के परिणामस्वरूप वह 100/- रु० प्रतिमाह से अधिक की राशि की संराशीकृत कराने का पात्र हो जाता है तो उसे संराशीकृत मूल्य के 100/- रु० प्रतिमाह और मूल पेंशन के किसी अंश के संराशीकृत मूल्य के अन्तर के भुगतान की अनुज्ञा बिना चिकित्सा परीक्षा के दी जाएगी। इसके आगे 100/- रु० प्रति माह से अधिक के संराशीकरण को नया संराशीकरण माना जाएगा और उसे मेडीकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के अधीन अनुज्ञेय होगा।

## अध्याय 12

चिकित्सा-परीक्षा के बिना पेंशन का संराशीकरण

89. विस्तार:—इस अध्याय के उपबन्ध ऐसे आवेदक पर लागू होंगे जो चिकित्सा-परीक्षा के बिना अपनी पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण कराने के पात्र हों।

90. पात्रता : ऐसा आवेदक जो :— (1) विनियम (32) के अधीन अधिवृत्ति पेंशन; अथवा

(2) विनियम (33) के अधीन सेवा-निवृत्त पेंशन; अथवा

(3) विनियम (34) की शर्तों के अधीन किसी निगम या कम्पनी या निकाय के अन्तर्गत आमेलन पर पेंशन और जो मासिक पेंशन तथा मृत्यु एवं सेवा-निवृत्त उपदान लेने का विकल्प करता है; अथवा

(4) विनियम (37) के अधीन किसी स्थायी पद के समाप्त हो जाने पर प्रतिकार पेंशन; अथवा

(5) विनियम (8) में निर्दिष्ट विभागीय या न्यायिक कार्रवाईयों के अन्तिम रूप दिए जाने पर पेंशन का पूरा अथवा आंशिक भाग और उससे संबंधित अन्तिम आदेश जारी करने पर प्राधिकृत किया जाता है, की सीमा विनियम (83) के शर्तों के अधीन होगी, चिकित्सा-परीक्षा के बिना अपनी पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण कराने का पात्र होगा।

परन्तु वह विनियम (91) के उपबंधों के अनुसार प्ररूप (19) में पेंशन के संराशीकरण के लिए आवेदन करता हो।

नोट :— विनियम (58) के अधीन स्वीकृत अन्तिम पेंशन खण्ड (1), खण्ड (2), और खण्ड (4) में निर्दिष्ट पेंशन में शामिल होगी।

91. पेंशन के संराशीकरण के लिए आवेदन :— (1) विनियम (90) में निर्दिष्ट किसी प्रकार की पेंशन प्राप्त करने वाले आवेदक की दशा में, जो सेवा से सेवा-निवृत्त होने की तारीख की अगली तारीख के बाद किसी भी समय उस पेंशन के किसी अंश को संराशीकृत कराना चाहता है लेकिन अपनी सेवा-निवृत्ति की तारीख से एक वर्ष से पूर्व—

(क) अपनी सेवा-निवृत्ति की तारीख के बाद प्ररूप (19) में निदेशक (प्रशासन) को आवेदन देगा;

(ख) यह सुनिश्चित करेगा कि प्ररूप (19) में ठीक तरह से भरा हुआ आवेदन निदेशक (प्रशासन) को अपनी सेवा-निवृत्ति की तारीख के एक वर्ष पूर्व यथाशीघ्र दे दिया गया है।

परन्तु विनियम (90) के खण्ड (3) में निर्दिष्ट (क) के आवेदन की बाबत जहां पर आयोग की सेवा से

सेवा-निवृत्ति का आदेश भूतलकी तारीख की जारी किया गया था, इस उप-विनियम में निर्दिष्ट एक वर्ष की अवधि की गणना सेवा-निवृत्ति आदेश के जारी किए जाने की तारीख से की जायेगी।

(ग) विनियम (90) के खण्ड (5) में निर्दिष्ट इस उप-विनियम में निर्दिष्ट एक वर्ष की अवधि की गणना विभागीय अथवा न्यायिक कार्रवाहियों के अन्तिम रूप दिए जाने के फलस्वरूप आदेशों के जारी करने की तारीख से की जायेगी।

(2) ऐसा आवेदक जो अपनी सेवा-निवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर पेंशन के संराशीकरण के लिए आवेदन करता है लेकिन उसका आवेदन प्ररूप (19) में निदेशक प्रशासन द्वारा सेवा-निवृत्ति की तारीख से एक वर्ष बाद प्राप्त किया जाता है, चिकित्सा-परीक्षा के बिना अपने पेंशन का संराशीकरण कराने का पात्र नहीं होगा। ऐसा आवेदक, यदि वह अपनी पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण कराना चाहता है तो वह अध्याय (13) में विहित प्रक्रिया के अनुसार प्ररूप (20) में नया आवेदन करेगा।

(92) पेंशन के संराशीकरण के लिए प्राप्त आवेदन पर निदेशक (प्रशासन) द्वारा की जानेवाली कार्रवाई. (1) विनियम (91) के उप-विनियम (1) के अधीन प्ररूप (19) में प्राप्त आवेदन पर निदेशक (प्रशासन) :—

- (क) उसके प्राप्त की तारीख अंकित करते हुए प्ररूप पर हस्ताक्षर करेगा।
- (ख) प्ररूप (19) के भाग (2) के प्राप्ति की अभिसूचीकृत कर उसे आवेदक को तुरन्त भेजेगा।
- (ग) प्ररूप (19) के भाग (3) की पूरा करने की तत्काल कार्रवाई करेगा।

(2) संराशीकरण कराने वाले आवेदक के सेवा-निवृत्ति की तारीख के एक वर्ष बाद विनियम (91) के उप-विनियम (1) के अधीन प्ररूप (19) में निदेशक (प्रशासन) द्वारा प्राप्त आवेदन के मामले में निदेशक (प्रशासन) आवेदक को सूचित करेगा कि—

- (क) वह चिकित्सा-परीक्षा के बिना पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण कराने का पात्र नहीं होगा।
- (ख) यदि वह पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण कराना चाहता है, तो वह प्ररूप (20) में नया आवेदन करेगा ताकि अध्याय (13) में विहित प्रक्रिया के अनुसार चिकित्सा-परीक्षा की व्यवस्था की जा सके।

(93) निदेशक (प्रशासन) द्वारा संराशीकृत मूल्य का प्राधिकृत किया जाना. (1) निदेशक (प्रशासन) प्ररूप (19) के प्राप्त होने पर—

- (क) सत्यापित करेगा कि प्ररूप (19) के भाग (1) में आवेदक द्वारा दी गयी जानकारी सही है।

(ख) सत्यापित करेगा कि चिकित्सा-परीक्षा के बिना अपनी पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण कराने का आवेदक पात्र है।

(ग) पेंशन के संराशीकृत मूल्य का अवधारण।

(घ) मुख्य लेखाधिकारी को पेंशन के संराशीकृत मूल्य के भुगतान के लिए प्राधिकृत करना।

(2) निदेशक (प्रशासन) प्ररूप (19) में दी गयी जानकारी के आवश्यक सत्यापन के बाद—

(क) मुख्य लेखाधिकारी को पेंशन के संराशीकृत मूल्य के भुगतान के लिए प्राधिकार जारी करेगा।

(ख) विनियम (84) के उप-विनियम (1) के परंतुक के अनुसार मुख्य लेखाधिकारी का ध्यान आकषित करेगा ताकि मुख्य लेखाधिकारी पेंशन के संराशीकृत अंश के कारण पेंशन की राशि में को जाने-वाली कटौती की तारीख के सम्बन्ध में पेंशन भुगतान आदेश में प्रविष्टि करेगा।

(ग) खण्ड (क) के निदेशानुसार प्राधिकार को एक प्रति आवेदक को इस अनुदेश के साथ भेजेगा कि वह मुख्य लेखाधिकारी से पेंशन के संराशीकृत मूल्य की प्राप्ति कर ले।

(94) अन्तिम पेंशन के संराशीकृत मूल्य के किसी अंश का प्राधिकृत किया जाना (1) यदि अन्तिम पेंशन के अवधारण के अनिर्णीत रहते हुए निदेशक (प्रशासन) ने विनियम (58) के अधीन कर्मचारी को अन्तिम पेंशन मंजूर की है और आयोग के ऐसे कर्मचारी ने विनियम (87) के प्रावधान के अनुसार प्ररूप (19) में अन्तिम पेंशन के संराशीकरण के लिए आवेदन किया है तो निदेशक (प्रशासन) प्ररूप (19) के प्राप्त होने पर कार्रवाई करेगा जैसा कि विनियम (92) के उप-विनियम (1) में व्यवस्था है और अन्तिम पेंशन की राशि की शुद्धता का सत्यापन करेगा और विनियम (93) के उप-विनियम (1) के प्रावधान के अनुसार फिर से सत्यापन करेगा।

(2) अन्तिम पेंशन और संराशीकृत मूल्य को राशि का आवश्यक सत्यापन करने के बाद निदेशक (प्रशासन)—

(क) पेंशन के संराशीकृत मूल्य के भुगतान के लिए मुख्य लेखाधिकारी को इस रिमार्क के साथ प्राधिकार जारी करेगा कि वह संराशीकृत मूल्य को निकाल कर उन्हें सूचित करते हुए आवेदक को दे दिया जाये।

(ख) विनियम (84) के उप-विनियम (1) के परंतुक के अनुसार मुख्य लेखाधिकारी का ध्यान आकषित करेगा ताकि मुख्य लेखाधिकारी अन्तिम पेंशन के संराशीकरण के कारण तदनुसार अन्तिम पेंशन की राशि में कटौती करे, और

(ग) आवेदक को खण्ड (क) में निर्दिष्ट प्राधिकार की एक प्रति इस अनुदेश के साथ भेजेगा कि वह मुख्य लेखाधिकारी से इस मामले में मिले।

(3) मुख्य लेखाधिकारी निदेशक (प्रशासन) से उप-विनियम (2) के अधीन प्राधिकार प्राप्त करने रॉपेशन की संराशीकृत मूल्य की राशि को निकालेगा और उसे निदेशक (प्रशासन) को सूचित करते हुए आवेदक को दे देगा।

(4) पेंशन के अंतिम निर्धारण पर निदेशक (प्रशासन) —

(क) संराशीकृत मूल्य तथा कार्यालय अध्यक्ष द्वारा भुगतान किए गए संराशीकृत मूल्य के अन्तर के भुगतान के लिए मुख्य लेखाधिकारी को प्राधिकार जारी करेगा।

(ख) कार्यालय अध्यक्ष द्वारा अन्तिम पेंशन के भुगतान के सम्बन्ध में जारी किए जाने वाले पेंशन भुगतान आदेश में प्रविष्टि करेगा। अन्तिम पेंशन के संराशीकरण मूल्य का मुख्य लेखाधिकारी द्वारा भुगतान के तथ्य और वह तारीख जिसकी अवशिष्ट पेंशन का भुगतान शुरू होगा का भी निर्दिष्ट करेगा।

अध्याय-13

चिकित्सा-परीक्षा के बाद पेंशन का संराशीकरण

(95) विस्तार:—इस अध्याय के उपबंध ऐसे आवेदक पर लागू होंगे जो चिकित्सा-परीक्षा के बाद अपनी पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण कराने का पात्र हो

(96) पात्रता: ऐसा आवेदक जो—

(1) विनियम (36) के अधीन अशक्त पेंशन पर सेवा-निवृत्त होता है, अथवा,

(2) किसी निगम, कम्पनी, या निकाय के अधीन अथवा में आमेसन पर मृत्यु तथा सेवा-निवृत्त उपदान और विनियम (34) के शर्तों के अधीन पेंशन के बदले एक मुश्त राशि प्राप्त करने का विकल्प करता है, अथवा

(3) दण्ड के रूप में सेवा से अनिवार्य सेवा-निवृत्ति किया जाता है और विनियम (38) के अधीन पेंशन स्वीकृति की जाती है, अथवा,

(4) विनियम (36) के अधीन प्रतिकर भत्ता प्राप्त है करता रहा हो, अथवा,

(5) विनियम (90) में निर्दिष्ट किसी पेंशन पर सेवा से व सेवा-निवृत्त होता है लेकिन संराशीकरण के लिए उसका आवेदन उसकी सेवा-निवृत्ति के एक वर्ष के भीतर निदेशक (प्रशासन) को प्राप्त नहीं होता है तो वह विनियम (83) में विनिर्दिष्ट सीमा की शर्तों के अधीन अपनी पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण कराने का पात्र होगा, परन्तु चिकित्साधिकारी द्वारा स्वस्थ घोषित किए जाने के बाद।

(97) पेंशन के संराशीकरण के लिए आवेदन विनियम (96) में निर्दिष्ट आवेदक अपनी पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण कराने के लिए प्ररूप (20) में निदेशक (प्रशासन) को आवेदन देगा जिसमें विनियम (58) के अधीन स्वीकृति की गयी अन्तिम पेंशन शामिल है।

(98) पेंशन के संराशीकरण के लिए प्राप्त आवेदन पर निदेशक (प्रशासन) द्वारा की जानेवाली कार्रवाई:

(1) विनियम (97) के अधीन प्ररूप (20) के भाग (1) में प्राप्त आवेदन पर निदेशक (प्रशासन) —

(क) प्ररूप (20) के भाग (2) को प्राप्त कर उस की सूचना आवेदक को तुरन्त देगा।

(ख) उस प्ररूप के भाग (3) और (4) को पूरा करेगा।

(2) निदेशक (प्रशासन) चिकित्सा प्राधिकारी को प्ररूप (21) में लिखेगा जहां पर आवेदक संराशीकरण के लिए चिकित्सा परीक्षा कराना चाहता है और उसे निम्न-लिखित कागजात भेजेगा:—

(1) उस फार्म के प्ररूप (20) के भाग (4) को ठीक-ठाक मूल रूप में भरकर।

(2) आवेदक के फोटो की दो प्रतियां जिसमें से एक अधिप्रमाणित प्रति होगी।

(3) उस फार्म के भाग (3) की एक अतिरिक्त प्रति के साथ प्ररूप (22) की एक प्रति,

(4) आवेदक के मामले की रिपोर्ट या विवरण यदि उसे अशक्त पेंशन मंजूर की गयी हो, अथवा अपनी पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण पहले कराया गया हो, अथवा अपनी वास्तविक आयु में अतिरिक्त वर्षों के जोड़े जाने के आधार पर संराशीकरण न करना चाहता हो, अथवा चिकित्सा के आधार पर संराशीकरण अस्वीकृत किया गया हो।

(3) चिकित्सा प्राधिकारी को सम्बोधित प्ररूप (21) की एक प्रति आवेदक को भेजी जायेगी जिसमें यह जानकारी होगी कि वह कहाँ और कब चिकित्सा परीक्षा हेतु उपस्थित हो।

(99) चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा की जाने वाली कार्रवाई

(1) विनियम (98) के उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट कागजात के प्राप्त होने पर चिकित्सा प्राधिकारी विनियम (102) में दी गयी व्यवस्था के अनुसार आवेदक की जांच करेगा।

(2) चिकित्सा परीक्षा के लिए तारीख निर्धारित करते समय यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आवेदक की अगली जन्म तारीख के पहले यथा संभव चिकित्सा परीक्षा की जाए।



(100) संराशीकरण के लिए आवेदक द्वारा चिकित्सा-परीक्षा-शुल्क वहन किया जाना—

संराशीकरण करानेवाले आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा परीक्षा-शुल्क देना होगा।

(101) चिकित्सा प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित न हो पाना यदि आवेदक विनियम (98) के उप-विनियम (3) में निर्दिष्ट चिकित्सा प्राधिकारी को सम्बोधित पत्र की प्रति प्राप्त होने के बाद चिकित्सा प्राधिकारी के समक्ष उस तारीख और समय पर जो उसे दी गई है उपस्थित होने में असफल रहता है (जिसमें किसी प्रकार का परिवर्तन चाहे वह आवेदक के अनुरोध पर किया गया हो अथवा प्रशासनिक कारणों से) और कोई वास्तविक आधार उसकी अनुपस्थिति का नहीं है, तो चिकित्सा प्राधिकारी इस तथ्य की रिपोर्ट निदेश (प्रशासन) को देगा और विनियम (98) के उप-विनियम (2) के अधीन प्राप्त कागजात को उसे लौटा देगा।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन निदेशक (प्रशासन) को कागजात लौटाने के बाद यह समझा जायेगा कि संराशीकरण के लिए आवेदन वापस ले लिया गया है।

(102) चिकित्सा परीक्षा के लिए प्रक्रिया

(1) चिकित्सा प्राधिकारी—

(ख) संराशीकरण के लिए आवेदक से प्ररूप (22) के भाग (1) में विवरण, उसकी उपस्थिति में, आवेदक द्वारा ठोक-ठोक किए गए हस्ताक्षर कराने के बाद प्राप्त करेगा।

(ख) आवेदक की चिकित्सा परीक्षा के अधीन और प्ररूप (22) भाग (1) में परिणाम की प्रविष्टि करेगा।

(ग) आवेदक के फोटो की बिना अधिप्रमाणित प्रति को प्रमाणित करेगा।

(घ) प्ररूप (22) के भाग (3) में विहित प्रमाण-पत्र को पूरा करेगा परन्तु जहां पर—

(1) आवेदक को सशक्त पेंशन मंजूर की गयी है अथवा,

(2) आवेदक अपनी पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण पहले कराया है। अथवा,

(3) चिकित्सा आधार पर आवेदक को संराशीकरण अस्वीकृत किया गया है, अथवा,

(4) आवेदक अपनी वास्तविक आयु में वर्षों के जोड़ने के आधार पर संराशीकरण प्राप्त करने से मना कर देता है, चिकित्सा प्राधिकारी प्ररूप (22) के भाग (3) में विहित प्रमाणपत्र पूरा करने के पहले आवेदक के चिकित्सा के मामले के विवरण पर विचार करेगा।

(2) उप-विनियम (1) की अपेक्षाओं को पूरा करने के बाद चिकित्सा प्राधिकारी अविलम्ब निदेशक (प्रशासन) के पास उसे भेज देगा जिसने प्ररूप (20) के भाग (4)

को पहले ही पूरा कर लिया है। निम्नलिखित कागजात जैसे कि—

(क) मूलरूप में प्ररूप (20)

(ख) आवेदक के फोटो की अधिप्रमाणित प्रति

(ग) मूलरूप में प्ररूप (22)

(3) चिकित्सा प्राधिकारी प्ररूप (22) के भाग (3) की प्रमाणित प्रति आवेदक के पास भेजेगा।

(103) दूसरी चिकित्सा परीक्षा

(1) विनियम (104) के उपबंधों की शर्तों के अधीन, ऐसे आवेदक की दशा में जिसकी चिकित्सा परीक्षा चिकित्सा आधार पर संराशीकरण के लिए नामंजूर कर दी गयी है अथवा चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश पर उसकी वास्तविक आयु में वर्षों के जोड़े जाने के आधार पर संराशीकरण कराने से मना कर दिया है, पहली चिकित्सा परीक्षा की तारीख से एक वर्ष की अवधि के बाद की जायेगी।

(2) यदि आवेदक उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट अवधि के बाद पुनः परीक्षा कराना चाहता है तो उसकी चिकित्सा परीक्षा उसके अपने खर्च पर मेडीकल बोर्ड द्वारा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिए वह निदेशक (प्रशासन) को इस अनुरोध के साथ पत्र लिखेगा कि चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा उसकी पुनः चिकित्सा परीक्षा के लिए व्यवस्था की जाए। वह पत्र में यह निर्दिष्ट करेगा :—

(1) वह चिकित्सा प्राधिकारी जिसने उसकी पहले जांच की थी और वह तारीख जिसको जांच की गयी।

(2) जांच का स्थान।

(3) चिकित्सा प्राधिकारी की राय।

(4) जन्म तारीख और सेवा-निवृत्ति की तारीख।

(5) सेवा निवृत्ति के समय धारित पद और पदनाम।

(6) प्राधिकृत पेंशन की राशि।

(7) पेंशन का अंश जिसके संराशीकरण के लिए प्रारंभ में आवेदन किया गया था।

(3) निदेशक (प्रशासन) उप-विनियम (2) के अधीन पत्र प्राप्त करने पर चिकित्सा परीक्षा के लिए मेडीकल बोर्ड को लिखेगा। इस पत्र की एक प्रति आवेदक को यह सूचित करते हुए भेजी जायेगी कि वह कब और कहां चिकित्सा परीक्षा के लिए उपस्थित हो। निदेशक (प्रशासन) मेडीकल बोर्ड को निम्नलिखित कागजात भेजेगा :—

(1) आवेदक से प्राप्त मूल पत्र।

(2) विनियम (102) के उप-विनियम (2) के खंड (ग) के अधीन चिकित्सा प्राधिकारी से पूर्व में प्ररूप (22) की एक प्रमाणित प्रति।

(4) उप-विनियम (3) के अधीन पत्र प्राप्त होने के बाद आवेदक मेडीकल बोर्ड के समक्ष उस तारीख और स्थान पर उपस्थित होगा जो उसे बताया गया था।

(5) मेडिकल बोर्ड आवेदक की जांच करेगा और चिकित्सा परीक्षा के बाद यदि उसका यह मत है कि पूर्व में की गयी चिकित्सा परीक्षा में किसी प्रकार के संशोधन या परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है अथवा संशोधन या परिवर्तन की आवश्यकता है उस पर अपनी राय व्यक्त करते हुए आवेदक को सूचित करते हुए निदेशक (प्रशासन) को लिखेगा। उप-विनियम (3) के अधीन चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा प्राप्त कागजात भी निदेशक (प्रशासन) को वापस किया जायेगा।

(6) निदेशक (प्रशासन) द्वारा चिकित्सा प्राधिकारी की प्राप्त राय के फलस्वरूप विनियम 5 के अधीन यदि आवेदक द्वारा प्रारंभ में किए गए आवेदन के अनुसार पेशन के किसी अंश के संराशीकरण का पात्र हो जाता है तो निदेशक (प्रशासन) उस तारीख को लागू तालिका के सन्दर्भ संराशीकृत मूल्य का अवधारण करेगा, मेडिकल बोर्ड द्वारा संशोधित अथवा परिवर्तित राय को रेकार्ड करेगा और आवेदक को संराशीकृत मूल्य प्राधिकृत करने की कार्यवाही करेगा।

(104) चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा दिए गए निर्णय के विरुद्ध अपील।

1. विनियम (103) में विहित किसी बात के होते हुए कोई आवेदक जिसे चिकित्सा आधार पर संराशीकरण नामंजूर कर दिया गया है अथवा चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा संस्तुत उसकी वास्तविक आयु में वर्षों के जोड़े जाने के आधार पर संराशीकरण अस्वीकृत कर दिया है, विनियम (103) के उप-विनियम (1) में संदर्भित अवधि के समप्त होने के पूर्व दूसरी चिकित्सा परीक्षा कराने का पात्र होगा, यदि वह यह महसूस करता है कि चिकित्सा के आधार पर संराशीकरण चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा नामंजूर किए जाने अथवा उसकी आयु में वर्षों के जोड़े जाने के सम्बन्ध में दिए गए निर्णय में गलती है। ऐसा आवेदन चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा प्रारूप (22) के भाग (5) की प्रमाणित प्रति प्राप्त होने के एक माह के भीतर निदेशक (प्रशासन) को सम्बोधित एक पत्र लिखकर अपील कर सकेगा कि चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा दी गयी राय को उप-विनियम (2) में उल्लिखित दूसरे चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा उसके अपने खर्च पर पुनरीक्षण कराया जाये।

वह अपने पत्र में निर्दिष्ट करेगा कि :-

1. चिकित्सा प्राधिकारी जिसने उसकी जांच पहले की है, और वह तारीख जिस दिन चिकित्सा परीक्षा की गई।
2. स्थान जहां पर चिकित्सा परीक्षा हुई।
3. चिकित्सा प्राधिकारी की राय।
4. जन्म-तारीख और सेवा-निवृत्ति की तारीख।
5. सेवा-निवृत्ति के समय धारित पद व पदनाम।
6. प्राधिकृत पेशन की राशि।

7. पेशन का अंश जिसके लिए प्रारंभ में संराशीकरण के लिए आवेदन किया गया था।

2. (1) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट आवेदक को पुनः जांच मेडिकल बोर्ड द्वारा की जायेगी, अथवा

(2) यदि उसको पूर्व में किसी मेडिकल बोर्ड द्वारा जांच की गयी थी तो उसकी चिकित्सा परीक्षा एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सदस्यों द्वारा पुनः की जाएगी जिसमें पहले मेडिकल बोर्ड के सदस्यों से भिन्न सदस्य होंगे।

3. निदेशक (प्रशासन) उप-विनियम (1) के अधीन पत्र प्राप्त होने पर एक महीने के अन्दर आवेदक की पुनः चिकित्सा परीक्षा कराने की व्यवस्था करेगा। इस प्रयोजन के लिए वह उचित चिकित्सा प्राधिकारी को लिखेगा और उसके पास निम्नलिखित कागजात भेजेगा :—

(1) आवेदक से प्राप्त पत्र की एक प्रति।

(2) विनियम (102) के उप-विनियम (2) के खण्ड (ग) के अधीन चिकित्सा प्राधिकारी से उसके द्वारा पूर्व में प्राप्त प्रारूप (22) की प्रमाणित प्रति।

4. चिकित्सा प्राधिकारी को सम्बोधित पत्र की एक प्रति आवेदक को यह सूचित करते हुए भेजी जायेगी कि वह चिकित्सा परीक्षा के लिए कब और कहां उपस्थित हो।

5. उप-विनियम (3) के अधीन निदेशक (प्रशासन) से पत्र प्राप्त होने पर चिकित्सा प्राधिकारी आवेदक की दूसरी चिकित्सा परीक्षा की व्यवस्था करेगा।

6. उप-विनियम (4) के अधीन पत्र प्राप्त होने पर आवेदक चिकित्सा-परीक्षा के लिए चिकित्सा प्राधिकारी के समक्ष उसे बतायी गयी तारीख को उपस्थित होगा।

7. मेडिकल बोर्ड आवेदक को जांच करेगा और यदि जांच के बाद उसका यह मत है कि चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा पूर्व में दी गयी राय में किसी प्रकार के संशोधन या परिवर्तन की जरूरत नहीं है अथवा संशोधन या परिवर्तन की जरूरत है, अपनी राय को रेकार्ड करेगा और उसे निदेशक (प्रशासन) के पास भेज देगा और उसकी सूचना आवेदक को भी देगा तथा मेडिकल बोर्ड का निष्कर्ष आवेदक के लिए बंधन स्वरूप होगा।

8. आवेदक की दूसरी चिकित्सा परीक्षा के परिणाम-स्वरूप यदि मेडिकल बोर्ड पहले चिकित्सा प्राधिकारी की राय को रद्द करता है या संशोधित करता है तो मेडिकल बोर्ड का निष्कर्ष उस तारीख को लागू समझा जायेगा जिसको पहले चिकित्सा प्राधिकारी ने अपनी राय रेकार्ड की थी और आवेदक का दावा तदनुसार निपटाया जायेगा।

9. इस विनियम में विहित से अन्यथा आवेदक पर लागू होगा जिसके मामले में पहली चिकित्सा परीक्षा के परिणाम-स्वरूप चिकित्सा प्राधिकारी ने यह निदेश दिया था कि आवेदक की आयु संराशीकरण के प्रयोजन के लिए उसको

वास्तविक आयु से अधिक मानी जानी चाहिए और आवेदक बड़ी हुई आयु के सन्दर्भ में संराशीकृत मूल्य प्राप्त किया था।

105. आवेदन वापस लेना.—1 आवेदक निदेशक (प्रशासन) को लिखित सूचना देकर चिकित्सा प्राधिकारी से चिकित्सा परीक्षा कराने से पहले किसी भी समय अपना आवेदन वापस ले सकता है। लेकिन इस प्रकार के प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के बाद किसी भी मामले में वापस नहीं ले सकेगा।

2. यदि चिकित्सा प्राधिकारी निवेश देता है कि आवेदक की आयु संराशीकरण के प्रयोजन के लिए उसकी वास्तविक आयु से अधिक मानी जायेगी तो आवेदक—

(क) निदेशक (प्रशासन) को लिखित सूचना देकर प्ररूप (22) के भाग (3) की प्रमाणित प्रति प्राप्त होने की तारीख से 14 दिन के भीतर अपना आवेदन वापस ले सकेगा और

(ख) खण्ड (क) में निर्दिष्ट अवधि के भीतर निदेशक (प्रशासन) से अनुरोध कर सकेगा कि उसे संराशीकरण के लिए पूर्व में आवेदित पेंशन की राशि को आवेदक द्वारा दर्शायी गयी राशि तक कम करने की अनुज्ञा दी जाए।

3. जहां उप-विनियम (2) के खण्ड (क) में निर्दिष्ट समय के भीतर आवेदक द्वारा आवेदन के वापसी का अनुरोध प्राप्त नहीं होता है तो यह माना जायेगा कि उसे चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा दिए गए निर्णय स्वीकार है और निदेशक (प्रशासन) पेंशन के संराशीकृत मूल्य के भुगतान को प्राधिकृत करने की कार्यवाही करेगा।

4. उप-विनियम (2) के खण्ड (ख) में दी गयी व्यवस्था के अनुसार यदि संराशीकरण करायी जाने वाली पेंशन की राशि में कमी के लिए यदि अनुरोध किया जाता है तो निदेशक (प्रशासन) कम की गयी राशि के सन्दर्भ में पेंशन के संराशीकृत मूल्य के भुगतान को प्राधिकृत करेगा।

5. यदि आवेदक को विनियम (106) के अधीन निदेशक (प्रशासन) द्वारा सूचित किया जाता है कि तालिका में संशोधन के कारण आवेदक को देय संराशीकृत मूल्य उसे प्ररूप (21) में बताए गए मूल्य से कम होगी, तो आवेदक ऐसे संशोधन की सूचना प्राप्त होने की तारीख से 14 दिन के भीतर निदेशक (प्रशासन) को सम्बंधित लिखित सूचना देकर अपना आवेदन वापस ले सकेगा।

106. तालिका में निर्दिष्ट मूल्य में संशोधन—1. विनियम (84) के उप-विनियम (1) के खण्ड (2) की शर्तों के अधीन यदि तालिका में निर्दिष्ट मूल्य में संराशीकरण के अन्तिम रूप दिए जाने के पूर्व संशोधन किया जाता है तो ऐसे संशोधित मूल्य के अनुसार भुगतान किया जायेगा।

(2) जब ऐसी संशोधित तालिका के सन्दर्भ में संराशीकृत मूल्य की गणना की गयी हो तो संशोधन के पूर्व की तालिका के सन्दर्भ में अवधारित मूल्य से यदि वह कम लाभकारी है तो निदेशक (प्रशासन) आवेदक को पुनरीक्षित मूल्य की सूचना देगा और विनियम (105) के उप-विनियम (5) के उपबंधों की सूचना उसे देगा।

107. निदेशक (प्रशासन) द्वारा संराशीकृत मूल्य के भुगतान को प्राधिकृत किया जाना.—1. विनियम (105) के उप-विनियम (2) और उप-विनियम (3) के उपबंधों की शर्तों के अधीन निदेशक (प्रशासन) चिकित्सा प्राधिकारी से विनियम (102) के उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट कागजात प्राप्त होने पर अविलम्ब मुख्य लेखाधिकारी को आदेश जारी करेगा और निम्नलिखित विवरण व कागजात उसके पास भेजेगा जैसे कि:—

1. संराशीकृत पेंशन की राशि, पेंशन के संराशीकृत मूल्य की राशि और वह तारीख जिसको संराशीकरण अंतिम रूप से हुआ;
2. अवशिष्ट पेंशन की राशि;
3. मूलरूप में प्ररूप (22);
4. चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित आवेदक के फोटो;

2. निदेशक (प्रशासन) —

(क) वह तारीख जिसको मूल पेंशन की राशि कम की जानी चाहिए वे संबंध में विनियम (84) के उप-विनियम (1) के परंतुक के उपबंधों को मुख्य लेखाधिकारी के ध्यान में लायेगा।

(ख) उप-विनियम (1) के अधीन जारी किए गए आदेश की एक प्रति आवेदक को इस रिमार्क के साथ भेजेगा कि वह मुख्य लेखाधिकारी से संराशीकृत मूल्य प्राप्त कर ले और

(ग) विनियम (84) के उप-विनियम (1) के परंतुक के उपबंधों को आवेदक के ध्यान में लायेगा।

108. अन्तिम पेंशन का अंतिम निर्धारण

1. विनियम (87) के उप-विनियम (3) में निर्दिष्ट कोई आवेदक जिसको अन्तिम पेंशन के किसी अंश के संराशीकृत मूल्य का भुगतान किया गया है, पेंशन के अंतिम निर्धारण पर संराशीकृत मूल्य और उसे पूर्व में भुगतान की गयी संराशीकृत मूल्य के अंतर का भुगतान किया जायेगा।

परन्तु अंतिम पेंशन के किसी अंश के संराशीकृत के लिए चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा यदि आवेदक की चिकित्सा परीक्षा की जा चुकी है और इस प्रकार आवेदक पेंशन के अंतिम निर्धारण पर 100-र० प्रति माह से अधिक की राशि का संराशीकरण कराने का पात्र होता है तो उसे 100-र० प्रति माह को संराशीकृत मूल्य और अन्तिम पेंशन के किसी अंश के संराशीकृत

मूल्य के अंतर की अनुशा बिना चिकित्सा परीक्षा के दी जायेगी। लेकिन पेंशन के सरांशीकृत मूल्य का भुगतान यदि 100-रु० प्रति माह से अधिक है, तो उसका भुगतान इस दशा में किया जायेगा कि यदि आवेदक विनियम (87) के उप-विनियम (3) के खंड (4) के विहित अनुसार चिकित्सा परीक्षा के लिए नए आवेदन देता है और उस मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किया जाता है।

2. आवेदक को संबंधित प्रश्न (21) में उल्लिखित अनुसार अनंतिम पेंशन के किसी अंश के सरांशीकृत मूल्य और विनियम (98) के उपविनियम (3) के अधीन अग्रोक्षित को संशोधित समझा जायेगा जिसके संबंध में अनंतिम पेंशन के किसी अंश के सरांशीकृत मूल्य और अनंतिम पेंशन के किसी अंश के अंतर के भुगतान के लिए निदेशक (प्रशासन) प्राधिकार जारी करेगा।

अध्याय-14

विधि

109--विश्व और व्यय इन विनियमों के कारण भुगतान के लिए आनेवाले सभी खर्च अधिनियम की धारा 17 के अधीन प्रत्येक वित्तीय

वर्ष में केन्द्र सरकार द्वारा आयोग को दिये गये निधि में से दिया जायेगा।

110--निर्वाचन यदि इन विनियमों के निर्वाचन में कोई संदेह पैदा हो तो इनका निर्वाचन भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी नियमों/आदेशों के अनुसार किया जायेगा।

म० य० रानडे

मुख्य कार्यपालक अधिकारी

खादी आभोग्य आयोग,

बम्बई

बम्बई

26 सितम्बर, 84

[सं० 10(5)/81-के०वी० आई(I)]

(जी० वेंकटरमण्ण)

संयुक्त सचिव,

भारत सरकार

उद्योग मंत्रालय,

नई दिल्ली

प्रश्न 1

[विनियम 48 (1) देखिए]

मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान के लिए नामनिर्देशन

जब कि आयोग के कर्मचारी का कोई कुटुम्ब हो और वह उसके एक या एक से अधिक सदस्यों को नामनिर्देशित करना चाहता हो

मैं..... नीचे वर्णित व्यक्ति/व्यक्तियों को, जो मेरे कुटुम्ब का/के सदस्य है/हैं एतद्वारा नामनिर्देशित करता हूँ और उसे/उन्हें नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक, ऐसा कोई उपदान प्राप्त करने का अधिकार सेवा में रहते हुए मेरी मृत्यु हो जाने की दशा में (जिसका संदाय आयोग द्वारा प्राधिकृत किया जाए) और नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक ऐसा कोई उपदान मेरी मृत्यु पर प्राप्त करने का अधिकार प्रदत्त करता हूँ जो सेवानिवृत्ति होने पर मुझे अनुज्ञेय हो जाए किंतु मेरी मृत्यु पर असंशुद्ध रह जाए:

मूल नामनिर्देशिनी

अनुकल्पी नामनिर्देशिनी

नामनिर्देशित/नामनिर्देशितियों का/के नाम और पता/पते

आयोग के कर्मचारी आयु \*प्रत्येक को के साथ नातेदारी संदेय उपदान की रकम या अंश

ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों का/के यदि कोई हो/हों/जिसे/जिन्हें नामनिर्देशित को को प्रदत्त अधिकार आयोग के कर्मचारी की मृत्यु से पूर्व नामनिर्देशिनी की मृत्यु हो जाने की दशा में अथवा आयोग के कर्मचारी की मृत्यु के पश्चात् किंतु उपदान का संदाय प्राप्त करने से पूर्व नामनिर्देशिनी की मृत्यु हो जाने पर, संक्रांत हो जाएंगे, नाम, पता/पते, नातेदारी और आयु

\*\*प्रत्येक को संदेय उपदान की रकम या अंश

1

2

3

4

5

6

\*यह स्तम्भ इस प्रकार भरा जाना चाहिए कि उसके अंतर्गत उपदान की सारी रकम आ जाए।

\*\*इस स्तम्भ में दर्शित उपदान की रकम के अंश के अंतर्गत मूल नामनिर्देशित/नामनिर्देशितियों को संदेय सारी रकम/सारा अंश आ जाना चाहिए।



यह नामनिर्देशन मेरे द्वारा इससे पूर्व ..... को दिए गए नामनिर्देशन को, जो अब रद्द हो गया है, अधिकांत करता है।

टिप्पण:—(1) आयोग के कर्मचारी अपने द्वारा हस्ताक्षर कर दिए जाने के पश्चात् किसी नाम का बढ़ाया जाना रोकने के लिए उस खाली स्थान पर, जो अंतिम प्रविष्टि से नीचे हो, भारपार लाइनें खींच देगा।

(2) जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

तारीख .....

स्थान .....

हस्ताक्षर के साक्षी:

1 .....

2 .....

आयोग के कर्मचारी के हस्ताक्षर

(कार्यालय अध्यक्ष द्वारा भरा जाए)

..... द्वारा नामनिर्देशन

कार्यालय अध्यक्ष के हस्ताक्षर

पदनाम .....

पदनाम .....

कार्यालय .....

तारीख .....

कार्यालय अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशन प्ररूप की प्राप्ति अभिस्वीकृत करने के लिए प्रोफार्मा

सेवा में

.....  
.....  
.....

महोदय,

आपके नामनिर्देशन तारीख ...../प्राप्ति ..... में उपदान की बाबत पहले किए गए नामनिर्देशन, तारीख ..... के रद्दकरण की प्राप्ति अभिस्वीकृति करते हुए मुझे यह कहना है कि इसे सम्यक्तः अभिलेख में रख लिया गया है।

कार्यालय अध्यक्ष के हस्ताक्षर  
(पदनाम)

स्थान .....

तारीख .....

टिप्पण: आयोग के कर्मचारी को यह सजाह दी जाती है कि उसके नामनिर्देशनियों के हित में यह होगा कि नामनिर्देशनों की प्रतियां और संबंधित सूचनाएं तथा अभिस्वीकृतियां निरापद अभिरक्षा में रखी जाएं ताकि वे उसकी मृत्यु होने की दशा में हिताधि-कारियों के कब्जे में आ जाएं।

प्रारूप 2

[विनियम 48 (1) देखिए]

मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान के लिए नाम निर्देशन जब कि आयोग के कर्मचारी का कोई कुटुम्ब न हो और वह एक या एक से अधिक व्यक्तियों को नाम निर्देशित करना चाहता हो

में ..... जिसका कोई भी कुटुम्ब नहीं है नीचे वर्णित व्यक्ति/व्यक्तियों को, एतद्वारा, नाम-निर्देशित करता हूँ और उसे/उन्हें, नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक, ऐसा कोई उपदान प्राप्त करने का अधिकार सेवा में रहते हुए मेरी मृत्यु हो जाने की दशा में जिसका संदाय आयोग द्वारा प्राधिकृत किया जाए, और नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक ऐसा कोई उपदान मेरी मृत्यु पर प्राप्त करने का अधिकार प्रदत्त करता हूँ जो सेवानिवृत्ति होने पर मुझे अनुजेय हो जाए किंतु मेरी मृत्यु पर असंभव रह जाए।

मूल	नामनिर्देशिती	वैकल्पिक	नामनिर्देशिती
नामनिर्देशिती/नामनिर्देशितियों का/के नाम और पता/पते	आयोग के कर्म-चारी के साथ नाते-दारी	*प्रत्येक को संदेय उपदान की रकम या अंश	ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों का/के यदि कोई हो/हो जिसे/जिन्हें नाम-निर्देशिती को प्रदत्त अधिकारी आयोग के कर्मचारी की मृत्यु से पूर्व नामनिर्देशिती की मृत्यु हो जाने की दशा में अथवा आयोग के कर्मचारी की मृत्यु के पश्चात् किंतु उपदान का संदाय प्राप्त करने से पूर्व नाम-निर्देशिती की मृत्यु हो जाने पर संक्रांत हो जाएंगे, नाम, पता/पते, नातेदारी और आयु।
1	2	3	4
5	6		

\* यह स्तम्भ इस प्रकार भरा जाना चाहिए कि उसके अंतर्गत उपदान की सारी रकम आ जाए।

\*\* इस स्तम्भ में वर्णित उपदान की रकम के अंश के अंतर्गत मूल नामनिर्देशिती/नामनिर्देशितियों को संदेय सारी रकम/सारा अंश आ जानी/जाना चाहिए।

यह नामनिर्देशन मेरे द्वारा इससे पूर्व ..... को किए गए नामनिर्देशन को, जो अब रद्द हो गया है, अधिक्रांत करता है।

टिप्पण (1) आयोग के कर्मचारी अपने द्वारा हस्ताक्षर कर दिए जाने के पश्चात् किसी नाम का बढ़ाया जाना रोकने के लिए उस खाली स्थान पर, जो अंतिम प्रविष्टि से नीचे है, आरंभ लाइन खींच देगा।

(2) जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

तारीख .....

स्थान .....

साक्षी के हस्ताक्षर :

1. ....

2. ....

कर्मचारी के हस्ताक्षर

(कार्यालय अध्यक्ष द्वारा भरा जाए)

..... द्वारा नामनिर्देशन  
पदनाम .....  
कार्यालय .....

कार्यालय अध्यक्ष के हस्ताक्षर  
पदनाम .....  
तारीख .....

कार्यालय अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशन प्रकृष की प्राप्ति अभिस्वीकृत करने के लिए प्रो. कामी  
सेवा में

.....  
.....  
.....

महोदय,

आपके नामनिर्देशन, तारीख ...../प्रकृष ..... में उप-  
दान की बाबत पहले किए गए नामनिर्देशन, तारीख ..... के रद्दकरण की प्राप्ति अभिस्वीकृत करते हुए मुझे यह कहना  
है कि इसे सम्भवतः अभिलेख में रख लिया गया है।

स्थान .....  
तारीख .....

कार्यालय अध्यक्ष के हस्ताक्षर  
(पदनाम)

टिप्पणी: आयोग के कर्मचारी को यह सलाह दी जाती है कि उसके नाम निर्देशितियों के हित में यह हांगा कि नामनिर्देशनों की  
प्रतियां और संबंधित सूचनाएं तथा अभिस्वीकृतियां निरापद अभिरक्षा में रखी जाएं ताकि वे उसकी मृत्यु होने की दशा  
में हिताधिकारियों के कब्जे में आ जाएं।

प्रारूप 3

[विनियम, 49 (13) देखिए]

कुटुम्ब के ब्यौरे

आयोग के कर्मचारी का नाम .....  
पदनाम .....  
जन्म तारीख .....  
नियुक्ति की तारीख .....  
मेरे\* कुटुम्ब के सदस्यों के ब्यौरे जैसे कि वे ..... को थे।

क्रम सं०	*कुटुम्ब के सदस्यों के नाम	जन्म तारीख	कर्मचारी के साथ सातेदारी	कार्यालय अध्यक्ष के लघु हस्ताक्षर	टिप्पण
1	2	3	4	5	6

मैं कार्यालय अध्यक्ष को कोई भी परिवर्धन या परिवर्तन अधिसूचित करके उपर्युक्त विशिष्टियों को अद्यतन रखने का एतद्वारा  
बचन देता हूँ।

स्थान .....  
तारीख .....

कर्मचारी के हस्ताक्षर

\*इस प्रयोजन के लिए कुटुम्ब से खावी ग्रामोद्योग आयोग (पेंशन) विनियम 1984 के विनियम 49 के उप विनियम (15) के खंड  
(ख) में यथापरिभाषित कुटुम्ब अभिप्रेत है।

नोट: न्यायिक रूप से पथक पत्नी और पति शामिल हैं।

4. \*\*\*यदि संभव हो तो कुछ चिन्त, जो दो से कम न हों, विनिर्दिष्ट करें।

[विनियम 53 (1) (ग) और 55 (1) देखिए]

सेवा निवृत्त होने वाले आयोग के कर्मचारी से उसकी सेवा-निवृत्ति को तारीख से आठ मास पूर्व कार्यालय अध्यक्ष द्वारा अभिप्राप्त की जाने वाली विधिष्टियां

1. नाम . . . . .
2. (क) जन्म तारीख . . . . .  
(ख) सेवानिवृत्ति की तारीख . . . . .
3. \*हस्ताक्षर के दो नमूने (जो एक अलग पत्र पर दिए जाएंगे) जो किसी आयोग के अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से अनुप्रमाणित हों।
4. \*\*पत्नी या पति के साथ संयुक्त फोटों की पासपोर्ट आकार की तीन प्रतियाँ (जो कार्यालय अध्यक्ष द्वारा अनुप्रमाणित की जाएंगी)।
5. \*\*\*दो पक्षियों जिनमें ऊँचाई श्रीर पहचान चिह्न के चिह्नण हैं, जो किसी राजपत्रित आयोग के अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से अनुप्रमाणित किए गए हैं।
6. वर्तमान पता।
7. सेवा निवृत्ति के पश्चात् पता
8. प्ररूप 3 में कूटम्ब के ब्यौरे

स्थान :  
तारीख

हस्ताक्षर  
पदनाम  
विभाग/कार्यालय

1. \*दो प्रतियां जिनमें से प्रत्येक पर किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा जो अपने हस्ताक्षर करने योग्य साक्षर नहीं है, उसके बाएं हाथ के अंगूठे और अंगुलियों की छापें, जो सम्यक रूप से अनुप्रमाणित की गई हैं, दी जाएंगी। यदि ऐसा आयोग का कर्मचारी शारीरिक निःशक्तता के कारण बाएं हाथ के अंगूठे और अंगुलियों की छाप देने में असमर्थ है तो वह दाएं हाथ के अंगूठे और अंगुलियों की छापें दे सकता है। जहां आयोग के कर्मचारी के दोनों ही हाथ न हों वहां वह अपने पांव की अंगुलियों को छापें दे सकता है। छापों का किसी आयोग का अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से अनुप्रमाणित किया जाना चाहिए।
2. \*\*केवल अपने फोटो के पासपोर्ट आकार की दो प्रतियां ही दी जाएं यदि—  
(यदि कर्मचारी विनियम 49 द्वारा शासित है और अविवाहित या विधुर या विधवा है)।
3. †जहां किसी सरकारी सेवक के लिए अपनी पत्नी या अपनी पति के माथे फोटो देना संभव नहीं है वहां प्रलग फोटो दे सकेगी। फोटो कार्यालय अ०५४४ द्वारा अनुप्रमाणित किए जाएंगे।

5. (क) पते में यदि बाद में कोई परिवर्तन होता है तो कार्यालय अध्यक्ष को अधिसूचित किया जाना चाहिए।
6. केवल उस दशा में लागू है जहाँ कर्मचारी पर विनियम 49 लागू होता है।

प्ररूप-5

विनियम 52, 54, 55 (1) और 59(1) देखिए  
पेंशन और उपदान का निर्धारण करने के लिए  
प्ररूप (दो प्रतियों में भेजा जाए)

भाग-1

1. कर्मचारी का नाम ।
2. पिता का नाम (और यदि कर्मचारी स्त्री है तो उसके पति का नाम भी) ।
3. जन्म तारीख (इसकी सन के अनुसार) ।
4. धर्म ।
5. स्थायी आवास का पता, ग्राम, शहर, जिला और राज्य के नाम सहित ।
6. वर्तमान या अंतिम नियुक्ति, जिसके अन्तर्गत स्थापन का नाम भी है :—
  - (1) अधिष्ठायी;
  - (2) स्थानापन्न, यदि कोई हो ।
7. सेवा आरम्भ की तारीख ।
8. सेवा समाप्त की तारीख ।
9. (i) सैनिक सेवा की वह कुल अवधि जिसके लिए पेंशन या उपदान मंजूर किया गया था ।  
 (ii) सैनिक सेवा के लिए प्राप्त किसी पेंशन उपदान की रकम और उसकी प्रकृति ।
0. पूर्व सिविल सेवा के लिए प्राप्त किसी पेंशन/उपदान की रकम और उसकी प्रकृति ।
1. सेवा जिस सरकारी संगठन के अधीन की गई है वह नियोजन के क्रम के अनुसार—
 

वर्ष	मास	दिन
------	-----	-----
2. किस वर्ष की पेंशन लागू है ।



13. वह तारीख जिसको निम्नलिखित के लिए कार्यवाही आरंभ की गई थी—
- (1) संपदा अधिकारी से विनियम 51 में उपबंधित "बे-बाक़ी प्रमाणपत्र" अभिप्राप्त करना;
  - (2) विनियम 53 में उपबंधित पेंशन के लिए अर्हक सेवा और उपलब्धियों का निर्धारण; और
  - (3) विनियम 67(1) में उपबंधित आयोग के आवास के आबंटन से संबंधित शोध्यों से भिन्न आयोग शोध्यों का निर्धारण।
14. सेवा पुस्तक में लोपों, त्रुटियों या कमियों के ब्यौरे, जिसकी विनियम 53 (1)(ख)(ii) के अधीन उपेक्षा की गई है।
15. अर्हक सेवा की कुल अवधि। (व्यवधान की अवधियों को जोड़ने के प्रयोजन के लिए एक मास तीस दिन के बराबर संगणित किया जाता है)।
16. अनर्हक सेवा की अवधियां तारीख से तारीख तक
- (i) विनियम 25 के अधीन माफ किया गया सेवा व्यवधान
  - (ii) ऐसी असाधारण छुट्टी जो पेंशन के लिए अर्हित न करती हो।
  - (iii) निलंबन की वह अवधि जो अर्हक न मानी गई हो।
  - (iv) कोई अन्य सेवा जो अर्हत न मानी गई हो
- 
- योग
- 
17. उपदान के लिए संगणित की जाने वाली परिलब्धियां
18. अंतिम परिलब्धियां
- \*सेवा के अंतिम दस मास के दौरान ली गई परिलब्धियां
- 
- | धारित पद | तारीख से | तारीख तक | वैयक्तिक या विशेष वेतन | अंतिम परिलब्धियां |
|----------|----------|----------|------------------------|-------------------|
|----------|----------|----------|------------------------|-------------------|
- 
- (i) किसी ऐसे मामले में जहां अंतिम दस मास में ऐसी अवधियां भी हैं जिनका अंतिम परिलब्धियों की संगणना करने के लिए हिसाब में नहीं लिया जाना है वहां अंतिम परिलब्धियों की संगणना करने के लिए उनके पहले की उतनी ही अवधि को हिसाब में लिया जाएगा।
- (ii) अंतिम परिलब्धियों की संगणना प्रत्येक मास में दिनों को वैयक्तिक संख्या पर आधारित होगी।
19. वह तारीख जिसको सरकारी मेमक से प्ररूप 4 अभि-प्राप्त किया गया है। कर्मचारी की सेवानिवृत्ति की तारीख से आठ मास पूर्व लिया जाता है।
20. (i) प्रस्तावित पेंशन  
(ii) प्रस्तावित थैणी आधारित राहत
21. प्रस्तावित मृत्यु-तथा-सेवानिवृत्ति उपदान
22. पेंशन जिस तारीख से प्रारम्भ होगी
23. यदि आयोग के कर्मचारी के विरुद्ध सेवानिवृत्ति से पूर्व कोई विभागीय या न्यायिक कार्यवाहियां शुरू की गई हैं तो अनंतिम पेंशन की प्रस्तावित रकम।
24. उपदान में से वसूली-योग्य सरकारी शोध्यों के ब्यौरे :—  
(i) आयोग आवास के आबंटन के लिए अनुज्ञप्ति फीस विनियम 66 का उपविनियम (2), (3) और (4) देखिए।  
(ii) विनियम 67 में निर्दिष्ट शोध्य।
25. क्या मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान के लिए नाम निर्देशन किया गया है।
26. क्या कुटुम्ब पेंशन कर्मचारी को लागू है :—  
(i) कुटुम्ब पेंशन के लिए संगणित की जाने वाली परिलब्धियां।  
(ii) सेवानिवृत्ति के पश्चात् सेवक का निम्नलिखित दशा में मृत्यु हो जाने पर उसके कुटुम्ब को मंजूर कुटुम्ब पेंशन की रकम :—  
(क) 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने से पूर्व मृत्यु,-- रुपये या  
(ख) 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात्-- रुपये मृत्यु या
- (iii) कुटुम्ब के पूर्ण और अद्यतन ब्यौरे जैसे वे प्ररूप 3 में दिए गए हैं :—
- 
- | क्रम सं. | कुटुम्ब के सदस्यों के नाम | जन्म तारीख | कर्मचारी से नाता |
|----------|---------------------------|------------|------------------|
| 1.       |                           |            |                  |
| 2.       |                           |            |                  |
| 3.       |                           |            |                  |
| 4.       |                           |            |                  |
| 5.       |                           |            |                  |
-

27. ऊंचाई
28. पहचान चिन्ह
29. पेंशन और उपदान किस लेखा शीर्षक के नामे डाले जाने हैं।

कार्यालय अध्यक्ष के हस्ताक्षर

भाग-- 2

अनुभाग-- 1

लेखा मुख्यांकन :

1. अर्हक सेवा की कुल अवधि जो अधिवर्षिता या सेवानिवृत्ति या अशक्त या प्रतिकर या अनिवार्य सेवानिवृत्ति पेंशन और उपदान के लिए स्वीकार की गई है। अनुज्ञात अवधि (इस प्ररूप के भाग-1 में उपदर्शित अनुज्ञात अवधि से भिन्न) की नामजुरी के कारण, यदि कोई हो, दिए जाएंगे।

2. अधिवर्षिता या सेवानिवृत्ति या अशक्त, या प्रतिकर या अनिवार्य सेवानिवृत्ति पेंशन और उपदान की वह रकम जो स्वीकार कर ली गई है।

3. अधिवर्षिता या सेवानिवृत्ति या अशक्त या प्रतिकर या अनिवार्य सेवानिवृत्ति पेंशन और उपदान किस तारीख से अनुज्ञेय हैं।

4. अधिवर्षिता या सेवानिवृत्ति या अशक्त या प्रतिकर या अनिवार्य सेवानिवृत्ति पेंशन और उपदान किस लेखा शीर्षक मध्ये प्रभाव्य है।

5. सेवानिवृत्ति के पश्चात् सेवक की मृत्यु हो जाने की दशा में कुटुम्ब के हकदार सदस्यों को संवेद्य कुटुम्ब पेंशन की रकम।

अनुभाग-- 2

1. कर्मचारी का नाम . . . . .
2. पेंशन या उपदान का वर्ग . . . . .
3. प्राधिकृत पेंशन की रकम . . . . .
4. प्राधिकृत उपदान की रकम . . . . .
5. पेंशन प्रारंभ होने की तारीख . . . . .
6. सेवानिवृत्ति के पश्चात् निम्नलिखित दशा में मृत्यु हो जाने पर अनुज्ञेय कुटुम्ब पेंशन की रकम :--

(i) 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने से पूर्व मृत्यु, या

(ii) 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात् मृत्यु

7. पेंशन पर अनुज्ञेय श्रेणी आधारित राहत की रकम

8. उपदान का संदाय प्राधिकृत किए जाने से पूर्व उसमें से वसूली योग्य आयोग का शोध्य।

9. निक्षेप की रकम या उपदान की रकम जो अनिर्धारित आयोग के शोध्यों के समायोजन के लिए विधार्जित की गई है।

10. वह तारीख जिसको पेंशन पत्र निदेशक प्रशासन द्वारा प्राप्त किए गए हैं।

प्रारूप-- 6

[विनियम 55(1) देखिए]

उस पत्र का प्ररूप जिसके साथ निदेशक प्रशासन को कर्मचारी के पेंशन पत्र भेजे जाएंगे

..... विभाग/कार्यालय  
तारीख .....

सेवा में,

निदेशक (प्रशासन),  
खादी ग्रामीणोग आयोग,  
इला रोड, विनेपाले (प.)  
बम्बई-56

विषय: पेंशन प्राधिकृत करने के लिए श्री/श्रीमती/कुमारी .  
..... के पेंशन पत्र।

महोदय,

मुझे इस विभाग/कार्यालय के/की श्री/श्रीमती/कुमारी . . . . . के पेंशन पत्रों को आगे की आवश्यक कार्यवाही के लिए आपको भेजने का निदेश दिया गया है।

2. आयोग के उन शोध्यों के ब्यौरे, जो सेवक की सेवा-निवृत्ति की तारीख को बकाया होंगे और जिन्हें मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान की रकम में से वसूल किया जाता है, नीचे उपदर्शित हैं --

(क) गृह निर्माण या सवारी अग्रिम का अतिशेष रु.

(ख) वेतन और भत्तों का, जिसके अंतर्गत छुट्टी वेतन भी है, अतिसंदाय रु.

(ग) आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन श्रोत पर कटौती योग्य आय-कर रु.

(घ) आयोग आवास के अधिभाग के लिए अनुज्ञप्ति फीस की बकाया रु.

(ङ) सेवानिवृत्ति की तारीख से आगे दो मास की अनुज्ञेय अवधि अथवा (जैसा निर्धारित किया जाए) के लिए आयोग आवास रखने के लिए अनुज्ञप्ति फीस की रकम

रु.

(च) कोई अन्य निर्धारित शोध्य और उनकी प्रकृति रु.

(छ) अनिवारित शोध्यों के, यदि कोई हो, समायोजन के लिए विधारित उपदान की रकम . . . . . रु.

योग . . . . . रु.

3 आपका ध्यान संलग्नकों की सूची की ओर दिलाया जाता है जो इसके साथ भेजी जा रही है।

4. इस पत्र की प्राप्ति अभिस्वीकृत करें और विभाग, कार्यालय को जानकारी दें कि पेंशन के संवितरण के लिए आवश्यक अनुदेश संबद्ध मुख्य लेखा अधिकारी प्राधिकारी को जारी कर दिए गए हैं।

5. आपसे प्राधिकार प्राप्त होने पर मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान इस विभाग/कार्यालय द्वारा निकाला और संवितरित किया जाएगा। पैरा 2 में वर्णित बकाया आयोग शोध्य का संदाय करने से पूर्व मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान में से वसूल कर लिए जाएंगे।

भवदीय,  
कार्यालय अध्यक्ष

संलग्नकों की सूची —

1. सम्यक् रूप से भरा हुआ प्ररूप (4) और प्ररूप (5)
2. अशक्तता का चिकित्सीय प्रमाणपत्र (यदि दावा अशक्त पेंशन के लिए है)।
3. की गई बक्तों का विवरण और इस बात के लिए कारण कि नियोजन कहीं अथवा क्यों नहीं हुआ गया (यदि दावा प्रतिकर पेंशन या उपदान के लिए है)।
4. सेवा पुस्तिका (सेवा पुस्तिका में सेवानिवृत्ति की तारीख उपदिष्ट की जाएगी)
5. (क) हस्ताक्षर के दो नमूने, जो किसी राजपत्रित आयोग के अधिकारी द्वारा सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित किए गए हैं या यदि कोई पेंशन भोगी इतना साक्षर नहीं है कि अपने नाम के हस्ताक्षर कर सके तो दो पक्षियां, जिन पर उसके बाएं हाथ के अंगूठे और उंगलियों की छापें, जो किसी राजपत्रित आयोग के अधिकारी द्वारा सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित की गई हैं।

\*\* (ख) पत्नी या पति के साथ फोटो की, पासपोर्ट आकार की तीन प्रतियां (चाहे संयुक्त अथवा अलग-अलग) जो कार्यालय अध्यक्ष द्वारा सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित की गई हैं।

(ग) दो पक्षियां, जिनमें ऊंचाई और पहचान चिह्न के विवरण हैं जो किसी राजपत्रित आयोग के अधिकारी द्वारा सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित किए गए हैं।

6. यदि कर्मचारी की सेवानिवृत्ति की तारीख से छह मास पूर्व पेंशन पत्र नहीं भेजे गए हैं तो विलम्ब के कारणों का कथन।

7. कर्मचारी का विनियम 53 (1) (क) के अधिन अपेक्षित लिखित कथन, यदि कोई हो।

8. यदि कर्मचारी को सेवा से निलम्बित, अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त, हटाए जाने के पश्चात् बहाल किया गया है तो बहाली का संक्षिप्त विवरण।

टिप्पण — यदि विभिन्न अभिलेखों में दिए गए सरकारी सेवक के आद्याक्षर या नाम गलत रूप में दिए गए हैं तो इस बात का पत्र में वर्णन किया जाना चाहिए।

\* यदि कोई सेवक सेवा से अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त किया जाता है और सेवक के प्ररूप 4 अभिप्राप्त करने में विलम्ब होने की प्रत्याशा है तब कार्यालय अध्यक्ष 'पेंशन पत्र' प्ररूप 4 के बिना ही, निदेशक प्रशासन को भेजेगा। यह प्ररूप सेवक से अभिप्राप्त होने पर बाद में यथाशीघ्र भेज दिया जाएगा।

प्ररूप 7

विनियम 69(2) देखिए

जहाँ कि मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान दिए जाने के सम्बन्ध में कोई वैध नामनिर्देशन अस्तित्व में हो वहाँ मृत कर्मचारी के कुटुम्ब के किसी सदस्य या किन्हीं सदस्यों को भेजे जाने वाले पत्र का प्ररूप

सं . . . . .  
विभाग  
तारीख . . . . .

सेवा में,

. . . . .  
. . . . .  
. . . . .

विषय : स्वर्गीय/श्री/श्रीमती . . . . . की वाञ्छित मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान का संदाय।

महोदय/महोदया,

मुझे यह निवेदन करने का निर्देश हुआ है कि . . . . . कार्यालय/विभाग/के/ की स्वर्गीय श्री/श्रीमती . . . . . (पदनाम) द्वारा किए गए नामनिर्देशन के निबन्धनों के अनुसार उसके नामनिर्देशित (नामनिर्देशितियों) का मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान संदेय हैं। उक्त नाम निर्देशन की एक प्रति यहाँ संलग्न है।

2. मुझे यह निवेदन करना है कि आप उद्दान दिए जाने के लिए अपना दावा संलग्न प्ररूप 9 में प्रस्तुत करें ।

3. यदि नामनिर्देशन करने की तारीख के बाद से कोई ऐसी आकस्मिकता घटित हो गई हो जिससे कि नामनिर्देशन पूर्णतः या अंशतः अवैध हो जाता हो तो कृपया उस आकस्मिकता के ठीक-ठोस व्योरो का उल्लेख करें ।

भवदीय,  
कार्यालय अध्यक्ष

प्ररूप 8

[विनियम 69(2) देखिए]

जहाँ कि मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उद्दान दिए जाने के सम्बन्ध में कोई वैध नामनिर्देशन अस्तित्व में न हो वहाँ मृत कर्मचारी सेवक के कुटुम्ब के किसी सदस्य या किन्हीं सदस्यों को भेजे जाने वाले पत्र का प्ररूप

सं .....  
..... विभाग  
तारीख .....

सेवा में,

.....  
.....  
.....

विषय: स्वर्गीय श्री/श्रीमती ..... की वाबत मृत्यु तथा  
सेवानिवृत्ति उद्दान का संदाय ।

महोदय/महोदया,

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि खादी ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम 1984 के विनियम 44 निबन्धनों के अनुसार ..... कार्यालय/विभाग के/की स्वर्गीय श्री/श्रीमती ..... (पदनाम) के कुटुम्ब के निम्नलिखित सदस्यों की मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उद्दान बराबर अंशों में संदेय है,—

1. (i) पत्नी/पति, जिसके अन्तर्गत न्यायिक रूप से पृथक्: पत्नी/पति भी है ।

(ii) पुत्र  
(iii) अविवाहित पुत्रियाँ { जिनके अन्तर्गत सौतेले  
बालक और दत्तक  
बालक भी आते हैं ।

2. यदि कुटुम्ब का उपर्युक्त या यथा उपर्युक्त कोई भी उत्तरजीवी सदस्य नहीं है तो उद्दान कुटुम्ब के निम्नलिखित सदस्यों को बराबर-बराबर अंशों में संदेय होगा :—

(i) विधवा पुत्रियाँ, जिनके अन्तर्गत सौतेली पुत्रियाँ और दत्तक पुत्रियाँ भी हैं ।

(ii) पिता  
(iii) माता

{ जिनके अन्तर्गत, ऐसे व्यक्तियों की दशा में जिनकी स्वीय विधि में दत्तक ग्रहण की अनुज्ञा है, दत्तक माता-पिता हैं ।

(4) अठारह वर्ष से कम की आयु का भाई, और अविवाहित और विधवा बहनें, जिनके अन्तर्गत सौतेले भाई और सौतेली बहनें भी हैं ।

(5) विवाहित पुत्रियाँ, और

(6) पूर्व-भूत पुत्र के बालक ।

3. निवेदन है कि उद्दान के संदाय के लिए दावा, यथासंभव शीघ्र, संलग्न प्ररूप 9 में प्रस्तुत किया जाए ।

भवदीय,  
कार्यालय अध्यक्ष

प्ररूप 9

विनियम 69 (2) देखिए

कर्मचारी की मृत्यु पर तथा सेवानिवृत्ति उद्दान दिए जाने के लिए आवेदन का प्ररूप

(प्रत्येक आवेदक द्वारा अलग-अलग भरा जाए और अवश्यक दावेदार की दशा में यह प्ररूप उसकी ओर से संरक्षक द्वारा भरा जाए । एक से अधिक अवश्यकों की दशा में संरक्षक को उनकी ओर से एक ही प्ररूप में उद्दान का दावा करना चाहिए) ।

1. (i) यदि दावेदार अवश्यक नहीं है तो उसका नाम .....

(ii) दावेदार की जन्म-तारीख .....

2. (i) यदि आवेदक अवश्यक है तो संरक्षक का नाम .....

(ii) संरक्षक की जन्म-तारीख .....

3. (i) उस मृत सेवक का नाम जिसकी वाबत उद्दान का दावा किया जा रहा है .....

(ii) सेवक की मृत्यु की तारीख .....

(iii) मृतक ने अन्तिम बार किस कार्यालय/विभाग में सेवा की थी

4. मृत सेवक के साथ दावेदार/संरक्षक की नातेदारी .....

5. दावेदार/संरक्षक का पूरा डाक पता .....

6. (i) जहाँ उद्दान का दावा संरक्षक द्वारा अवश्यकों की ओर किया जाता है वहाँ



अवयस्कों के नाम, आयु, मृत सेवक से नातेदारी, आदि:—

क्रम सं	नाम	आयु	मृत सरकारी सेवक से नाते-दारी	डाक पता
1	2	3	4	5
(1)				
(2)				
(3)				
(4)				

(ii) संरक्षक की अवयस्क के साथ नातेदारी .....

7. दावेदार/संरक्षक के सम्पत्ति: अनुप्रमाणित हस्ताक्षर या\* बाएं हाथ के अंगूठे और अंगुलियों की छापों के नमूने।  
(अलग कागज पर भरिए)

8. निम्नलिखित द्वारा अनुप्रमाणित\*\*:

नाम	पूरा पता	हस्ताक्षर
(i)		
(ii)		
9. साक्षी—		
(i)		
(ii)		

\*यदि आवेदक हस्ताक्षर करने योग्य साक्षर नहीं है तो प्रस्तुत किए जाएं।

\*\*अनुप्रमाणन दो आयोग के अधिकारी द्वारा अथवा उस नगर, गांव या परगने के, जिसमें आवेदक निवास करता है, दो या अधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा किया जाना चाहिए।

प्ररूप 10

[विनियम 69 (2) देखिए]

कुटुम्ब पेंशन दिए जाने के लिए मृत कर्मचारी की विधवा/के विधुर की भेजे जाने वाले पत्र का प्ररूप

सं.....  
विभाग.....  
तारीख.....

सेवा में,

श्रीमती/श्री.....

.....  
.....

विषय: स्वर्गीय श्री/श्रीमती .....की बाबत  
कुटुम्ब पेंशन का संशय

महोदय/महोदया,

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि खादी ग्रामोद्योग आयोग (पेंशन) विनियम-1984 के विनियम 49 के निबन्धनों के अनुसार .....कार्यालय/विभाग के/को स्वर्गीय श्री/श्रीमती ..... (पदनाम) की विधवा/के विधुर के रूप में आपको कुटुम्ब पेंशन संदेय है।

2. आपको सलाह दी जाती है कि कुटुम्ब पेंशन दिए जाने के लिए दावा संलग्न प्ररूप किया जाए।

4. कुटुम्ब पेंशन आपको मृत्यु पर्यन्त अथवा पुनर्विवाह पर्यन्त, इनमें से जो भी पहले हो, संदेय होगी। आपको मृत्यु तथा पुनर्विवाह हो जाने पर कुटुम्ब पेंशन संरक्षक को भाषित बालक या बालकों का, यदि कोई हो, दी जाएगी।

भवदीय

कार्यालय अध्यक्ष

प्ररूप 11

विनियम 69 (3) और 77 (2) देखिए

कर्मचारी/पेंशन भोगी की मृत्यु पर 1(कुटुम्ब पेंशन, दिए जाने के लिए) आवेदन का प्ररूप

1. आवेदक का नाम :

(1) विधवा/विधुर

(2) यदि मृत व्यक्ति का/के कोई उत्तरजीवी बालक है/हैं तो संरक्षक

2. मृत सरकारी सेवक/पेंशन भोगी की/के उत्तरजीवी विधवा/विधुर और बालक के नाम और आयु

क्रम सं०	नाम	मृत व्यक्ति के साथ नातेदारी	जन्म तिथि	तारीख ईसवी सन् के अनुसार
----------	-----	-----------------------------	-----------	--------------------------

1.  
2.  
3.  
4.  
5.  
6.  
7.

3. सरकारी सेवक/पेंशन भोगी की मृत्यु की तारीख

4. मृत सेवक/पेंशन भोगी ने अन्तिम बार किस कार्यालय/विभाग में सेवा की थी।

5. यदि आवेदक संरक्षक है तो उसकी जन्म-तारीख और मृत सेवक/पेंशनभोगी के साथ नातेदारी।

6. यदि आवेदक विधवा/विधुर है तो सेवा पेंशन की रकम जिसे वह पति/पत्नी की मृत्यु की तारीख की प्राप्त कर रहा है।

7. आवेदक का पूरा पता।

8. संलग्नक :

(1) आवेदक के हस्ताक्षर के दो नमूनों, जो सम्यक रूप से अनुप्रमाणित किए गए हैं (दो अलग-अलग कागजों पर प्रस्तुत किए जाएं)।

(2) आवेदक के फांटे की पासपोर्ट आकार की दो प्रतियाँ, जो सम्यक रूप से अनुप्रमाणित की गई हैं।

(3) दो पंक्तियों, जिनमें से प्रत्येक पर आवेदक के बाएँ हाथ के अंगुठे और अंगुलियों की छापें\* हैं जो सम्यक रूप से अनुप्रमाणित की गई हैं।

4. आवेदक की सम्यक रूप से अनुप्रमाणित विवरण नामावली जिसमें, (क) ऊँचाई और (ख) हाथ चेहरे, आदि पर के वैयक्तिक चिन्ह, यदि कोई हो, उपदर्शित किए गए हैं। (कुछ सहजदृश्य चिन्ह विनिर्दिष्ट कीजिए जो, यदि संभव हों तो, दो से कम न हों) (दो प्रतियाँ प्रस्तुत की जाएँ)

5. आयु का/के प्रमाणपत्र (मूल प्रमाणपत्र, दो अनुप्रमाणित प्रतियाँ सहित) जिसमें/जिनमें बालकों की जन्म-तारीखें दर्शित की गई हैं। यह प्रमाणपत्र नगरपालिका प्राधिकारियों का अथवा स्थानीय पंचायत का अथवा यदि बालक किसी मान्यताप्राप्त स्कूल में पढ़ रहा है तो ऐसे स्कूल के प्रधान का होना चाहिए। यह जानकारी ऐसे बालक या बालकों की बाबत प्रस्तुत की जानी चाहिए जिसके या जिनके जन्म तारीख संबंधी विवरण कार्यालय अध्यक्ष के पास उपलब्ध न हों।<sup>2</sup>

9. आवेदक के हस्ताक्षर या बाएँ हाथ के अंगुठे की छाप\*

10. निम्नलिखित द्वारा अनुप्रमाणित —

नाम पूरा पता हस्ताक्षर

(1)

(2)

साक्षी

11. (1)

(2)

टिप्पणी:—अनुप्रमाणन दो आयोग के अधिकारी द्वारा अथवा उस नगर/गाँव या परगने के जिसमें आवेदक निवास करता है, दो या अधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा किया जाना चाहिए।

\*उस वंशा में प्रस्तुत की जाएँ जब कि आवेदक इतना साक्षर न हो कि अपने नाम के हस्ताक्षर कर सके।

विधवा के पुनर्विवाह के मामले में, जब वह अवधस्क बालक की ओर से कुटुम्ब पेंशन के लिए आवेदन करती हों तो विधवा (1) अपने पुनर्विवाह की तारीख (2) कुटुम्ब पेंशन के लिए अपना पूरा पता देंगी। नए आवेदन देने की आवश्यकता न होगी और न ऐसे कागजात देने होंगे जो पेंशन पत्र के साथ पहले से उपलब्ध हैं, जिस पर उसे कुटुम्ब पेंशन मूलतः मंजूर की गई थी।

प्रारूप-12

विनियम 70(1) 72 (1), (3) और (5) और 75 देखिए।

सेवा में रहते हुए कर्मचारी की मृत्यु की दशा में कुटुम्ब पेंशन और मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान निर्धारित और प्राधिकृत करने के लिए प्रारूप

(दो प्रतियाँ में भेजा जाए)

भाग-1

अनुभाग-1

1. मृत कर्मचारी का नाम।
2. पिता का नाम (यदि सेवक स्त्री है तो उसके पति का नाम भी)
3. जन्म तारीख (ईसवीं सन् के अनुसार)।
4. मृत्यु की तारीख (ईसवीं सन् के अनुसार)।
5. धर्म
6. किस कार्यालय, विभाग में अंतिम बार नियोजित था।
7. अंतिम बार धारित नियुक्ति:—  
(i) अधिष्ठायी।  
(ii) स्थानापन्न।
8. सेवा आरंभ की तारीख
9. सेवा समाप्ति की तारीख।
10. (i) सेवा की वह कुल अवधि जिसके लिए पेंशन उपदान मंजूर किया गया था; और  
(ii) सैनिक सेवा के लिए प्राप्त किसी पेंशन उपदान की रकम और उसकी प्रकृति
11. पूर्व सिविल के लिए, यदि कोई प्राप्त किसी पेंशन की रकम और उसकी प्रकृति।
12. सेवा जिसे सरकार संगठन के अधीन की गई वह नियोजन क्रम के अनुसार।
13. वह तारीख जिसको सेवक की मृत्यु की प्रज्ञापना कार्यालय को प्राप्त हुई।

14. वह तारीख जिसको निम्नलिखित कार्यवाही प्रारम्भ की गई थी :—

- (i) विनियम 69 में उपबन्धित मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान और कुटुम्ब पेंशन के लिए दावेदारों से समुचित प्ररूप में दावा या दावे अभिप्राप्त करना ;
- (ii) विनियम 75(1) में यथा उपबन्धित सेवाकी प्रमाणपत्र सम्पदा अधिकारी से अभिप्राप्त करना ;
- (iii) विनियम 75(2) में यथा उपबन्धित आयोग के आवास के अधिभोग के संबंध में शोध्य से भिन्न आयोग शोध्य निर्धारित करना; और
- (iv) विनियम 71 और 72 में यथा उपबन्धित मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति, उपदान और कुटुम्ब पेंशन के लिए अर्हक सेवा और परिलब्धियां निर्धारित करना ।

15. क्या मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान के लिए नामनर्देशन किया गया है ;

16. मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान/पेंशन के लिए अर्हक सेवा की अवधि ।

17. अनर्हक सेवा अवधियां—

(i) विनियम 25 के अधीन माफ किया गया सेवा व्यवधान ।

(ii) उपदान के लिए अनर्हक आसाधारण छुट्टी ।

(iii) निलबन की अवधि जो अनर्हक मानी गई है ।

तारीख से तारीख तक

(iv) कोई अन्य सेवा जो अर्हक सेवा नहीं मानी गई है । अनर्हक सेवा की कुल अवधि .....

18. (क) मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान के लिए संगणित की जाने वाली परिलब्धियां ।

(ख) मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान की रकम ।

19. कुटुम्ब पेंशन—

(1) प्रस्तावित कुटुम्ब पेंशन—

(क) बड़ी हुई दरों पर (यदि मृत्यु के समय तक की गई सेवा सात वर्ष से अधिक है) [जैसा विनियम 49 (3) में है] ।

(ख) साधारण दरों पर जैसा विनियम 49 (1) में है ।

(ii) कुटुम्ब पेंशन, की धार्यता की अवधि—

तारीख से तारीख तक

(क) बड़ी हुई दरों पर ।

(ख) साधारण दरों पर ।

20. वह व्यक्ति जिसे कुटुम्ब पेंशन संदेय है :

नाम

मृत सेवक के साथ नातेदारी

पूरा डाक पता

21. उपदान में से वसूली योग्य आयोग शोध्यों के ब्यौरे—

(i) आयोग आवास के अधिभोग के लिए अनु-शक्ति फीस विनियम 75 देखिए ।

(ii) सम्पदा अधिकारी से जानकारी प्राप्त होने तक मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान में से विधारित की जाने वाली रकम विनियम 75 (1) (5) देखिए ।

(iii) विनियम 75 (2) में निर्दिष्ट शोध्य ।

22. वह तारीख जिसको दावेदारों से दावे प्राप्त हुए ।

23. उस संरक्षक का नाम जो अवयस्कों की वशा में मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान और कुटुम्ब पेंशन का संवाय प्राप्त करेगा ।

24. संदाय का स्थान (खजाना/उप खजाना या पब्लिक सेक्टर बैंक की शाखा या बेटन और लेखा कार्यालय ।)

25. मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान और कुटुम्ब पेंशन किस किस लेखा शीर्ष के नामों डाले जाने है ।

स्थान :

कार्यालय अध्यक्ष के हस्ताक्षर

तारीख :

#### अनुभाग 2

विनियम 73 के अनुसार कार्यालय अध्यक्ष द्वारा अवधारित की जाने वाली अनन्तिम कुटुम्ब पेंशन और उपदान के ब्यौरे

अनन्तिम कुटुम्ब पेंशन.....रुपए प्रतिमास

उपदान भाग 1 की मद .....रुपए

[18 (ख) में वर्णित रकम]

कम कीजिए :

(क) आयोग के आवास के अधिभोग के लिए उपदान में से वसूली योग्य अनुशक्ति फीस जैसी भाग 1 की मद 12(ग) में है । रुपए

(ख) सम्पदा अधिकारी से जानकारी प्राप्त होने तक विधारित रखे जाने वाली उपदान की रकम [जैसी भाग 1 की मद 21 (ii) में है । रुपए]

(ग) भाग 1 की मद 21 (4) में वर्णित अन्य आयोग के शोध्य रुपए

(ब) (क), (ख) और (ग) का योग रुपए कार्यालय अध्यक्ष के हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

## भाग-2

## अनुभाग 1

लेखा मुख्यांकन :—

1. अर्हक सेवा की कुल अवधि जो निम्नलिखित के लिए स्वीकार की गई है:—

(1) मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान।

(2) आयोग के शोध्यों के समायोजन के पश्चात् उपदान की शुद्ध रकम।

(3) कुटुम्ब पेंशन की रकम और धार्यता की अवधि : यदि मृत्यु रकम धार्यता की अवधि

रूप तारीख से तारीख तक

(i) सात वर्ष की सेवा के पूर्व हुई है।

(ii) सात वर्ष की सेवा के पश्चात् हुई है।

4. वह तारीख जिससे कुटुम्ब पेंशन अनुज्ञेय है

5. मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान और कुटुम्ब पेंशन किस लेखा शीर्ष मध्ये प्रभावी है।

## अनुभाग 2

1. मृत सेवक का नाम।

2. सेवक की मृत्यु की तारीख।

3. वह तारीख जिसको पेंशन पत्र निदेशक प्रशासन को प्राप्त हुए हैं।

4. प्राधिकृत कुटुम्ब की रकम।

5. प्राधिकृत उपदान की रकम।

6. कुटुम्ब पेंशन के प्रारम्भ की तारीख।

7. वह तारीख जिसको कुटुम्ब पेंशन और उपदान का संदाय प्राधिकृत किया गया है।

8. उपदान से वसूली योग्य रकम।

9. बेबाकी प्रमाणपत्र प्राप्त होने तक विधायित की गई उपदान की रकम।

स्थान :

निदेशक प्रशासन

तारीख :

प्रारूप 13

[विनियम 72 (1) देखिए]

उस पत्र का प्रारूप जिसके साथ निदेशक प्रशासन को ऐसे आयोग के कर्मचारी के, जिसकी सेवा में रहते हुए

मृत्यु हो जाती है, कुटुम्ब को कुटुम्ब पेंशन और मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान के संदाय के लिए कागज पत्र भेजे जाएंगे।

संख्या .....

..... विभाग

तारीख .....

सेवा में,

निदेशक प्रशासन,

.....

.....

विषय :—कुटुम्ब पेंशन और मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान की मंजूरी

महोदय,

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री ..... (पदनाम) ..... की मृत्यु तारीख ..... हो गई है। उनका कुटुम्ब, कुटुम्ब पेंशन और मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान प्राप्त करने का पात्र हो गया है। प्रारूप 12 जो सम्यक् रूप से भरा गया है आगे आवश्यक कार्यवाही के लिए इसके साथ भेजा जा रहा है।

2. मृतक सेवक की बाबत आयोग के शोध्य प्रारूप 12 के भाग 1 के अनुभाग 2 में दर्शित मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान में से वसूल किए जाएंगे।

3. आपका ध्यान संलग्नकों की उस सूची की ओर जो इसके साथ भेजी जा रही है, आकृष्ट किया जाता है।

4. इस प्रपत्र की प्राप्ति अभिलेखित की जाए और इस विभाग, कार्यालय को यह सूचना दी जाए कि कुटुम्ब पेंशन और मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान के सवितरण संबंधी आवश्यक अनुदेश सम्बद्ध मुख्य लेखा प्राधिकारी को भेज दिए गए हैं।

भवदीय,

कार्यालय अध्यक्ष

संलग्नकों की सूची :—

1. सम्यक् रूप से भरा हुआ प्रारूप 12

2. सेवा पुस्तिका (सेवा पुस्तिका में मृत्यु की तारीख दर्शित की जाएगी)।

4. दायेंदार या संरक्षक के सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित दो हस्ताक्षर नमूने या बाएं हाथ के अंगूठे या अंगुलियों की छापें।



4. दावेदार या संरक्षक के फोटो की सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित पासपोर्ट आकार की दो प्रतियाँ।
5. दावेदार या संरक्षक की सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित विवरण पत्रिका की दो प्रतियाँ जिसमें ऊँचाई और वैयक्तिक चिन्ह दर्शाए हैं।
6. दावेदार या संरक्षक का डाक पता।

प्रारूप - 14

[विनियम 77 (2) देखिए]

उस पत्र का प्रारूप जिसमें उस सेवानिवृत्त कर्मचारी के, जिसकी मृत्यु सेवानिवृत्ति के पश्चात् हो जाती है किन्तु जो अपने पीछे कोई विधवा या विधुर नहीं छोड़ जाता/जाती, बालक या बालकों को कुटुम्ब पेंशन मंजूर की जाती है।

सं. \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_ विभाग/कार्यालय  
 तारीख \_\_\_\_\_

सेवा में,

मुख्य लेखा अधिकारी

विषय : बालक/बालकों को कुटुम्ब पेंशन का दिया जाना महोदय;

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि इस विभाग/कार्यालय के/की श्री/श्रीमती \_\_\_\_\_ भूतपूर्व \_\_\_\_\_ (पदनाम) को उसकी सेवानिवृत्ति से \_\_\_\_\_ रूप से \_\_\_\_\_ को पेंशन मंजूरी दी गई थी।

2. इस विभाग/कार्यालय को इस आशय की सूचना प्राप्त हुई है कि श्री/श्रीमती \_\_\_\_\_ की मृत्यु \_\_\_\_\_

को हुई है और उसने अपनी मृत्यु के समय कोई भी विधवा/विधुर नहीं छोड़ी/छोड़ा, किन्तु निम्नलिखित बालक\* उसके उत्तरजीवी थे :—

क्रम	नाम	पुत्र/पुत्री	जन्म-तारीख, कुटुम्ब पेंशन इसवी सन के किस तारीख अनुसार से संदेय नहीं रह गई है
1	2	3	4
(1)			
(2)			
(3)			
(4)			
(5)			
(6)			

3. खादी और ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम 1984 के अनुसार कुटुम्ब पेंशन की रकम ऊपर वर्णित क्रम में उक्त बालकों को संदेय हो गई है। कुटुम्ब पेंशन अवयवों की ओर से श्री/श्रीमती \_\_\_\_\_ को, जो संरक्षक है, संदेय होगी।

4. ऊपर वर्णित बालकों को \_\_\_\_\_ रूप से प्रति-मास की कुटुम्ब पेंशन दिए जाने की मंजूरी एतद्वारा दी जाती है। कुटुम्ब पेंशन ता. \_\_\_\_\_ से प्रभावी होगी और खादी और ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम 1984 के विनियम 49 के उपविनियम (4) के उपबंधों के अधीन रहते हुए ता. \_\_\_\_\_ तक धार्य रहेंगे।

5. कुटुम्ब पेंशन शीर्ष \_\_\_\_\_ के नाम डाली जाएगी।

6. संलग्नों की सूची में दी गई \_\_\_\_\_ आपका ध्यान आकृष्ट है।

7. कृपया इस पत्र की प्राप्ति अभिरक्षीकृत की जाए।

भवदीय,  
 मुख्य लेखा अधिकारी

संलग्नों की सूची :

1. संरक्षक का स्थायी पता।
2. दावेदार या संरक्षक के हस्ताक्षर के नमूने अथवा\*\* बांय हाथ के अंगूठे और अंगुलियों की छापें जो सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित हैं।
3. संरक्षक के फोटो की पासपोर्ट आकार की दो अनु-प्रमाणित प्रतियाँ।
4. सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित संरक्षक की विवरणात्मक नामावली।

\*बालकों के नाम खादी ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम 1984 के विनियम 49 में वर्णित पात्रता क्रम में लिखे जाने चाहिए। सेवक की सेवानिवृत्ति के पूर्व हुए विवाह के फलस्वरूप अन्य लेने वाले बालकों अथवा सेवा निवृत्ति से पूर्व वैध रूप से दत्तक बालकों को ही सम्मिलित किया जाना चाहिए किन्तु सेवा निवृत्ति के पश्चात् जन्म लेने वाले को सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए।

\*\*उस संरक्षक की दशा में प्रस्तुत की जाए जो इतना साक्षर नहीं है कि अपने नाम हस्ताक्षर कर सके।

प्ररूप - 15

[विनियम 77 (2) देखिए]

उस पत्र का प्ररूप जिसमें विधवा/विधुर को, जिसे कुटुम्ब पेंशन मिल रही थी, मृत्यु अथवा पुनर्विवाह होने पर बालक या बालकों को कुटुम्ब पेंशन मंजूर की जाती है

सं. \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ कार्यालय, विभाग  
तारीख \_\_\_\_\_

सेवा में,

मुख्य लेखा अधिकारी

विषय : बालक/बालकों को कुटुम्ब पेंशन की मंजूरी ।

महोदय,

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि स्वर्गीय श्री/श्रीमती \_\_\_\_\_ को जो इस विभाग, कार्यालय (पदनाम थे/थी ता. \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ रूप की कुटुम्ब पेंशन प्राधिकृत की गई थी । यह कुटुम्ब पेंशन विधवा, विधुर की मृत्यु तक अथवा पुनर्विवाह तक धार्य थी ।

2. इस विभाग, कार्यालय में इस आशय की सूचना प्राप्त हुई है कि श्री/श्रीमती \_\_\_\_\_ की, ता. \_\_\_\_\_ को मृत्यु हो गई है, का ता. \_\_\_\_\_ को पुनर्विवाह हो गया है ।

3. मृत्यु, पुनर्विवाह के समय श्री/श्रीमती \_\_\_\_\_ के निम्नलिखित बालक थे\* :-

क्रम सं.	नाम	पुत्र,पुत्री	जन्म-तारीख	कुटुम्ब पेंशन
			ईसवी सन् के अनुसार	किस तारीख से संवेय नहीं रह गई है ।

1	2	3	4	5
(1)				
(2)				
(3)				
(4)				
(5)				
(6)				

4. खासी ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम 1984 के विनियम 49 के अनुसार कुटुम्ब पेंशन की रकम उपवर्णित क्रम में उक्त बालकों को संवेय हो गई है ।  
कुटुम्ब पेंशन \_\_\_\_\_ अवयस्कों की ओर से श्री/श्रीमती \_\_\_\_\_ को जो संरक्षक है, संवेय होगी ।

5. ऊपर वर्णित बालकों की \_\_\_\_\_ रूप प्रतिमास की कुटुम्ब पेंशन \_\_\_\_\_ दिए जाने की मंजूरी एतद्वारा दी जाती है । कुटुम्ब पेंशन ता. \_\_\_\_\_ से प्रभावी होगी और खासी ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम 49 के उपविनियम (4) के उपबंधों के अधीन रहते हुए ता. \_\_\_\_\_ तक धार्य होगी ।

6. कुटुम्ब पेंशन \_\_\_\_\_ शीर्ष के नाम डाली जाएगी ।

7. संलग्नकों की सूची में दी गई जानकारी की ओर आपका ध्यान आकृष्ट है ।

8. कृपया इस पत्र की प्राप्ति अभिस्वीकृत की जाए ।

भवदीय,  
निदेशक प्रशासन

संलग्नकों की सूची

1. संरक्षक का स्थायी पता ।
2. संरक्षक के हस्ताक्षर के नमूने अथवा\*\* बाएं हाथ के अंगूठे और अंगुलियों की छापे जो सम्यक् रूप से अनु-प्रमाणित हैं ।
3. संरक्षक के फोटो की पासपोर्ट आकार की दो अनु-प्रमाणित प्रतियाँ ।
4. सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित संरक्षक की विवरणात्मक नामावली ।

\*बालकों के नाम विनियम 49 में वर्णित पात्रता क्रम में लिखे जाने चाहिए । सेवक की सेवानिवृत्ति के पूर्व हुए विवाह के फलस्वरूप जन्म लेने वाले बालकों अथवा सेवानिवृत्ति के पूर्व वैध रूप से दत्तक बालकों को ही सम्मिलित किया जाना चाहिए किन्तु सेवानिवृत्ति के पश्चात् जन्म लेने वाले बालकों को सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए ।

\*\*उस संरक्षक की वशा में प्रस्तुत की जाए जो इतना साक्षर नहीं है कि अपने नाम के हस्ताक्षर कर सके ।

प्ररूप — 16

[विनियम 77 (3) देखिए]

पेंशनभोगी की मृत्यु पर अवशिष्ट\* उपदान दिए जाने के लिए आवेदन का प्ररूप ।

1. आवेदक का नाम
2. (i) यदि आवेदक अवयस्क है तो संरक्षक का नाम  
(ii) संरक्षक की जन्म-तारीख ।
3. मृत पेंशनभोगी का नाम ।
4. मृत पेंशनभोगी ने अन्तिम बार किस कार्यालय/ विभाग में सेवा की थी ।
5. पेंशनभोगी की मृत्यु की तारीख
6. मृत पेंशनभोगी की सेवानिवृत्ति की तारीख

7. मृत पेंशनभोगी की मंजूर की गई \*\* मासिक पेंशन की रकम (जिसके अन्तर्गत तदर्थ वृद्धि, यदि कोई हो, भी है) ।
8. मृत पेंशनभोगी द्वारा प्राप्त की गई मृत्यु-तथा-सेवा-निवृत्ति उपदान की रकम
9. मृतक द्वारा मृत्यु की तारीख तक ली गई पेंशन\*\* तदर्थ वृद्धि, यदि कोई हो, भी है ।
10. यदि मृतक ने अपनी मृत्यु से पूर्व पेंशन का कोई प्रभाग संरक्षित कर लिया था तो पेंशन का संरक्षित मूल्य
11. मद 8, 9 और 10 का योग
12. परिलब्धियों के बारह गुने के बराबर मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान की रकम
13. जितने अविशिष्ट उपदान का वावा किया गया है उसकी रकम, अर्थात् मद सं. 12 और मद सं. 11 में दिखाई रकमों के बीच का अन्तर
14. आवेदक की मृतक पेंशनभोगी के साथ नातेदारी
15. आवेदक की जन्म-तारीख
16. आवेदक का पूरा पता
17. आवेदक के हस्ताक्षर या अंगूठे की छाप  
(सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित रूप में किसी अलग कागज पर भेजी जाए) \*\*\*
18. निम्नलिखित द्वारा अनुप्रमाणित —

	नाम	पूरा पता	हस्ताक्षर
(1)	_____	_____	_____
(2)	_____	_____	_____
19. साक्षी :			
(1)	_____	_____	_____
(2)	_____	_____	_____

\*यदि ऐसे सेवानिवृत्त सेवक की मृत्यु, जिसे सेवा उपदान या पेंशन मिल रही हो, उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख से, जिसके अन्तर्गत शास्तिस्वरूप अनिवार्य सेवानिवृत्ति भी है, पाँच वर्ष के भीतर हो जाती है और ऐसे उपदान या पेंशन मदे, जिसके अन्तर्गत तदर्थ वृद्धि, यदि कोई हो, भी है, अपनी मृत्यु के समय उसके द्वारा वस्तुतः प्राप्त की गई धनराशि, मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान सहित, और उसके द्वारा संरक्षित अपनी पेंशन के किसी प्रभाग का संरक्षित मूल्य उसकी परिलब्धियों के 12 गुनी रकम से कम से कम है तो कमों के बराबर की अविशिष्ट उपदान की रकम कुटुम्ब को सौंप दी जाएगी ।

\*\*जबकि सेवक पेंशन अर्जित करने से पूर्व सेवानिवृत्ति हो गया हो तब सेवा उपदान की रकम दक्षित की जानी चाहिए ।

\*\*\*अनुप्रमाणन दो राजपत्रित सरकारी सेवकों द्वारा अथवा उस नगरपालिका या पञ्चदे के, जिनमें, आवेदक निवास करता है, दो या अधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा किया जाना चाहिए ।

## प्रारूप-17

विनियम 36 (3) देखिए

चिकित्सीय प्रमाणपत्र का प्रारूप

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने/हमने ग ख क सुपुत्र क ख का, जो \_\_\_\_\_, में \_\_\_\_\_ है, ध्यानपूर्वक परीक्षण कर लिया है । उसके कथनानुसार उसकी आयु \_\_\_\_\_ वर्ष है, मैं/हम समझते हैं कि क ख \_\_\_\_\_ (यहाँ रोग या कारण लिखें) के परिणामस्वरूप उस विभाग में, जिसका वह है, आगे किसी प्रकार की सेवा करने के लिए पूर्णतः और स्थायी रूप से असमर्थ है ।

(यदि असमर्थता पूर्ण और स्थायी प्रतीत नहीं होती है तो प्रमाणपत्र में तदनुसार परिवर्तन किया जाना चाहिए और निम्नलिखित अंश जोड़ा जाना चाहिए ।

मेरी/हमारी यह राय है कि क ख, जो कार्य वह कर रहा था, उससे कम श्रम वाली प्रकृति के कार्य के लिए आगे सेवा के योग्य है \_\_\_\_\_ के विश्राम के पश्चात् जो वह कार्य कर रहा था उससे कम श्रम वाली प्रकृति के कार्य के लिए, आगे सेवा के योग्य हो सकता है ।

स्थान:—

चिकित्सा अधिकारी

दिनांक:—

जो लागू न हो उसे काट दें ।

## प्रारूप 18

(विनियम 29 देखिए)

पेंशन के लिये सेवा के सत्यापन के प्रमाणपत्र का प्रारूप

सं० \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ विभाग, कार्यालय

तारीख \_\_\_\_\_

प्रमाणपत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ पदनाम \_\_\_\_\_ ने नीचे

दिये गये व्यौरों के अनुसार ता० \_\_\_\_\_ को \_\_\_\_\_ वर्ष,

\_\_\_\_\_ मास और \_\_\_\_\_ दिन की ग्रहक सेवा

पूरी कर ली है । सेवा का सत्यापन उसकी सेवा वस्तावेजों

के आधार पर और इस समय प्रवृत्त ग्रहक सेवा संबंधी नियमों

के अनुसार किया गया है । खा० ग्रा० विनियम 1984

का विनियम 29 का उप विनियम (1) और (2) के

अधीन किया गया सत्यापन अन्तिम माना जायेगा और उस पर तब तक पुनर्विचार नहीं किया जायेगा जब तक कि ऐसी शर्तों को जिनके अधीन सेवा पेंशन के लिये अर्हित होती है, शासित करने वाली किन्हीं नियमों पर आदेशों में तदनन्तर किसी परिवर्तन के कारण ऐसा करना आवश्यक न हो।

अर्हक सेवा के व्योरे

तारीख से	तारीख तक
1	
2	
3	

कार्यालय अध्यक्ष के हस्ताक्षर

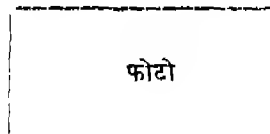
सेवा में,  
श्री—  
(नाम और पदनाम)

प्ररूप—19

चिकित्सा परीक्षा के बिना पेंशन के किसी अंश के संराशीकरण के लिये आवेदन पत्र

विनियम 83(2), 84(1), 90, 91(1) और (2) और 92(1) और (2), 93(1), 94(1) देखिए (सेवा निवृत्ति के बाद लेकिन सेवा निवृत्ति के एक वर्ष के पूर्व दो प्रतियों में प्रस्तुत किया जाये)

भाग—1



(यहां निदेशक (प्रशासन) का पद नाम एवं पूरा पता अंकित करें)

सेवा में,  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

विषय: चिकित्सा परीक्षा के बिना पेंशन का संराशीकरण।  
सहोदय,

खादी ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम 1984 के उपबन्धों के अनुसार में अपनी पेंशन के एक अंश का संराशीकरण कराना चाहता हूं, जैसा कि नीचे दिया गया है। मेरे फोटोग्राफ की एक अनुप्रमाणित प्रतिलिपि आवेदन पर चिपकाई गई है। आवश्यक व्योरे नीचे दिये गये हैं :—

1. नाम (साफ अक्षरों में) :

2. पिता का नाम (स्त्री कर्मचारी : की दशा में पति का भी नाम)
3. सेवा निवृत्ति के समय पदनाम
4. कार्यालय विभाग का नाम जिस : में नियोजित था
5. जन्म तारीख (ई० सन् के अनुसार) :
6. सेवा निवृत्ति की तारीख :
7. पेंशन का वर्ग जिस पर सेवा : निवृत्त हुआ
8. प्राधिकृत पेंशन की रकम (यदि : पेंशन के अंतिम रकम का प्राधिकरण नहीं किया गया है, तो खा० ग्रा० आ० कर्मचारी (पेंशन) विनियम-1984 (विनियम 58 के अधीन मंजूर की गई अन्तिम पेंशन की रकम दर्शाए)।

9. प्रस्तावित संराशीकरण के लिये : पेंशन का अंश। आवेदक को मासिक, पेंशन की राशि अंकित करनी चाहिये (अधिकतम एक-तिहाई) जिसे वह संराशीकृत कराना चाहता है न कि राशि रुपये में।

10. पेंशन भुगतान आदेश की संख्या तथा तारीख, यदि निदेशक प्रशासन द्वारा जारी किया गया है।

स्थान—  
तारीख—

आवेदक के हस्ताक्षर—

डाक का पता—

भाग—2

अभिस्वीकृति

श्री \_\_\_\_\_ से पेंशन के  
(नाम) (पूर्व पदनाम)

अंश के संराशीकरण के लिये प्ररूप 19 के भाग-1 में बिना चिकित्सा परीक्षा के प्राप्त किया।

हस्ताक्षर  
निदेशक प्रशासन



## भाग—3

मुख्य लेखा अधिकारी को अधिसूचित—  
यहाँ टिप्पणी दर्शाएं (पता तथा पदनाम)

1. आवेदक द्वारा भाग-1 में दिया गया विवरण सत्यापित करा लिया गया है और सही है।

2. आवेदक चिकित्सा परीक्षण के बिना अपने पेंशन के किसी अंश के संराशीकृत को पाने का हकदार है।

3. वर्तमान में पेंशन के लिये लागू संराशीकृत मूल्य तालिका के संदर्भ में अब धारित पेंशन का संराशीकृत मूल्य रुपये है।

4. संराशीकरण के बाद अब शिष्ट पेंशन की रकम रुपये होगी।

2. अनुरोध किया जाता है कि पेंशन के संराशीकृत मूल्य की रकम का भुगतान किया जाये और पेंशन संराशीकृत अंश के कारण पेंशन में कमी की गई रकम की दर के सम्बन्ध में पेंशन भुगतान आदेश में प्रविष्टि की जाये।

3. पेंशन की संराशीकृत मूल्य लेखा शीर्ष के नामे डालने योग्य है।

स्थान—

तारीख

हस्ताक्षर

निदेशक प्रशासन

## प्रपत्र-20

खादी और ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम 1984 के विनियम (96) में संदर्भित आवेदक की चिकित्सा-परीक्षा के बाद पेंशन के संराशीकरण के लिये आवेदन-पत्र।

(देखिए विनियम 83(2), 87(3), 91(2), 92(2), 97, 98(1), (2) और (3), 99(1) और 102(2) (दो प्रतियों में प्रस्तुत किया जाये।)

फोटो के लिये स्थान

(निदेशक (प्रशासन) का पदनाम एवं पूरा पता यहाँ दर्शायें)

सेवा में,

\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

विषय : चिकित्सा-परीक्षा के बाद पेंशन का संराशीकरण।  
सहोदय,

खादी और ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम 1984 के उपबन्धों के अनुसार मैं अपने पेंशन के कुछ अंश का संराशीकरण कराना चाहता हूँ। मेरे फोटोग्राफ की अनुप्रमाणित एक प्रति आवेदन-पत्र पर चिपकाई गई है और

बिना प्रमाणित एक प्रति इसके साथ संलग्न है। आवश्यक विवरण नीचे दिये गये हैं।

(1) नाम (साफ अक्षरों में)

(2) पिता का नाम (महिला कर्मचारी के मामले में पति का नाम)

(3) पदनाम

(4) कार्यालय/विभाग का नाम जिसमें नियोजित था

(5) जन्म-तारीख (ईसवी, सन् के अनुसार) :

(6) सेवा निवृत्ति की तारीख :

(7) पेंशन का वर्ग जिसके अनुसार सेवा-निवृत्ति हुई (देखिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम 1984 का अध्याय 5)

(8) अवधारित पेंशन की राशि (अनन्तित पेंशन की राशि दर्शाएं यदि पूरी पेंशन अवधारित नहीं की गई हो) :

(9) संराशीकरण के लिये प्रस्तावित पेंशन का अंश (आवेदक को चाहिये कि वह मासिक पेंशन की राशि के अंश को दर्शाएं (अधिकतम 1/3) जिसे वह संराशीकरण कराना चाहता हो और वह राशि रुपयों में नहीं)

(10) निदेशक (प्रशासन) द्वारा अवधारित पेंशन आवेदन की संख्या और तारीख :

(11) अनुमानित तारीख जिसको संराशीकरण लागू कराने की इच्छा हो :

(12) पूर्व में ही संराशीकृत पेंशन की राशि यदि कोई हो :

(13) उस स्थान का नाम जहाँ पर चिकित्सा-परीक्षा कराना चाहता हो :

आवेदक के हस्ताक्षर

स्थान—

तारीख—

नाम—

डाक का पता—

## भाग—2

## अभिस्वीकृति

श्री— पदनाम —

(नाम)

का चिकित्सा परीक्षा के बाद पेंशन के कुछ अंश के संराशीकरण के लिये प्रपत्र-20 के भाग (1) में आवेदक प्राप्त हुआ।

स्थान—

तारीख—

हस्ताक्षर —

निदेशक (प्रशासन)

## भाग 3

प्ररूप-21

आवेदक द्वारा भाग (1) में दिए गए विवरण का सत्यापन किया गया और सही पाया गया।

स्थान हस्ताक्षर  
तारीख निदेशक (प्रशासन)

## भाग—4

[निदेशक (प्रशासन) द्वारा भरा जाय]

- (1) संराशीकरण के लिए आवेदक का नाम
- (2) जन्म-तारीख (ईसवी सन् के अनुसार)
- (3) सेवा-निवृत्ति की तारीख
- (4) पेंशन की राशि जिसमें अनंतिम पेंशन शामिल है, यदि अंतिम पेंशन का अवधारण नहीं किया गया हो।
- (5) पेंशन का वर्ग (देखिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम 1984 का अध्याय 5)
- (6) संराशीकरण कराये जाने वाले पेंशन की राशि, के आधार पर  
सामान्य आयु जोड़े गए वर्ष  
रुपये एक साल दो साल  
रु० रु०
- (7) (1) देय धनराशि यदि संराशीकरण आवेदक के अगले जन्मदिन से पहले अंतिम रूप से हो जाता है जो.....तारीख को पड़ती है।  
(2) देय धनराशि यदि संराशीकरण आवेदक की अगली जन्म-तारीख के बाद अंतिम रूप से होती हो जो.....तारीख को पड़ती है।
- (8) वह लेखा शीर्ष जिसके अन्तर्गत संराशीकृत मूल्य नामे डाला जाय।
- (9) संलग्नों की संख्या (यदि कोई हो)

(निम्न टिप्पणी देखें)

स्थान निदेशक (प्रशासन) का हस्ताक्षर  
तारीख

टिप्पणी—निदेशक (प्रशासन) प्ररूप के साथ रिपोर्ट की एक प्रति अथवा आवेदक के मामले का विवरण यदि आवेदक को असक्त पेंशन मंजूर की गई हो अथवा पूर्व में अपने पेंशन के किसी अंश का संराशीकरण कराया हो अथवा उसकी वास्तविक आयु के वर्षों में जोड़े जाने के आधार पर संराशीकरण को नामंजूर कर दिया हो अथवा चिकित्सा आधार पर उसे संराशीकरण की स्वीकृति नहीं दी गई हो।

चिकित्सा प्राधिकारी को लिखे जानेवाले पत्र का प्ररूप

[देखिए विनियम 98 (3) और (4) और 105(5)]

(कृपया अनुलग्नक देखें)

क्रमांक.....

विभाग/कार्यालय.....

दिनांक.....

सेवा में,

.....  
.....  
.....

विषय : पेंशन के संराशीकरण हेतु चिकित्सा-परीक्षा

महोदय,

श्री.....जो दिनांक.....  
.....की.....की हैसियत से  
(पदनाम)

सेवा निवृत्त हुए, ने एक मुक्त प्रदायगी के लिए अपने पेंशन के एक अंश के संराशीकरण हेतु आवेदन किया है। निम्नलिखित दस्तावेज इसके साथ भेजे जाते हैं:—

(क) प्ररूप-20 में निम्नलिखित के साथ मूल आवेदन—

- (1) आवेदक के फोटो की बिनप्रमाणित प्रति।
- (2) निदेशक (प्रशासन) द्वारा पूरी तरह से भरा गया प्ररूप-20 का भाग (4) मूलरूप में।

(ख) प्ररूप-22 की एक प्रति तथा उस प्ररूप के भाग (3) की एक प्रति

(ग) आवेदन के मामले की रिपोर्ट अथवा विवरण यदि उसे असक्त पेंशन मंजूर की गई हो, अथवा पेंशन के किसी अंश का पूर्व में संराशीकरण कराया गया हो अथवा उसकी वास्तविक आयु में वर्षों के जोड़े जाने के आधार पर संराशीकरण को नामंजूर किया हो अथवा चिकित्सा आधार पर संराशीकरण नामंजूर किया गया हो।

(2) अनुरोध है कि श्री.....के उनका अगली जन्म तारीख, जो.....तारीख को पड़ती है, से पहले यथासम्भव शीघ्र परीक्षण कर लिया जाये।

(3) यह भी अनुरोध है कि श्री.....द्वारा प्ररूप-20 में उसके आवेदन में दर्शाए गए स्थल के पास चिकित्सा-परीक्षा की व्यवस्था की जाय। चिकित्सा प्राधिकारी का ध्यान खादी और ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम, 1984 के विनियम (102) के उपबंधों की ओर आकषित किया जाता है।

(4) यह भी अनुरोध है कि श्री ..... को इस कार्यालय को सूचित करने हुए, सीधे सूचना भेजी जा सकती है कि उन्हें चिकित्सा परीक्षा के लिए कहां उपस्थित होना है। इस पत्र की एक प्रति उन्हें भेजी जा रही है, ताकि वे आपसे सूचना प्राप्त होने पर आपके आदेशों का पालन करें।

(5) इस पत्र के प्राप्ति की पावती भेजें।

भवदीय,  
निदेशक (प्रशासन)

प्रति,

श्री .....  
.....

( डाक का पूरा पता )

को इस टिप्पणी के साथ कि चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा संराणीकरण की मिफारिश की शर्तों के अधीन निम्नानुसार संराणीकृत पेंशन की राशि के बदले में वे एक मृष्ट अदायगी पाव होंगे :—

के आधार पर		
सामान्य	परिवर्द्धित वर्ष	
आयु	एक साल	दो साल
रु०	रु०	रु०

(1) संदेय धनराशि यदि आवेदक की अगली जन्म-तारीख के पूर्व जो ..... तारीख को पड़ती है, संराणीकरण अन्तिम रूप से हो जाता है।

(2) संदेय राशि यदि आवेदक की अगली जन्म-तारीख के बाद जो ..... तारीख को पड़ती है, यदि संराणीकरण अन्तिम रूप से हो जाता है।

वर्तमान संराणीकरण मूल्य की तालिका जिसके आधार पर गणना की गई है, इसमें बिना किसी सूचना के अदायगी करने के पहले संशोधन अथवा परिवर्तन किया जा सकता है। संदेय राशि, वह उचित राशि होगी जो आवेदक की अगली जन्म-तारीख को जिसको संराणीकरण अन्तिम रूप से होता है अथवा यदि चिकित्सा प्राधिकारी उनकी वास्तविक आयु में वर्षों के जोड़ने का निर्देश देता है।

श्री ..... चिकित्सा परीक्षा के लिए ..... को ..... पर चिकित्सा प्राधिकारी के निर्देशानुसार उपस्थित होना चाहिए उसे चाहिए कि वह अपने साथ संलग्न प्ररूप—22 तथा भाग (1) में वांछित विवरण हस्ताक्षर अथवा अंगूठा-निशान के सिवाय साथ लाये।

स्थान—..... हस्ताक्षर  
तारीख—..... निर्देशक (प्रशासन)

फार्म-22

..... द्वारा चिकित्सा परीक्षण

(यहां चिकित्सा प्राधिकारी का उल्लेख करें)

[विनियम 84(1), 92(2), 102(1), (2) तथा (3), 103(4), 104(1) तथा (3), 105(2) तथा 107(1) देखिए]

भाग-1

..... द्वारा

(यहां चिकित्सा प्राधिकारी का उल्लेख करें)

अगले परीक्षण से पूर्व पेंशन का संराणीकरण कराने वाले आवेदक इस विवरण को पूरा करें तथा उस प्राधिकारी के समक्ष संलग्न घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करें।

1. आवेदक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) .....
2. जन्म तारीख (ईस्वी सन् में) .....
3. जन्म स्थान .....

## 4. माता पिता, भाइयों तथा बहनों का विवरण .....

यदि पिता जीवित है तो उसकी आयु तथा स्वास्थ्य की स्थिति	मृत्यु के समय पिता की आयु तथा मृत्यु का कारण	जीवित भाइयों की संख्या, उनकी आयु तथा स्वास्थ्य की स्थिति	मृत भाइयों की संख्या, मृत्यु के समय उनकी आयु तथा मृत्यु का कारण	यदि माता जीवित है तो उसकी आयु तथा स्वास्थ्य की स्थिति	मृत्यु के समय माता की आयु तथा मृत्यु का कारण	जीवित बहनों की संख्या उनकी आयु तथा स्वास्थ्य की स्थिति
---	--	--	---	---	--	--

1	2	3	4	5	6	7
1						
2						
3						
4						

मृत बहनों की संख्या, मृत्यु के समय उनकी आयु तथा मृत्यु का कारण

8
1
2
3
4

## 5. क्या आपने कभी परीक्षण कराया है :—

(क) जीवन बीमा हेतु, अथवा/और

(ख) किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी अथवा राज्य चिकित्सा बोर्ड द्वारा। यदि कराया है तो उसके विवरण एवं परिणाम का उल्लेख करें।

## 6. क्या आपको अशक्त पेंशन स्वीकृत किया गया है अथवा स्वीकृति हेतु विचार किया गया है ? यदि हां, तो उसके आधार का उल्लेख करें।

## 7. क्या पिछले पांच वर्षों में आपको कभी चिकित्सा छुट्टी की स्वीकृति दी गई है ? यदि हां तो छुट्टी की अवधि तथा बीमारी की प्रकृति का उल्लेख करें।

## 8. क्या आपको कभी—

(क) चेचक, आन्तरायिक अथवा कोई अन्य ज्वर, ग्रन्थि से मवाद अथवा वृद्धि रक्त का थूक, दमा, फेफड़ों में शोध, फुफ्फुसावरण-शोध, हृदयरोग, मूर्च्छा से आक्रान्त, गठिया, उण्डुकपुच्छणोप, मिरगी, पागलपन अथवा अन्य स्नायु संबंधी रोग, कान से मवाद अथवा अन्य रोग, गरमी (उपदंश) अथवा सूजाक ; अथवा

(ख) कोई अन्य रोग अथवा चोट आई थी जिसके कारण बिस्तर पर आराम करना आवश्यक रहा अथवा डाकटरी या शल्य चिकित्सा, अथवा

(ग) कोई शल्य-क्रिया कराया था अथवा

(घ) सक्रिय रूप से सेवा में रहते किसी रोग घाव अथवा चोट से पीड़ित थे।

(ङ) पेशाब में सफेदी अथवा शक्कर पाया गया है।

## 9. स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति :

(क) क्या आपको हनिया है ?

(ख) क्या आपको स्फीति (गिरा) अथवा अर्स रोग है ?

- (ग) क्या आपको प्रत्येक आँख का दृष्टि अक्ष (चस्मा अथवा चस्मा रहित) है ?  
 (घ) क्या आपके प्रत्येक कान की श्रवण शक्ति अच्छी है ?  
 (ङ) क्या आपको कोई जन्मजात अथवा बाद में कोई वृश्चाना, विकृति अथवा विरूपता घटित हुई है ?  
 (च) क्या आपको पिछले तीन वर्षों की अवधि में अचछा खासा वजन बढ़ा अथवा घटा है ?  
 (छ) क्या आप पिछले तीन माह में किसी चिकित्सक के अधीन चिकित्सा कराया है ? यदि हा, तो उस रूग्णावस्था का उल्लेख कर जिसके लिए चिकित्सा कराया है ।

#### आवेदक का घोषणापत्र

(चिकित्सा प्राधिकारी के समक्ष हस्ताक्षर किया जाता है)

मैं अपनी सर्वोत्तम विश्वास के अनुसार उपर्युक्त सभी उत्तरों के सत्य एवं ठीक होने की घोषणा करता हूँ ।

मैं पूर्णरूपेण जानता हूँ कि जानबूझकर दिये गए मिथ्या विवरण अथवा सम्बद्ध तथ्य को छिपाने से सारांशोकरण हेतु किये गए आवेदन पत्र को समाप्त किये जाने तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी (पेंशन) विनियम 1984 के विनियम 7 के अधीन मेरे पेंशन को रोक रखने अथवा प्रत्याहृत किये जाने के जोखिम का मैं उपगत करूँगा ।

(हस्ताक्षर तथा चिकित्सा अधिकारी का पटनाम)  
 के समक्ष हस्ताक्षर किया ।

आवेदक का हस्ताक्षर अथवा अशिक्षित होने की  
 स्थिति में अंगूठे का निशान

#### भाग-II

(परीक्षण करने वाले चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा भरा जाए)

- वर्तमान आयु
- ऊँचाई
- वजन
- आवेदक के किसी अणुचिह्न अथवा पहचान के चिह्न का उल्लेख करें ।
- नाड़ी स्पन्दन  
 (क) बैठने पर  
 (ख) खड़े होने पर नाड़ी का लक्षण क्या है ?
- रक्त चाप  
 (क) प्रकुंचक  
 (ख) वीर्यीकरण
- क्या प्रमुख अंगों में बीमारी के कोई लक्षण है ?  
 (क) हृदय  
 (ख) फेफड़ा  
 (ग) यकृत  
 (घ) तिल्ली  
 (ङ) मुरवा
- जांघ  
 (1) पेशाब  
 (विशिष्ट घनत्व का उल्लेख करें)  
 (2) रक्त  
 (3) छाती कक्ष-किरण  
 (4) ई०सी०जी०



9. क्या आवेदक को हनिया है ?  
(यदि हां, तो प्रकार का उल्लेख करें और क्या लघुकरणीय है)
10. कोई अतिरिक्त उपलब्धि

## भाग-III

(परीक्षण करने वाले चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा भरा जाए)

श्री/श्रीमती/कुमारी ..... का मैंने/हमने सावधानीपूर्वक परीक्षण किया है तथा मेरी/हमारी राय है कि उसका/उसकी शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा/अच्छी है। तथा जीवन की औसत अवधि की संभावना है। अथवा उसका/उसकी शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा/अच्छी नहीं है तथा संराशीकरण के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं है। अथवा यद्यपि वह ..... रोग से पीड़ित है। वह संराशीकरण के लिए उपयुक्त पाये गए/गई हैं। किन्तु संराशीकरण (रुग्णावस्था का नाम)

के प्रयोजन से उसका/उसकी आयु अर्थात् उसका/उसकी वास्तविक आयु से अधिक मानने हेतु अगली जन्मतिथि ..... से गणना की जाए। (अक्षरों में)

परीक्षण करने वाले चिकित्सा प्राधिकारी का  
हस्ताक्षर एवं पदनाम

स्थान :

दिनांक :

## तालिका

आर ई प्रतिवर्ष की पेंशन के लिए संराशीकरण मूल्य वित्तियम 86, 106 (ख), 105(5) और 106(1) + (2)

अगले जन्म दिन की आयु	संराशीकरण मूल्य वर्ष की संख्या	अगले जन्म दिन की आयु	संराशीकरण मूल्य वर्ष की संख्या	अगले जन्म दिन की आयु	संराशीकरण मूल्य वर्ष की संख्या
1	2	3	4	5	6
17	19.28	40	15.87	63	9.15
18	19.20	41	15.64	64	8.82
19	19.11	42	15.40	65	8.50
20	19.01	43	15.15	66	8.17
21	18.91	44	14.90	67	7.85
22	18.81	45	14.64	68	7.53
23	18.70	46	14.37	69	7.22
24	18.59	47	14.10	70	6.91
25	18.47	48	13.82	71	6.60
26	18.34	49	14.54	72	6.30
27	18.21	50	13.25	73	6.01
28	18.07	51	12.05	74	5.72
29	17.93	52	12.66	75	5.44
30	17.78	53	12.35	76	5.17
31	17.62	54	12.05	77	4.90
32	17.46	55	11.73	78	4.65
33	17.29	56	11.42	79	4.40
34	17.11	57	11.10	80	4.17
35	16.92	58	10.78	81	3.94
36	16.72	59	10.46	82	3.72
37	16.52	60	10.13	83	3.52
38	16.31	61	9.81	84	3.32
39	16.09	62	9.48	85	3.13

नोट : यह तालिका 4.75 प्रतिशत प्रति वर्ष व्याज की दर पर आधारित है और संशोधित मानी जाएगी जब कि भारत सरकार केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के लिए संशोधित करती है।

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 26th September, 1984

## NOTIFICATION

G.S.R. 686(E).—In exercise of the powers conferred under section 27 of the Khadi and Village Industries Commission Act, 1956 (61 of 1956), the Khadi and Village Industries Commission, hereby makes with the previous sanction of the Central Government, the following Regulations, namely:

## CHAPTER-I

## PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the Khadi and Village Industries Commission Employees (Pension) Regulations, 1984.

(2) They shall come into force on the date of its publication in the official Gazette.

2. Application.—Save as otherwise provided in these regulations, these regulations shall apply to all employees of the commission born on the regular establishment of the Commission appointed substantively to posts under the said Commission, but shall not apply to the employees of the commission in the trading establishment:

Provided that an employee of the Commission who on his retirement from service on attaining the age of superannuation or on his being declared to be permanently incapacitated for further service under the said Commission by an appropriate medical authority after he has rendered temporary service of not less than twenty years shall be brought within the purview of these regulations and the condition of holding a post in a substantive capacity shall be dispensed with in this case:

Provided further that nothing in these regulations shall apply to an employee of the Commission who being in the service of the Commission on the date on which these regulations come into effect, in writing opt out to be governed by these regulations.

Explanation: (i) For the purpose of this regulation, "employees of the Commission born on the regular establishment" shall mean all the employees of the Commission who are on time-scales of pay, but shall not include the following:—

- (a) Government servants and other employees serving under the Commission on deputation terms;
- (b) apprentices and trainees;
- (c) honorary workers;
- (d) persons in casual and daily rated employment;
- (e) persons employed on contract basis for specific schemes or purposes for specific periods and;

(f) persons re-employed on superannuation;

(ii) "Employees of the Commission in the trading establishment" means the employees of the Commission whose expenditure is met from the earnings of trading activities for which funds are provided from loans received from the Central Government.

3. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires:—

- (i) "Act" means the Khadi and Village Industries Commission Act, 1956 (61 of 1956);
- (ii) "allottee" means an employee of the Commission to whom Commission's accommodation has been allotted on payment of licence fee or otherwise
- (iii) "average emoluments" means average emoluments as determined in accordance with the regulation 31;
- (iv) "Appointing Authority" means an authority under the Commission to whom powers for making appointments are delegated by the Commission or the Chief Executive officer, as the case may be from time to time;
- (v) "Chief Executive Officer" means the Chief Executive Officer appointed by the Commission under rule 8 of the Khadi and Village Industries Commission Rules, 1957;
- (vi) "Chief Accounts Officer" means the Chief Accounts Officer of the Commission and includes any authority under the Commission to whom powers are delegated by the Chief Executive Officer or the Commission for the purpose of discharge of duties and functions assigned to the Chief Accounts Officer under these regulations;
- (vii) "Child" means a child of an employee of the Commission who, if a son, is under 21 years of age and if a daughter is unmarried and is under 24 years of age and the expression "children" shall be construed accordingly;
- (viii) "Commission's dues" means dues as defined in sub-regulation (3) of regulation 65;
- (ix) "Director (Administration)" means the Director appointed by the Commission to be the head of its Directorate of Administration and shall include any officer to whom powers are delegated by the Chief Executive Officer or the Commission for the purposes of discharge of duties and functions assigned to the Director (Administration) under these regulations;
- (x) "emoluments" means emoluments as defined in regulation 30;
- (xi) "employee" means an employee of the Commission;
- (xii) "family pension" means family pension admissible under regulation 49;
- (xiii) "foreign service" means service in which an employee of the Commission receives his

pay with the sanction of the Commission from any source other than the funds of the Commission ;

- (xiv) "Form" means a Form appended to these regulations ;
- (xv) "Government" means the Central Government ;
- (xvi) "gratuity" includes :
  - (i) 'service gratuity' payable under sub-regulation (1) of regulation 43 ;
  - (ii) 'death-cum-retirement gratuity' payable under sub-regulation (1) or sub-regulation (3) of regulation 44 ; and
  - (iii) 'residuary gratuity' payable under sub-regulation (2) of regulation 44 ;
- (xvii) "Head of a Department" means an authority specified as such by the Commission under orders issued from time to time ;
- (xviii) "Head of Office" means an officer declared as such under orders issued by the Commission or the Chief Executive Officer from time to time for the purpose of these regulations ;
- (xix) "minor" means a person who has not completed the age of 18 years ;
- (xx) "Medical authority" means Medical authority appointed by the Commission and includes in the case of an application for commutation of pension —
  - (a) seeking commutation of invalid pension, or
  - (b) seeking commutation of pension other than invalid pension but his application for commutation has not been received by the Head of Office within one year of his retirement and the amount of pension to be commuted together with the amount or amounts previously commuted exceeds one hundred rupees per mensem, or
  - (c) Where commutation has been refused on medical grounds, or in the case of an applicant having once declined to accept commutation on the basis of addition of years to his actual age recommended by the medical authority, applied for a second medical examination in accordance with the provisions of regulation 103 and regulation 104 the medical authority shall be a Medical Board that may be decided by the Commission in each such case.
- (xxi) "pension" includes gratuity except when the term 'pension' is used in contradistinction to gratuity ;
- (xxii) "qualifying service" means the service rendered by an employee while on duty or otherwise which shall be taken into account for the purpose of pension and gratuity admissible under these regulations ;
- (xxiii) "retirement benefits" includes pension or service gratuity, and Death-cum-retirement gratuity, where admissible ;

(xxiv) "Service book" includes service roll, if any,

- (2) Words and expressions used herein and not defined in these regulations, the Act or rules made under Section 26 of the Act but defined in the fundamental Rules of the Government have the meanings respectively assigned to them in those rules.

4. Employees of the Commission transferred from posts to which these regulations do not apply. (1) An employee of the Commission who is transferred permanently to a post to which these regulations apply from a post to which these regulations do not apply shall become subject to these regulations :

Provided that it shall be open to him, within six months of the date of issue of the order of his permanent transfer or, if he is on leave on that day, then, within six months of his return from leave whichever is later, to elect to be governed by the retiral benefits to which he was subjected immediately before the date of his transfer ;

- (2) the option under proviso to sub-regulation (1) shall be exercised in writing and communicated to the authority making such order of transfer ; and
- (3) the option once exercised shall be final.

## CHAPTER—II

### GENERAL CONDITIONS

5. *Claims to Pension or Family pension.*—(1) All claims to pension or family pension of employees of the Commission shall be governed by the provisions of these regulations.

(2) The day on which an employee of the Commission retires or is retired or is discharged or is allowed to resign from service, as the case may be, shall be treated as his last working day. The date of death shall also be treated as a working day :

Provided that in the case of an employee of the Commission who is retired prematurely or who retires voluntarily under clause (d) of sub-regulation (3) of regulation 5 of the Khadi and V. I. Commission Regulations, 1958, the date of retirement shall be treated as non-working day.

6. *Limitations on number of pensions.*—An employee of the Commission shall not earn two pensions in the same service or post at the same time or by the same continuous service except as provided in regulation 17. An employee of the Commission who having retired on a superannuation pension or retiring pension is subsequently re-employed shall not be entitled to a separate pension or gratuity for the period of his re-employment.

7. *Pension subject to future good conduct.*—I(a) Future good conduct shall be an implied condition of every grant of pension and its continuance under these regulations.

(b) The Commission or any other authority to whom the Commission may delegate powers in this regard

may, by an order in writing, withhold or withdraw a pension or a part thereof, whether permanently or for a specified period, if the pensioner is convicted of a serious crime or is found guilty of grave mis-conduct.

Provided that where a part of pension is withheld or withdrawn, the amount of such pension shall not be reduced below the amount of rupees sixty per mensem.

(2) Where a pensioner is convicted of a serious crime by a Court of Law, action under sub-regulation (1) shall be taken in the light of judgement of the Court relating to such conviction.

(3) In a case not falling under sub-regulation (2) if the authority referred to in sub-regulation (1) considers that the pensioner is prima-facie guilty of a grave misconduct, it shall, before passing an order under sub-regulation (1),

(a) serve upon the pensioner a notice specifying the action proposed to be taken against him and the ground on which it is proposed to be taken and calling upon him to submit within 15 days of the receipt of the notice or such further time not exceeding 15 days as may be allowed by the authority specified in sub-regulation 1(b) such representation as he may wish to make against the proposal; and

(b) take into consideration the representation, if any, submitted by the pensioner under clause (a).

(4) Where the authority competent to pass an order under sub-regulation (1) is an authority other than the Commission itself, the Chairman shall be consulted before the order is passed.

(5) An appeal against an order under sub-regulation (1), passed by any authority other than the Commission shall lie to the Commission and the Commission shall pass such orders on the appeal as the Commission deems fit.

8. Right of Commission to withhold or withdraw pension.—(1) The Commission shall have the power of withholding or withdrawing a pension or part thereof, whether permanently or for a specified period, and of ordering recovery from a pension of the whole or part of any pecuniary loss caused to the Commission, if, in any departmental or judicial proceedings, the pensioner is found guilty of grave misconduct or negligence during the period of his service including service rendered upon re-employment after retirement :

Provided that the Services Board of the Commission shall be consulted before any final orders are passed.

Provided further that where a part of pension is withheld or withdrawn, the amount of such pension shall not be reduced below the amount of rupees sixty per mensem.

2(a) The department proceedings referred to under sub-regulation (1), if instituted while the employee

was in service, whether before his retirement or during his re-employment, shall, after the final retirement of the employee of the Commission be deemed to be proceedings under this regulation and shall be continued or concluded by the authority by which they were commenced in the same manner as if the employee of the Commission had continued in service :

Provided that where the departmental proceedings are instituted by an authority subordinate to the Commission, that authority shall submit a report recording its findings to the Commission.

(b) The departmental proceedings, if not instituted while the Commission's employee was in service whether before his retirement or during his re-employment.

(i) shall not be instituted save with the sanction of the Commission,

(ii) shall not be in respect of any event which took place, more than 4 years before such institution, and

(iii) shall be conducted by such authority and in such places as the Commission may direct and in accordance with the procedure applicable to departmental proceedings in which an order of dismissal from service could be made in relation to the employee of the Commission during his service.

(3) No judicial proceedings, if not instituted while the employee was in service whether before his retirement or during his re-employment, shall be instituted in respect of a cause of action which arose, or in respect of an event which took place, more than 4 years before such institution.

(4) In the case of an employee who has retired on attaining the age of superannuation, or otherwise and against whom any departmental or judicial proceedings are instituted, or where departmental proceedings are continued under sub-regulation (2) a provisional pension as provided in Regulation 63 shall be sanctioned.

(5) Where the Commission decides not to withhold or withdraw pension, but orders recovery of pecuniary loss from pension, the recovery shall not ordinarily be made at a rate exceeding onethird of the pension admissible on the date of retirement of an employee of the Commission.

(6) For the purpose of this regulation,

(a) Departmental proceedings shall be deemed to be instituted on the date on which the statement of chargesheet is issued to the employee of the Commission or pensioner, or if the employee of the Commission has been placed under suspension from an earlier date, on such date; and

(b) judicial proceedings shall be deemed to be instituted—

(i) in the case of criminal proceedings, on the date or which the complaint or report of a police officer, of which the Magistrate takes cognisance, is made, and

(ii) in the case of civil proceedings, on the date the plaint is presented in the Court.



NOTE : (1) Regulation 63 provides that an employee of the commission who is retired and against whom any departmental or judicial proceedings are instituted or are continued, shall be paid provisional pension. The payment of provisional pension under regulation 63 is mandatory.

(2) Even in cases covered by the above mentioned Regulations, 100 per cent pension, which is otherwise admissible to the employee of the Commission should be authorised as provisional pension, as in the case of normal retirement. No gratuity shall, however, be paid at this stage.

(3) In cases where the competent authority orders reduction of pension under Regulations 7, 8 and 38, the reduction should be effected in whole rupees only, so that the residual pension may be paid in whole rupees even after effecting the reduction.

(4) Sub-regulation (1) of Regulation 8 confers on the Commission the right to withhold or withdraw the pension or part thereof, either permanently or for a specified period, and to order recovery from the pension, of the whole or part of any pecuniary loss caused to the Commission, if, in any departmental or judicial proceedings, the pensioner is found guilty of grave mis-conduct or negligence during the period of his service including service rendered upon re-employment on retirement. Sub-regulation (2) of Regulation 8 further provides that the departmental proceedings referred in sub-regulation (1), if instituted before the retirement of the employee or during his re-employment, shall, after his final retirement, be deemed to be proceedings under these regulations and shall be continued and concluded. Accordingly, the minor penalty proceedings and the major penalty proceedings, which are instituted against the employee of the Commission while in service and which do not get concluded before the date of retirement, automatically becomes proceedings under Regulation 8. However, since grave misconduct or negligence cannot be established as a result of minor penalty proceedings, action under Regulation 8 for withholding or withdrawing pension etc. cannot be taken against a pensioner in respect of whom minor penalty proceedings had been instituted and have been continued after retirement. Such minor penalty proceedings continued before retirement, therefore, do not literally have any effect on the pension in the matter of reducing or withdrawing or withholding of his pension.

9. Commercial employment after retirement.—If a pensioner who, immediately before his retirement was holding a group 'A' (Class-I) post under the Commission wishes to accept any commercial employment before the expiry of 2 years from the date of his retirement, he shall obtain the previous sanction of the Commission to such acceptance;

Provided that an employee of the Commission who was permitted by the Commission to take up such employment during his leave preparatory to retirement or refused leave shall not be required to obtain subsequent permission for his continuation in such employment after retirement.

(2) Subject to the provisions of sub-regulation(3) the Commission may, by an order in writing, on an

application made by the pensioner, grant, subject to such conditions if any, as it may deem necessary, permission, or refuse, for reasons to be recorded in the order, permission to such pensioner to take up such employment specified in the application.

(3) In granting or refusing permission under sub-regulation(2) to a pensioner for taking up any such employment, the Commission shall have regard to the following factors, namely :

- (a) the nature of the employment proposed to be taken up and antecedents of the employer;
- (b) whether his duties in the employment which he proposes to take up might be such as to bring him in conflict with the Commission;
- (c) whether the pensioner while in service had any such dealings with the employer under whom he proposes to seek employment as it might afford a reasonable basis for the suspicion that such pensioner had shown favours to such employer;
- (d) whether the duties of the Commercial employment proposed involve liaison or contact work with the Commission;
- (e) whether his commercial duties will be such that his previous official position or knowledge of experience under the Commission could be used to give the proposed employer an unfair advantage.
- (f) the emoluments offered by the proposed employer; and
- (g) any other relevant factor.

(4) Whether within a period of 60 days of the date of receipt of an application under Sub-regulation(3), the Commission does not refuse to grant permission applied for or does not communicate the refusal to the applicant, the Commission shall be deemed to have granted the permission applied for.

(5) Where the Commission grants the permission applied for subject to any conditions or refuses such permission, the applicant may, within 30 days of the receipt of the order of the Commission to that effect, make a representation against any such condition or refusal and the Commission may make such orders thereon as it deems fit;

Provided that no order other than an order cancelling such condition or granting such permission without any conditions shall be made under this sub-regulation without giving the pensioner making the representation an opportunity to show cause against the order proposed to be made.

(6) If any pensioner takes up any commercial employment at any time before the expiry of two years from the date of his retirement without the prior permission of the Commission, or commits a breach of any condition subject to which permission to take up any commercial employment has been granted to him under this regulation, it shall be competent for the Commission to declare by order in writing and for reasons to be recorded therein that



he shall not be entitled to the whole or such part of the pension and for such periods as may be specified in the order :

Provided that no such orders shall be made without giving the pensioner concerned an opportunity of showing cause against such declaration :

Provided further that in making any order under this sub-regulation, the Commission shall have regard to the following factors, namely :

- (i) the financial circumstances of the pensioner concerned;
- (ii) the nature of, and the emoluments from, the commercial employment taken up by the pensioner concerned; and
- (iii) any other relevant factor.

(7) Every order passed by the Commission under this regulation shall be communicated to the pensioner concerned.

(8) In this regulation—

(a) the expression "commercial employment" means :—

(i) an employment in any capacity including that of an agent or on honorarium under a Company, co-operative Society, a society registered under Registration of Society's Act, 1960 or any other law, for the time being in force in any state, firm or individual engaged in trading, commercial, industrial, financial, or professional business Khadi and Village Industries activities and includes also a Directorship of such company and partnership of such firm, but does not include employment under a body corporate wholly or substantially owned or controlled by the Central Government or a State Government.

Setting up practice either independently or as a partner of a firm, as adviser or consultant in matters in respect of which the pensioner,—

- (a) has no professional qualifications and the matters in respect of which the practice is to be set up or is carried on are related to his official knowledge or experience, or
- (b) has professional qualifications but the matter in respect of which such practice is to be set up are such as are likely to give his clients an unfair advantage by reason of his previous official position;

or

- (c) has to undertake work involving liaison or contact with the offices or officers of the Commission.

**EXPLANATION.**—For the purpose of this clause, the expression "employment under a Cooperative Society or a society registered under Societies Registration Act, 1960 or any other law for the time being in force in any state" includes holding of any office, whether elective or otherwise such as that of President, Chairman, Manager, Secretary, Treasurer and the like, by whatever name called in such society.

In the case of re-employed pensioners the date of retirement for the purpose of this regulation shall

be the date on which employees of the commission finally cease to be so re-employed in Commission's service.

**NOTE.**—Retired Group 'A' (i.e. Class-I) Officers to furnish half-yearly declaration about acceptance of commercial employment.—Retired Group 'A' (i.e. Class-I) Officers are required to furnish half-yearly a declaration in the prescribed form about acceptance/non-acceptance of commercial employment within two years from the date of their retirement and also about acceptance/non-acceptance of any employment under any Government outside India.

In cases where the commercial employment/employment under a Government outside India has been accepted within two years from the date of retirement without obtaining Commission's approval, the Chief Accounts Officer will seek Commission's orders before making further pension payments.

#### NON-EMPLOYMENT DECLARATION

I declare that I have/have not accepted commercial employment after obtaining/without obtaining sanction of the Commission.

I declare that I have/have not accepted any employment under any Government outside India after obtaining/without obtaining sanction of the Commission.

Place :

date :

Signature.....

Name of Pensioner.....

P.P.O. No.....

To be furnished by Commission's Group A (Class-I) Officers during first two years from the date of retirement.

10. Employment after retirement under a Government outside India.—If a pensioner, who immediately before his retirement was holding a group 'A' (Class-I) post under the Commission, wishes to accept any employment under any Government outside India, he shall obtain the previous permission of the Commission for such acceptance, and no pension shall be payable to a pensioner who accepts such an employment without proper permission in respect of any period for which he is so employed or such longer period as the Commission may direct :

Provided that an employee who was permitted by the Commission to take up a particular form of employment under any Government outside India during his leave preparatory to retirement shall not be required to obtain subsequent permission for his continuance in such employment after retirement.

**EXPLANATION.**—For the purpose of this regulation the expression "employment under any Government outside India" includes employment under a local authority or Corporation or any other institution or organisation which functions under the supervision or control of a Government outside India, or an employment under an International Organisation of which the Government of India is not a Member.

### CHAPTER—III QUALIFYING SERVICE

11. Commencement of qualifying service.—Subject to the provisions of these regulations, qualifying service of an employee shall commence from the date he takes charge of the post to which he is first appointed either substantively or in an officiating or temporary capacity :

Provided that officiating or temporary service is followed without interruption by confirmation against a permanent post under the Commission:

Provided further that the service rendered before attaining the age of eighteen years shall not count for the purpose of this regulation.

12. Conditions subject to which the service qualified.—(1) The service of an employee shall not qualify unless his duties and pay are regulated by the Commission, or under conditions determined by the Commission.

(2) For the purposes of sub-regulations (1), the expression "service" means service under the Commission and paid by the Commission from the funds of the Commission and shall also include previous continuous service of a Commission's employee in the All India Khadi & Village Industries Board and where the service under the said Board is followed without a break in service in the Commission but does not include service in a non-pensionable establishment under the Commission unless such service is treated as qualifying service by the Commission.

13. Counting of service on probation.—Service on probation against a post if followed by confirmation in the same or another post shall qualify.

14. Counting of service as apprentice.—Service as an apprentice shall not qualify.

15. Counting of service rendered under trading establishment or on contract.—(1) A person who is initially engaged by the Commission under a trading establishment or on contract for a specified period and is subsequently transferred or appointed permanently to the same or another post under the regular establishment without interruption of duty, in the interest of Commission's work, may opt either—

- (a) to retain the Commission's contribution in the Contributory Provident Fund with interest thereon including any other compensation or retirement benefits for that service; or
- (b) to agree to refund to the Commission the monetary benefits referred to in clause (a) or to forego the same if they have not been paid to him and count in lieu thereof the service for which the aforesaid monetary benefits may have been payable.

(2) The option under sub-regulation (1) shall be communicated to the head of office under intimation to the Director (Administration) within a period of 3 months from the date of issue of the order of permanent transfer or appointment to the regular establishment, or if the employee is on leave on that

date, within 3 months on his return from leave whichever is later.

(3) If no communication is received by the Head of Office within the period referred to in sub-regulation (2), the employee of the Commission shall be deemed to have opted to forego or refund the monetary benefits referred to in clause (a) of sub-regulation (1) and count in lieu thereof the service for which the aforesaid monetary benefits were paid or payable.

16. Counting of pre-retirement service under the Commission in the case of re-employed employee of the Commission.—(1) An employee of the Commission who, having retired on compensation pension or invalid pension or compensation gratuity or invalid gratuity, is re-employed and appointed substantively to a post under Commission to which these regulations apply may exercise option either—

- (a) to continue to draw the pension or retain the gratuity sanctioned for his earlier service, in which case his former service shall not count as qualifying service, or
- (b) to cease to draw his pension and refund
  - (i) the pension already drawn,
  - (ii) the value received for the commutation of a part of pension, and
  - (iii) the amount of death-cum-retirement gratuity including service gratuity if any, and count the previous service as qualifying service :

Provided that

- (i) the pension drawn prior to the date of re-employment under Commission shall not be required to be refunded,
- (ii) the element of pension which was ignored for fixation of his pay including the element of pension which was not taken into account for fixation of pay shall be refunded by him,
- (iii) the element of pension equivalent of gratuity including the element of commuted part of pension, if any, which was taken into account for fixation of his pay shall be set off against the amount of death-cum-retirement gratuity and the commuted value of pension and the balance, if any, shall be refunded by him.

EXPLANATION.—In this clause, the expression, which was taken into account means the amount of pension including the pension equivalent of gratuity by which pay of the employee of the Commission was reduced on initial re-employment, and the expression 'which was not taken into account' shall be construed accordingly.

- (2) (a) The authority issuing the order of substantive appointment to a post under Commission as referred to in sub-regulation (1) shall alongwith such order require in writing the employee of the Commission to exer-

cise the option under that sub-regulation within three months of the date of issue of such order, or if he is on leave on that day, within 3 months of his return from leave, whichever is later and also bring to his notice the provisions of clause (c).

- (b) If no option is exercised within the period referred to in clause (a), the employee of the Commission shall be deemed to have opted for clause (a) of sub-regulation (1).

(3) In the case of an employee of the Commission who opts for clause (a) of sub-regulation (1) the pension or gratuity admissible for his subsequent service is subject to the limitation, that service gratuity, or the capital value of the pension and death-cum-retirement gratuity, if any, shall not be greater than the difference between the value of the pension and the death-cum-retirement gratuity, if any, that would be admissible at the time of the employee's final retirement if the two periods of service were combined and the value of retirement benefits already granted to him for the previous service.

NOTE.—The capital value of pension shall be calculated in accordance with the table of commutation value applicable at the time of the second or final retirement and as determined in accordance with Regulation 86.

- (4) (a) An employee of the Commission who opts for clause (b) of sub-regulation (1) shall be required to refund the gratuity received in respect of his earlier service, in monthly instalments not exceeding thirty six in number, the first instalment beginning from the month following the month in which he exercised the option.

- (b) The right to count previous service as qualifying service shall not revive until the whole amount has been refunded.

(5) In the case of an employee of the Commission who, having elected to refund the gratuity, dies before the entire amount is refunded, the amount of unrefunded gratuity shall be adjusted against the death-cum-retirement gratuity which may become payable to his family.

17. Counting of military war service rendered before employment under the commission.—(1) A person who is re-employed in a post under the commission before attaining the age of superannuation and who, before such re-employment, had rendered military service after attaining the age of eighteen years, may on his confirmation in a post under the Commission, opt either—

- (a) to continue to draw the military pension or retain gratuity received on discharge from military service, in which case his former military service shall not count as qualifying services or
- (b) to cease to draw his pension and refund—
- (i) the pension already drawn and
  - (ii) the value received for the communication of a part of military pension and

- (iii) the amount of death-cum-retirement gratuity including service gratuity, if any;

and count previous military service as qualifying service, in which case the service so allowed to count shall be restricted to a service within or outside the employee's unit or department in India or elsewhere which is paid from the Consolidated Fund of India or for which pensionary contribution has been received by the Government :

Provided that

- (i) the pension drawn prior to the date of re-employment shall not be required to be refunded.
- (ii) the element of pension which was ignored for fixation of his pay including the element of pension which was not taken into account for fixation of pay on re-employment shall be refunded by him,
- (iii) the element of pension equivalent of gratuity including the element of commuted part of pension, if any, which was taken into account for fixation of pay shall be set off against the amount of death-cum-retirement gratuity and the commuted value of pension and the balance, if any, shall be refunded by him.

NOTE :

War service rendered by an employee appointed substantively to a post shall be treated as military service subject to the following conditions :—

- (a) In the case of service or post in respect of which a minimum age is fixed for recruitment, no war service rendered below that age shall count as qualifying service;
- (b) No contribution towards or share of pension earned as a result of counting war service rendered in a force of a Commonwealth country shall be claimed from the Government of that country; and
- (c) No refund of bonus or gratuity in respect of war service shall be demanded from the employee concerned.

EXPLANATION:

In this clause, the expression 'which was taken into account' means the amount of pension including the pension equivalent of gratuity by which the pay of the employee of the Commission was reduced on initial re-employment, and the expression which was not taken into account shall be construed accordingly.

- (2) (a) The authority issuing the order of substantive appointment to a post under the commission as is referred to in sub-regulation (1) shall alongwith such order require in writing the employee of the Commission to exercise the option under that sub-regulation within three months of date of issue of such order, if he is on leave on that day, within 3 months of his return from leave,



whichever is later and also bring to his notice to provisions of clause (b).

(b) If option is exercised within the period referred to in clause (a), the employee of the Commission shall be deemed to have opted for clause (a) of sub-regulation (1).

(3) (a) An employee of the Commission who opts for clause (b) of sub-regulation (1) shall be required to refund the pension, bonus or gratuity received in respect of his earlier military service, in monthly instalments not exceeding thirty six in number the first instalment beginning from the month following the month in which he exercised the option.

(b) The right to count previous service as qualifying service shall not revive until the whole amount has been refunded.

(4) In the case of an employee of the Commission who having elected to refund the pension, bonus or gratuity, dies before the entire amount is refunded, the unrefunded amount of pension or gratuity shall be adjusted against the death-cum-retirement gratuity which may become payable to his family.

(5) When an order is passed under this regulation allowing previous military service to count as part of the service qualifying for pension under these regulations, the order shall be deemed to include the condonation of interruption in service, if any, in the military service and between the military service and service under the Commission.

18. Counting of periods spent on leave.—All leave during service for which leave salary is payable and all extraordinary leave granted to medical certificates shall count for qualifying service :

Provided that in the case of extraordinary leave other than extraordinary leave granted on medical certificate the appointing authority may, at the time of granting such leave, allow the period of the leave to count as qualifying service if such leave is granted to an employee of the Commission :—

(i) due to his inability to join or re-join duty on account of Civil commotion; or

(ii) for prosecuting higher scientific and technical studies.

19. Counting of periods spent on training.—The Commission may, by order decide whether the time spent by an employee of the commission under training immediately before appointment to service under the Commission shall, count as qualifying service.

20. Counting of periods of suspension.—The period passed by an employee of the Commission under suspension pending enquiry in the conduct shall count as qualifying service where, on conclusion of such enquiry, he has been fully exonerated or the suspension is held to be wholly unjustified; in other cases, the period of suspension shall not count unless the authority competent to pass orders under the rules governing such cases expressly declare at the time that it shall count to such extent as the competent authority may declare.

NOTE : The competent authority should at the appropriate time declare whether and to what extent the period of suspension will count towards the qualifying service. Specific entries in this regard in the service book records will be taken note of at the time of reckoning qualifying service. In the absence of any specific entry, period of suspension shall be taken as counting towards the qualifying service.

21. Forfeiture of service on dismissal or removal.—Dismissal or removal of an employee of the Commission from service of the Commission entails forfeiture of his past service.

22. Counting of past service on re-instatement.—(1) An employee of the Commission who is dismissed, removed or compulsorily retired from service, but is reinstated on appeal or review, is entitled to count his past service as qualifying service.

(2) The period of interruption in service between the date of dismissal, removal or compulsory retirement, as the case may be, and the date of reinstatement and the period of suspension, if any, shall not count as qualifying service unless regularised as duty or leave by a specific order of the authority which passed the order of reinstatement.

23. Forfeiture of service on resignation.—(1) Resignation from a post, unless it is allowed to be withdrawn in the public interest by the appointing authority, entails forfeiture of past service.

(2) The appointing authority may permit a person to withdraw his resignation in the public interest on the following conditions, namely:—

(i) that the resignation was tendered by the employee for some compelling reasons which did not involve any reflection on his integrity efficiency or conduct and the request for withdrawal of the resignation has been made as a result of material change in the circumstances which originally compelled him to tender the resignation;

(ii) that during the period intervening between the date on which the resignation became effective and the date from which the request for withdrawal was made, the conduct of the person concerned was in no way improper;

(iii) that the period of absence from duty between the date on which the resignation became effective and the date on which the person is allowed to resume duty as a result of permission to withdraw the resignation is not more than 90 days;

(iv) that the post, which was vacated by the employee on the acceptance of his resignation or any other comparable post, is available;

(3) Request for withdrawal of resignation shall not be accepted by appointing authority where an employee resigns his service or post with a view to taking up an appointment in or under a private commercial company or in or under a Corporation of Company wholly or substantially owned or controlled by the Government in or under a body controlled or financed by the Government;

(4) When an order is passed by the appointing authority allowing a person to withdraw his resignation and to resume duty, the order shall be deemed to include the condonation of interruption in service but the period of interruption shall not count as qualifying service.

24. Effect of interruption in service.—(1) An interruption in service of an employee of the Commission entails forfeiture of his past service, except in the following cases :—

- (a) authorised leave of absence;
- (b) unauthorised absence in continuation of authorised leave or absence so long as the post of absence is not filled substantively;
- (c) suspension, where it is immediately followed by reinstatement, whether in the same or a different post, or whether the employee dies or is permitted to retire or is retired on attaining the age of compulsory retirement while under suspension ;
- (d) transfer to non-qualifying service in an establishment under the control of the Commission if such transfer has been ordered by a competent authority in the interest of the Commission;
- (e) joining time while on transfer from one post to another.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1) the appointing authority may, by order, commute retrospectively the periods of absence without leave as extraordinary leave.

25. Condonation of interruption in service.—(a) In the absence of a specific indication to the contrary in the service book, in interruption between two spells of service rendered by an employee under the Commission shall be treated as automatically condoned and re-interruption service treated as qualifying service.

(b) Nothing in clause (a) shall apply to interruption caused by resignation, dismissal or removal from service or for participation in a strike.

(c) The period of interruption referred to in clause (b) shall not count as qualifying service.

26. Addition to qualifying service when an employee of the Commission is declared surplus.—(1) An employee of the Commission other than an employee in Group 'D' (Class-IV) post, who, after having been declared surplus opts to retire voluntarily within two months of such declaration and is permitted to retire, shall be entitled to have five years added to the qualifying service rendered by him :

Provided that the qualifying service rendered is not less than fifteen years and the resultant length of qualifying service after taking into account the aforesaid addition is not more than the service the employee could have counted had he retired on the date of his superannuation.

(2) In respect of an employee in Group 'D' Class-V post, the provisions of sub-regulation (1) shall apply if he opts for voluntary retirement within a period of two months after having been declared surplus by the Commission.

27. Addition to qualifying service in special circumstances.—(1) An employee who is recruited at the age of 35 years or more may, within a period of 3 months from the date of his appointment elect to forego his right to pension whereupon he shall be eligible to opt for the benefits under the Khadi and Village Industries Commission (Contributory Provident Fund) Regulations, 1958 and the Khadi and Village Industries Commission Employees (Gratuity), Regulations, 1975.

(2) The option referred to in sub-regulation (1) once exercised shall be final.

28. Period of deputation to United Nations and other organisations.—An employee deputed on foreign service for a period of 5 years or more to the United Nations Secretariat or other United Nations bodies, the International Monetary Fund, the International Bank of Reconstruction and Development or Asian Development Bank or Commonwealth Secretariat, may at his option :

- (a) Pay the pension contributions in respect of his foreign service and count such service as qualifying for pension under these regulations; or
- (b) avail of the retirement benefits admissible under the rules of the aforesaid Organisation and not count such service as qualifying for pension under these regulations.

Provided that where an employee opts for clause (b), the pension contributions, if any, paid by the employee shall be refunded to him.

29. Verification of qualifying service after 25 years service, or 5 years before retirement.—(1) On an employee of the Commission completing 25 years of service or on his being left with 5 years service before the date of retirement, whichever is earlier, the Head of Office, shall in accordance with the rules for the time being in force, verify the service rendered by such an employee, determine the qualifying service and communicate to him in Form 18 the period of qualifying service so determined.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1) where an employee is transferred to another department, or on account of closure of the department he had been previously serving or because the post he held had been declared surplus, the verification of service may be done whenever such event occurs.

(3) The verification done under sub-regulation (1) and (2) shall be treated as final and shall not be reopened except when necessitated by a subsequent change in the regulations and orders governing the conditions under which the service qualifies for pension.

## CHAPTER-IV

### EMOLUMENTS AND AVERAGE EMOLUMENTS

30. Emoluments.—(1) the expression "emoluments" means pay as defined in rule 9(21) of the Fundamental Rules (including dearness pay as determined by the order of the Government issued from time to time) of the Government which an employee of the Commission was receiving immediately before his retirement or on the date of his death.



NOTE. (1) If an employee immediately before his retirement or death while in service had been absent from duty on leave for which leave salary is payable or having been suspended had been reinstated without forfeiture of service, the emoluments which he would have drawn had he not been absent from duty or suspended shall be the emoluments for the purpose of this regulation:

Provided that any increase in pay (other than the increment referred to in note-4 below) which is not actually drawn shall not form part of his emoluments.

(2) Where an employee immediately before his retirement or death while in service had proceeded on leave for which leave salary is payable after having held a higher appointment whether in an officiating or temporary capacity, the benefit of emoluments drawn in such a higher appointment shall be given only if it is certified that the employee of the Commission would have continued to hold the higher appointment but for his proceeding on leave.

(3) If an employee immediately before his retirement or death while in service had been absent from duty on extra ordinary leave or had been under suspension, the period whereof does not count as service, the emoluments which he drew immediately before proceeding on such leave or being placed under suspension shall be the emoluments for the purposes of this regulations.

(4) If an employee immediately before his retirement or death while in service, was on earned leave and earned an increment which was not withheld, such increment, though not actually drawn, shall form part of his emoluments :

Provided that the increment was earned during the currency of the earned leave not exceeding 120 days or during the first 120 days of earned leave where such leave was for more than 120 days.

(5) Pay drawn by an employee while on deputation to the Armed Force of India shall be treated as emoluments.

(6) Pay drawn by an employee while on foreign service shall not be treated as emoluments, but the pay which he would have drawn under the Commission had he not been on foreign service shall alone be treated as emoluments.

#### Clarification :

Death-cum-retirement gratuity is calculated on the emoluments last drawn by an employee of the Commission before retirement and not on the basis of average emoluments. Thus where Death-cum-Retirement Gratuity is calculated after taking into account the element of dearness allowance, the full benefit of dearness pay should be allowed in the calculation of Death-cum-Retirement Gratuity.

31. Average emoluments.—Average emoluments shall be determined with reference to the emoluments drawn by an employee of the Commission during the last ten months of his service.

NOTE : (1) If during the last ten months of his service, the employee of the Commission had been absent from duty on leave for which leave salary payable or having been suspended had been reinstated without forfeiture of service, the emoluments which he would have drawn had he not been absent from duty or suspended shall be taken into account for determining the average emoluments :

Provided that any increase in pay [other than the increment referred to in Note (3) below] which is not actually drawn shall not form part of his emoluments.

(2) If, during the last ten months of his service an employee of the Commission had been absent from duty on extraordinary leave, or had been under suspension the period whereof does not count as service, the aforesaid period of leave or suspension shall be disregarded in the calculation of the average emoluments and equal period before the ten months shall be included.

(3) In the case of an employee of the Commission who was on earned leave during last ten months of his service and earned an increment which was not withheld, such increment though not actually drawn shall be included in the average emoluments :

Provided that the increment was earned during the currency of the earned leave not exceeding 120 days or during the first 120 days of earned leave where such leave was for more than 120 days.

## CHAPTER-V

### CLASSES OF PENSIONS AND CONDITIONS GOVERNING THEIR GRANT

32. Superannuation pension.—A superannuation pension shall be granted to an employee of the Commission who is retired on his attaining the age of compulsory retirement.

NOTE : Every employee of the Commission shall retire from service with effect from the afternoon of the last day of the month in which his date of retirement falls according to the clauses (a) and (b) of sub-regulation (3) of Regulation 5 of the Khadi and Village Industries Commission's Regulations-1947 without prejudice to clause (d) of the said Regulation.

33. Retiring pension.—A retiring pension shall be granted—(a) to an employee of the Commission who retires, or is retired, in advance of the age of compulsory retirement, in accordance with the provisions of regulation 40 or 41 of these regulations or clause (c) of sub-regulation (3) of Regulation 5 of the Khadi and Village Industries Commission Regulations 1947 and

(b) to an employee of the Commission who, being declared surplus, opts for voluntary retirement in accordance with the provisions of regulation 26 of these regulations.

NOTE : The orders regarding retirement on the last day of the month shall not apply to the cases of premature retirement.

34. Pension on absorption in or under Government or in or under a Corporation. Company or body.—An employee of the Commission who has been permitted to be absorbed in a service or post in or under Government or in or under a Corporation or Company wholly or substantially owned or controlled by the Government or in or under a body controlled or financed by the Government shall, if such absorption is declared by the Commission to be in the public interest be deemed to have retired from service from the date of such absorption and shall be eligible to receive retirement benefits which he may have elected or deemed to have elected, and from such date as may be determined in accordance with the orders of the Government applicable to corresponding categories of Government servants :

Provided that no declaration regarding absorption in the public interest in a service or post in or under Government or in or under such Corporation, Company or body shall be required in respect of an employee of the commissions whom the Commission may, by order, declare to be a scientific employee.

35. Payment of lump sum amount to an employee of the Commission on absorption in or under Govt. or in or under a Corporation, Company or body.—(1) Where an employee of the Commission referred to in Regulation 34 elects the alternative of receiving the death-cum-retirement gratuity and a lump sum amount in lieu of pension, he shall, in addition to the death-cum-retirement gratuity be granted :

(a) on an application made in this behalf, a lump sum amount not exceeding the commuted value of one third of his pension as may be admissible to him in accordance with the provisions of chapters XI to XIII of these regulations; and

(b) terminal benefits equal to the commuted value of the balance amount of pension to be worked out with reference to the commutation tables obtaining on the date from which the commuted value becomes payable subject to the condition that the employee of the Commission surrenders his rights of drawing two third of his pension.

36. Invalid pension—(1) Invalid pension may be granted if an employee of the Commission retires from the service on account of any bodily or mental infirmity which permanently incapacitates him for service.

(2) An employee of the Commission applying for invalid pension shall submit a medical certificate of incapacity from the medical authority nominated to the Commission for the purpose in form 17.

(3) Where the Medical Authority referred to in sub-regulation (2) has declared an employee of the Commission fit for further service of less laborious character than that which he had been doing, he should, provided he is willing to be so employed, be employed on a lower post and if there be no means of employing him even on a lower post, he may be admitted to invalid pension.

37. Compensation pension—(1) If an employee of the Commission is selected for discharge owing to the

abolition of his permanent post, he shall, unless he is appointed to another post the conditions of which are deemed by the authority competent to discharge him to be at least equal to those of his own, have the options :—

(a) of taking compensation pension to which he may be entitled for the service he had rendered, or

(b) of accepting another appointment on such pay as may be offered and continuing to count his previous service for pension.

(2) (a) Notice of at least 3 months shall be given to an employee in permanent employment before his services are dispensed with on the abolition of his permanent post.

(b) Where notice of at least 3 months is not given and the employee has not been provided with other employment on the date on which his services are dispensed with, the authority competent to dispense with his services may sanction the payment of a sum not exceeding the pay and allowances for the period by which the notice actually given to him falls short of 3 months.

(c) No compensation pension shall be payable for the period in respect of which he receives pay and allowances in lieu of notice.

(3) In case an employee of the Commission is granted pay and allowances for the period by which the notice given to him falls short of 3 months and he is re-employed before the expiry of the period for which he has received pay and allowances, he shall refund the pay and allowances so received for the period following his re-employment.

(4) If an employee of the Commission who is entitled to compensation pension accepts instead another appointment under the Commission and subsequently becomes entitled to receive pension of any class, the amount of such pension shall not be less than the compensation pension which he could have claimed if he had not accepted the appointment.

38. Compulsory retirement pension—An employee of the Commission compulsorily retired from the service as a penalty may be granted, by the authority competent to impose such penalty, pension or gratuity or both at a rate not less than two-third and not more than full compensation pension or gratuity or both admissible to him on the date of his compulsory retirement.

(2) Whenever in the case of an employee of the Commission, an order is passed, by an authority other than the Commission itself (whether original, appellate or in exercise of power of review), awarding a pension less than the full compensation pension admissible under these regulations, the Chairman shall be consulted before such order is passed.

Explanation: In this sub-regulation, expression 'pension' includes gratuity.

(3) A pension granted or awarded under sub-regulation (1) or, as the case may be under sub-regulation (2), shall not be less than the amount of Rupees sixty per mensem.

**Explanation:** This form of penalty has been introduced to provide for cases in which the continuance of an employee of the Commission in service is considered to be undesirable but the extreme penalties of removal or dismissal, with consequent loss of pension, is considered to be too severe.

The persons on whom the penalty of compulsory retirement is imposed should ordinarily be granted the full compensation pension and death-cum retirement gratuity admissible on the date of compulsory retirement. Where, however, the circumstances of a particular case so warrant, the authority competent to impose the penalty of compulsory retirement may make such deductions in the pensionary benefits, within the limits prescribed, as it may think appropriate.

39. Compassionate allowance:—(1) An employee of the Commission who is dismissed or removed from service shall forfeit his pension and gratuity :

Provided that the authority competent to dismiss or remove from service may, if the case is deserving of special consideration, sanction a compassionate allowance not exceeding two third of pension or gratuity or both which would have been admissible to him if he had retired on compensation pension.

(2) A compassionate allowance sanctioned under proviso to sub-regulation (1) shall not be less than the amount of rupees sixty per mensem.

**Explanation :** (1)—Compassionate allowance is one of the various kinds of pension and as such is commutable in accordance with provisions contained in Chapters XI to XIII of these Regulations.

(2) The reliefs in pension would be admissible to a retired employee of the Commission who is in receipt of compassionate allowance.

## CHAPTER—VI

### REGULATION OF AMOUNTS OF PENSIONS

40. Retirement on completion of 30 years qualifying service.—(1) At any time after an employee of the Commission has completed 30 years of qualifying service :—

- (a) he may retire from service, or
- (b) he may be required by the Commission to retire in the public interest,

and in case of such retirement, the employee shall be entitled to a retiring pension :

Provided that :—

- (a) An employee of the Commission shall give a notice in writing to the appointing authority at least 3 months before the date on which he wishes to retire; and
- (b) The Commission may also give a notice in writing to an employee of the Commission at least 3 months before the date on which he is required to retire in the public interest or 3 months pay and allowances in lieu of such notice :

Provided further that where an employee of the Commission giving notice under clause (a) of the preceding proviso is under suspension, it shall be

open to the appointing authority to withhold permission to such an employee retiring under this regulation.

(2) (a) An employee of the Commission referred to in clause (a) of the first proviso the sub-regulation (1) may make a request in writing to the appointing authority to accept notice of less than 3 months giving reasons therefor.

(b) On receipt of a request under clause (a), the appointing authority may consider such request for the curtailment of the period of notice of 3 months and if it is satisfied that the curtailment of the period of notice will not cause any administrative inconvenience, the Commission may relax the requirement of notice of 3 months on the condition that the employee of the Commission shall not apply for commutation of a part of his pension before the expiry of the period of notice of 3 months.

(3) An employee of the Commission who has elected to retire under these regulations and has given the necessary intimation to that effect to the Commission, shall be precluded from withdrawing his election subsequently except with the specific approval of the Commission :

Provided that the request for withdrawal shall be made within the intended date of his retirement.

41. Retirement on completion of 20 years qualifying service.—(1) At any time after an employee of the Commission has completed 20 years qualifying service, he may, by giving notice of not less than 3 months in writing to the Commission, retire from service;

(2) the notice of voluntary retirement given under sub-regulation (1) shall require acceptance by the Commission :

Provided that where Commission does not refuse to grant permission for retirement before the expiry of the period specified in the said notice the retirement shall become effective from the date of expiry of the said period.

(3) (a) An employee of the Commission referred to in sub-regulation (1), may make a request in writing to the Commission to accept notice of voluntary retirement of less than 3 months giving reasons herefore.

(b) On receipt of a request under clause (a), the Commission subject to the provisions of sub-regulation (2), may consider such request for the curtailment of the period of notice of 3 months on merits and if it is satisfied that the curtailment of period of notice will not cause any administrative inconvenience, the Commission may relax the requirement of notice of 3 months on the condition that the employee of the Commission shall not apply for commutation of part of his pension before the expiry period of notice of three months.

(4) An employee of the Commission who has elected to retire under this regulation and has given necessary notice to that effect to the Commission shall be precluded from withdrawing his notice except with the specific approval of the Commission :

Provided that the request for withdrawal shall be made before the intended date of his retirement.



(5) The pension and death-cum-retirement gratuity of an employee of the Commission retiring under this regulation shall be based on the emoluments as defined under Regulation 30 and 31 and the increase not exceeding five years in his qualifying service shall not entitle him to any notional fixation of pay for purposes of calculating pension and gratuity.

(6) This regulation shall not apply to an employee of the Commission who retires under Regulation 26.

Note : (i) If an employee retires under the scheme of voluntary retirement under this regulation while he is on leave not due, without returning to duty, the retirement shall take effect from the date of commencement of the leave not due and the leave salary paid in respect of such leave not due shall be recovered in accordance with rule 3 of the Khadi and Village Industries Commission (Leave) Rules, 1977.

(ii) Before an employee of the Commission gives notice of voluntary retirement under this regulation, he would satisfy himself by means of a reference to the appropriate administrative authority that he has, in fact completed 20 years service qualifying for pension.

(iii) A notice of voluntary retirement given after completion of twenty years qualifying service will require acceptance by the Commission, if the date of retirement on expiry of the notice would be earlier than the date on which the employee concerned could have retired voluntarily under Regulation 40 of these regulations or under clause (d) of sub-regulation (3) of Regulation 5 of the Khadi and Village Industries Commission Regulations, 1958. Such acceptance may be generally given in all cases except those (a) in which the disciplinary proceedings are pending or contemplated against the employee of the Commission concerned for the imposition of a major penalty and the disciplinary authority, having regard to the circumstances of the case, is of the view that the imposition of the penalty of removal or dismissal from service would be warranted in the case, or (b) in which prosecution is contemplated or may have been launched in a court of Law against the employee of the Commission concerned. The notice of voluntary retirement even in such cases, may be accepted by the Commission, if circumstance of the case so justify. Even where the notice of voluntary retirement given by the employee of the Commission requires acceptance by the commission, the employee of the Commission giving notice may presume acceptance and the retirement shall be effective in terms of the notice, unless the competent authority issues an order to the contrary before the expiry of the period of notice.

(iv) The pension will be subject to the provisions of Regulations 7 and 8 of these regulations.

(v) The scheme of voluntary retirement under this regulation will not apply to those who retire voluntarily under the provisions of Regulation 26

(vi) An employee of the Commission giving notice of voluntary retirement may also apply, before the expiry of the notice, for the leave standing to his credit which may be granted to him to run concurrently with the period of notice. The period of leave if any, extending beyond the date of retirement on

expiry of notice, but not extending beyond the date on which the employee of the Commission should have retired on attaining the age of superannuation, may be allowed as terminal leave as provided under the Khadi and Village Industries Commission (Leave) Rules, 1977.

42. Addition to qualifying service on voluntary retirement.—(1) The qualifying service as on the date of intended retirement of the Commission retiring under Regulation 40 (1) (a) or Regulation 41 or item (iii) of clause (d) of sub-regulation (3) of Regulation 5 of the Khadi and Village Industries Commission Regulation, 1958 with or without permission shall be increased by the period not exceeding five years, subject to the condition that the total qualifying service rendered by the employees of the Commission does not in any case exceed thirty three years and it does not take him beyond the date of superannuation.

(2) The weightage of five years under sub-regulation (1) shall not be admissible in case of these employees of the Commission who are prematurely retired by the Commission in the public interest under regulation 40(1)(b) or clause (d) of sub-regulation (3) of Regulation 5 of the Khadi and Village Industries Commission Regulation, 1958.

43. Amount of pension.—(1) In the case of an employee of the Commission retiring in accordance with the provisions of these regulations before completing qualifying service of 10 years, the amount of service gratuity shall be the appropriate amount as set out below, namely :

Completed six monthly periods of qualifying service	Scale of service gratuity
(1)	(2)
1	1/2 Month's Emoluments
2	1 " "
3	1-1/2 " "
4	2 " "
5	2-1/2 " "
6	3 " "
7	3-1/2 " "
8	4 " "
9	4-3/8 " "
10	4-3/4 " "
11	5-1/8 " "
12	5-1/2 " "
13	5-7/8 " "
14	6-1/4 " "
15	6-5/8 " "
16	7 " "
17	7-3/8 " "
18	7-3/4 " "
19	8-1/8 " "

(2) (a) In the case of an employee of the Commission retiring in accordance with the provisions of these regulations after completing qualifying service

of not less than thirty three years the amount of pension shall be determined as follows, namely :—

Average emoluments	Amount of monthly pension
(i) Upto first Rs. 1,000	50% of average emoluments.
(ii) Next Rs. 500/-	45% of average emoluments.
(iii) Balance	40% of average emoluments subject to a maximum of Rs. 1,500 per mensem including relief on pension payable upto index level 328;

(b) In the case of an employee of the Commission retiring in accordance with the provisions of these regulations before completing qualifying service of 33 years, but after completing qualifying service of 10 years, the amount of pension shall be proportionate to the amount of pension admissible under clause (a) and in no case the amount of pension shall be less than rupees sixty per mensem;

(c) Notwithstanding anything contained in clause (a) and clause (b), the amount of invalid pension shall not be less than the amount of family pension admissible under sub-regulation (1) of Regulation 49.

(3) In calculating the length of qualifying service, fraction of a year equal to three months and above shall be treated as a completed one half year and reckoned as qualifying service.

(4) The amount of pension finally determined under clause (a) or clause (b) of sub-regulation (2), shall be expressed in whole rupees and where the pension contains a fraction of a rupee it shall be rounded off to the next higher rupee.

Explanation :—(1) Where the amount of invalid pension calculated with reference to the qualifying years of service and the average emoluments is less than the family pension determined under sub-regulation (1) of Regulation 49, the invalid pension should be enhanced to the level of family pension as illustrated below :—

(i) Amount of family pension determined under sub-regulation (1) of Regulation 49 with reference to the emoluments drawn by an employee retired on invalid pension.	} Rs. 160/- p.m.
(ii) Amount of original invalid pension i.e. determined with reference to the qualifying year of service and the average emoluments.	
(iii) Extra pension allowed to bring the amount of invalid pension at (ii) above to the level of family pension shown at (i) above (i.e. the amount at (i) above minus the amount at (ii) above).	} Rs. 70/- p.m.
(iv) Total of the amount shown at (ii) and (iii) above which will become payable on retirement on invalid pension.	

For the purpose of commutation of pension, the amount of original invalid pension shown at (ii) above will only be taken into account. However, the adhoc relief and the graded relief on pension will be determined on the basis of the amount shown at (iv) above.

44. Death-cum-retirement gratuity.—(1) (a) An employee of the Commission who has completed 5 years qualifying service and has become eligible for service gratuity or pension under Regulation 43 shall, on his retirement, be granted death-cum-retirement gratuity equal to one-fourth of his emoluments for each completed 6 monthly period of qualifying service, subject to a maximum of 16½ times the emoluments.

(b) If an employee of the Commission dies while in service after completing five years qualifying service, the amount of death-cum-retirement gratuity shall be equal to 12 times of his emoluments or the amount determined under clause (a), whichever is higher and it shall be paid to his family in the manner indicated in sub-regulation (1) of Regulation 45 :

Provided that the amount of death-cum-retirement gratuity payable under this regulation shall, in no case, exceed thirty six thousand rupees.

(2) If an employee of the Commission who has become eligible for a service gratuity or pension, dies within five years from the date of his retirement from service, including compulsory retirement as a penalty and the sums actually received by him at the time of his death on account of such gratuity or pension including adhoc increase, if any, together with the death-cum-retirement gratuity admissible under sub-regulation (1) and the commuted value of any portion of pension commuted by him are less than the amount equal to 12 times of his emoluments, a residuary gratuity equal to the deficiency may be granted to his family in the manner indicated in sub-regulation (1) of Regulation 45.

(3). (a) If an employee of the Commission dies in the first year of qualifying service, a death-cum-retirement gratuity equal to 2 times of his emoluments at the time of his death shall be paid to his family in the manner indicated in sub-regulation (1) of regulation 45.

(b) If an employee of the Commission dies after completion of one year of qualifying service, but before completing 5 years of qualifying service, the amount of death-cum-retirement gratuity shall be equal to 6 times of his emoluments.

(4) The emoluments for the purpose of gratuity admissible under this regulation shall be subject to a maximum of two thousand five hundred rupees per mensem, and shall be reckoned in accordance with Regulation 30.

Provided that if the emoluments of an employee of the Commission have been reduced during last ten months of his service otherwise than as a penalty, average emoluments as referred to in Regulation 31 shall be treated as emoluments.

(5) For the purposes of this regulation and Regulations 45, 47 and 48 'family' in relation to an employee of the Commission means :—

- (i) Wife or wives including judicially separated wife or wives, in the case of a male employee;
- (ii) Husband including judicially separated husband, in the case of a female employee.



- (iii) Sons including stepsons and adopted sons,
- (iv) Unmarried daughters including step daughters and adopted daughters,
- (v) Widowed daughters including step daughters and adopted daughters,
- (vi) father } Including adoptive parents in the
- (vii) mother } case of individual whose personal law permits adoption,
- (viii) brothers below the age of eighteen years including step brothers.
- (ix) Unmarried sisters and widowed sisters including step sisters;
- (x) married daughters, and
- (xi) children of predeceased son.

Explanation : (1) These regulations do not prohibit the grant of family pension/death-cum-retirement gratuity to the family of an employee of the Commission who commits suicide.

(2) Determination of Death-cum-retirement gratuity when service records are incomplete :—

- (i) If the deceased employee had, at the time of death, rendered more than five years qualifying service but less than 24 years qualifying service, and the spell of last five years service has been verified and accepted by the Head of Officer, the amount of death-cum-retirement gratuity shall be equal to 12 times of deceased employee's emoluments as indicated in clause (b) of sub-regulation (1) of this Regulation. Where the verified and accepted service is less than five years of qualifying service, the amount of death-cum-retirement gratuity shall be equal to twice or six times of his emoluments as indicated in clauses (a) and (b) of sub-regulation (3) of this Regulation.
- (ii) If the deceased employee of the Commission rendered more than 24 years of service and the entire service is not capable of being verified and accepted, but the service for the last 5 years has been verified and accepted under sub-clause (i), the family of the deceased employee of the Commission shall be allowed on provisional basis, the death-cum-retirement gratuity equal to 12 times of the emoluments. Final amount of the gratuity shall be determined on the basis of the entire spell of service which may be verified and accepted by the head of office within a period of 6 months from the date on which the authority for the payment of provisional gratuity was issued. The balance, if any, becoming payable as a result of determination of final amount of death-cum-retirement gratuity shall then be authorised to the beneficiary or beneficiaries.

45. Persons to whom gratuity is payable.—(1) (a) The gratuity payable under Regulation 44 shall be paid to the person or persons on whom the right to

receive the gratuity is conferred by means of a nomination under Regulation 48.

(b) If there is no such nomination or if the nomination made does not subsist, the gratuity shall be paid in the manner indicated below :—

- (i) if there are one or more surviving members of the family as in clauses (i), (ii), (iii) and (iv) of sub-regulation (5) of Regulation 44, to all such members in equal shares;
- (ii) if there are no such surviving members of the family as in clause (i) above, but there are one or more members as in clauses (v), (vi), (vii), (viii), (ix) and (xi) of sub-regulation (5) of Regulation 44 to all such members in equal shares :

(2) If an employee dies after retirement without receiving the gratuity admissible under sub-regulation (1) of Regulation 44, the gratuity shall be disbursed to the family in the manner indicated under sub-regulation (1).

(3) The right of a female member of the family, or that of a brother, of an employee who dies while in service, or after retirement, to receive the share of gratuity shall not be affected if the female member marries or re-marries, or the brother attains the age of 18 years, after the death of the employee of the Commission and before receiving her or his share of the gratuity.

(4) Where gratuity is granted under Regulation 44 to a minor member of the family of the deceased employee of the Commission, it shall be payable to the guardian on behalf of the minor.

46. Debarring a person from receiving gratuity.—

(1) If a person, who in the event of death of an employee of the Commission while in service is eligible to receive gratuity in terms of Regulation 45, is charged with the offence of murdering the employee of the Commission or for abetting in the commission of such an offence, his claim to receive his share of gratuity shall remain suspended till the conclusion of the criminal proceedings instituted against him.

(2) If on the conclusion of the criminal proceedings referred to in sub-regulation (1), the person concerned—

- (a) is convicted for the murder or abetting in the murder of the employee he shall be debarred from receiving his share of gratuity which shall be payable to other eligible members of the family, if any,
- (b) is acquitted of the charge of murdering or abetting in the murder of the employee, his share of gratuity shall be payable to him.

(3) The provisions of sub-regulation (1) and sub-regulation (2) shall also apply to the undisbursed gratuity referred to in sub-regulation (2) of Regulation 45.

47. Lapse of death-cum-retirement gratuity.—Where an employee dies while in service or after retirement without receiving the amount of gratuity and leaves behind no family and

- (a) has made no nomination or

(b) The nomination made by him does not subsist, the amount of death-cum-retirement gratuity payable in respect of such employee under Regulation 44 shall lapse to the Commission.

48. Nominations.—(1) An employee of the Commission shall on satisfactory completion of trial or probationary period, as the case may be, make nomination in Form 1 or 2 as may be appropriate in the circumstances of the case, conferring on one or more persons the right to receive the death-cum-retirement gratuity payable under Regulation 44.

Provided that if at the time of making the nomination—

- (1) the employee has a family, the nomination shall not be in favour of any person or persons other than the members of his family; or
- (ii) the employee has no family the nomination may be made in favour of a person or persons or a body of individuals, whether incorporated or not.

(2) If the employee nominates more than one person under sub-regulation (1), he shall specify in the nomination the amount of share payable to each of the nominees in such manner as to cover the entire amount of gratuity.

(3) The employee may provide in the nomination—

- (i) That in respect of any specified nominee who pre-deceases the employee of the Commission or who dies after the death of the Commission's employee but before receiving the payment of gratuity, the right conferred on that nominee shall pass to such other person as may be specified in the nomination :

Provided that if at the time of making the nomination the employee has a family consisting of more than one member, the person specified shall not be a person other than a member of his family :

Provided further that where an employee has only one member in his family, and a nomination has been made in his favour, it is open to the employee to nominate alternative nominee or nominees in favour of any person or a body of individuals, whether incorporated or not;

- (ii) that the nominations shall become invalid in the event of the happening of the contingency provided therein.

(4) The nomination made by an employee who has no family at the time of making it, or the nomination made by an employee under second proviso to clause (i) of sub-regulation (3) where he has only one member in his family, shall become invalid in the event of the Commission's employee subsequently acquiring a family, or an additional member in the family, as the case may be.

(5) The employee may, at any time, cancel a nomination by sending a notice in writing to the Head of Office :

Provided that he shall, alongwith such notice, send a fresh nomination made in accordance with this regulation.

(6) Immediately on the death of a nominee in respect of whom no special provision has been made in the nomination under clause (i) or sub-regulation (3) or on the occurrence of any event by reason of which the nomination becomes invalid in pursuance of clause (ii) of that sub-regulation, the employee shall send to the Head of Office a notice in writing cancelling the nomination together with a fresh nomination made in accordance with this regulation.

(7) (a) Every nomination made (including every notice of cancellation, if any, given by) an employee, under this regulation, shall be sent to the Head of Office.

(b) The Head of Office shall, immediately on receipt of such nomination countersign it indicating the date of receipt and keep it under his custody.

(c) Suitable entry regarding receipt of nomination shall be made in the service book of the employee concerned.

(8) Every nomination made, and every notice of cancellation given, by an employee shall, to the extent that it is valid, take effect from the date on which it is received by the Head of Office.

49. Family pension.—(1) Where an employee of the Commission dies—

(a) after completion of one year of continuous service if the deceased employee concerned immediately prior to his appointment to the post was examined by the appropriate medical authority and declared fit by that authority for service under the Commission; or

(b) after retirement from service and was on the date of death in receipt of a pension or compassionate allowance, referred to in Chapter-V other than the pension referred to in Regulation 34.

The family of the deceased shall be entitled to family pension, the amount of which shall be determined in accordance with the table below:

Pay of the employee	Amount of monthly family pension
(i) Below Rs. 400.	30% of pay subject to a minimum of Rs. 60/- and a maximum of Rs. 100/-
(ii) Rs. 400 and above but below Rs. 1200.	15% of pay subject to a minimum of Rs. 100/- and maximum of Rs. 160.
(iii) Rs. 1200 and above	12% of pay subject to a minimum of Rs. 160/- and maximum of Rs. 250/-.

Explanation : The expression continuous one year of service wherever it occurs in this regulation shall be construed to include "less than one year of continuous 'service'" as defined in clause (b).

(2) The amount of family pension shall be fixed at monthly rates and be expressed in whole rupees and where the family pension contains a fraction of a rupee, it shall be rounded off to next higher rupee:

Provided that in no case a family pension in excess of the maximum prescribed under this regulation shall be allowed.

(3)(a)(i) Where an employee, who dies while in service after having rendered not less than seven years continuous service, the rate of family pension payable to the family shall be equal to 50 per cent of the pay last drawn or twice the family pension admissible under sub-regulation (1), whichever is less, and the amount so admissible shall be payable from the date following the date of death of employee for a period of seven years, or for a period upto the date on which the deceased employee would have attained the age of 65 years had he survived whichever is less.

(ii) In the event of death of an employee after retirement, the family pension as determined under sub-clause (i) shall be payable for a period of seven years, or for a period upto the date on which the retired deceased employee would have attained the age of sixty five years had he survived, whichever is less;

Provided that in no case the amount of family pension determined under sub-regulation (ii) of this clause shall exceed the pension authorised on retirement from the Commission service :

Provided further that where the amount of pension authorised on retirement is less than the amount of family pension admissible under sub-regulation (1), the amount of family pension determined under this clause shall be limited to the amount of family pension admissible under sub-regulation (1).

Explanation : For the purpose of this sub-clause pension authorised on retirement includes the part of the pension which the retired employee may have commuted before death.

(b) After the expiry of the period referred to in clause (a), the family, in receipt of family pension under that clause shall be entitled to family pension at the rate admissible under sub-regulation (1)

(4) The period for which the family pension is payable shall be as follows :—

(i) In case of a widow or widower, upto the date of death or remarriage, whichever is earlier ;

(ii) in the case of a son, until he attains the age of 21 years; and

(iii) in the case of an unmarried daughter, until she attains the age of 24 years or until she gets married, whichever is earlier :

Provided that if the son or daughter of an employee of the Commission is suffering from any disorder or disability of mind or is physically crippled or disabled so as to render him or her unable to earn a living even after attaining the age of 21 years in the case of the son and 24 years in the case of the daughter the family pension shall be payable to such son or daughter for life subject to the following conditions, namely :—

(i) if such son or daughter is one among two or more children of the employee, the family pension shall be initially payable to the minor children in the order set out in clause (iii) of sub-regulation (6) of this regulation until the minor child attains the age of 21 or 24 or as the case may be, and thereafter the family pension shall be resumed in favour of the son or daughter suffering from disorder or disability of mind or who is physically crippled or disabled and shall be payable to him/her for life;

(ii) if there are more than one such son or daughter suffering from disorder or disability of mind or who are physically crippled or disabled, the family pension shall be paid in the following order, namely :—

(a) firstly to the son, and if there are more than one son, the younger of them will get the family pension only after the life time of the elder ;

(b) secondly, to the daughter, and if there are more than one daughter, the younger of them will get the family pension only after the life time of the elder ;

(iii) the family pension shall be paid to such son or daughter through the guardian as if he or she were a minor;

(iv) before allowing the family pension for life to such son or daughter, the Commission shall satisfy that the handicap is of such a nature so as to prevent him or her from earning his or her livelihood and the same shall be evidenced by a certificate obtained from a nominated medical authority setting out the exact mental or physical condition of the child ;

(v) the person receiving the family pension as guardian of such son or daughter shall produce every three years a certificate from a nominated medical authority to the effect that he or she continues to suffer from disorder or disability of mind or continue to be physically crippled or disabled.

Explanations :—

(a) Only that disability which manifests itself before the retirement or death of the employee while in service shall be taken into



account for the purpose of grant of family pension under this sub-regulation.

- b) A daughter shall become ineligible for family pension under this sub-regulation from the date she gets married.
- (c) The family pension payable to such a son or daughter shall be stopped if he or she starts earning his/her livelihood.
- (d) In such cases, it shall be the duty of the guardian to furnish a certificate to the Chief Accounts Officer every month, that (i) he or she has not started earning his/her livelihood (ii) in case of daughter, that she has not yet married.
- (5) (a)(i) Where the family pension is payable to more widows than one, the family pension shall be paid to the widows in equal shares.
- (ii) On the death of a widow, her share of the family pension shall become payable to her eligible child.

Provided that if the widow is not survived by any child, her share of the family pension shall cease to be payable.

- (b) Where the deceased employee or pensioner is survived by a widow but has left behind eligible child or children from another wife who is not alive, the eligible child or children shall be entitled to the share of family pension which the mother would have received if she had been alive at the time of the death of the employee or pensioner.
- (6) (i) Except as provided in sub-regulation (5), the family pension shall not be payable to more than one member of the family at the same time.
- (ii) If a deceased employee or pensioner leaves behind a widow or widower, the family pension shall become payable to the widow or widower, failing which to the eligible child.
- (iii) If some and unmarried daughters are alive, unmarried daughters shall not be eligible for family pension unless the son attains the age of 21 years and thereby become ineligible for the grant of family pension.

(7) Where a deceased employee or pensioner leaves behind more children than one the eldest eligible child shall be entitled to the family pension for the period mentioned in clause (ii) or clause (iii) of sub-regulation (4) as the case may be, and after the expiry of that period the next child shall become eligible for the grant of family pension.

(8) Where family pension is granted under this regulation to a minor, it shall be payable to the guardian on behalf of the minor.

(9) In case, both wife and husband are employees of the Commission and are governed by the provisions of this regulation and one of them dies while in service or after retirement, the family pension in respect of the deceased shall become payable to the surviving husband or wife and in the event of the

death of the husband or the wife, the surviving child or children shall be granted the two family pension in respect of the deceased parents, subject to the limit specified below, namely :

- (a) (i) If the surviving child or children is or are eligible to draw two family pensions at the rate mentioned in sub-regulation (3), the amount of both the pensions shall be limited to five hundred rupees per mensem;
- (ii) If one of the family pensions ceases to be payable at the rates mentioned in sub-regulation (3), and in lieu thereof the pension at the rate mentioned in sub-regulation (1) becomes payable, the amount of both the pensions shall also be limited to five hundred rupees per mensem.
- (b) If both the family pensions are payable at the rate mentioned in sub-regulation (1), the amount of two pensions shall be limited to two hundred and fifty rupees per mensem.

(10) Where a female employee or male employee dies leaving behind a judicially separated husband or widow and no child or children, the family pension in respect of the deceased shall be payable to the person surviving.

Provided that where in a case the judicial separation is granted on the ground of adultery and the death of the employee takes place during the period of such judicial separation, the family pension shall not be payable to the person surviving if such person surviving was held guilty of committing adultery.

- (11) (a) Where a female employee or male employee dies leaving behind a judicially separated husband or widow with a child or children, the family pension payable in respect of the deceased shall be payable to the surviving person provided he or she is the guardian of such child or children.
- (b) Where a surviving person has ceased to be the guardian of such child or children, such family pension shall be payable to the person who is the actual guardian of such child or children.

(12) (a) If a person, who in the event of death of an employee while in service, is eligible to receive family pension under this regulation, is charged with the offence of murdering the employee or for abetting in the commission of such an offence, the claim of such a person, including other eligible member or members of the family to receive the family pension, shall remain suspended till the conclusion of the criminal proceedings instituted against him.

(b) If on the conclusion of the criminal proceedings referred to in clause (a), the person concerned :—

- (i) is convicted for the murder or abetting in the murder of the employee of the

Commission, such a person shall be debarred from receiving the family pension which shall be payable to other eligible member of the family, from the date of death of the employee of the Commission.

(ii) is acquitted of the charge of murder or abetting in the murder of the employee of the commission the family pension, shall be payable to such a person from the date of death of the employee.

(a) The provisions of clause (a) and clause (b) shall also apply for the family pension becoming payable on the death of an employee of the Commission after his retirement.

(13) (a) (i) As soon as an employee enters Commission's service, he shall give details of his family in Form 3 to the Head of Office.

(ii) If the employee has no family, he shall furnish details in Form 3 as soon as he acquires a family.

(b) The employee shall communicate to the Head of Office any subsequent change in the size of his family, including the fact of marriage of his female child.

(c) (i) The Head of Office shall, on receipt of the said Form 3, get it pasted on the service book of the employee concerned and acknowledge receipt of the said Form 3 and all further communication received from the employee in this behalf.

(ii) The Head of office on receipt of communication from the employee regarding any change in the size of the family shall have such a change incorporated in Form 3.

(14) The adhoc increase in pension, sanctioned from time to time, shall not be payable to the family in respect of family pension under this regulation.

(15) For the purpose of this regulation—

(a) "Continuous service" means service rendered in a temporary or permanent capacity in a pensionable Establishment of the Commission and does not include—

(i) Period of suspension, if any, and

(ii) Period of service, if any rendered, before attaining the age of 18 years;

(b) "Family" in relation to an employee of the Commission—

(i) Wife in case of a male employee, or husband in case of a female employee, provided the marriage took place before retirement of the employee.

(ii) a judicially separated wife or husband, such separation not being granted on the ground of adultery, provided the marriage

took place before the retirement of the employee, and the person surviving was not held guilty of committing adultery.

(iii) Son who has not attained the age of twenty one years and unmarried daughter who has not attained in the age of twenty four years, and including such son and daughter adopted legally before retirement but shall not include son or daughter born after the retirement.

(c) "Pay" means—

(i) the emoluments as specified in Regulation 30, or,

(ii) the average emoluments as referred to in regulation 31 of the emoluments of the deceased employee of the commission have been reduced during the last 10 months of his service otherwise than as penalty;

Provided that the element of dearness allowance which has been treated as dearness pay by the commission shall not be treated as pay for the purpose of this regulation.

## CHAPTER VII

Determination and authorisation of the amounts of pension and gratuity.

50. Preparation of list of employees due for retirement.—(1) Every Head of office shall have a list prepared every six months, i.e. on the 1st January and the 1st July each year of all employees who are due to retire within the next 24 to 30 months of that date.

(2) A copy of every such list shall be supplied to the Director (Administration) not later than 31st January or 31st July, as the case may be, of that year.

(3) In the case of employees retiring for reasons other than by way of superannuation, the Head of Office shall promptly inform the Director (Administration) as soon as the fact of such retirement becomes known to him.

(4) A copy of the intimation sent by the Head of Office to Director (Administration) under sub-regulation (3) shall also be endorsed to the concerned Estate Officer, if the employee of the Commission is an allottee of Commission's Accommodation.

51. Intimation to the Estate Officer regarding issue of "No Demand Certificate".—(1) The Head of Office shall write to the Estate Officer concerned at least 2 years before the anticipated date of retirement of the Employee who is in occupation of Commission's accommodation (hereinafter referred to as allottee) for the issue of a "No Demand Certificate" in respect of the period preceding a months of the retirement of the allottee.

(2) On receipt of the intimation under sub-regulation (1), the Estate Officer shall take further action as provided in Regulation 66.



52. Preparation of Pension Papers.—Every Head of Office shall undertake the work of preparation of pension papers in Form '5' two years before the date on which the employee is due to retire on superannuation or on the date on which he proceeds on leave preparatory to retirement whichever is earlier.

53. Stages for completion of pension papers.—(1) The Head of Office shall divide the period of preparatory work of two years referred to in Regulation 52 in the following three stages;

- (a) First stage.—Verification of service: (1) The Head of Office shall go through the service book of the employee and satisfy himself as to whether the certificates of verification for the entire service are recorded therein.
- (ii) In respect of the unverified portion or portions of service, he shall arrange to verify the portion or portions of such service, as the case may be, with reference to pay bills, acquittance rolls or other relevant records and record necessary certificates in the service book.
- (iii) If the service for any period is not capable of being verified in the manner specified in sub-clause (i) and sub-clause (ii), that period of service having been rendered by the employee in another office or department, a reference shall be made to the Head of Office in which the employee is shown to have served during that period for the purpose of verification.
- (iv) If any portion of service rendered by the employee of the Commission is not capable of being verified in the manner specified in sub-clause (i) or sub-clause (ii) or sub-clause (iii), the employee shall be asked to file a written statement on plain paper stating that he had in fact rendered that period of service, and shall at the foot of the statement make and subscribe to a declaration as to the truth of that statement, and shall in support of such declaration produce all documentary evidence and furnish all information which is in his power to produce or furnish.
- (v) The Head of Office, shall, after taking into consideration the facts in the written statement and the evidence produced and the information furnished by that employee of the Commission in support of the said period of service, admit that portion of service as having been rendered for the purpose of calculating the pension of that employee.
- (b) Second Stage.—Making good omission in the Service Book.—(i) The Head of office while scrutinising the certificate of verification of service, shall also identify if there are any other omissions, imperfections or deficiencies which have a direct bearing on the determination of emoluments and the service qualifying for pension.

(ii) Every efforts shall be made to complete the verification of service, as in clause (a) and to make good omission, imperfections or deficiencies referred to in sub-clause (i) of this clause. Any omissions, imperfections or deficiencies including the portion of service shown as unverified in the service book which it has not been possible to verify in accordance with the procedure laid down in clause (a) shall be ignored and service qualifying for pension shall be determined on the basis of the entries in the Service Book.

(iii) Calculation of average emoluments.—For the purpose of calculation of average emoluments, the Head of office shall verify from the service book the correctness of the emoluments drawn or to be drawn during the last ten months of service. In order to ensure that the emoluments during the last ten months of service, have been correctly shown in the service book the Head of Office may verify the correctness of emoluments for the period of twenty four months only preceding the date of retirement of an employee of the commission and not for any period prior to that date.

(c) Third Stage.—Obtaining form '4' by the Head Office:—8 months prior to the date of retirement of the employee of the Commission the Head of Office shall obtain form 4 from the employee, duly completed.

(2) Action under clauses (a), (b) and (c) of sub-regulation (i) shall be completed 8 months prior to the date of retirement of the employee of the Commission.

54. Completion of pension papers.—The Head of Office shall complete Part 1 of Form 5 not later than 6 months before the date of retirement of the employee of the Commission.

55. Forwarding of pension papers to Director (Administration).—(i) After complying with the requirements of Regulation 53 and 54, the Head of Office shall forward to the Director (Administration) Form 4 and Form 5 duly completed with a covering letter in Form 6 along with Service book of the employee of the Commission duly completed, upto date, and any other documents relied upon for the verification of service.

(2) The Head of Office shall retain a copy of each of the Forms referred to in sub-regulation (1) for his records.

(3) The papers referred to in sub-regulation (1) shall be forwarded to the Director (Administration) not later than 6 months before the date of retirement of the employee of the Commission.

56. Intimation to Director (Administration) regarding any event having bearing on pension.—If after the pension papers have been forwarded to the Director (Administration) within the period specified in sub-regulation (3) of Regulation 55, any event occurs which has a bearing on the amount of pension admissible, the fact shall be promptly reported to the Director (Administration) by the Head of Office.

57. Intimation of particulars of Commission's dues to the Director (Administration).—(1) The Head of Office after ascertaining and assessing the Commission dues as in Regulation 65, shall furnish the particulars thereof to the Director (Administration) at least two months before the date of retirement of the employee of the Commission so that the dues are recovered out of the gratuity before its payment is authorised.

(2) If, after the particulars of Commission's dues have been intimated to the Director (Administration) under sub-regulation (1), any additional Commission's dues come to the notice of the Head of office, such dues shall be promptly reported to the Director (Administration).

58. Provisional Pension.—(1) The various stages of action laid down in Regulation 53 shall be strictly followed by the Head of Office. There may be an isolated case where in spite of following the procedure laid down in regulation 53, it may not be possible for the Head of office to forward the pension papers referred to in regulation 55 to the Director (Administration) within the period prescribed in sub-regulation (3) of that regulation or where the pension papers have been forwarded to the Director (Administration) within the prescribed period, but the Director (Administration) may have returned the pension papers to the Head of Office for eliciting further information before the issue of pension payment order and order for the payment of gratuity. If the Head of Office in case is of the opinion that the employee of the Commission is likely to retire before his pension and gratuity or both can be finally assessed and settled in accordance with the provisions of these regulations, he shall, without delay, take steps to determine the qualifying years of service and the emoluments qualifying for pension after the most careful summary investigations that may be made. For this purpose, he shall—

- (i) rely upon such information as may be available in the official records; and
- (ii) ask the retiring employee to file a written statement on plain paper stating the total length of qualifying service including details of emoluments drawn during the last 10 months of service but excluding the breaks and other non-qualifying period of service.

(2) The employee while furnishing the statement as in clause (ii) of sub-regulation (1) shall, at the foot of the statement make and subscribe to a declaration as to the truth of the statement.

(3) The Head of Office shall thereafter determine the qualifying years of service and the emoluments qualifying for pension in accordance with the information available in the official records and the information obtained from the retiring employee under sub-regulation (1). He shall then determine the amount of provisional pension and the amount of provisional death-cum-retirement gratuity.

(4) After the amount of pension and gratuity have been determined under sub-regulation (3)—

- (a) The Head of office shall intimate the amount of provisional pension and amount of provisional Death-cum-Retirement Gratuity to

the Director (Administration) for issue of a sanction letter to the employee of the Commission endorsing a copy thereof to the Accounts Officer authorising—

- (i) 100 per cent of pension as determined under sub-regulation (3) as provisional pension for a period not exceeding six months to be reckoned from the date of retirement of the employee; and
  - (ii) 100 per cent of the gratuity as provisional gratuity as determined under sub-regulation (3) withholding 10 per cent of gratuity or Rs. 1,000 whichever is less.
- (b) The Director (Administration) shall indicate in the sanction letter the amount recoverable from the gratuity under sub-regulation (1) of Regulation 57. After issue of the sanction letter Chief Accounts Officer shall draw (i) and amount of provisional pension, and
- (ii) the amount of provisional gratuity after deducting therefrom the amount mentioned in sub-clause (ii) of clause (a) and the dues, if any, mentioned in Regulation 65;
- (5) The amount of provisional pension and gratuity payable under sub-regulation (4) shall, if necessary, be revised on the completion of the detailed scrutiny of the records.
- (6) (a) The payment provisional pension shall not continue beyond a period of 6 months from the date of retirement of the employee of the Commission. If the amount of final pension and the amount of final gratuity have been determined by Director (Administration) before the expiry of the said period of 6 months, the Director (Administration) shall—
- (i) issue the pension payment order,
  - (ii) advise the Chief Accounts Officer to draw and disburse the difference between the final amount of gratuity and the amount of provisional gratuity paid under sub-clause (ii) of clause (b) of sub-regulation (4), after adjusting the commission's dues if any, which may have come to notice after the payment of provisional gratuity.
- (b) If the amount of provisional pension disbursed to an employee of the Commission under sub-regulation (4) is, on its final assessment, found to be in excess of the final pension assessed by the Director (Administration), it shall be open to the Director (Administration) to adjust the excess amount of pension out of the gratuity withheld under sub-clause (ii) of clause (a) of sub-regulation (4) or recover the excess amount of pension in instalments by making short payments of the pension payable in future.
- (c) (i) If the amount of provisional gratuity disbursed under sub-regulation (4) is larger than the amount finally assessed, the retired employee shall not be required to

refund the excess amount actually disbursed to him.

- (ii) The Head of Office shall ensure that the chances of disbursing the amount of gratuity in excess of the amount finally assessed are minimised and the official responsible for the excess payment shall be accountable for the overpayment.

(7) If the final amount of pension and gratuity have not been determined within a period of 6 months referred to in clause (a) of sub-regulation (6), the provisional pension and gratuity shall be treated as final and Director (Administration) shall issue pension payment order immediately on expiry of the period of 6 months, with the approval of the Chief Executive Officer.

(8) As soon as the pension payment order has been issued by the Director (Administration) under clause (a) of the sub-regulation (6) or sub-regulation (7) the Director (Administration) shall take steps to refund the amount of withheld gratuity under sub-clause (ii) of clause (a) of sub-regulation (4) to the retired employee after adjusting the Commission's dues which may have come to notice after payment of provisional gratuity under sub-clause (ii) of clause (b) of sub-regulation (4). If the employee was an allottee of Commission's accommodation, the withheld amount should be refunded on receipt of 'No Demand Certificate' from the Estate Officer concerned.

NOTE : (i) The issue of last pay certificate should not be insisted upon before the payment of provisional pension. During the period of 6 months after retirement, which has been provided for various purposes above, it should be possible for the Head of office or other office concerned to issue the Last Pay Certificate to the employee. In cases in which the last pay certificate has not been issued by the time formal pension/gratuity payment orders are received (whether this happens prior to the retirement of the employee or after his retirement and after the grant of a provisional pension) the gratuity payment order will in any case include a provision from the withholding 10% of the gratuity or Rs. 1,000/-, whichever is less, pending the production of the last pay certificate.

NOTE : (2) In respect of other Commission's dues steps should be taken to ascertain or assess the outstanding dues when the processing of pension papers is taken up two years prior to the retirement date. As the next stage of the actual preparation of pension papers is reached only after a year and four months, there is ample time for ascertaining all kinds of Commission's dues. Once that stage is reached, i.e. 8 months before the retirement of the employee, any further probing of records for recoveries due shall cover only a limited period i.e. not more than 2 years before the date of retirement. It should thus be quite possible for the Head of Office, to ascertain or assess all the dues, particularly those pertaining to a long term advances such as house building or conveyance advances, over payment of pay and allowances, and such other dues, prior to the prescribed deadline for the issue of pension Payment/gratuity payment orders or the provisional pension/gratuity order. The pension

papers should clearly indicate the total amount of outstanding which should be recovered out of the death-cum-retirement gratuity before authority for the payment of gratuity (whether final or provisional) is issued, and if, after the pension papers have been transmitted to the Director (Administration) for issuing the Pension Payment Order, additional recoveries to be made from the gratuity come to notice, the fact shall be promptly reported to the Director (Administration). In a case where no major recoveries are due, but 10% of the gratuity of Rs. 1,000/- has been withheld because there might be unassessed Commission's dues or because the gratuity has been provisionally paid or because last pay certificate has not been received, the withheld amount shall become payable on the expiry of 6 months after retirement as provided for in sub-regulation (7).

59. Authorisation of pension and gratuity by the Director (Administration).—(1) On receipt of the pension papers referred to in Regulation 55, the Director (Administration) shall apply the requisite checks, record the account encasement in Part II of Form 5 and assess the amount of pension and gratuity and issue the pension payment order not later than one month in advance of the date of the retirement of the employee.

(2) The amount of gratuity as determined by Director (Administration) under sub-regulation (1) shall be intimated to the Chief Accounts Officer with the remarks that the amount of gratuity may be drawn and disbursed by him to the retired employee after adjusting the Commission's dues, if any, referred to in Regulation 65.

(3) The amount of gratuity withheld under sub-regulation (5) of Regulation 66 shall be adjusted by the Chief Accounts Officer against the outstanding licence fee intimated by the Estate Officer concerned and the balance, if any, refunded to the retired employee of the Commission.

60. Payment of provisional pension and gratuity through money order.—If the provisional pension or gratuity or both sanctioned under sub-regulation (4) of Regulation 58 is desired to be paid by the pensioner through money order or bank draft, the same shall be remitted to him through money order or Bank draft at his cost;

Provided that in the case of any pensioner who has been authorised payment of provisional pension not exceeding two hundred and fifteen rupees per mensem (exclusive of amount of relief on pension) that amount or amount upto such limit as may hereafter be fixed by the Commission from time to time shall, at the request of the pensioner be remitted to him by money order at Commission's expense.

61. Employees on deputation.—In the case of an employee of the Commission who retires from service, while on deputation to foreign service, action to authorise pension and gratuity in accordance with the provisions of this chapter shall be taken by the Director (Administration).

NOTE : Acceptance of evidence regarding payment of pension contribution.—(a) There are some cases in which, in accordance with the terms of deputation



'foreign service', it is the responsibility and liability of the employee himself to maintain the continuity of pensionable service by the payment of pension contributions. In such cases, it will be necessary to ascertain whether the recoveries have been made, before the period of foreign service is reckoned as qualifying service. However, the employee is sometimes put to considerable difficulty because of defective or incomplete record maintenance by the administrative offices. In such cases, while he could be reasonably asked to show that he had indeed made the contributions, the administrative authority should show a spirit of reasonableness and accommodation in evaluating and accepting such evidence as he is able to put forward, and not insist rigidly on formal proof with reference to service or accounts records for the maintenance of which the employee is not responsible.

(b) Where, however, the responsibility for making pension contributions is that of the borrowing organisation and where either some of the contributions have not been recovered or the records in respect of the recoveries of such contributions are incomplete, while the authorities concerned should pursue the matter with the borrowing organisation separately for appropriate action, this should have no bearing on the processing and finalisation of pension papers.

#### 62. Interest on delayed payment of gratuity.—

(1) If the payment of gratuity has been authorised after three months from the date when its payment became due, and it is clearly established that the delay in payment was attributable to the administrative lapse, interest at the rate of five per cent per annum (or at the rate that may be fixed from time to time by the Central Government for their employees) on the amount of gratuity in respect of the period beyond three months shall be paid;

Provided that the delay in the payment was not caused on account of failure on the part of the employee to comply with the procedure laid down in this chapter.

(2) Every case of delayed payment of gratuity shall, suo motu, be considered by the Chief Executive Officer and where the Chief Executive Officer is satisfied that the delay in payment of gratuity was caused on account of administrative lapse, the Chief Executive Officer shall pass orders for the payment of interest.

(3) In all cases where payment of interest has been authorised, the Chief Executive Officer shall fix the responsibility and take disciplinary action against the employee or employees concerned who are found responsible for the delay in the payment of gratuity.

(4) If as a result of Commission's decision taken subsequent to the retirement of an employee, the amount of gratuity already paid on his retirement is enhanced on account of :—

(a) grant of emoluments higher than the emoluments on which gratuity, already paid, was determined,

or

(b) liberalisation in the provisions of these regulations from a date prior to the date of retirement of the employee concerned.

no interest on the arrears of gratuity shall be paid,

Explanation : Where disciplinary or judicial proceedings against an employee are pending on the date of his retirement, no gratuity is payable until the conclusion of the proceedings and the issue of the final orders thereon. The gratuity if allowed to be drawn by the competent authority on the conclusion of the proceedings will be deemed to have fallen due on the date of issue of orders by the competent authority.

However, in the case of employees who, on the conclusion of the proceedings, are fully exonerated, the interest on delayed payment of death-cum-retirement gratuity may be allowed in accordance with these instructions. In such cases, the gratuity will be deemed to have fallen due on the date following the date of retirement for the purpose of payment of interest on delayed payment of gratuity. The benefit of this explanation will, however, not be available to such of the employees who die during the pendency of judicial/disciplinary proceedings against them and against whom proceedings are consequently dropped.

63. Provisional pension where departmental or judicial proceedings may be pending.—(1) (a) In respect of an employee referred to in sub-regulation (4) of Regulation 8, the Director (Administration) shall authorise the provisional pension equal to the maximum pension which would have been admissible on the basis of qualifying service upto the date of retirement of the employee, or if he was under suspension on the date of retirement upto the date immediately preceding the date on which he was placed under suspension.

(b) The provisional pension shall be authorised by the Director (Administration) during the period commencing from the date of retirement upto and including the date on which, after the conclusion of departmental or judicial proceedings, final orders are passed by the competent authority.

(c) No gratuity shall be paid to the employee until the conclusion of the departmental/judicial proceedings and issue of final orders thereon :

Provided that where departmental proceedings have been instituted under Regulation 27 of the Khadi and Village Industries Commission Employees' (Conduct, Discipline and Appeal) Regulations, 1961 for imposing any of the penalties specified in clauses (a) and (b) of regulation 21 of the said Regulations, the payment of gratuity shall be authorised to be paid to the employee.

(2) Payment of provisional pension made under sub-regulation (1) shall be adjusted against final retirement benefits sanctioned to such employees upon conclusion of such proceedings, but no recovery shall be made where the pension finally sanctioned is less than the provisional pension or the pension is reduced or withheld either permanently or for a specified period.

64. Revision of pension after authorisation.—(1) Subject to provisions of Regulations 7 and 8 pension once authorised after final assessment shall not be revised to the disadvantage of the employee of the Commission unless such revision becomes necessary on account of detection of a clerical error subsequently;

Provided that no revision of pension to the disadvantage of the pensioner shall be ordered by the Director (Administration) without the concurrence of the Chairman if the clerical error is detected after a period of 2 years from the date of authorisation of pension.

(2) For the purpose of sub-regulation (1), the entitled employee concerned shall be served with a notice by the Director (Administration) requiring him to refund the excess payment of pension within a period of 2 months from the date of receipt of notice by him.

(3) In case the employee fails to comply with the notice, Director (Administration) shall, by an order in writing, direct that such excess payment shall be adjusted in instalments by short payments of pension in future, in one or more instalments as the Director (Administration) may direct.

65. Recovery and adjustment of Commission's dues.—(1) It shall be the duty of the Head of Office to ascertain and assess the Commission's dues payable by an employee of the Commission due for retirement.

(2) The Commission's dues as ascertained and assessed by the Head of Office which remain outstanding till the date of retirement of the employee, shall be adjusted against the amount of the death-cum-retirement gratuity becoming payable.

(3) The expression "Commission's dues" includes—

- (a) dues pertaining to Commission's accommodation including arrears of licence fee, if any;
- (b) dues other than those pertaining to Commission's accommodation, namely balance of house building or conveyance or any other advance, over payment of pay and allowances or leave salary and arrears of income-tax deductible at source under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

66. Adjustment and recovery of dues pertaining to Commission's accommodation.—(1) The Estate Officer concerned on receipt of intimation from the Head of Office under sub-regulation (i) of Regulation 51 regarding the issue of No Demand Certificate shall scrutinise its records and inform the Head of Office eight months before the date of retirement of the allottee, if any licence fee was recoverable from him in respect of the period prior to 8 months of his retirement. If no intimation in regard to recovery or outstanding licence fee is received by the Head of Office by the stipulated date, it shall be presumed that no licence fee was recoverable from the allottee in respect of the period preceding 8 months of his retirement.

(2) The Head of Office shall ensure that licence fee for the next 8 months, that is upto the date of retirement of the allottee is recovered every month from the pay and allowances of the allottee.

(3) Where the Estate Officer concerned intimates the amount of licence fee recoverable in respect of the period mentioned in sub-regulation (1), the Head of Office shall ensure that outstanding licence fee is recovered in instalments from the current pay and allowances of the allottee and where the entire amount is not recovered from the pay and allowances, the balance shall be recovered out of the gratuity before its payment is authorised.

(4) The Estate Officer concerned shall also inform the Head of Office, the amount of licence fee for the retention of Commission's accommodation for the permissible period of two months or the permissible period as may be prescribed by the Commission beyond the date of retirement of the allottee. The Head of Office shall adjust the amount of that licence fee from the amount of gratuity together with the unrecovered licence fee, if any, mentioned in sub-regulation (3).

(5) If in any particular case, it is not possible for the Estate Officer concerned to determine the outstanding licence fee, the Estate Officer shall inform the Head of Office that ten per cent of the gratuity or one thousand rupees, whichever is less, may be withheld pending receipt of further information.

(6) The recovery of licence fee for the occupation of the Commission's accommodation beyond the permissible period of two months (or the period as may be fixed by the Commission from time to time) after the date of retirement of the allottee shall be the responsibility of the concerned Head of Office.

Note:—For the purpose of this regulation the licence fee shall also include any other charges payable by the allottee for any damage caused by him to the accommodation or its fittings.

67. Adjustment and recovery of dues other than dues pertaining to Commission's accommodation. (i) For the dues other than the dues pertaining to occupation of Commission's accommodation as referred to in clause (b) of sub-regulation (3) of Regulation 65, the head of office shall take steps to assess the dues two years before the date on which an employee of the commission is due to retire on superannuation; or on the date on which he proceeds on leave preparatory to retirement, whichever is earlier.

(2) The assessment of Commission's dues referred to in sub-regulation (1) shall be completed by the Head of office 8 months prior to the date of the retirement of the employee.

(3) The dues as assessed under sub-regulation (2) including those dues which come to notice subsequently and which remain outstanding till the date of retirement of the employee shall be adjusted against the amount of death-sum-retirement gratuity becoming payable to the employee on his retirement.



Explanations :—(1) The arrears of water and electricity are dues of Municipal Committees etc. which are local bodies and are, therefore, not Commission's dues. Similarly any dues to Co-operative societies cannot be treated as dues to Commission. No recovery of such dues can be made from the death-cum-retirement gratuity.

(2) Family pension is like any other pension and recoveries of the dues whether those of the Commission or otherwise are not permissible from it without obtaining the consent of the pensioner.

(3) In case, a prematurely retired employee gives a declaration to his disbursing officer for recovery of outstanding dues of the Co-operative Societies from his death-cum-retirement gratuity payable to him under these regulations, the same may be deducted in cash from the death-cum-retirement gratuity of the official and remitted to the society.

(4) The Pensioner's relief is not covered by the Pension Act and, therefore, there may be no objection to the recovery of Commission's dues from the pensioner's relief without the consent of the Pensioner.

68. Date of retirement to be notified.—When employee of the Commission retires from service, an order shall be issued by the Head of Office specifying the date of retirement within a week of such date and a copy of every such order shall be forwarded immediately to the Director (Administration) and the Chief Accounts officer.

Provided that where an order regarding grant of leave preparatory to retirement to an employee is issued, a further order that the Commission's employee has actually retired on the expiry of such leave shall not be necessary unless the leave is curtailed and the retirement is for any reason ante-dated or postponed.

## CHAPTER VIII

Determination and authorisation of the amount of family pension, and death-sum-retirement gratuity in respect of employees of the Commission dying while in service.

69. Obtaining of claims for family pension and death-cum-retirement gratuity.—(1) Where the Head of office has received an intimation about the death of employee while in service, he shall ascertain whether any death-cum-retirement gratuity or family pension or both is or are payable in respect of the deceased employee.

(2) (a) Where the family of the deceased employee is eligible for the death-cum-retirement gratuity under Regulation 44, the Head of office shall ascertain—

(i) If the deceased employee had nominated any person/ or persons to receive the gratuity; and

(ii) If the deceased employee had not made any nomination or the nomination made does not subsist, the person or persons to whom the gratuity may be payable.

(b) The Head of Office shall, then address the person concerned in Form 7 or Form 8, as may be appropriate, for making a claim in Form 9.

(3) Where the family of the deceased employee is eligible under Regulation 49 for family pension—

(a) the Head of office shall address the widow or widower in Form 10 for making a claim in FORM 11 and

(b) Where the deceased employee is survived only by a child or children the guardian of such child or children may submit a claim in Form 11 to the Head of office :

Provided that the guardian shall not be required to submit a claim in the said Form on behalf of a child if the child has attained the age of 18 years and such child may himself or herself submit a claim in the said Form.

(4) If on the date of death, the employee was an allottee of Commission's accommodation, the Head of office shall address the concerned Estate Officer for issue of 'No Demand Certificate' in accordance with the provisions of sub-regulation (1) of Regulation 75.

70. Completion of Form 12.—(1) (a) The Head of office while taking action to obtain claim or claims from the family in accordance with the provisions of Regulation 69 shall, simultaneously undertake the completion of Form 12. The work shall be completed within one month of the date on which intimation regarding the date of death of the employee has been received.

(b) The Head of Office shall go through the service book of the deceased employee of satisfy himself as to whether the certificates of verification of service for the entire service are recorded therein.

(c) If there are any periods of unverified service, the Head of office shall accept the unverified portion of service as verified on the basis of the available entries in the service book. For this purpose, the Head of Office may rely on any other relevant material to which he may have ready access. While accepting the unverified portion of service, the Head of Office shall ensure that the service was continuous and was not forfeited on account of dismissal, removal or resignation from service, or for participation in strike.

(2) (a) For the purpose of determination of emoluments for family pension and death-cum-retirement gratuity, the Head of Office shall confine the verification of the correctness of emoluments for a maximum period of one year preceding the date of death of the employee.

(b) In case the employee was on extraordinary leave on the date of death, the correctness of the emoluments for a maximum period of one year which he drew preceding the date of the commencement of the extra-ordinary leave shall be verified.

(3) The process of determination of qualifying service and qualifying emoluments shall be completed within one month of the receipt of intimation regarding the date of death of the employee and the amount of family pension and death-cum-retirement gratuity shall also be calculated accordingly.

71. Determination of the amount of family pension and gratuity where service records are incomplete.—If in any particular case, the service book has not been maintained properly despite the orders on the subject, and it is not possible for the Head of office to accept the unverified portion of service as verified on the basis of entries in the service book, the Head of office shall not proceed with the verification of the entire spell of service. The verification of service in such a case shall be confined to the following spells of service :

(a) For the purpose of family pension :—

(i) If the deceased employee on the date of death had rendered more than one year of service, but less than seven years of service, the service and emoluments for the last year of service shall be verified and accepted by the Head of office and the amount of Family Pension determined under sub-regulation (1) and sub-regulation (2) of Regulation 49.

(ii) If the deceased employee on the date of his death had rendered more than seven years of service, the service for the last seven years and emoluments for service rendered in the last year shall be verified and accepted by the Head of Office and the amount of family pension and the period for which it is payable shall be determined in accordance with the provisions of sub-regulation (3) of Regulation 49.

(iii) If the deceased employee at the time of death had rendered more than seven years of service and the service of last seven years is not capable of being verified and accepted by the Head of Office but the service rendered during the last year is capable of being verified and accepted, the Head of Office, pending the verification of service for seven years, shall calculate the amount of family pension in accordance with the provisions of sub-regulation (1) and sub-regulation (2) of Regulation 49.

(iv) The service for the last seven years shall be verified and accepted within the next two months and the amount of family pension at the enhanced rate and the period for which it is payable shall be determined in accordance with the provisions of sub-regulation (3) of Regulation 49.

(v) The determination of the amount of family pension in accordance with the provisions of sub-clauses, (i), (ii) and (iii) shall be done within one month of the receipt of intimation of the date of death of the employee.

(b) For the purpose of death-cum-retirement gratuity :—

(i) If the deceased employee had, on the date of his death rendered more than five years of qualifying service but less than twenty four years of qualifying service, and the spell of Last five years service has been verified and accepted by the head of office

under clause (a) the amount of death-cum-retirement gratuity shall be equal to 12 times of his emoluments as indicated in clause (b) of sub-regulation (1) of Regulation 44. Where the verified and accepted service is less than 5 years of qualifying service, the amount of death-cum-retirement gratuity shall be the amount as indicated in sub-regulation (3) of Regulation 44.

(ii) If the deceased employee had rendered more than twenty four years of service and the entire service is not capable of being verified and accepted, but the service for the last five years has been verified and accepted under sub-clause (i), the family of the deceased employee shall be allowed, on provisional basis, the death-cum-retirement gratuity equal to 12 times of the emoluments. Final amount of the gratuity shall be determined by Director (Administration) on the acceptance and verification of the entire spell of service which shall be done by the Head of Office within a period of 6 months from the date of which the authority for the payment of provisional gratuity was issued. The balance, if any, becoming payable as a result of determination of the final amount of death-cum-retirement gratuity shall then be authorised to the beneficiaries.

72. Forwarding the papers to the Director (Administration).—(1) On receipt of claim or claims, the Head of Office shall complete item 20 to 23 of Form 12 and send the said Form in original to the Director (Administration) with a covering letter in Form 13 alongwith the employee's service book duly completed upto date and any other documents relied upon for the verification of the service claimed. This shall be done not later than one month of the receipt of claim by the Head of Office.

(2) The Head of Office shall retain one copy of the aforesaid Form 12 for his office record.

(3) The Head of office shall draw the attention of the Director (Administration) to the details of Commission's dues outstanding against the deceased employee, namely :—

(a) Commission's dues as ascertained and assessed in terms of Regulation 75 and recoverable out of the gratuity before payment is authorised.

(b) Amount of gratuity to be held over partly for adjustment of Commission's dues which have not been assessed so far and partly as a margin for adjustment in the light of the final determination of the gratuity.

(c) The maximum amount of gratuity to be held over for the purpose of clause (b) shall be limited to 10 per cent of the amount of gratuity or rupees one thousand, whichever is less.

(4) (a) If Form 12 has been completed and the claim or claims in the respective Forms have not been received from the beneficiary or beneficiaries, the Head of Office shall forward Form 12 and the documents referred to in sub-regulation (1) to the Director (Administration) leaving unfilled items 20, 21, 22 and 23 of Part-I of the said Form.

(b) As soon as the claim or claims are received by Head of Office, they shall immediately be forwarded to the Director (Administration) with the request that items 20, 21, 22 and 23 of Part-I of Form 12 may be filled in by the Director (Administration).

73. Sanction, drawal and disbursement of provisional family pension and gratuity. (1) After receipt of the documents referred to in Regulation 72 by the Director (Administration), he shall take necessary steps to draw provisional family pension not exceeding the maximum family pension and hundred per cent of the gratuity as determined in accordance with the provisions of this chapter. For this purpose Director (Administration) and Chief Accounts Officer shall adopt the following procedure namely:—

- (a) The Director (Administration) shall issue a sanction letter in favour of claimant or claimants endorsing a copy thereof to the Chief Accounts Officer indicating the amount of provisional family pension and hundred per cent of the gratuity as determined.
- (b) He shall indicate in the sanction letter the amount recoverable out of gratuity under sub-regulation (3) of Regulation 72.
- (c) after Issue of the sanction letter Chief Accounts Officer shall draw—
  - (i) the amount of the Provisional family pension and
  - (ii) the amount of hundred percent of the gratuity after deducting therefrom the dues mentioned in clause (b)

2. The Chief Accounts Officer shall disburse the provisional family pension including arrears if any) and the gratuity immediately after the same have been drawn under sub-regulation (1).

(3) The Payment of provisional family pension shall continue for a period of 6 months from the date following the date of death of the employee unless the period is extended by the Director (Administration) under the provision to sub-regulation (1) of Regulation 74.

(4) The Chief Accounts Officer shall inform the Director (Administration).

- (a) As soon as the gratuity has been paid to the claimant or claimants; and
- (b) as soon as the provisional family pension has been paid for a period of six months or for the period extended under provision to sub-regulation (1) of Regulation 74 as the case may be

(5) If the claimant or any of the claimants desire the payment of provisional family pension or of gratuity or of both through money order or bank draft, the same shall be remitted to him or her through money order or bank draft at his own cost.

Provided that in the case of any claimant who is sanctioned a provisional family pension not exceeding Rs. 215/- (exclusive of relief on family pension)

per mensem the amount of pension, shall at the request of the claimant, be remitted to him or her by money order at Commission's expense.

74. Authorisation of final pension and balance of the gratuity by the Director (Administration) (1) On receipt of the documents referred to in sub-regulation (1) of Regulation 72, the Director (Administration) shall, within a period of three months from the date of receipt of the documents apply the requisite checks and complete section 1 of Part-II of Form 12 and assess the amount of family pension and gratuity.

Provided that if the Director (Administration) is for any reason, unable to assess the amount within the period aforesaid he shall communicate the fact to the Chief Accounts Officer to continue to disburse the provisional family pension to the claimant for such period as may be specified by the Director (Administration).

(2) (a) The payment of family pension shall be effective from the date following the date on which the payment of provisional family pension ceased.

(b) Arrears of family pension, if any, in respect of the period for which provisional family pension was drawn and disbursed by the Chief Accounts Officer shall also be authorised by the Director (Administration).

(3) (a) The Director (Administration) shall determine the amount of the balance of the gratuity after adjusting the amount, if any, outstanding against the deceased Commission's employee.

(b) The Director (Administration) shall intimate to the Chief Accounts Officer the amount of the balance of the gratuity determined under clause (a) with the remarks that the amount of the balance of the gratuity may be drawn and disbursed by the Chief Accounts Officer to the person or persons to whom the Provisional gratuity has been paid.

(c) The amount of gratuity withheld under clause (v) of sub-regulation (1) of Regulation 75 shall be adjusted by the Chief Accounts Officer against the outstanding licence fee mentioned in clause (viii) of sub-regulation (1) of Regulation 75 and the balance, if any, refunded to the person or persons to whom gratuity has been paid.

(4) The fact of the issue of the pension payment order shall be promptly reported to the Head of Office and Chief Accounts Officer by the Director (Administration) and the documents which are no longer required shall be returned to the Head of Office.

(5) If the amount of provisional family pension as disbursed by the Head of office is found to be in excess of the final family pension assessed by the Director (Administration) it shall be open to the Director (Administration) to adjust the excess amount in instalments by short payments of family pension payable in future

(6) (a) If the amount of gratuity disbursed by the Head of Office proves to be larger than the amount



finally assessed by the Director (Administration) the beneficiary shall not be required to refund the excess.

(b) The Director (Administration) shall ensure that chances of disbursing the amount of gratuity in excess of the amount actually admissible are minimised and the official or officials responsible for the excess payment shall be accountable for the over payment.

75. Adjustment of Commission's dues (1) Dues pertaining to Commissions accommodation.—(i) If on the date of death the employee of the Commission was allottee of Commission's accommodation, the Head of Office on receipt of intimation regarding the death of the employee shall within seven days of the receipt of such intimation, write to the concerned Estate Officer for the issue of 'No Demand Certificate' so that authorisation of family pension and death-cum-retirement gratuity is not delayed. While addressing the concerned Estate Officer for the issue of 'No Demand Certificate' the Head of Office shall also supply the following information in duplicate (one copy) marked to Director (Administration).

(a) Name of the deceased employee with designation;

(b) Particulars of the accommodation (Quarter No. and locality);

(c) date of death of the employee.

(d) whether the employee was on leave at the time of his death, if so, the period and nature of leave.

(e) whether the employee was enjoying rent free accommodation;

(f) period upto which licence fee had been recovered from the pay and allowances of the deceased employee and the monthly rate of recovery and particulars of the pay bill under which last recovery was made.

(g) If the licence fee had not been recovered upto the date of death and the family intends to retain Commission's accommodation for the permissible period of four months or as may be prescribed by the Commission, from the date of death of the employee, details of the—

(a) Period for which licence fee still remains to be recovered;

(b) the amount of licence fee in respect of the period at (a).

(c) the amount of licence fee for the retention of Commission's accommodation by the family of the deceased Commission's employee for the concessional period of four months, or as fixed by the Commission beyond the date of death of the employee to be determined on the basis of standard rent bill;

(d) the amount of licence fee mentioned at (b) and (c) proposed to be recovered out of death-cum-retirement gratuity;

(e) details of any previous reference from the concerned Estate Officer having bearing on

the recovery of licence fee outstanding against the allottee and action taken therein.

(ii) The Director (Administration) shall order recovery from the death-cum-retirement gratuity the amount of licence fee as intimated to the Estate Officer under clause (i).

(iii) The recovery of licence-fee for the occupation of the Commission's accommodation beyond the permissible period of four months or as fixed by the Commission shall be the responsibility of the Head of Office.

(iv) The Estate Officer concerned shall scrutinise their records with a view to determine if licence-fee other than the licence-fee referred to in clause (i) was outstanding against the deceased employee. If any recovery is found, the amount and the periods to which such recovery or recoveries relate shall be communicated to the Head of Office and Director (Administration) within a period of three months of the receipt of intimation regarding the death of the employee under clause (i).

(v) Pending receipt of information under clause (iv) the Director (Administration) shall withhold ten per cent of the death-cum-retirement gratuity or one thousand rupees whichever is less.

(vi) If no intimation is received by the Director (Administration) within the period prescribed under clause (iv) regarding recovery of licence-fee, it shall be presumed that nothing is recoverable from the deceased employee and the amount of gratuity withheld shall be paid to the person or persons to whom the amount of death-cum-retirement gratuity was paid.

(vii) If the Head of Office has received intimation from the Estate Officer concerned under clause (iv) regarding licence-fee outstanding against the deceased employee, the Head of office shall verify from the acquittance rolls if the outstanding amount of licence fee was recovered from the pay and allowances of the deceased employee. If as a result of verification, it is found that the amount of licence fee shown as outstanding by the Estate Office concerned had already been recovered, the Head of Office shall under intimation to the Director (Administration) draw the attention of the Estate Officer concerned to the pay bills under which the necessary recovery of the licence fee was made and subject to the provision of sub-regulation (2) the Director (Administration) shall take steps to pay the amount of the gratuity withheld under clause (v) to the person or persons to whom the death-cum-retirement gratuity was paid.

(viii) if the outstanding amount of licence fee was not recovered from the pay and allowances of the deceased employee, the Head office shall intimate Director (Administration) to adjust outstanding amount against the amount, of the gratuity withheld under clause (v) and to pay the balance, if any, to the person or persons to whom the amount of death-cum-retirement gratuity was paid.

(2) Dues other than those referred to in sub-regulation (1)—

The Head of Office shall, within one month of the receipt of intimation regarding death of a employee, take steps to ascertain if any dues as referred to in Regulation 65 excluding the dues pertaining to the allotment of Commission's accommodation were recoverable from the deceased employee. Such ascertainable dues shall be intimated by the Head of Office to the Director (Administration) who shall direct recovery of such dues from the amount of death-cum-retirement gratuity becoming payable to the family of the deceased employee.

76. Payment of family pension and death-cum-retirement gratuity when an employee of the Commission dies while on deputation. In the case of an employee who dies while on deputation to foreign service, action to authorise the family pension and death-cum-retirement gratuity in accordance with the provisions of this Chapter shall be taken by the Head of Office.

## CHAPTER IX

### SANCTION OF FAMILY PENSION AND RESIDUARY GRATUITY IN RESPECT OF DECEASED PENSIONERS

77. Sanction of family pension and residuary gratuity on the death of a pensioner.—(1) Where the Head of Office has received an intimation regarding the death of a retired employee of the Commission who was in receipt of pension, he shall ascertain whether any family pension or residuary gratuity or both is or are payable in respect of the deceased pensioner.

Provided that the Head of Office may, when he considers it necessary so to do, consult the Director (Administration).

(2)(A) (i) If the deceased pensioner is survived by a widow or widower who is eligible for the grant of family pension under Regulation 49, the amount of family pension as indicated in the Pension payment order shall become payable to the widow or widower, as the case may be from the day following the date of death of the pensioner.

(ii) On receipt of an application from the widow or widower, the Chief Accounts Officer shall authorise the payment of family pension to the widow or widower as the case may be.

(B)(i) Where the deceased pensioner is survived by a child or children, the guardian of the child or children may submit a claim in Form 11 to the Head of Office for the payment of family pension :

Provided that the guardian shall not be required to submit a claim in the said Form on behalf of the son or unmarried daughter if he or she has attained the age of 18 years and such a person may himself or herself submit a claim in the said Form.

(ii) On receipt of a claim from the guardian the Head of Office shall forward, such claim to Director (Administration) who shall sanction the family pension in Form 14.

883 GI/84—13.

(C) (i) Where a widow or widower in receipt of family pension remarries and has, at the time of remarriage, child or children from the former spouse who is or are eligible for family pension the remarried individual shall be eligible to draw the family pension on behalf of such child or children if such individual continues to be the guardian of such child or children.

(ii) For the purposes of sub-clause (i), the remarried individual shall apply to the Head of Office on plain paper furnishing the following particulars, namely.

(a) a declaration that the applicant continues to be the guardian of such child or children.

(b) the date of remarriage.

(c) the name and date of birth of the child or children from the former spouse.

(d) full postal address of the applicant.

(iii) If the remarried individual has, for any reason, ceased to be the guardian of such child or children, the family pension shall become payable to the person entitled to act as guardian of such child or children under the law for the time being in force and such person may submit a claim in Form 11 to the Head of Office for the payment of family pension:

Provided that the guardian shall not be required to submit a claim in the said Form on behalf of the son or unmarried daughter if he or she has attained the age of eighteen years and such a person may himself or herself submit a claim in the said Form.

(iv) On receipt of the claim referred to in sub-clause (iii) the Head of office shall forward the same to the Director (Administration) who shall sanction family pension in Form 15.

(D) (i) Where a widow or widower in receipt of family pension dies and leaves behind child or children who is or are eligible for payment of family pension the guardian may submit a claim in Form 11 to the Head of Office for the payment of family pension;

Provided that the guardian shall not be required to submit a claim in the said Form on behalf of the son or unmarried daughter if he or she has attained the age of eighteen years and such a person may himself or herself submit claim in the said Form.

(ii) On receipt of a claim under sub-clause (i), the Head of Office shall forward the same to Director (Administration) who shall sanction family pension in Form 15.

(3) Where on the death of a retired employee a residuary gratuity becomes payable to the family of the deceased under sub-regulation (2) of Regulation 44, the Director (Administration) shall sanction its payment on receipt of a claim or claims in Form 16 from the person or persons eligible to receive the residuary gratuity.

78. 'Authorisation' of payment by Director (Administration).—On receipt of sanction under Regulation 77 regarding payment of family pension or residuary gratuity or both the Chief Accounts Officer shall make the payment of the same.



## CHAPTER X

Payment of Pension 79.—Date from which pension becomes payable.

(1) Subject to the provisions of Regulation 8 and 63, a pension other than family pension shall become payable from the date on which an employee of the Commission ceases to be borne on the establishment.

(2) Pension including family pension shall be payable for the day on which its recipient dies.

80. Currency in which pension is payable.—All pensions including gratuities admissible under these regulations shall be payable in rupees in India only.

81. Manner of payment of gratuity and pension.—(1) Except as otherwise provided in these regulations a gratuity shall be paid in lumpsum.

(2) A pension fixed at monthly rates shall be payable monthly on or after the first day of the following month.

## CHAPTER XI

## COMMUTATION OF PENSION

## General Conditions

82. Restriction on commutation of pension.—No employee against whom departmental or judicial proceedings as referred to in Regulation 8 have been instituted before the date of his retirement, or the pensioner against whom such proceedings are instituted after the date of his retirement, shall be eligible to commute a fraction of his provisional pension authorised under Regulation 63 or the pension, as the case may be, during the pendency of such proceedings.

83. Limit on commutation of pension.—(i) An employee shall be entitled to commute for a lumpsum payment a fraction not exceeding one-third of his pension.

Explanation : (1) The term "Pension" referred to in this Chapter and hereinafter in Chapters XII and XIII unless the context otherwise required, means any class of pension including compassionate allowance referred to in Chapter V of these Regulations but does not include any amount granted by the Commission to a pensioner as compensation for higher cost of living.

(2) In an application for commutation in Form 19 or Form 20, as the case may be an applicant for commutation shall indicate the fraction of pension which he desires to commute and may either indicate the maximum limit of one third of pension or such lower limit as he may desire to commute.

(3) If fraction of pension to be commuted results in fraction of rupee, such fraction of a rupee shall be ignored for the purpose of commutation.

NOTE : When a part of pension is withheld or withdrawn under Regulation 7 the residual amount is the amount that has been granted from the date

of withholding or withdrawal of a part of the pension. As such if commutation is applied for after this date, the admissible amount that can be commuted will have to be calculated with reference to the pension payable to the person after that date.

84. Commutation of pension to become absolute.—

(i) The commutation of pension shall become absolute in the case of an applicant for commutation referred to :—

(i) In sub-regulation (1) of Regulation 91 on the date on which the application in Form 19 is received by the Director (Administration).

(ii) in Chapter XIII on the date on which the medical authority signs the medical report in Part—III of Form 22 :

Provided that the reduction in the amount of pension on account of commutation shall be operative from the date of receipt of the commuted value of pension or at the end of three months after issue of authority by the Director (Administration) for the payment of commuted value of pension, whichever is earlier.

Explanation : The term "applicant" referred to in this chapter and hereinafter in chapters XII and XIII means a commission's employee, including a retired Commission's employee, who applies for commutation of a fraction of pension in the said form.

(2) In the case of an applicant referred to in—Regulation 87 and Regulation 88, the commuted value is paid in two stages. The reduction in the amount of pension shall be made from the respective dates of the payments as laid down in the proviso to sub-regulation (1).

(3) The date on which the payment of the commuted value of pension was made to the applicant shall be entered in both halves of the pension payment order by the Chief Accounts Officer under intimation to the Director (Administration) who authorised the payment of commuted value of pension.

85. Death of an applicant for commutation before receiving the commuted value.—If an applicant dies without receiving the commuted value on or after the date on which commutation became absolute, the commuted value shall be paid to his heirs.

86. Calculation of commuted value of pension.—The lumpsum payable to an applicant shall be calculated in accordance with the Table of the values fixed from time to time and applicable to the applicant on the date on which the commutation becomes absolute.

Explanation "Table" referred to in this regulation and hereinafter means table of commutation values for pension appended to these regulations.

87. Commutation of provisional pension.—(i) An employee to whom, pending assessment of final pension, provisional pension has been sanctioned under Regulation 58 shall be eligible to commute a fraction of such provisional pension subject to the limit specified in Regulation 83.

(2) For the purpose of commutation of provisional pension, the provisions of Chapter XII or Chapter XIII, as the case may be shall apply.

(3) The provisions of this sub-regulation shall apply to an applicant who for the purpose of commutation of provisional pension is governed by Chapter XIII of these regulations :

- (i) Where an applicant desires to commute a fraction of his provisional pension which works out to be not exceeding one hundred rupees per mensem and in whose case it is expected that the amount which he would be entitled to commute when the final amount of pension has been authorised would exceed one hundred rupees per mensem, his application shall be deemed, for the purpose of definition of Medical Authority, to be for the commutation of amount exceeding one hundred rupees per mensem.
- (ii) (a) Where the applicant does not indicate the possibility of his entitlement to commutation of pension exceeding one hundred rupees per mensem on the determination of final pension due to him, he shall be treated as having applied for commutation of pension not exceeding rupees one hundred rupees per mensem.
- (b) If on the determination of final pension, the applicant for commutation becomes entitled to commute his pension upto one hundred rupees per mensem, he shall not be required to undergo medical examination for payment to him of the difference between the commuted value of the pension originally commuted and the pension commuted subsequently.
- (c) If on the determination of final pension, the applicant for commutation becomes entitled to commute a sum exceeding one hundred rupees, he shall, for commutation of pension exceeding rupees one hundred, be required to apply a fresh in Form 20.

88. Retrospective revision of final pension.—An applicant who has commuted a fraction of his final pension and after commutation his pension has been revised and enhanced retrospectively as a result of Commission's decision, the applicant shall be paid the difference between the commuted value determined with reference to enhanced pension and the commuted value already authorised. For the payment of difference the applicant shall not be required to apply a fresh.

Provided that in the case of an applicant who has commuted a fraction of his original pension not exceeding rupees one hundred after being declared fit by the appointed Medical Authority and as a result of retrospective enhancement of pension, he becomes eligible to commute an amount exceeding one hundred rupees per mensem, he shall be allowed the difference between the commuted value of one hundred rupees per mensem and the commuted value of the fraction of the original pension without further

medical examination. The commutation of any further amount beyond rupees one hundred per mensem shall be treated as fresh commutation and allowed subject to examination by a Medical Board.

## CHAPTER-XII

### COMMUTATION OF PENSION WITHOUT MEDICAL EXAMINATION

89. Scope.—The provisions of this Chapter shall apply to an applicant who is eligible to commute a fraction of his pension without medical examination.

90. Eligibility. An applicant, who is authorised :—

- (i) a superannuation pension under Regulation 32.

or

- (ii) a retiring pension under Regulation 33.

or

- (iii) a pension on absorption in or under a Corporation or Company or body in terms of Regulation 34 and who elects to receive monthly pension and Death-cum-retirement Gratuity.

or

- (iv) a compensation pension on abolition of permanent post under Regulation 37.

or

- (v) a pension in whole or in part on the finalisation of the departmental or judicial proceedings referred to in Regulation 8 and issue of final orders thereon,

shall, subject to the limit in Regulation 83, be eligible to commute a fraction of his pension without medical examination.

Provided that he applies for commutation of pension in Form 19 in accordance with the provisions of Regulation 91.

Note : Pension referred to in clause (i), clause (ii) and clause (iv) shall include the provisional pension sanctioned under Regulation 58.

91. Application for commutation of Pension.—(1) An applicant who is in receipt of any pension referred to in Regulation 90 and desires to commute a fraction of that pension any time after the date following the date of his retirement from service but before the expiry of one year from the date of retirement shall—

- (a) apply to the Director (Administration) in form 19 after the date of his retirement;
- (b) ensure that the application in Form 19 duly completed, is delivered to the Director (Administration) as early as possible but not later than one year of the date of his retirement;

Provided that in the case of an applicant (a) referred to in clause (iii) of Regulation 90 where order retiring him from Commission's service had been issued from a retrospective date, the period of one year referred to in this sub-regulation shall reckon from the date of issue of the retirement orders; (b) referred to in clause (v) of Regulation 90 the period of one year referred to in this sub-regulation shall reckon from the date of issue of the orders consequent on the finalisation of the departmental or judicial proceedings.

(2) An applicant who applies for commutation of pension within one year of the date of his retirement but his application in Form 19 is received by the Director (Administration) after one year of the date of his retirement, shall not be eligible to get his pension commuted, without medical examination. Such an applicant, if he desires to commute a fraction of his pension, shall apply afresh in Form 20 in accordance with the procedure laid down in Chapter-XIII.

92. Action to be taken by the Director (Administration) on application for commutation of pension.—(1) The Director (Administration) on receipt of application in Form 19 under sub-regulation (1) of regulation 91 shall—

- (a) initial the Form indicating the date of its receipt;
- (b) acknowledge immediately the receipt of Form 19 in Part-II of that Form and despatch the same to the applicant.
- (c) take immediate action to complete Part-III of Form 19.

(2) In case application in Form 19 is received by the Director (Administration) Under sub-regulation (1) of Regulation 91 after one year of the date of retirement of the applicant, the Director (Administration) shall inform the applicant that—

- (a) he shall not be eligible to commute a fraction of pension without medical examination;
- (b) If he desires to get a fraction of the pension commuted, he should apply afresh in Form 20 so that arrangements for medical examination are made in accordance with the procedure laid down in Chapter-XIII.

93. Authorisation of commuted value by the Director (Administration).—(i) The Director (Administration) on receipt of Form 19 shall—

- (a) verify that information furnished by the applicant in Part-I of Form 19 is correct;
- (b) verify that the applicant is eligible to commute a fraction of his pension without medical examination.
- (c) determine the commuted value of pension;
- (d) issue authority for the payment of commuted value of pension to the Chief Accounts Officer

(2) The Director (Administration) after necessary verification of the information furnished in Form 19 shall—

- (a) issue authority for the payment of commuted value of pension to the Chief Accounts Officer;
- (b) draw the attention of the Chief Accounts Officer to the proviso of sub-regulation (1) of Regulation 84 so that the Chief Accounts Officer may make entry in the Pension Payment Order regarding the date on which the amount of pension is to be reduced on account of commuted part of pension;
- (c) endorse to the applicant a copy of the authority referred to in clause (a) with the instructions that he should collect the commuted value of pension from the Chief Accounts Officer.

94. Authorisation of the commuted value of a fraction of provisional pension.—(1) If pending determination of final pension, the Director (Administration) has sanctioned provisional pension to an employee under Regulation 58 and such an employee has applied for commutation of provisional pension in Form 19 in accordance with the provisions of Regulation 87 the Director (Administration) on receipt of Form 19 shall take action as provided in sub-regulation (1) of Regulation 92 and verify the correctness of the amount of provisional pension and make further verification as provided in sub-regulation (1) of Regulation 93.

(2) The Director (Administration) after necessary verification of the amount of the provisional pension and the amount of the commuted value shall —

- (a) issue authority for the payment of commuted value of the Chief Accounts Officer with the remarks that the commuted value may be drawn and disbursed to the applicant under intimation to him;
- (b) draw the attention of the Chief Accounts Officer to the proviso to sub-regulation (1) of Regulation 84 so that the Chief Accounts Officer may make reduction in the amount of provisional pension on account of commutation accordingly; and
- (c) endorse to the applicant, a copy of the authority referred to in clause (a) with the instructions that he should pursue the matter with the Chief Accounts Officer.

(3) The Chief Accounts Officer on receipt of authority from the Director (Administration) under Sub-regulation (2), shall draw the amount of commuted value of pension and disburse the same to the applicant under intimation to the Director (Administration).

4. The Director (Administration) shall on final assessment of pension—

- (a) issue authority to the Chief Accounts Officer for the payment of the difference between the commuted value so determined and the commuted value already paid by the Head of Office.



- (b) make entry in the pension Payment order to be issued on the cessation of the payment of the provisional pension by the Head of Office, the fact of the payment of the commuted value of provisional pension by the Chief Accounts Officer and also indicate the date from which the payment of the residuary pension shall commence.

### CHAPTER XIII

#### COMMUTATION OF PENSION AFTER MEDICAL EXAMINATION

95. Scope : The provisions of this Chapter shall apply to an applicant who is eligible to commute fraction of his pension after medical examination.

96. Eligibility : An applicant who—

- (i) retires on invalid pension under Regulation 36.

or

- (ii) on absorption in or under a Corporation or Company or body corporate or incorporate elects the alternative of receiving the death-cum-retirement gratuity and a lumpsum in lieu of Pension in terms of Regulation 34

or

- (iii) is compulsorily retired from service as penalty and is granted pension under Regulation 38.

- (iv) is in receipt of compassionate allowance under Regulation 39.

or

- (v) has retired from service on one of the pensions referred to in Regulation 90 but his application for commutation has not been received by the Director (Administration) within one year of his retirement, shall be eligible to commute a fraction of his pension subject to the limit specified in Regulation 83 after he has been declared fit by the appropriate medical authority.

97. Application for commutation of pension.—An applicant referred to in Regulation 96 shall apply to the Director (Administration) in Form 20 for commutation of a fraction of his pension including provisional pension sanctioned under Regulation 58.

98. Action to be taken by the Director (Administration) on application for commutation of pension.—(1) The Director (Administration) on receipt of application in Part-I of Form 20 under Regulation 97 shall—

- (a) acknowledge immediately the receipt of Form 20 in Part-II of that Form and despatch the same to the applicant;
- (b) complete Part-III and IV of that Form.

(2) The Director (Administration) shall address in Form 21 to the Medical authority where the applicant for commutation desires to be medically examined and forward to him the following documents :

- (i) Form 20 with Part-IV of that Form duly completed in original;
- (ii) two copies of the applicant's photograph of which one shall be an attested copy;
- (iii) a copy of Form 22 with a spare copy of Part-III of that Form;
- (iv) report or statement of the applicant's case if he has been granted invalid pension or has previously commuted a part of his pension or declined to accept commutation on the basis of an addition of years to his actual age or has been refused commutation on medical grounds.

(3) A copy of letter in Form 21 addressed to the Medical Authority shall be endorsed to the applicant informing him where and when he should appear for medical examination.

99. Action to be taken by the Medical Authority.

(1) The Medical Authority on receipt of documents referred to in sub-regulation (2) of Regulation 98 shall examine the applicant as provided in Regulation 102. (2) In fixing the date for medical examination, it shall be ensured that the medical examination is held, as far as possible, before the date of far as possible, before the date of applicant's next birth date.

100. Fee for medical examination to be borne by the applicant for commutation. The applicant for commutation shall be required to pay for medical examination such fee as may be specified by the Commission.

101. Failure to appear before the medical authority. (1) If the applicant after receipt of copy of the letter addressed to the Medical Authority referred to in sub-regulation (3) of Regulation 98 fails to appear for medical examination before the medical authority on the date and time communicated to him (including any change therein either at the request of the applicant or due to administrative reasons) and there is no reasonable ground for his failure, the medical authority shall report the fact to the Director (Administration) and return to him the documents received under sub-regulation (2) of Regulation 98. (2) With the return of documents to the Director (Administration) under sub-regulation (1), the application for commutation shall be treated as having been withdrawn.

102. Procedure for Medical Examination. (1) The Medical Authority shall :—

- (a) obtain from the applicant for commutation a statement in part-I of Form 22 duly signed by the applicant in its presence;
- (b) subject the applicant to medical examination and enter the result thereof in Part-II of Form 22;



(c) attest the unattested copy of the photograph of the applicant;

(d) complete the certificate contained in Part-III of Form 22;

Provided that where :—

- (i) an applicant has been granted invalid pension, or
- (ii) an applicant has previously commuted a part of his pension, or
- (iii) an applicant has been refused commutation on medical grounds, or
- (iv) an applicant had declined to accept the commutation on the basis of addition of years to his actual age,

the medical authority shall, before completing the certificate contained in Part-III of Form 22, take into consideration the statement of the medical case of the applicant.

(2) After complying with the requirements of sub-regulation (1), the medical authority shall without delay forward to the Director (Adm.) who has already completed Part-IV of Form 20, the following documents, namely :—

- (a) Form 20 in original,
- (b) attested copy of the applicant's Photograph,
- (c) Form 22 in original.

3. The medical authority shall also send to the applicant a certified copy of Part-III of Form 22.

103. Second Medical Examination.—(1) Subject to the provisions of Regulation 104, the medical examination in the case of an applicant who has been refused commutation on medical grounds or who has declined to accept commutation on the basis of addition of years to his actual age recommended by the Medical authority shall take place after the expiry of a period of not less than one year from the date of the first medical examination.

(2) If the applicant desires to be re-examined on the expiry of the period specified in sub-regulation (1), the examination shall be by a Medical Board at his own expense. For this purpose, he shall address a letter to the director (Administration) with the request that arrangements for his re-examination by the Medical Board may be made. He shall indicate in the letter :—

- (i) the medical authority which examined him earlier, and the date on which such examination took place,
- (ii) the place where he was examined
- (iii) the opinion of the medical authority,
- (iv) the date of birth and the date of retirement,
- (v) designation of the post held at the time of retirement,

(vi) the amount of pension authorised,

(vii) the fraction of pension which was originally applied for commutation.

(3) The Director (Administration) on receipt of letter under sub-regulation (2) shall address the Medical Board for arranging re-examination of the applicant. A copy of this letter shall be endorsed to the applicant informing him where and when he should appear for medical examination. Director (Administration) shall forward the following documents to the Medical Board :—

- (i) letter in original received from the applicant,
- (ii) a certified copy of Form 22 received earlier from the medical authority under clause (c) of sub-regulation (2) of Regulation 102.

(4) The applicant after the receipt of Communication under sub-regulation (3) shall appear before the Medical Board at the place and on the date communicated to him.

(5) The Medical Board shall examine the applicant and if after the examination it is of the view that the earlier opinion of the medical authority needs no revision or modification or needs revision or modification shall record its opinion and communicate the same to the Director (Administration) under intimation to the applicant. The documents received by the Medical Board under sub-regulation (3) shall also be returned to the Director (Administration).

(6) If as a result of the opinion of the Medical Board received by the Director (Administration) under sub-regulation (5), the applicant becomes eligible to commute a fraction of pension originally applied for, the Director (Administration) shall determine the commuted value with reference to the Table applicable on the date, the Medical Board recorded its opinion with reference to the revised or modified opinion of the Medical Board and take action to authorise the commuted value to the applicant.

104. Appeal against the findings of Medical Authority.—(1) Notwithstanding anything contained in Regulation 103 an applicant who has been refused commutation on medical grounds or who has declined to accept commutation on the basis of addition of years to his actual age recommended by the Medical Authority shall be eligible for second medical examination before the expiry of the period specified in sub-regulation (1) of Regulation 103, if he feels that the medical authority in refusing commutation on medical grounds or making addition of years to his actual age has committed an error of judgement. Such an applicant may, within one month of the receipt of the certified copy of Part III of Form 22, from the medical authority, prefer an appeal by addressing a letter to the Director (Administration) that the opinion of the medical authority may be got reviewed by another medical authority mentioned in sub Regulation (2) at his own expenses.

He shall also indicate in the letter :—

- (i) the medical authority which had examined him earlier and the date on which the examination took place,
- (ii) the place where he was examined,
- (iii) the opinion of the medical authority,
- (iv) the date of birth and the date of retirement,
- (v) designation of the post held at the time of retirement,
- (vi) the amount of pension authorised,
- (vii) the fraction of pension which was originally applied for commutation.

(2) (i) The applicant referred to in sub-regulation (1) shall be re-examined by a Medical Board, or  
(ii) If he was previously examined by a medical board, he shall be re-examined by a second Medical Board the members of which shall be different from those of the first Medical Board.

(3) The Director (Administration) shall, within one month of the receipt of letter under sub-regulation (1), take steps for arranging the re-examination of the applicant. For this purpose, he shall address the appropriate Medical Authority and forward to it the documents :—

- (i) A copy of the letter received from the applicant.
- (ii) certified copy of Form 22 received earlier by him from the Medical Authority under clause (c) of sub-regulation (2) of Regulation 102.

(4) A copy of the letter addressed to the Medical Authority shall be endorsed to the applicant informing him where and when he should appear for medical examination.

(5) The Medical Authority on receipt of communication from the Director (Administration) under sub-regulation (3) shall arrange for the second medical examination of the applicant.

(6) The applicant on receipt of the communication under sub-regulation (4) shall appear for the medical examination before the Medical Authority on the date communicated to him.

(7) The Medical Board shall examine the applicant and if after the examination, it is of the view that the earlier opinion of the medical authority needs no revision or modification or needs revision or modification shall record its opinion and communicate the same to the Director (Administration) under intimation to the applicant and the findings of the Medical Board shall be binding on the applicant.

(8) If the Medical Board as a result of the second medical examination of the applicant acts aside or modifies the opinion of the first medical authority, the finding of the Medical Board shall be deemed to have come into force on the date on which the first medical authority recorded its opinion and the claim of the applicant shall be settled accordingly.

(9) Nothing contained in this regulation shall apply to an applicant in whose case the medical authority as a result of the first medical examination had directed that the applicant's age for the purpose of commutation should be assumed to be greater than his actual age, and the applicant received the commuted value with reference to the enhanced age.

105. Withdrawal of application.—(1) The applicant may after giving notice in writing to the Director (Administration) withdraw his application at any time before subjecting himself to medical examination before the medical authority but in no case after he has appeared before such authority;

(2) In case the medical authority directs that the applicant's age for the purpose of commutation shall be assumed to be greater than his actual age, the applicant may—

- (a) by giving notice in writing to the Director (Administration) withdraw his application (within fourteen days) from the date on which he receives the certified copy of Part-III of Form 22; and
- (b) request the Director (Administration) within the period specified in clause (a) that he may be permitted to reduce the amount of pension already applied for commutation to an amount to be indicated by the applicant.

(3) Where a request for withdrawal has not been made by the applicant within the time specified in clause (a) of sub-regulation (2), it shall be presumed that he has accepted the findings of the medical authority and the Director (Administration) shall take action to authorise the payment of commuted value of pension.

(4) If a request for reduction in the amount of pension to be commuted is made as provided in clause (b) of sub-regulation (2), the Director (Administration) shall authorise the payment of commuted value of pension with reference to the reduced amount.

(5) If the applicant is informed by the Director (Administration) under Regulation 106 that on account of modification of the Table, the commuted value becoming payable to the applicant for commutation will be less than the value communicated to him in Form 21, it shall be open to the applicant to withdraw his application by a written notice addressed of the date on which he receives intimation of such modification.

106. Modification in the value specified in the Table.—(1) In case the value specified in the Table is Modified at any time before the commutation becomes absolute in terms of clause (ii) of sub-regulation (1) of Regulation 84, the payment shall be made in accordance with the value so modified.

(2) Where the commuted value calculated with reference to the Table as modified, is less favourable than the value determined with reference to the Table before it was so modified, the Director (Administration) shall inform the applicant of the revised value and communicate to him the provisions of sub-regulation (5) of Regulation 105.

107. Authorisation of payment of commuted value by the Director (Administration).—(1) Subject to the provisions of sub-regulation (2) and sub-regulation (3) of Regulation 105, the Director (Administration) on receipt of the documents referred to in sub-regulation (2) of Regulation 102 from the medical authority, shall without delay issue an order to the Chief Accounts Officer and furnish to him the following particulars and documents, namely:—

- (i) the amount of pension commuted, the amount of commuted value of pension and the date in which the commutation became absolute,
  - (ii) the amount of residuary pension,
  - (iii) Form 22 in original,
  - (iv) copy of the applicant's Photograph as attested by the medical authority.
- (2) The Director (Administration) shall also—
- (a) bring to the notice of the Chief Accounts officer the provisions of the proviso to sub-regulation (1) of Regulation 84 regarding the date on which the amount of original pension should be reduced.
  - (b) endorse to the applicant a copy of the order issued under sub-regulation (i) with the remarks that he should collect the commuted value from the Chief Accounts officer, and
  - (c) bring to the notice of the applicant the provisions of the proviso to sub-regulation (1) of Regulation 84.

108. Final assessment of provisional pension.—(1) An applicant referred to in sub-regulation (3) of Regulation 87 to whom commuted value of the fraction of the provisional pension has been paid shall, on final

assessment of the pension, be paid the difference between the commuted value so determined and the commuted value already paid;

Provided that where an applicant has been examined by a Medical Authority for the commutation of a fraction of provisional pension and such an applicant on assessment of final pension becomes eligible to commute an amount exceeding one hundred rupees per mensem, he shall be allowed the difference between the commuted value of one hundred rupees per mensem and the commuted value of the fraction of the provisional pension without further medical examination but the payment of the commuted value of pension exceeding one hundred rupees per mensem shall be made if the applicant applies afresh for medical examination as provided in clause (iv) of sub-regulation (3) of Regulation 87 and he is declared fit by the Medical Board.

(2) The commuted value of the fraction of provisional pension as indicated in the endorsement in Form 21 addressed to the applicant and forwarded under sub-regulation (3) of Regulation 98 shall be deemed to have been amended with the issue of an authority by the Director (Administration) for the payment of difference between the commuted value of the fraction of the final pension and the fraction of the provisional pension.

## CHAPTER XIV

### Miscellaneous

109. Finance and expenditure.—All the expenditure for payments arising out of and on account of these regulations shall be met from the funds provided by the Central Government to the Commission in each financial year under Section 17 of the Act.

110. Interpretation.—If any doubt arises as to the interpretation of any provision of these regulations, they shall be interpreted in accordance with the rules/orders on the subject issued by the Government of India from time to time.

M. Y. RANADE,  
Chief Executive Officer,  
Khadi & Village Industries Commission  
Bombay-400056.

Bombay

Dated : 26th September, 1984.

[No. 3(2)/84-KVI-I]  
G. VENKATARAMANAN, Jt. Secy.

## FORM-1

[(See Regulation 48 (1)]

## NOMINATION FOR DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY

When the employee has a family and wishes to nominate one member, or more than one member, thereof.

I.....hereby nominate the person/persons mentioned below who is/are member(s) of my family, and confer on him/them the right to receive, to the extent specified below, any gratuity the payment of which may be authorised by the Commission in the event of my death while in service and the right to receive on my death, to the extent specified below, any gratuity which having become admissible to me on retirement may remain unpaid at my death:--

Original nominee(s)				Alternate nominee(s)	
Names and addresses of nominee/nominees	Relationship with the employee	Age	Amount or share or gratuity payable *to each	Name, address, relationship and age of the person or persons, if any to whom the right conferred on the nominee shall pass in the event of the nominee pre-deceasing the employee or the nominee dying after the death of the employee but before receiving payment of gratuity.	Amount or share of gratuity, payable to **each
1	2	3	4	5	6

\*The column should be filled in so as to cover the whole amount of the gratuity.

\*\*The amount/share of the gratuity shown in this column should cover the whole amount/share payable to the original nominee(s).

This nomination supersedes the nomination made by me earlier on.....which stands cancelled.

Note : (i) The employee shall draw lines across the blank space below the last entry to prevent the insertion of any name after he has signed.

(ii) Strike out which is not applicable.

Dated this.....day of.....198 at .....

Witnesses to signature :

1.....

2.....

Signature of employee

(To be filled in by the Head of Office)

Nomination by.....Signature of Head of Office.....

Designation.....Date.....

Office.....Designation.....

## PROFORMA FOR ACKNOWLEDGING THE RECEIPT OF THE NOMINATION FORM BY THE HEAD OF OFFICE

To

.....  
.....  
.....

Sir,

In acknowledging the receipt of your nomination, dated the...../cancellation, dated the.....  
of the nomination made earlier in respect of gratuity in Form.....I am to state that it has been duly placed on record.

Place.....

Signature of Head of Office

Dated the.....

Designation.....

Note : The employee is advised that it would be in the interest of his nominees if copies of the nominations and the related notices and acknowledgement are kept in safe custody so that they may come into the possession of the beneficiaries in the event of his death.



## FORM—2

[See Regulation 48 (1)]

## NOMINATION FOR DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY

When the employee has no family and wishes to nominate one person or more than one person.

I, ..... having no family, hereby nominate the person/persons mentioned below and confer on him/them the right to receive, to the extent specified below, any gratuity the payment of which may be authorised by the Commission in the event of my death while in service and the right to receive on my death, to the extent specified below, any gratuity, which having become admissible to me on retirement may remain unpaid at my death:

Original nominee(s)			Alternate nominee(s)		
Names & addresses of nominee/nominees.	Relationship with the employee.	age	Amount or share of gratuity payable to each*	Name, address relationship and age of the person or persons, if any to whom the right conferred on the nominee pre-deceasing the employee or the nominee dying after the death of the employee but before receiving payment of gratuity.	Amount or share of gratuity payable to each**
1	2	3	4	5	6

\*This column should be filled in so as to cover the whole amount of the gratuity.

\*\*The amount/share of the gratuity shown in this column should cover the whole amount/share payable to the original nominee(s). This nomination supersedes the nomination made by me earlier on ..... which stands cancelled.

Note : (i) The employee should draw lines across blank space below the last entry to prevent the insertion of any name after he has signed.

(ii) Strike out which is not applicable.

Dated this ..... day of ..... 198 at .....

Witnesses to signature

1. ....

2. ....

Signature of employee.

(To be filled by the Head of Office)

Nomination by .....

Designation .....

Office .....

Signature of Head of Office

Date .....

Designation .....

## PROFORMA FOR ACKNOWLEDGING THE RECEIPT OF THE NOMINATION FORM BY THE HEAD OF OFFICE.

To

.....  
.....  
.....

Sir,

In acknowledging the receipt of your nomination, dated the ..... cancellation, dated the ..... of the nomination made earlier in respect of gratuity in Form ..... I am to state that it has been duly placed on record.

Place .....

Signature of Head of Office

Dated the .....

Designation .....

Note:—The employee is advised that it would be in the interest of his nominees if copies of the nominations and the related notices and acknowledgement are kept in safe custody so that they may come into the possession of the beneficiaries in the event of his death.

## FORM—3

[Regulation 49 (13)]

## DETAILS OF FAMILY

Name of the employee .....  
 Designation .....  
 Date of Birth .....  
 Date of appointment .....  
 Details of members of my family as on .....

Sr. No.	Name of the Members of 'family'.	Date of birth	Relationship with the employee	Initials of the Head of office	Remarks
1	2	3	4	5	6

I hereby undertake to keep the above particulars up-to-date by notifying to the Head of Office any addition or alteration.

Place .....  
 Dated the .....

Signature of Employee

"Family" for this purpose means family as defined in clause(b) of sub-Regulation (15) of Regulation 49 of the Khadi and Village Industries Commission Employees (Pension) Regulations—1984.

NOTE : Wife and husband shall include respectively judicially separated wife and husband.

## FORM—4

[See Regulation 53 (1) (c) and 55(1)]

PARTICULARS TO BE OBTAINED BY THE HEAD OF OFFICE FROM THE RETIRING EMPLOYEE EIGHT MONTHS BEFORE THE DATE OF HIS RETIREMENT

- Name .....
- (a) Date of birth .....  
 (b) Date of retirement .....
- Two specimen signatures (to be furnished in a separate sheet) duly attested by a Commission's Officer.<sup>1</sup> .....
- Three<sup>2</sup> copies of Passport size joint Photograph<sup>3</sup> with wife or husband (To be attested by the Head of Office) .....
- Two slips showing the particulars of height and personal<sup>4</sup> identification marks duly attested by a Commission's Officer. ....
- Present address .....
- Address<sup>5</sup> after retirement .....
- Details<sup>6</sup> of the family in Form 3. ....

Place .....  
 Dated the .....

Signature .....  
 Designation .....  
 Deptt./Office. ....

- Two slips each bearing the left hand thumb and finger impressions duly attested may be furnished by a person who is not literate enough to sign his name. If such an employee on account of physical disability is unable to give left hand thumb and finger impressions he may give thumb and finger impression of the right hand. Where an employee has lost both the hands, he may give his toe impressions. Impressions should be duly attested by a Commission's Officer.
- Two copies of the Passport size Photograph of self only need to be furnished if the employee is governed by Regulation 49 and is unmarried or a widower or widow.
- Where it is not possible for an employee to submit a photograph with his wife or her husband, he or she may submit separate photographs. The photographs shall be attested by the Head of Office;
- Specify a few conspicuous marks, not less than two, if possible.
- Any subsequent change of address should be notified to the Head of Office.
- Applicable only where Regulation 49 applies to the employee.

## FORM—5

## FORM FOR ASSESSING PENSION AND GRATUITY SEE REGULATIONS 52, 54, 55(1) and 59(1)

(To be sent in Duplicate)

## PART—I

1. Name of the employee
2. Father's name (and also husband's name in the case of female employee)
3. Date of birth (by Christian era).
4. Religion.
5. Permanent residential address, showing village, town, district and state.
6. Present or last appointment including name of establishment.
  - (i) Substantive
  - (ii) Officiating, if any.
7. Date of beginning of service.
8. Date of ending of Service.
9. (i) Total period of military service for which pension or gratuity was sanctioned.  
(ii) Amount and nature of any pension/gratuity received for the military service.
10. Amount and nature of any pension/gratuity received for previous civil service.
11. Government/Organisation under which service has been rendered in order of employment.

Years.	Months	Days
--------	--------	------

12. Class of pension applicable.
13. The date on which action initiated to:
  - (i) Obtain the 'No Demand Certificate' from the Estates Officer as Provided in Regulation 51.
  - (ii) Assess the service and emoluments Qualifying for pension as provided in Regulation 53.
  - (iii) assess the Commission's dues other than the dues relating to the allotment of Commission's accommodation as provided in Regulation 67 (1).
14. Details of omission, imperfections or deficiencies in the service book which have been ignored under Regulation 53(1)(b)(ii),
15. Total length of qualifying service (for the purpose of adding towards broken periods, a month is reckoned as thirty days).
16. Periods of non-qualifying service

From	To
------	----

- (i) Interruption in service condoned under Regulation 25.
- (ii) Extraordinary leave not qualifying for pension.
- (iii) Period of suspension not treated as qualifying.
- (iv) Any other service not treated as qualifying.

Total

17. Emoluments reckoning for gratuity :

18. Average emoluments

\*Emolumen \_ drawn during the last ten months of service.

Post held	From	To	Pay	Personal Pay or special pay	Average Emoluments
-----------	------	----	-----	-----------------------------	--------------------

19. Date on which Form 4 has been obtained from the employee (To be obtained eight months before the date of retirement of employee).

20. (i) Proposed pension.  
(ii) Proposed graded relief.

21. Proposed death-cum-retirement gratuity.

22. Date from which pension is to commence.

23. Proposed amount of provisional pension. If departmental or judicial proceedings is instituted against the employee before retirement.

\*(i) In a case where the last ten months include some period not to be reckoned for calculating average emoluments an equal period backward has to be taken for calculating average emoluments.

(ii) The calculation of average emoluments should be based on actual number of days contained in each month.

24. Details of Commission's dues recoverable out of gratuity:—

(i) Licence fee for the allotment of Commission's accommodation (see Sub-regulations (2), (3) and (4) of Regulation 66).

(ii) Dues referred to in Regulation 67

25. Whether nomination made for-Death-cum-retirement gratuity.

26. With reference to Family pension applicable to the employee—

(i) Emoluments reckoning for the family pension.

(ii) the amount of the family pension becoming payable to the family of the employee, if death takes place after retirement:—

(a) Before attaining the age of 65 years, or

Rs. ....

(b) After attaining the age of 65 years.

Rs. ....

(iii) Complete and up-to-date details of the family as given in Form 3:—

Sr. No.	Name of the member of the family	Date of birth	Relationship with the employee.
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			

27. Height.

28. Identification marks.

29. Head of account to which pension and gratuity are debitable.

Signature of the Head of Office.

## PART—II

### SECTION—I

#### ACCOUNT ENFACEMENT :

1. Total period of qualifying service, which has been accepted for the grant of superannuation or retiring or invalid or compensation or compulsory retirement pension and gratuity, with reasons for disallowance, if any, (Other than disallowance indicated in Part I of this Form).
2. Amount of superannuation or retiring or invalid or compensation or compulsory retirement pension or gratuity that has been admitted.
3. The date from which superannuation or retiring or invalid or compensation or compulsory retirement pension or gratuity is admissible.
4. Head of Account to which superannuation or retiring or invalid or compensation or compulsory retirement pension or gratuity is chargeable.
5. The amount of the Family pension becoming payable to the entitled members of the family in the event of death of the employees after retirement.



## SECTION—II

1. Name of the employee.
2. Class of pension or gratuity.
3. Amount of pension authorised.
4. Amount of gratuity authorised.
5. Date of commencement of pension.
6. Amount of family pension in the event of death after retirement:
  - (i) If death takes place before 65 years of age, or
  - (ii) If death takes place after 65 years of age.
7. The amount of graded relief admissible on pension.
8. The Commission's dues recoverable out of gratuity before authorising its payment.
9. The amount of cash deposit or the amount of gratuity held over for adjustment of unassessed Commission's dues.
10. Date on which was pension papers received by the Director (Administration).

## FORM—6

See Regulation 55(i)

## FORM OF LIST FOR THE DIRECTOR (ADMINISTRATION) FORWARDING THE PENSION PAPERS OF AN EMPLOYEE

No. ....  
 Department/Office .....  
 Dated the .....

To,

The Director (Administration)  
 Khadi & V.I. Commission,  
 Irfa Road, Vile Parle (West),  
 Bombay-56.

Sub. :—PENSION PAPERS OF SHRI/SHRIMATI/MISS.....FOR  
 AUTHORISATION OF PENSION.

Sir,

I am directed to forward herewith the pension papers of Shri/Shrimati/Miss.....of this  
 Department/Office for further necessary action.

2. The details of Commission's dues which will remain outstanding on the date of retirement of the employee and which need  
 to be recovered out of the amount of death-cum-retirement gratuity are indicated below :—

- |   |     |
|---|-----|
| (a) Balance of the House Building or conveyance advance.  | Rs. |
| (b) Overpayment of pay and allowance including leaves salary.   | Rs. |
| (c) Income-Tax deductible at source under Income-Tax Act 1961 (43 of 1961)  | Rs. |
| (d) Arrears of licence-fee for occupation of Commission's accommodation.  | Rs. |
| (e) The amount of licence-fee for the retention of Commission's accommodation for the permissible period of two months (or as may be prescribed) beyond the date of retirement. | Rs. |
| (f) Any other assessed dues and the nature thereof.   | Rs. |
| (g) The amount of gratuity to be withheld for adjustment of unassessed dues, if any.  | Rs. |

Total :

Rs.

3. Your attention is invited to the list of enclosures which is forwarded herewith.

4. The receipt of this letter may be acknowledged and this Department/Office informed that necessary instructions for the disbursement of pension have been issued to the Chief Accounts Office.

5. The death-cum-retirement gratuity will be drawn and disbursed by this Department/Office on receipt of authority from you. The outstanding Commission's dues as mentioned in para-2 above will also be recovered out of the death-cum-retirement gratuity before making payment.

Yours faithfully,

HEAD OF OFFICE.

#### LIST OF ENCLOSURES :

1. Form 4 and Form 5 duly completed.
2. Medical Certificate of incapacity (if the claim is for invalid pension).
3. Statement of the savings effected and the reasons why employment could not be found elsewhere (if the claim is for compensation of pension or gratuity).
4. Service-Book (Date of retirement to be indicated in the service book).
5. (a) To specimen signatures duly attested by a Commission's Officer of Gazetted status or in the case of pensioner not literate enough to sign has name, two slips bearing the left hand thumb and finger impressions, duly attested by Commission's Officer.
- (b) Two slips showing the particulars of height and identification marks, duly attested by a Commission Officer.
- (c) Three copies of passport size photograph with wife or husband (either jointly or separately) duly attested by the head of office.
6. A statement indicating the reasons for delay in case the pension papers are not forwarded before six months of the retirement of the employee.
7. Written statement, if any, of the employee as required under Regulation 53(i)(a).
8. Brief statement leading to reinstatement of the employee in case the employee has been reinstated after having been suspended, compulsorily retired, removed or dismissed from service.

NOTE :—When initials or name of the employee are or is incorrectly given in the various records consulted, this fact should be mentioned in the letter.

\*If an employee is compulsorily retired from service and delay is anticipated in obtaining Form 4 from the employee, the Head of Office may forward the pension papers to the Director (Administration) without Form 4. The form may be sent as soon as it is obtained from the employee.

[See Regulation 69(2)]

#### FORM OF LETTER TO THE MEMBER OF MEMBERS OF THE FAMILY OF A DECEASED EMPLOYEE WHERE VALID NOMINATION FOR THE GRANT OF THE DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY EXISTS

No. ....  
Department/Office .....  
.....  
Dated the .....

To :

\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

Sub. :—PAYMENT OF DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY IN RESPECT OF THE LATE SHRI/SHRIMATI. ....

Sir/Madam,

I am directed to state that in terms of the nomination made by the late Shri/Shrimati ..... (Designation) ..... in the Office/Department of ..... a death-cum-retirement gratuity is payable to his/her nominee(s). A copy of the said nomination is enclosed herewith.

2. I am to request that a claim for the grant of the gratuity may be submitted by you in the enclosed Form 9.

3. Should any contingency have happened since the date of making the nomination, so as to render the nomination invalid, in whole or in part, precise details of the contingency may kindly be stated.

Yours faithfully,

HEAD OF OFFICE

## FORM—8

(See Regulation 69(2))

## FORM OF LETTER TO THE MEMBER OR MEMBERS OF THE FAMILY OF A DECEASED EMPLOYEE WHERE VALID NOMINATION FOR THE GRANT OF THE DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY DOES NOT EXIST

No. ....  
 Deptt./Office, .....  
 Dated the.....

To

.....  
 .....  
 .....

Sub. :—PAYMENT OF DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY IN RESPECT OF SHRI/SMT./MISS. ....

Sir/Madam,

I am directed to say that in terms of Regulation 44 of the Khadi & Village Industries Commission Employees (Pension) Regulations 1984, a death-cum-retirement gratuity is payable to the following members of the family of late Shri/Smt./Miss .....  
 .....(Designation).....in the office/department of.....in equal shares :

- |   |   |   |
|---|---|---|
| (i) Wife/Husband including judicially separated wife/husband. | } | including step children and adopted children. |
| (ii) Sons   |   |   |
| (iii) Unmarried daughter                                      |   |   |

2. In the event of there being no surviving member of the family as indicated above, the gratuity will be payable to the following members of the family in equal shares :

- |   |   |  |
|---|---|--|
| (i) Widowed daughters including step and adopted daughters. | } | including adoptive parents in case of individuals whose personal law permits adoption. |
| (ii) Father   |   |  |
| (iii) Mother  |   |  |
- (iv) brother below the age of eighteen years and unmarried widowed sisters including step brothers and step sisters.  
 (v) Married daughters and  
 (vi) Children of a predeceased son.

3. It is requested that a claim for the payment of gratuity may be submitted in the enclosed Form 9 as soon as possible.

Yours faithfully,

HEAD OF OFFICE

## FORM—9

(See Regulation 69(2))

## FORM OF APPLICATION FOR THE GRANT OF DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY ON THE DEATH OF AN EMPLOYEE

(To be filled in separately by each claimant and in case the claimant is minor, the form should be filled in by the guardian on his/her behalf. Where there are more than one minor, the guardian should claim gratuity in one form on their behalf).

1. (i) Name of the claimant in case he is not minor.  
 (ii) Date of birth of the claimant
2. (i) Name of the guardian in case the claimants are minor(s).  
 (ii) Date of birth of the guardian
3. (i) Name of the deceased employee in respect of the whom gratuity is being claimed.  
 (ii) Date of death of the employee.  
 (iii) Office/Department in which the deceased served last.

4. Relationship of the claimant/guardian with the deceased employee.
5. Full postal address of claimant/guardian.
6. (i) Where gratuity is claimed by the guardian on behalf of minors the names of the minors, their ages, relationship with the deceased employee etc. :—

Sr. No.	Name	Age	Relationship with the deceased employee	Postal address
1.				
2.				
3.				
4.				

(ii) Relationship of the guardian with minor.

7. Two specimen signatures or left hand thumb impression of the claimant/guardian duly attested.

Signature/Thumb impression of the claimant guardian.

(To be furnished in a separate sheet).

8. Attested by :—

Name	Full address	Signature
(i) .....	.....	.....
(ii) .....	.....	.....

9. Witnesses :

(i) .....	.....
(ii) .....	.....

\*1. To be furnished in case the applicant is not literate enough to sign his name.

2. Attestation should be done by two officers of the Commission or two gazetted Government Servants or two or more persons of respectability in town, village or pargana in which the applicant resides.

#### FORM—10

(See Regulation 69(2))

#### FORM OF LETTER TO THE WIDOW/WIDOWER OF A DECEASED EMPLOYEE FOR GRANT OF FAMILY PENSION

No. ....  
Department/Office .....  
Dated the .....

To

.....  
.....  
.....

Sub. :—PAYMENT OF FAMILY PENSION IN RESPECT OF LATE SHRI/SMT. ....

Sir/Madam,

I am directed say that in terms of Regulation 49 of Khadi & Village Industries Commission (Pension) Regulations 1984, a family pension is payable to you as widow/widower of the late Shri/Smt. .... in the office/Department of .....

2. You are advised that a claim for the grant of family pension may be submitted in the enclosed Form-11.

3. The family pension will be payable till your death or re-marriage, whichever event occurs earlier. In the event of your death or re-marriage, the family pension shall be granted to the child or children, if any, through the guardian.

Yours faithfully,  
HEAD OF OFFICE



## FORM—11

[See Regulations 69(3) and 77(2)]

## FORM APPLICATION FOR THE GRANT OF FAMILY PENSION ON THE DEATH OF THE EMPLOYEE/PENSIONER

1. Name of the applicant.

(i) Widow/Widower.

(ii) Guardian if the deceased person is survived by child or children.

2. Name and age of surviving widow/widower and children of the deceased employee/pensioner.

Sr. No.	Name	Relationship with the deceased person	Date of birth by Christian Era
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			

3. Date of death of the employee/pensioner.

4. Office/Department in which the deceased employee/pensioner served last.

5. If the applicant is guardian, his date of birth and relationship with the deceased employee/pensioner.

6. If the applicant is a widow/widower the amount of service pension which she/he may be in receipt on the date of death of the husband/wife.

7. Full address of the applicant.

8. Enclosures :

- (i) Two specimen signatures of the applicant, duly attested (To be furnished two separate sheets).
- (ii) Two copies of passport size photograph of the applicant, duly attested.
- (iii) Two slips each bearing left hand thumb and finger impression\* of the applicant duly attested.
- (iv) Descriptive Roll of the applicant, duly attested, indicating (a), height and (b) personal marks, if any, on the hand, face etc. (specify a few conspicuous marks, not less than two, if possible).  
(To be furnished in duplicate)
- (v) Certificate(s) of age in original with two attested copies) showing the dates of birth of the children. The certificate should be from the Municipal Authorities or from the local panchayat or from the head of a recognised school, (if the child is studying in such school. (This information should be furnished in respect of such child or children, the particulars of whose date of birth are not available with the head of office).

9. Signature or left hand thumb impression\* of the applicant.

10. Attested by :

Name	Full address	Signature
(i) . . . . .		
(ii) . . . . .		

11. Witnesses :

- (i) . . . . .
- (ii) . . . . .

NOTE : Attestation should be done by two Officers of the Commission or two Gazetted Government servants or two or more persons of respectability in the town, village or pargana in which the applicant resides.

\*To be furnished in case of applicant is not literate enough to sign his name.

In the case of re-marriage of the widow while applying for family pension on behalf of the minor child, the widow should furnish (i) the date of her re-marriage, (ii) her full address in the application for family pension. It is not necessary to furnish a fresh application nor the documents as they are already available with the pension papers on which family pension was originally admitted to her.

## FORM 12

(See Regulations 70(i) 72(1)(3), and (5) and 74(1))

**FORM FOR ASSESSING AND AUTHORISING THE PAYMENT OF FAMILY PENSION AND DEATH-CUM RETIREMENT GRATUITY WHEN AN EMPLOYEE DIES WHILE IN SERVICE.**

(To be sent in duplicate)

**PART—I**

1. Name of the deceased employee
2. Father's name (and also husband's name in the case of female employee)
3. Date of Birth (By Christian Era)
4. Date of death (By Christian Era)
5. Religion
6. Office/Department in which last employed.
7. Appointment held last
  - (i) Substantive
  - (ii) Officiating
8. Date of beginning of service
9. Date of ending of service.
10. (i) Total period of service for which pension and gratuity was sanctioned;  
(ii) Amount and nature of any pension/gratuity received for the military service.
11. Amount and nature of any pension received for previous civil service, if any.
12. Government/Organisation under which service has been rendered in order of Employment.
 

Year	Months	Days
------	--------	------
13. The date on which intimation regarding the death of employee was received by the Head of Office.
14. The date on which action initiated to :
  - (i) Obtain claim or claims from the claimants in the appropriate form for death-cum-retirement gratuity and family pension as provided in regulation 69;
  - (ii) Obtain the No Demand Certificate, from the Estates Officer as provided in Regulation 7(i).
  - (iii) Assess the Commission's dues other than the dues pertaining to occupation of Commission's accommodation as provided in Regulation 75(2) and
  - (iv) assess the service and emoluments qualifying for death-cum-retirement gratuity and family pension as provided in Regulations 70 and 71.
15. Whether nomination made for death-cum-retirement gratuity.
16. Length of service qualifying for death-cum-retirement gratuity/pension.
17. Periods of non-qualifying services :
 

	From	To
--	------	----

  - (i) Interruption in service condoned under Regulation 25.
  - (ii) Extraordinary leave not qualifying for gratuity.
  - (iii) period of suspension treated as non-qualifying.
  - (iv) Any other service not treated as qualifying service.

Total period of non-qualifying service.

18. (a) Emoluments reckoning for death-cum-retirement gratuity.  
(b) Amount of death-cum-retirement gratuity.
19. Family Pension :
  - (i) Proposed Family Pension at
    - (a) enhanced rates (if service rendered at the time of death is more than seven years as in regulation 49(3).
    - (b) ordinary rates as in Regulation 49(1).

(ii) Period of tenability of Family Pension	From	To
(a) enhanced rates.		
(b) ordinary rates.		

20. person to whom family pension is payable :  
    Name :  
    Relationship with the deceased employed :  
    Full postal address :

21. Details of Commission's dues recoverable out of gratuity.  
    (i) Licence-fee for occupation of Commission's accommodation (see Regulation 75)  
    (ii) Amount of death-cum-retirement gratuity to be held over pending receipt of information from Estates Officer.  
        (See Regulation 75(i)(v))  
    (iii) Dues referred to in Regulation 75(2).

22. Date on which claims received from the claimants.

23. Name of guardian who will receive payment of death-cum-retirement gratuity and family pension in the case of minors.

24. Head of Account to which death-cum-retirement gratuity and family pension are debitable.  
    Place.....  
    Dated the.....

Signature of Head of Office

## SECTION—II

DETAILS OF PROVISIONAL FAMILY PENSION AND GRATUITY TO BE DETERMINED BY THE HEAD OF OFFICE  
IN ACCORDANCE WITH REGULATION 73.

Provisional family pension	Rs..... p.m.
Gratuity (the amount mentioned in item 18(b) of part-I)	Rs..... p.m.
Less	
(a) Licence fee recoverable from gratuity for occupation of Commission's accommodation (as in item 21(i) of Part-I)	Rs..... p.m.
(b) Amount of gratuity to be held over pending receipt of information from the Estate Officer (as in item 21(ii) of Part-I)	Rs.....
(c) Other Commission's dues as mentioned in item 21(iii) of Part-I.	Rs.....
(d) Total of (a), (b) and (c)	Rs.....
Place.....	
Dated the.....	

Signature of Head of Office

## PART—II

## SECTION—I

## ACCOUNT ENFORCEMENT

- Total period of qualifying service which has been accepted for—
  - Death-cum-retirement gratuity,
  - Family pension.
- Net amount of gratuity after adjusting Commission's dues.
- Amount and the period of tenability of family pension. If death took place.
 

Amount	Period of tenability
Rs.	From      To
(i) before seven years service	
(ii) after seven year of service	
- Head of Account to which death-cum-retirement gratuity and Family pension are chargeable.
- Date from which family pension is admissible.

## SECTION—II

1. Name of the deceased employee.
2. Date of death of the employee.
3. Date on which pension papers received by the Director (Administration).
4. Amount of family pension authorised.
5. Amount gratuity authorised.
6. Date of commencement of family pension.
7. Date on which payment of family pension and gratuity authorised.
8. Amount recoverable from gratuity.
9. Amount of gratuity held over pending receipt of "No demand Certificate".

Place .....

Dated the .....

DIRECTOR (ADMINISTRATION)

## FORM 13

[See Regulation 7 (i)]

**FORM OF LETTER TO THE DIRECTOR (ADMINISTRATION) FORWARDING PAPERS FOR GRANT OF FAMILY PENSION AND DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY TO THE FAMILY OF AN EMPLOYEE WHO DIES WHILE IN SERVICE**

No. ....  
 Department/Office .....  
 Dated the .....

To

The Director (Administration)

.....  
 .....

**SUB. : GRANT OF FAMILY PENSION AND DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY**

Sir,

I am directed to say that Shri/Smt. .... (Designation) died on .....  
 His family has become eligible for the grant of family pension and death-cum-retirement gratuity. Form 12 duly completed is forwarded herewith for further necessary action.

2. Commission's dues in respect of the deceased employee will be recovered out of the death-cum-retirement gratuity as indicated in section-II of Part-I of Form 12.

3. Your attention is invited to the list of enclosures which is forwarded herewith.

4. The receipt of this letter may be acknowledged and this Department/Office informed that necessary instructions for the disbursement of family pension and death-cum-retirement gratuity have been issued to the Chief Accounts Officer.

Yours faithfully,

(HEAD OF OFFICE)

## LIST OF ENCLOSURES :

1. Form 12 duly completed.
2. Service Book (date of death to be indicated in the Service Book.)
3. Two specimen signatures of left hand thumb and finger impressions of the claimant or guardian duly attested.
4. Two copies of passport size photographs of the claimant or guardian duly attested.
5. Two copies of descriptive roll of the claimant or guardian duly attested indicating height and personal marks.
6. Postal address of the claimant or guardian.



## FORM 14

[See Regulation 77(2)]

## FORM OF LETTER SANCTIONING FAMILY PENSION TO THE CHILD OR CHILDREN OF A RETIRED EMPLOYEE WHO DIES AFTER RETIREMENT BUT DOES NOT LEAVE BEHIND A WIDOW OR WIDOWER

No. ....

Department/Office.....

Dated the.....

To

The Chief Accounts Officer,  
.....

## SUB. : GRANT OF FAMILY PENSION TO THE CHILD/CHILDREN

Sir,

I am directed to say that Shri/Shrimati.....formerly.....in this  
(Designation)

Department/Office was authorised pension of Rs.....with effect from.....  
on his/her retirement from the service.

2. Intimation has been received in this Department/Office that Shri/Shrimati.....died on  
.....and that time of death left no widow/widower but was survived by the following children.\*

Sr. No.	Name	Son/Daughter	Date of birth in Christian era	Date from which family pension ceases to be payable
1	2	3	4	5
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

3. In terms of Regulation 49 of the Khadi & Village Industries Commission-Employees (Pension) Regulations 1984 the amount of Family pension has become payable to the children in the order mentioned above.

The family pension will be payable on behalf of the minor to Shri/Shrimati.....who is the guardian.

4. Sanction for the grant of Family pension of Rs.....per month to the children mentioned above is hereby accorded. The Family pension will take effect from.....and subject to the provisions of Sub-Regulation (4) of Regulation 49 of the Khadi & Village Industries Commission Employees (Pension) Regulations 1984 will be tenable till.....

5. The Family Pension is debitable to the Head.....

6. Attention is invited to the information furnished in the list of enclosures.

7. The receipt of this letter may kindly be acknowledged.

Yours faithfully

CHIEF ACCOUNTS OFFICER

## LIST OF ENCLOSURES :

1. Permanent address of the guardian.
2. Specimen signature or\*\* left hand thumb and finger impressions of the claimant or guardian duly attested.
3. Two attested copies of passport size photograph of the guardian.
4. Descriptive Roll of the guardian, duly attested.

\*The names of children should be mentioned in the order of eligibility mentioned in Regulation 49 of the KVIC Employees (Pension) Regulations, 1984. Children born as a result of marriage which took place before the retirement of the employee or children adopted legally before retirement should only be included but children borne after retirement should not be included.

\*\*To be furnished in the case of the guardian who is not literate enough to sign his or her name.

## FORM 15

[See Regulation 77(2)]

## FORM OF LETTER SANCTIONING FAMILY PENSION TO THE CHILD OR CHILDREN ON THE DEATH OR REMARRIAGE OF A WIDOW/WIDOWER WHO WAS IN RECEIPT OF FAMILY PENSION

No. ....

Department/Office. ....

Dated the. ....

To

The Chief Accounts Officer

.....  
.....

## SUB. : GRANT OF FAMILY PENSION TO THE CHILD/CHILDREN

Sir

I am directed to say that Shri/Shrimati. .... widow/widower of late Shri/Shrimati. .... formerly designation. .... in this Department/office. .... was authorised the payment of the family Pension of Rs. .... with effect from the family pension was tenable till the death or remarriage of the widow/widower.

2. Intimation has been received in this Department/office that Shri/Shrimati. .... died/remarried on. ....

3. At the time of death/remarriage of Shri/Shrimati. .... had following children\* :

S.No.	Name	Son/Daughter	Date of birth in Christian era.	Date from which the family pension ceases to be payable
1	2	3	4	5
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

4. In terms of Regulation 49 of the Khadi & Village Industries Commission Employees (Pension) Regulations 1984, the amount of Family Pension has become payable to the children in the order mentioned above. The family will be payable on behalf of the minors to Shri/Shrimati. .... who is the guardian.

5. Sanction for the grant of family Pension Rs. .... p.m. to the children, mentioned above is hereby accorded. The Family Pension will take effect from. .... and subject to the provisions of sub-regulation (4) of Regulation 49 of the Khadi & Village Industries Commission Employees (Pension) Regulation 1984 will be tenable till. ....

6. The family Pension is debitable to the Head. ....

7. Attention is invited to the information furnished in the list of enclosures.

8. The receipt of this letter may kindly be acknowledged.

Yours faithfully,  
Director (Administration)

## LIST OF ENCLOSURES :

1. Permanent address of the guardian.
2. Specimen signature or left\*\* hand thumb and finger impression of the guardian duly attested.
3. Two attested copies of Passport size photograph of the guardian.
4. Descriptive roll of the guardian duly attested.

\*The names of children should be mentioned in the order of eligibility mentioned in Regulation 49. Children born as a result of marriage which took place before the retirement of the employee or children adopted legally, before retirement should only be included but children born after retirement should not be included.

\*\*To be furnished in the case of guardian who is not literate enough to sign his or her name.

## FORM 16

[See Regulation 77(3)]

## FORM OF APPLICATION FOR THE GRANT OF RESIDUARY/GRATUITY ON THE DEATH OF A PENSIONER

(To be filled in separately by each applicant)

1. Name of the applicant
2. (i) Name of the guardian in case the applicant is minor  
(ii) Date of birth of guardian
3. Name of the deceased pensioner
4. Office/Department in which the deceased pensioner served last
5. Date of death of the pensioner
6. Date of retirement of the deceased pensioner
7. Amount of monthly Pension (including ad-hoc increase, if any) sanctioned to deceased pensioner.
8. Amount of death-cum-retirement gratuity received by the deceased pensioner
9. The amount of Pension (including ad-hoc increase, if any) drawn by the deceased till the date of death.
10. If the deceased had commuted a portion of pension before his death, the commuted value of the pension.
11. Total of items 8, 9 and 10
12. Amount of death-cum-retirement gratuity equal to 12 times of the emoluments.
13. The amount of residuary gratuity claimed, i.e. the difference between the amount shown against item 12 and item 11.
14. Relationship of the applicant with the deceased pensioner
15. Date of birth of the applicant
16. Full address of the applicant
17. Signature or thumb impression of the applicant (to be furnished in a separate sheet duly attested)
18. Attested by

Sr.No.	Name	Full address	Signature
(i)			
(ii)			
19.	Witnesses :		
(i)			
(ii)			

1. If a retired employee in receipt of service gratuity or pension dies within five years from the date of his retirement from service including compulsory retirement as a penalty and the sums actually received by him at the time of his death on account of such gratuity of pension including ad-hoc increase, if any, together with the death-cum-retirement gratuity and the commuted value of any portion of pension commuted by him are less than the amount equal to 12 times of his emoluments, a residuary gratuity equal to the deficiency becomes payable to the family.
2. When an employee has retired before earning a pension, the amount of service gratuity should be indicated.
3. Attestation should be done for Gazetted Government servants or by two or more persons of respectability in the town, village or Pargana in which the applicant resides.

## FORM 17

[See Regulation 36 (3)]

## FORM OF MEDICAL CERTIFICATE

Certified that \*I/We have carefully examined AB son of CD a ..... in  
the ..... His age by his own statement is ..... years. I/We consider AB to be completely and  
permanently incapacitated for further service of any kind in the Department/office to which he belongs in consequence of .....  
..... (Here state disease or cause).

(If the incapacity does not appear to be complete and permanent, the certificate should be modified accordingly and the following  
addition should be made).

\*I/We are of the opinion that AB\* is fit for further service of less laborious character than that which he had been doing/may, after  
resting for ..... months, be fit for further service of less laborious character than that which he had  
being doing.

Place :

Medical Authority

Dated the

\*Strike out whichever is not applicable.

## FORM 18

(See Regulation 29)

## FORM OF CERTIFICATE OF VERIFICATION OF SERVICE FOR PENSION

No.

Department/Office

Dated

## CERTIFICATE

It is clarified that Shri ..... has completed a qualifying service of .....  
..... (Designation)  
..... years ..... months, and ..... days as on ..... (date), as per details given below. The service  
has been verified on the basis of his service documents and in accordance with the rules/Regulations regarding qualifying service in force  
at present. The verification of service under sub-regulation (1) and (2) of Regulation 29 of the Khadi and Village Industries Commission's  
Employees (Pension) Regulation, 1984 shall be treated as final and shall not be re-opened except when necessitated by a subsequent change  
in the rules/regulations and order governing the conditions under which the service qualifies for pension.

## DETAILS OF QUALIFYING SERVICE

	From	To
1.		
2.		
3.		
4.		

Signature of Head of Office

To

Shri .....  
.....



## FORM 19

## FORM OF APPLICATION FOR COMMUTATION OF A FRACTION OF PENSION WITHOUT MEDICAL EXAMINATION

[See Regulation 83(2), 84(1), 90, 91(1) and (2) and 92(1) and (2), 93(1), 94(1)]

(To be submitted in duplicate after retirement but within one year of the date of retirement)

## PART—I

Space for Photograph

(Here indicate the designation and full address of the  
Director (Administration))

To

The .....  
.....  
.....

## Sub. : COMMUTATION OF PENSION WITHOUT MEDICAL EXAMINATION

Sir,

I desire to commute a fraction of my pension as indicated below in accordance with the provisions of the Khadi & Village Industries Commission Employees (Pension) Regulation, 1984. An attested copy of my photograph is pasted on the application. The necessary particulars are furnished below :

1. Name (in Block letters) :
2. Father's name (also husband's name in the case of a female employee) :
3. Designation at the time of retirement :
4. Name of Office/Department in which employed :
5. Date of birth (By Christian era) :
6. Date of retirement :
7. Class of pension on which retired :
8. Amount of pension authorised, (in case final amount of pension has not been authorised, indicate the amount of provisional pension, sanctioned under Regulations 58 of the Khadi & Village Industries Commission Employees (Pension) Regulations-1984)
9. Fraction of pension proposed to be commuted. (The applicant should indicate the fraction of the amount of monthly pension (subject to maximum of one-third thereof) which he desires to commute and not the amount in rupees)
10. No. and date of the pension payment Order, if issued by the Director (Administration)

Place :

Date :

Signature of Applicant

Postal address

## PART II—ACKNOWLEDGEMENT

Received from Shri..... application in Part-I of Form 19 for the  
(Name) (Former designation)  
commutation of a fraction of pension without medical examination.

Place :

Date :

Signature  
Director (Administration)

## PART III

Forwarded to the Chief Accounts Officer.....with the remarks that—

(here indicate the address & designation)

- (i) the particulars furnished by the applicant in Part I have been verified and are correct.
- (ii) The applicant is eligible to get a fraction of his pension commuted without medical examination.
- (iii) The commuted value of pension determined with reference to the Table of commutation value of pension applicable at present comes to Rs. ....
- (iv) The amount of residuary pension after commutation will be Rs. ....

2. It is requested that the payment of the amount of the commuted value of pension may be made and an entry be made in the Pension Payment Order regarding the rate at which the amount of Pension is to be reduced on account of commuted part for pension.

3. The commuted value of pension is debitable to Head of Account.

Signature  
Director (Administration)

Place :

Date :

## FORM 20

**FORM OF APPLICATION FOR COMMUTATION OF PENSION AFTER MEDICAL EXAMINATION BY AN APPLICANT REFERRED TO IN REGULATION 96 OF THE KHADI AND VILLAGE INDUSTRIES COMMISSION EMPLOYEES (PENSION) REGULATIONS-1984**

[See Regulation 83(2), 87(3), 91(2), 92(2), 97, 98(1), (2), and (3), 99(1) and 102(2)]

(To be submitted in duplicate)

Space for Photograph

To

The .....  
.....  
.....

(Here indicate the designation and full address of Director (Administration))

**Sub. : COMMUTATION OF PENSION AFTER MEDICAL EXAMINATION**

Sir,

I desire to commute a fraction of my pension in accordance with the provisions of the Khadi & Village Industries Commission Employees (Pension) Regulations 1984 an attested copy of my photograph is pasted on the application and an unattested copy is enclosed. The necessary particulars are furnished below :—

1. Name (in Block letters) :
2. Father's name (and also husband's name in the case of a female employees) :
3. Designation :
4. Name of Office/Department in which employed :
5. Date of birth (By Christian era)
6. Date of retirement :
7. Class of pension on which retired (See Chapter V of the Khadi & Village Industries Commission Employees (Pension) Regulations 1984)
8. Amount of pension authorised (indicate the amount of provisional pension if full pension not authorised)
9. Fraction of pension proposed to be commuted (The applicant should indicate the fraction of the amount of monthly pension (subject to a maximum of one-third thereof) which he desires to commute and not the amount in rupees)
10. The number and date of the pension order authorised by the Director (Administration)
11. Approximate date from which commutation is desired to have effect.
12. The amount of pension already commuted, if any
13. Preference for station where medical examination is desired to take place.

Place :

Date :

Signature  
(Name of the Applicant)  
Postal Address : .....  
.....  
.....

## PART-II

## ACKNOWLEDGEMENT

Received from Shri.....Designation.....Name.....Application in Part-I of form 20 for commutation of a fraction of a pension after medical examination.

Signature  
Director (Administration)

Place :

Date :

## PART—III

The particulars furnished by the applicant in Part-I have been verified and are found correct)

Signature  
(Director, Administration)

Place:

Date:

## PART—IV

(to be completed by the Director, Administration)

1. Name of the applicant for commutation.
2. Date of birth (By Christian era).
3. Date of retirement.
4. Amount of pension including provisional pension, if final pension not authorised.
5. Class of pension (See Chapter V of the Khadi & Village Industries Commission Employees (pension) Regulations-1984).
6. Amount of pension desired to be commuted.

on the basis of

Normal Age Rs.	Added years	
	1 year Rs.	2 years Rs.

7. (i) Sum payable if commutation becomes absolute before the applicant's next birth day, which falls on \_\_\_\_\_
- (ii) Sum payable if commutation becomes absolute after the applicant's next birth day which falls on \_\_\_\_\_
8. The Head of Account to which commuted value is debitable.
9. Number of enclosures, if any (See note below)

Signature of the Director  
(Administration)

Place:

Date:

Note: The Director (Administration) should enclose with the form a copy of the report or statement of the applicant's case if the applicant has been granted invalid pension or has previously commuted a part of his pension or declined to accept commutation on the basis of an addition of years to actual age, or has been refused commutation on medical grounds.

## FORM-21

## FORM OF LETTER TO THE MEDICAL AUTHORITY

[See Regulation 98(3) and (4) and 105(5)]

(Please see Annexure)

No. \_\_\_\_\_

Department/Office \_\_\_\_\_

Dated the \_\_\_\_\_

To \_\_\_\_\_  
 The \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_

## SUB: MEDICAL EXAMINATION COMMUTATION OF PENSION

Sir,

Shri \_\_\_\_\_ Who retired \_\_\_\_\_ from service on \_\_\_\_\_  
 as \_\_\_\_\_ has applied  
 (designation)

for commuting a fraction of his pension for a lumpsum payment. The following documents are forwarded herewith:—

- (a) Application in Form 20 in original togetherwith:
  - (i) An unattested copy of the applicant's photograph.
  - (ii) Part-IV of Form 20 in original duly completed by the Director (Administration).
- (b) A copy of Form 22 with a spare copy of Part-III of that Form.
- (c) Report or the statement of the applicant's case if he has been granted invalid pension or has previously commuted a fraction of his pension or declined to accept commutation on the basis of addition of years to his actual age or has been refused commutation on medical grounds.

2. It is requested that Shri \_\_\_\_\_ may be examined as expeditiously as possible before his next birthday which falls on \_\_\_\_\_

3. It is requested that arrangements for medical examination may be made at the nearest available station mentioned by Shri \_\_\_\_\_ in his application in form 20. The attention of the medical authority is drawn to the provisions, of Regulation 102 of the Khadi and Village Industries Commission Employees (Pension) Regulations 1984.

4. It is requested that Shri \_\_\_\_\_ may be informed direct under intimation to this office as to where and when he should appear for medical examination. A copy of this letter is being endorsed to him so that he may comply with your instruction on hearing from you.

5. The receipt of this letter may please be acknowledged.

Yours faithfully,  
 (Director, Administration)

Copy forwarded to Shri \_\_\_\_\_ with remarks that subject to the medical  
 (here give complete postal Address)

authority recommending commutation, he will be eligible for the lumpsum payment in lieu of the amount of pension to be commuted as follows:—

On the basis of		
Normal Age Rs.	Added year	
	1 year Rs.	2 year Rs.

- (i) Sum payable if commutation becomes absolute before the applicant's next birthday which falls on \_\_\_\_\_
- (ii) Sum payable if commutation becomes absolute after applicant's next birthday which falls on \_\_\_\_\_

The table of the present commutation value on the basis of which the calculation has been made, is subject to alteration at any time without notice and consequently the basis are liable to revision before payment is made. The sum payable will be the sum appropriate to the applicant's age on his birth day next after the date on which the commutation becomes absolute or if the medical authority directs that years will be added to that age, to the consequent assumed age.

Shri \_\_\_\_\_ should report for medical examination to the Medical Authority direct at \_\_\_\_\_ on \_\_\_\_\_. He should take with him the enclosed Form 22 with the particulars required in Part-I completed except the signature or thumb or finger/impressions.

Place:  
 Date:

Signature  
 Director (Administration)



## FORM—22

MEDICAL EXAMINATION BY THE.....

(here enter the medical authority).

[See Regulations 84(1), 92(2), 102(1), (2) and (3), 103 (4), 104(1) and (3), 105(2), and 107(1)]

## PART—I

The applicant for continuation of pension must complete this statement prior to his examination by the.....

(here enter the medical authority)

and must sign the declaration appended there to in the presence of that authority.

1. Name of the applicant (in block letters).....
2. Date of birth (by Christian era).....
3. Place of birth .....
4. Particulars regarding parents, brothers and sisters :—

Father's age if living & state of health	Father's age at death & cause of death	No. of brothers living their ages and state of health	No. of brothers dead their ages at death and cause of death	Mother's age, if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead their ages at death and cause of death
1	2	3	4	5	6	7	8

5. Have you ever been examined—
  - (a) for Life Insurance, or/and
  - (b) by any Government Medical Officer or State Medical Board.  
If so, state details and with what results.
6. Have you been granted or considered for grant of invalid pension? If so, state the ground thereof.
7. Have you ever been granted leave of medical certificate during the last five years? If so, state periods of leave and nature of illness.
8. Have you ever—
  - (a) had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, inflammation of lungs, pleurisy, heart disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis, epilepsy, insanity or other nervous disease, discharge from or other disease of the ear, syphilis or gonorrhoea: or
  - (b) had any other disease or injury which require confinement to bed, or medical or surgical treatment, or
  - (c) undergone any surgical operation or
  - (d) suffered from any illness wound or injury sustained while on active service.
  - (e) Presence of albumen or sugar in urine.
9. Present state of health:
  - (a) Have you a hernia?
  - (b) Have you varicocoele, varicose veins or piles?
  - (c) Is your vision in each eye good (with or without glasses)?
  - (d) If your hearing in each ear good?
  - (e) Have you any congenital or acquired malformation, defect or deformity?
  - (f) Have you lost or gained weight markedly during the last three years?
  - (g) Have you been under treatment of any doctor within the last three months and nature of illness for which such treatment was taken.

## DECLARATION BY APPLICANT

(To be signed in the presence of the medical Authority)

I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

I am fully aware that by wilfully making false statement or concealing a relevant fact I shall incur the risk of losing the commutation I have applied for and having my pension withheld or withdrawn under regulation 7 of the Khadi Village Industries Commission Employees (Pension) Regulations 1984.

Signed in the presence

of.....

(Signature & designation of

Medical Authority)

Applicant's signature or thumb  
impression in case of illiterate  
applicant

## PART —II

(to be filled in by the examining medical authority)

1. Apparent age
2. Height
3. Weight
4. Describe any scar or identifying marks of the applicant.
5. Pulse rate
  - (a) Sitting
  - (b) Standing
 What is the character of pulse ?
6. Blood pressure—
  - (a) Systolic
  - (b) Diastolic
7. Is there any evidence of disease of the main organs.
  - (a) Heart
  - (b) Lungs
  - (c) Liver
  - (d) Spleen
  - (e) Kidney
8. Investigations—
  - (i) Urine  
(state specific gravity)
  - (ii) Blood
  - (iii) X-Ray Chest
  - (iv) E.C.G.
9. Has the applicant a hernia ?  
(if so, state the kind and if reducible).
10. Any additional findings.

## PART —III

(To be filled in by the examining medical authority)

I/We have carefully examined Shri/Shrimati/Kumari and am/are of opinion that—

He/she is in good bodily health and has the prospect of an average duration of life. or

He/she is not in good bodily health and is not a fit subject for commutation, or

Although he/she is suffering from.....he/she is considered a fit subject for commutation but his/her age for the purpose of commutation, i.e. the age next birthday should be taken to be.....  
(in words years more than his/her actual age).

Signature and designation of  
examining medical authority

Station.....

Dated.....

TABLE ----

## COMMUTATION VALUE FOR A PENSION OF RE. 1 PER ANNUM

(See Regulation 86, 106(b), 105(5) and 106(1)+(2))

Age next Birthday	Commutation Value expressed as number of year's purchase	Age next birthday	Commutation value expressed as number of year's purchase	Next birthday	Commutation value expressed as number of year's purchase
17	19.28	40	15.87	63	9.15
18	19.20	41	15.64	64	8.82
19	19.11	42	15.40	65	8.50
20	19.01	43	15.15	66	8.17
21	18.91	44	14.90	67	7.85
22	18.81	45	14.64	68	7.53
23	18.70	46	14.37	69	7.22
24	18.59	47	14.10	70	6.91
25	18.47	48	13.82	71	6.60
26	18.34	49	13.54	72	6.30
27	18.21	50	13.25	73	6.01
28	18.07	51	12.95	74	5.72
29	17.93	52	12.66	75	5.44
30	17.78	53	12.35	76	5.17
31	17.62	54	12.05	77	4.90
32	17.46	55	11.73	78	4.65
33	17.29	56	11.42	79	4.40
34	17.11	57	11.10	80	4.17
35	16.92	58	10.78	81	3.94
36	16.72	59	10.46	92	3.72
37	16.52	60	10.13	83	3.52
38	16.31	61	9.81	84	3.32
39	16.09	62	9.48	85	3.13

Note : This table is based on a rate of interest of 4.75 per cent per annum and shall stand modified as and when it is modified by the Central Government for the Central Government Employees.